Table of Contents

पीले कमरे का रहस्य
अध्याय I. जिसमें हम समझना शुरू नहीं करते
अध्याय II. जिसमें जोसेफ राउल्टाबिल पहली बार प्रकट होते हैं
अध्याय III. " एक आदमी परछाई की तरह खिड़की के पर्दों के बीच से गुजर गया " अध्याय IV. " वन्य प्रकृति की गोद में "
अध्याय V. जिसमें जोसेफ रूलेटाबिल ने श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक से एक ऐसी टिप्पणी की जिसका प्रभाव नगण्य रहा।
अध्याय VI. बलूत के पेड़ों के झुरमुट के हृदय में
अध्याय VII. जिसमें रूलेटाबिल बिस्तर के नीचे एक अभियान पर निकलता है अध्याय VIII. जांच मजिस्ट्रेट द्वारा मैडमोजेल स्टैंगर्सन से पूछताछ अध्याय 9. रिपोर्टर और जासूस
अध्याय X. " हमें अब लाल मांस खाना ही पड़ेगा "
अध्याय 11. जिसमें फ्रेडरिक लार्सन बताते हैं कि हत्यारा पीले कमरे से बाहर निकलने में कैसे कामयाब हुआ।
अध्याय XII. फ्रेडरिक लार्सन की छड़ी
अध्याय XIII. " प्रेसबिटरी ने अपना आकर्षण नहीं खोया है , न ही बगीचे ने अपनी चमक। "
अध्याय 14. " मुझे आज शाम हत्यारे के आने की उम्मीद है "
अध्याय पंद्रह . जाल
अध्याय सोलह . पदार्थ के वियोजन की विचित्र घटना
अध्याय XVII. अकथनीय गैलरी
अध्याय 18 वीं। रूलेटाबिल ने अपने माथे पर उभरे दो हिस्सों के बीच एक वृत्त खींचा है।
अध्याय XIX. रूलेटाबिल मुझे डोनजॉन सराय में नाश्ते के लिए आमंत्रित करता है
अध्याय XX. मैडमोजेल स्टैंगरसन का एक कार्य
अध्याय XXI. निगरानी पर
अध्याय XXII. अविश्वसनीय शरीर
अध्याय XXIII. दोहरी सुगंध

अध्याय 24. रूलेटाबिल हत्यारे के दो पहलुओं को जानता है
अध्याय XXV. रूलेटाबिल एक यात्रा पर निकलता है
अध्याय XXVI. जिसमें जोसेफ रूलेटाबिल का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है
अध्याय XXVII. जिसमें जोसेफ रूलेटाबिल अपने पूरे वैभव में प्रकट होते हैं अध्याय XXVIII. जिसमें यह सिद्ध किया गया है कि व्यक्ति हमेशा हर चीज के बारे में नहीं सोचता।
अध्याय 29. मैडमोजेल स्टैंगरसन का रहस्य

गैस्टन लेरू द्वारा लिखित प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग की 'द मिस्ट्री ऑफ द येलो रूम'

यह ईबुक बिना किसी शुल्क और लगभग बिना किसी प्रतिबंध के किसी भी व्यक्ति द्वारा कहीं भी उपयोग के लिए उपलब्ध है। आप इसे कॉपी कर सकते हैं, दे सकते हैं या प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग लाइसेंस की शर्तों के तहत इसका पुनः उपयोग कर सकते हैं, जो इस ईबुक के साथ शामिल है या www.gutenberg.org पर ऑनलाइन उपलब्ध है। शीर्षक: पीले कमरे का रहस्य लेखक: गैस्टन लेरॉक्स प्रकाशन तिथि: 25 नवंबर, 2008 [ईबुक #1685] अंतिम अद्यतन: 4 फरवरी, 2013 भाषा: अंग्रेज़ी

*** इस प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग ईबुक की शुरुआत: पीले कमरे का रहस्य ***

गुमनाम प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग स्वयंसेवकों और डेविड विजर द्वारा निर्मित।

[redacted]

[illegible]

[illegible]-[illegible]

[illegible] I. [illegible] II. [illegible] III. "[illegible]" [illegible] IV. "[illegible]" [illegible] V. [illegible] VI. [illegible] VII. [illegible] VIII. [illegible] IX. [illegible] X. "[illegible]" [illegible] XI. [illegible] XII. [illegible] XIII. "[illegible], [illegible]" [illegible] XIV. "[illegible]" [illegible] XV. [illegible] XVI. [illegible] XVII. [illegible] XVIII. [illegible] XIX. [illegible] XX. [illegible] XXI. [illegible] XXII. [illegible] XXIII. [illegible] XXIV. [illegible] XXV. [illegible] XXVI. [illegible]

*[illegible] [illegible] [illegible] [

अध्याय I. जिसमें हम समझना शुरू नहीं करते

कुछ भावुकता के साथ मैं जोसेफ रूलेटाबिल के असाधारण कारनामों का वर्णन शुरू कर रहा हूँ। अब तक उन्होंने इसका इतना कड़ा विरोध किया था कि मैं पिछले पंद्रह वर्षों की सबसे दिलचस्प पुलिस कहानियों को प्रकाशित करने की उम्मीद ही छोड़ चुका था। मैंने तो यह भी सोच लिया था कि जनता को कभी भी 'द येलो रूम' के नाम से जाने जाने वाले उस असाधारण मामले की पूरी सच्चाई पता नहीं चलेगी, जिससे कई रहस्यमय, क्रूर और सनसनीखेज घटनाएँ घटीं, जिनमें मेरा मित्र गहराई से जुड़ा हुआ था। ऐसा तब हुआ जब हाल ही में प्रतिष्ठित स्टैंगर्सन को लीजन ऑफ ऑनर के ग्रैंडक्रॉस पद के लिए नामांकित किया गया, और एक शाम के अखबार ने अपने लेख में, जो अपनी अज्ञानता के लिए दयनीय या अपने विश्वासघात के लिए दुस्साहसी था, उस भयानक घटना को पुनर्जीवित कर दिया, जिसके बारे में जोसेफ रूलेटाबिल ने मुझसे कहा था कि वह उसे हमेशा के लिए भुला देना चाहते हैं।
येलो रूम! पंद्रह साल पहले इस मामले ने कितनी सुर्खियाँ बटोरी थीं, अब किसे याद है? पेरिस में घटनाएँ कितनी जल्दी भुला दी जाती हैं। क्या नायवेस मुकदमे का नाम और नन्हे मेनाल्डो की दुखद मौत का इतिहास लोगों के दिमाग से ओझल नहीं हो गया? फिर भी, जनता का ध्यान मुकदमे के विवरण में इतना अधिक केंद्रित था कि उस समय मंत्री पद के संकट का किसी ने ध्यान ही नहीं दिया। अब येलो रूम का मुकदमा, जो नायवेस मुकदमे से कुछ साल पहले हुआ था, ने कहीं अधिक शोर मचाया। पूरी दुनिया महीनों तक इस अनसुलझे मामले पर टकटकी लगाए रही—मेरे विचार से, यह अब तक का सबसे अनसुलझा मामला था जिसने हमारी पुलिस की दूरदर्शिता को चुनौती दी और हमारे न्यायाधीशों के विवेक पर इतना गहरा प्रहार किया। इस समस्या का हल खोजने की कोशिश करने वाले हर व्यक्ति को उलझन में डाल दिया। यह एक नाटकीय पहेली की तरह था जिसने पुराने यूरोप और नए अमेरिका दोनों को मोहित कर लिया। यानी, सच में—मुझे यह कहने की अनुमति है, क्योंकि इसमें किसी लेखक का अहंकार नहीं हो सकता, क्योंकि मैं केवल उन तथ्यों को लिख रहा हूँ जिन पर एक असाधारण दस्तावेज़ीकरण मुझे एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है—क्योंकि वास्तव में, मुझे नहीं पता कि वास्तविकता या कल्पना के क्षेत्र में, कोई भी ऐसी कोई चीज़ खोज सकता है या

याद कर सकता है जो अपने रहस्य में, पीले कमरे के प्राकृतिक रहस्य के तुलनीय हो।
जो बात कोई नहीं जान पाया था, उसे अठारह वर्षीय जोसेफ रूलेटाबिल, जो उस समय एक प्रमुख समाचार पत्र में रिपोर्टर थे, ने खोज निकाला। लेकिन जब उन्होंने अदालत में इस पूरे मामले की कुंजी पेश की, तो उन्होंने पूरी सच्चाई नहीं बताई। उन्होंने केवल उतना ही खुलासा किया जितना एक निर्दोष व्यक्ति को बरी कराने के लिए पर्याप्त था। उनकी चुप्पी के जो कारण थे, वे अब मौजूद नहीं हैं। इससे भी बेहतर, अब मेरे मित्र के लिए खुलकर बोलने का समय आ गया है। आप सब कुछ जानने वाले हैं; और बिना किसी भूमिका के, मैं आपके सामने 'द येलो रूम' की समस्या को उसी रूप में प्रस्तुत करने जा रहा हूँ, जिस रूप में यह नाटक के मंचन के अगले दिन पूरी दुनिया के सामने रखी गई थी।
25 अक्टूबर, 1892 को "टेम्प्स" के नवीनतम अंक में निम्नलिखित नोट प्रकाशित हुआ:
एपिने-सुर-ओर्गे के ऊपर, सेंट-जेनेवीव के जंगल की सीमा पर स्थित ग्लैंडियर में, प्रोफेसर स्टैंगरसन के घर पर एक भयानक अपराध हुआ है। उस रात, जब प्रोफेसर अपनी प्रयोगशाला में काम कर रहे थे, उसी प्रयोगशाला से सटे एक कमरे में सो रही मैडमोजेल स्टैंगरसन की हत्या का प्रयास किया गया। डॉक्टर मैडमोजेल स्टैंगरसन की जान के लिए उत्तरदायी नहीं हैं।
इस खबर से पेरिस पर जो असर पड़ा होगा, उसकी कल्पना आसानी से की जा सकती है। उस समय तक विद्वान जगत प्रोफेसर स्टैंगरसन और उनकी बेटी के कार्यों में गहरी रुचि ले रहा था। रेडियोग्राफी के क्षेत्र में किए गए उनके ये पहले प्रयास ही श्रीमान और श्रीमती क्यूरी के लिए रेडियम की खोज का मार्ग प्रशस्त करने वाले थे। ऐसी उम्मीद थी कि प्रोफेसर जल्द ही विज्ञान अकादमी के समक्ष अपने नए सिद्धांत, 'पदार्थ का वियोजन', पर एक सनसनीखेज शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे। यह सिद्धांत ऊर्जा संरक्षण के सिद्धांत पर आधारित संपूर्ण आधिकारिक विज्ञान को जड़ से उखाड़ फेंकने वाला था। अगले दिन, अखबार इस त्रासदी से भरे हुए थे। 'मैटिन' सहित कई अन्य अखबारों ने 'एक अलौकिक अपराध' शीर्षक से निम्नलिखित लेख प्रकाशित किया।
“मैटिन” में एक गुमनाम लेखक ने लिखा, “ये कुछ ही विवरण हैं जो हमें शैतो डू ग्लैंडियर के अपराध के बारे में मिल पाए हैं। प्रोफ़ेसर स्टैंगर्सन जिस निराशा में डूबी हुई हैं और पीड़ित से कोई भी जानकारी प्राप्त करने में

असमर्थता ने हमारी और न्याय की जांच को इतना कठिन बना दिया है कि फिलहाल हम यह बिल्कुल भी नहीं समझ पा रहे हैं कि उस पीले कमरे में क्या हुआ होगा, जिसमें मैडम स्टैंगर्सन अपनी रात्रि पोशाक में फर्श पर मृत्यु की पीड़ा में पड़ी हुई पाई गईं। कम से कम हम डैडी जैक्स से बात करने में सफल रहे हैं — जैसा कि उन्हें ग्रामीण इलाकों में कहा जाता है—जो स्टैंगर्सन परिवार में एक पुराने नौकर हैं। डैडी जैक्स उसी समय कमरे में दाखिल हुए जब प्रोफ़ेसर दाखिल हुईं। यह कमरा प्रयोगशाला से सटा हुआ है। प्रयोगशाला और पीला कमरा पार्क के अंत में एक मंडप में हैं, जो शैतो से लगभग तीन सौ मीटर (एक हजार फीट) दूर है।”
“रात के साढ़े बारह बज रहे थे,” उस भले-बुरे बूढ़े ने हमें बताया, “मैं प्रयोगशाला में था, जहाँ श्री स्टैंगरसन अभी भी काम कर रहे थे, तभी यह घटना घटी। मैं पूरी शाम उपकरणों की सफाई और उन्हें व्यवस्थित कर रहा था और श्री स्टैंगरसन के सोने का इंतज़ार कर रहा था। मैडमोजेल स्टैंगरसन ने अपने पिता के साथ आधी रात तक काम किया था; जब प्रयोगशाला में कोयल वाली घड़ी में आधी रात के बारह बज गए, तो वह उठीं, श्री स्टैंगरसन को चूमा और उन्हें शुभ रात्रि कहा। पीले कमरे में जाते हुए उन्होंने मुझसे कहा, “शुभ संध्या, पिताजी जैक्स”। हमने उन्हें दरवाजा बंद करते और कुंडी लगाते सुना, जिससे मुझे हँसी आ गई और मैंने श्री से कहा: “देखो, मैडमोजेल ने खुद को अंदर डबल लॉक कर लिया है—वह ज़रूर ‘शुभ देवता’ से डर रही होंगी!” श्री ने मेरी बात सुनी ही नहीं, वह अपने काम में इतने मग्न थे। तभी हमें दूर से एक बिल्ली के म्याऊँ की आवाज़ सुनाई दी। "क्या इससे हमारी रात भर नींद नहीं आएगी?" मैंने मन ही मन कहा; क्योंकि मुझे आपको बताना ही होगा, महोदय, कि अक्टूबर के अंत तक मैं पीले कमरे के ऊपर बने मंडप की अटारी में रह रही हूँ, ताकि मैडमोजेल को रात भर सुनसान पार्क में अकेला न रहना पड़े। मैडमोजेल को अच्छे मौसम में मंडप में रहना पसंद था; निस्संदेह, उन्हें वह महल से ज़्यादा खुशनुमा लगता था और इसके बनने के चार वर्षों में, उन्होंने वसंत ऋतु में हमेशा वहीं अपना ठिकाना बनाया था। सर्दियों के लौटने पर, मैडमोजेल महल लौट जाती हैं, क्योंकि पीले कमरे में कोई चिमनी नहीं है।
"हम उस समय मंडप में ठहरे हुए थे—मैं और श्री स्टैंगर्सन। हमने कोई शोर नहीं किया। वे अपनी मेज पर बैठे थे। मैं अपना काम खत्म करके कुर्सी पर बैठा था और उन्हें देखकर मन ही मन सोच रहा था: 'क्या आदमी है! क्या बुद्धि है!

क्या ज्ञान है!' मैं इस बात को महत्वपूर्ण मानता हूँ कि हमने कोई शोर नहीं किया; क्योंकि इसी वजह से हत्यारे ने सोचा होगा कि हम वहाँ से जा चुके हैं। और अचानक, आधी रात के बाद जब कोयल बांग दे रही थी, पीले कमरे में एक भयानक चीख-पुकार मच गई। यह मैडमोजेल की आवाज थी, जो चिल्ला रही थी, 'हत्या! हत्या! मदद करो!' तुरंत बाद रिवॉल्वर की गोलियों की आवाज सुनाई दी और मेजों और फर्नीचर के जमीन पर फेंके जाने का शोर हुआ, मानो किसी संघर्ष के दौरान हो रहा हो, और फिर से मैडमोजेल की आवाज आई, 'हत्या! मदद करो! पापा! पापा!'"
"आप यकीन मानिए कि हम झट से उठ खड़े हुए और श्री स्टैंगरसन और मैं दरवाजे पर टूट पड़े। लेकिन अफसोस! वह अंदर से बंद था, पूरी तरह से बंद, जैसा कि मैंने आपको बताया है, मैडमोजेल की देखरेख में, चाबी और कुंडी से। हमने उसे खोलने की कोशिश की, लेकिन वह मजबूती से बंद रहा। श्री स्टैंगरसन पागलों की तरह हो गए थे, और सचमुच, यह उन्हें पागल बनाने के लिए काफी था, क्योंकि हमने मैडमोजेल को अभी भी 'मदद!—मदद!' चिल्लाते हुए सुना। श्री स्टैंगरसन ने दरवाजे पर भयंकर प्रहार किए, और क्रोध से रोने लगे और निराशा और लाचारी से सिसकने लगे।"
"तभी मुझे एक विचार आया। 'हत्यारा खिड़की से ही अंदर आया होगा!' मैं चिल्लाया; 'मैं खिड़की पर जाऊंगा!' और मैं मंडप से बाहर भागा और पागलों की तरह दौड़ने लगा।"
मुझे यह विचार इसलिए आया क्योंकि 'द येलो रूम' की खिड़की इस तरह खुलती है कि मंडप से सटी पार्क की दीवार के कारण मैं तुरंत खिड़की तक नहीं पहुँच पा रहा था। वहाँ तक पहुँचने के लिए पहले पार्क से बाहर जाना पड़ता है। मैं गेट की ओर भागा और रास्ते में मुझे बर्नियर और उनकी पत्नी मिले, जो गेटकीपर थे और पिस्तौल की आवाज़ और हमारी चीखों से आकर्षित होकर वहाँ आ गए थे। मैंने उन्हें संक्षेप में सारी बात बताई और चौकीदार को निर्देश दिया कि वह तुरंत श्री स्टैंगर्सन के पास जाए, जबकि उनकी पत्नी मेरे साथ पार्क का गेट खोलने आईं। पाँच मिनट बाद हम दोनों 'द येलो रूम' की खिड़की के सामने थे।
चाँद खूब चमक रहा था और मैंने साफ देखा कि खिड़की को किसी ने नहीं छुआ था। न केवल उसे सुरक्षित रखने वाली सलाखें सही-सलामत थीं, बल्कि उनके अंदर लगे पर्दे भी वैसे ही लगे हुए थे जैसे मैंने शाम को जल्दी ही लगाए थे, जैसा मैं हर दिन करता था, हालांकि मैडमोजेल जानती थीं कि मैं भारी काम से थक गया हूँ, इसलिए उन्होंने मुझसे विनती की थी कि मैं खुद परेशान न होऊँ, बल्कि

उन्हें ही लगाने दूँ; और वे ठीक वैसे ही थे जैसे मैंने उन्हें छोड़ा था, अंदर से लोहे की कुंडी से बंद। इसलिए, हत्यारा उस रास्ते से न तो अंदर आ सकता था और न ही बाहर जा सकता था; और न ही मैं अंदर जा सकता था।
"यह दुर्भाग्यपूर्ण था—दिमाग चकरा देने वाला! कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था और इकलौती खिड़की पर लगे पर्दे भी अंदर से जकड़े हुए थे; और मैडमोजेल अभी भी मदद के लिए पुकार रही थी!—नहीं! उसने पुकारना बंद कर दिया था। शायद वह मर चुकी थी। लेकिन मुझे अभी भी उसके पिता की आवाज सुनाई दे रही थी, जो मंडप में दरवाजा तोड़ने की कोशिश कर रहे थे।"
"मैं चौकीदार के साथ जल्दी से पवेलियन की ओर भागा। श्री स्टैंगर्सन और बर्नियर के इसे खोलने के भयंकर प्रयासों के बावजूद, दरवाजा अभी भी मजबूती से टिका हुआ था; लेकिन अंततः, हमारे संयुक्त प्रयासों के आगे वह खुल गया, और फिर हमारी आँखों के सामने क्या नजारा था! मैं आपको बता दूं कि हमारे पीछे चौकीदार के हाथ में प्रयोगशाला का लैंप था - एक शक्तिशाली लैंप, जो पूरे कमरे को रोशन कर रहा था।"
"मुझे आपको यह भी बताना होगा, महोदय, कि पीला कमरा बहुत छोटा है। मैडमोजेल ने इसे एक बड़े लोहे के पलंग, एक छोटी मेज, एक नाइट-कमोड, एक ड्रेसिंग टेबल और दो कुर्सियों से सजाया था। बड़े लैंप की रोशनी में हमने सब कुछ एक नज़र में देख लिया। मैडमोजेल अपनी नाइट-ड्रेस में फर्श पर अत्यंत अव्यवस्था के बीच लेटी हुई थीं। मेज और कुर्सियाँ उलटी पड़ी थीं, जिससे पता चलता है कि वहाँ हिंसक संघर्ष हुआ था। मैडमोजेल को निश्चित रूप से उनके बिस्तर से घसीटा गया था। वह खून से लथपथ थीं और उनके गले पर नाखूनों के भयानक निशान थे—उनकी गर्दन का मांस नाखूनों से लगभग फट गया था। दाहिनी कनपटी पर एक घाव से खून की एक धारा बहकर फर्श पर एक छोटा सा तालाब बना रही थी। जब श्री स्टैंगर्सन ने अपनी बेटी को उस हालत में देखा, तो वे उसके पास घुटनों के बल गिर पड़े और निराशा में चीखने लगे। उन्होंने पुष्टि की कि वह अभी भी साँस ले रही है। जहाँ तक हमारी बात है, हम उस दुष्ट को ढूंढ रहे थे जिसने हमारी जान लेने की कोशिश की थी।" मालकिन, और मैं आपसे कसम खाकर कहती हूँ, महोदय, कि अगर हमें वह मिल जाता, तो उसके साथ बहुत बुरा होता!
लेकिन यह कैसे समझाया जाए कि वह वहाँ नहीं था, वह पहले ही भाग चुका था? यह कल्पना से परे है!—बिस्तर के नीचे कोई नहीं, फर्नीचर के पीछे कोई नहीं!— हमें बस कुछ निशान मिले, दीवारों और दरवाजे पर एक आदमी के बड़े हाथ के खून

से सने निशान; खून से लाल एक बड़ा रूमाल, जिस पर कोई अक्षर नहीं थे, एक पुरानी टोपी, और फर्श पर एक आदमी के कई ताज़े पैरों के निशान—एक बड़े पैर वाले आदमी के पैरों के निशान, जिनके जूतों के तलवों ने एक तरह का कालिख जैसा निशान छोड़ दिया था। यह आदमी कैसे बच निकला? वह कैसे गायब हो गया? महोदय, यह मत भूलिए कि पीले कमरे में कोई चिमनी नहीं है। वह उस संकरे दरवाजे से नहीं भाग सकता था, जिसकी दहलीज पर चौकीदार दीपक लेकर खड़ी थी, जबकि उसका पति और मैं उस छोटे से कमरे के हर कोने में उसकी तलाश कर रहे थे, जहाँ किसी के लिए भी छिपना असंभव है। दीवार के सहारे जबरदस्ती खोला गया दरवाजा, जैसा कि हमने खुद को आश्वस्त किया, उसके पीछे कुछ भी छिपा नहीं सकता था। खिड़की से, जो अभी भी पूरी तरह से सुरक्षित थी, कोई भाग नहीं सकता था। संभव है। फिर क्या?—मैंने शैतान पर विश्वास करना शुरू कर दिया। "लेकिन हमें मेरी रिवॉल्वर ज़मीन पर मिली!—हाँ, मेरी रिवॉल्वर! ओह! इसने मुझे हकीकत में वापस ला दिया! मैडमोजेल को मारने के लिए शैतान को मेरी रिवॉल्वर चुराने की ज़रूरत नहीं थी। जो आदमी वहाँ था, वह पहले मेरे अटारी में गया और उस दराज से मेरी रिवॉल्वर ले गया जहाँ मैं उसे रखता था। फिर हमने कारतूस गिनकर पता लगाया कि हत्यारे ने दो गोलियाँ चलाई थीं। आह! मेरे लिए सौभाग्य की बात थी कि जब यह घटना हुई तब मिस्टर स्टैंगर्सन प्रयोगशाला में थे और उन्होंने अपनी आँखों से देखा कि मैं उनके साथ वहाँ था; वरना, मेरी रिवॉल्वर के इस मामले के साथ, मुझे नहीं पता कि हम कहाँ होते—मैं अब जेल में होता। न्याय किसी आदमी को फाँसी पर चढ़ाने के लिए और कुछ नहीं चाहता!"
"मटिन" के संपादक ने इस साक्षात्कार में निम्नलिखित पंक्तियाँ जोड़ीं: "हमने डैडी जैक्स को बिना बाधित किए, उन्हें येलो रूम अपराध के बारे में लगभग सब कुछ बताने दिया है जो वे जानते हैं। हमने इसे उनके अपने शब्दों में ही प्रस्तुत किया है, केवल उनके द्वारा अपने वर्णन में बार-बार किए गए विलापों को छोड़कर। यह पूरी तरह से समझा जाता है, डैडी जैक्स, पूरी तरह से समझा जाता है, कि आप अपने मालिकों से बहुत स्नेह रखते हैं; और आप चाहते हैं कि वे इसे जानें, और इसे बार-बार दोहराते रहें—विशेष रूप से आपके रिवॉल्वर की खोज के बाद से। यह आपका अधिकार है, और हमें इसमें कोई बुराई नहीं दिखती। हम डैडी जैक्स—जैक्स—लुई मौस्टियर से कुछ और प्रश्न पूछना चाहते थे—लेकिन जांच मजिस्ट्रेट की पूछताछ, जो शैतो में चल रही है, के

कारण हमारे लिए ग्लैंडियर में प्रवेश पाना असंभव है; और, ओक के जंगल की बात करें तो, उसकी सुरक्षा पुलिसकर्मियों के एक बड़े घेरे द्वारा की जा रही है, जो उन सभी सुरागों पर कड़ी नजर रख रहे हैं जो मंडप की ओर ले जा सकते हैं, और जो शायद हत्यारे की खोज में सहायक हो सकते हैं। "हम यह भी जानना चाहते थे कि..." द्वारपाल मौजूद थे, लेकिन वे अदृश्य थे। अंत में, हम महल के द्वार से कुछ ही दूरी पर स्थित एक सड़क किनारे सराय में कॉर्बिल के मजिस्ट्रेट, महाशय डी मार्केट के प्रस्थान की प्रतीक्षा कर रहे थे। साढ़े पाँच बजे हमने उन्हें और उनके क्लर्क को देखा और उनके गाड़ी में बैठने से पहले ही हमें उनसे निम्नलिखित प्रश्न पूछने का अवसर मिला:
"'क्या आप, महाशय डी मार्क्वेट, अपनी जांच में बाधा डाले बिना, इस मामले के बारे में हमें कोई जानकारी दे सकते हैं?'"
"'हमारे लिए ऐसा करना असंभव है,' महाशय डी मार्क्वेट ने उत्तर दिया। 'मैं केवल इतना ही कह सकता हूँ कि यह मेरे जीवन का सबसे विचित्र मामला है। जितना अधिक हम सोचते हैं कि हम कुछ जानते हैं, उतना ही हम कुछ भी जानने से दूर होते जाते हैं!'"
"हमने महाशय डी मार्क्वेट से उनके अंतिम शब्दों की व्याख्या करने की कृपा करने का अनुरोध किया; और उन्होंने ये शब्द कहे,—जिनके महत्व को कोई भी नकार नहीं सकता:
"यदि अब तक स्थापित भौतिक तथ्यों में कुछ भी नया नहीं जोड़ा गया, तो मुझे डर है कि मैडमोजेल स्टैंगर्सन जिस जघन्य अपराध की शिकार हुई हैं, उसके आसपास का रहस्य कभी उजागर नहीं हो पाएगा; लेकिन हमारी मानवीय बुद्धि के लिए आशा है कि पीले कमरे की दीवारों और छत की जांच—जिसकी जांच मैं कल उस बिल्डर को सौंपूंगा जिसने चार साल पहले इस मंडप का निर्माण किया था—हमें ऐसा सबूत प्रदान करेगी जो हमें निराश न करे। क्योंकि समस्या यह है: हम जानते हैं कि हत्यारा किस रास्ते से अंदर आया—वह दरवाजे से अंदर आया और मैडमोजेल स्टैंगर्सन का इंतजार करते हुए बिस्तर के नीचे छिप गया। लेकिन वह बाहर कैसे निकला? वह कैसे भागा? यदि कोई जाल, कोई गुप्त दरवाजा, कोई छिपने की जगह, किसी भी प्रकार का कोई रास्ता नहीं मिलता; यदि दीवारों की जांच—यहां तक कि मंडप को ध्वस्त करने के बाद भी—कोई भी ऐसा मार्ग नहीं मिलता जो न केवल किसी इंसान के लिए, बल्कि किसी भी प्राणी के लिए संभव हो— यदि छत में कोई दरार नहीं दिखती, यदि फर्श में कोई भूमिगत मार्ग नहीं छिपा

है, तो वास्तव में किसी को विश्वास करना होगा कि..." जैसा कि डैडी जैक्स कहते हैं, शैतान!'"
और "मैटिन" में गुमनाम लेखक ने इस लेख में - जिसे मैंने इस विषय पर प्रकाशित सभी लेखों में सबसे रोचक माना है - यह जोड़ा कि जांच मजिस्ट्रेट ने अंतिम वाक्य को एक विशेष महत्व दिया: "जैसा कि जैक्स कहते हैं, किसी को वास्तव में शैतान में विश्वास करना चाहिए।"
लेख इन पंक्तियों के साथ समाप्त हुआ: "हम जानना चाहते थे कि डैडी जैक्स का 'बेटे डू बॉन डियू' की चीख से क्या तात्पर्य था।" डोनजॉन इन के मालिक ने हमें समझाया कि यह एक विशेष रूप से अशुभ चीख है जो कभी-कभी रात में एक बूढ़ी औरत की बिल्ली द्वारा निकाली जाती है, जिसे ग्रामीण इलाकों में मदर एंजेनॉक्स कहा जाता है। मदर एंजेनॉक्स एक प्रकार की संत हैं, जो जंगल के बीचोंबीच, सेंट-जेनेवीव की गुफा से कुछ ही दूरी पर एक झोपड़ी में रहती हैं। "पीला कमरा, बेते डू बॉन डियू, मदर एंजेनॉक्स, शैतान, सेंट-जेनेवीव, डैडी जैक्स—यह एक ऐसा उलझा हुआ अपराध है जिसे दीवार पर कुल्हाड़ी की एक चोट से शायद कल सुलझाया जा सके। कम से कम हम अपनी मानवीय बुद्धि के लिए यही आशा करें, जैसा कि जांच मजिस्ट्रेट ने कहा है। इस बीच, यह उम्मीद की जा रही है कि मैडमोजेल स्टैंगर्सन—जो लगातार प्रलाप कर रही हैं और केवल एक ही शब्द स्पष्ट रूप से बोल रही हैं, 'हत्यारा! हत्यारा!'—रात भर जीवित नहीं रहेंगी।"
अंत में, और देर रात, उसी पत्रिका ने घोषणा की कि सुरेते के प्रमुख ने प्रसिद्ध जासूस फ्रेडरिक लार्सन को, जिसे चोरी की प्रतिभूतियों के एक मामले के लिए लंदन भेजा गया था, तुरंत पेरिस लौटने का टेलीग्राम भेजा था।

अध्याय II. जिसमें जोसेफ राउल्टाबिल पहली बार प्रकट होते हैं
मुझे आज भी ठीक से याद है जैसे यह घटना कल ही घटी हो, उस सुबह युवा रूलेटाबिल का मेरे बेडरूम में आना। लगभग आठ बजे थे और मैं अभी भी बिस्तर पर लेटा हुआ था और "मैटिन" अखबार में ग्लैंडियर अपराध से संबंधित लेख पढ़ रहा था।
लेकिन, आगे बढ़ने से पहले, अब समय आ गया है कि मैं अपने मित्र को पाठक से परिचित कराऊं।
मैं जोसेफ रूलेटाबिल से पहली बार तब मिला था जब वह एक युवा पत्रकार थे। उस समय मैं वकालत में नया था और अक्सर उनसे जांच मजिस्ट्रेटों के गलियारों में मिलता था, जब मैं माज़स या सेंट-लाज़ारे की जेल के लिए "संपर्क की अनुमति" लेने जाता था। कहते हैं ना, उनका दिमाग बहुत तेज़ था। ऐसा लगता था मानो उनका सिर किसी तामझाम से निकला हो, और शायद इसी वजह से उनके पत्रकारों के साथियों ने—जो सभी पक्के बिलियर्ड खिलाड़ी थे—उन्हें यह उपनाम दिया था, जो बाद में उनसे जुड़ गया और उनके कारण ही मशहूर हो गया। उनका चेहरा हमेशा टमाटर की तरह लाल रहता था, कभी वे चिड़िया की तरह खुशमिजाज होते थे, तो कभी जज की तरह गंभीर। इतनी कम उम्र में—जब मैं उनसे पहली बार मिला था तब वे सिर्फ साढ़े सोलह साल के थे—उन्होंने पत्रकारिता में इतनी जल्दी अपनी जगह कैसे बना ली थी? यही सवाल हर वो व्यक्ति पूछता जो उनके संपर्क में आता, अगर उसे उनका इतिहास पता न होता। ओबर्सकैम्प स्ट्रीट में एक महिला के टुकड़े-टुकड़े किए जाने की घटना के समय—जो एक और भूली हुई कहानी है—उसने सूचना के मामले में "मैटिन" से प्रतिस्पर्धा करने वाले अखबार "एपोक" के एक संपादक को वह बायां पैर दिखाया था, जो उस टोकरी से गायब था जिसमें शव के भयानक अवशेष मिले थे। पुलिस एक हफ्ते से इस बाएं पैर की व्यर्थ खोज कर रही थी, और युवा रूलेटाबिल ने इसे एक नाले में पाया था जहाँ किसी ने भी इसे खोजने के बारे में नहीं सोचा था। ऐसा करने के लिए उसने खुद को एक अतिरिक्त सीवर कर्मचारी के रूप में तैयार किया था, जो सीन नदी में बाढ़ के कारण पेरिस प्रशासन द्वारा नियुक्त किए गए कई कर्मचारियों में से एक था।
जब प्रधान संपादक को वह बहुमूल्य फुट प्राप्त हुआ और उन्हें उस लड़के द्वारा किए गए बुद्धिमत्तापूर्ण निष्कर्षों की जानकारी मिली, तो वे सोलह

वर्ष के लड़के के मस्तिष्क में ऐसी जासूसी क्षमता के लिए महसूस की गई प्रशंसा और अपने अखबार की "मूर्गा खिड़की" में रू ओबर्सकैम्पफ के बाएं पैर को प्रदर्शित करने में सक्षम होने की खुशी के बीच विभाजित हो गए।
"यह पैर," वह चिल्लाया, "एक बड़ी खबर बनेगा।"
फिर, जब उसने उस भयावह पैकेट को पत्रिका से जुड़े चिकित्सा वकील को सौंप दिया, तो उसने उस लड़के से पूछा, जो जल्द ही रूलेटाबिल के नाम से प्रसिद्ध होने वाला था, कि वह "एपोक" पर एक सामान्य रिपोर्टर के रूप में कितना कमाने की उम्मीद करेगा?
"दो सौ फ्रैंक प्रति माह," उस युवक ने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया, प्रस्ताव सुनकर वह आश्चर्य से लगभग सांस नहीं ले पा रहा था।
प्रधान संपादक ने कहा, "तुम्हें ढाई सौ अंक मिलेंगे; बस सबको बताना होगा कि तुम इस अखबार के लिए एक महीने से काम कर रहे हो। यह बात अच्छी तरह समझ लो कि रू ओबर्सकैम्पफ के बाएं पैर की खोज तुमने नहीं बल्कि 'एपोक' ने की थी। मेरे युवा मित्र, यहाँ इंसान कुछ नहीं, अखबार ही सब कुछ है।"
यह कहकर उसने नए रिपोर्टर से जाने का अनुरोध किया, लेकिन युवक के दरवाजे तक पहुँचने से पहले ही उसने उसे वापस बुलाकर उसका नाम पूछा। दूसरे ने उत्तर दिया:
"जोसेफ जोसेफिन।"
"यह कोई नाम नहीं है," प्रधान संपादक ने कहा, "लेकिन चूंकि आपको अपने लिखे हुए पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता नहीं होगी, इसलिए इसका कोई महत्व नहीं है।"
युवा चेहरे वाले उस पत्रकार ने जल्दी ही कई दोस्त बना लिए, क्योंकि वह मददगार था और उसमें हास्यबोध कूट-कूटकर भरा था, जो सबसे गंभीर स्वभाव वाले लोगों को भी मोहित कर लेता था और सबसे उत्साही साथियों को भी सहज बना देता था। बार कैफे में, जहाँ पत्रकार अदालतों या प्रीफेक्चर जाने से पहले अपराध की खबरें जुटाने के लिए इकट्ठा होते थे, उसने जटिल और गूढ़ मामलों को सुलझाने वाले के रूप में ख्याति अर्जित करना शुरू कर दिया, जो अंततः सुरेते के प्रमुख के कार्यालय तक पहुँच जाते थे। जब कोई मामला महत्वपूर्ण होता और रूलेटाबिल (उसे यह उपनाम पहले ही दिया जा चुका था) को उसके मुख्य संपादक द्वारा मामले की छानबीन के लिए लगाया जाता, तो वह अक्सर सबसे प्रसिद्ध जासूस को भी मात दे देता था।

बार कैफे में ही मेरी उनसे गहरी जान-पहचान हुई। आपराधिक मामलों के वकील और पत्रकार एक-दूसरे के दुश्मन नहीं होते, वकीलों को प्रचार की ज़रूरत होती है, पत्रकारों को जानकारी की। हमने साथ में बातचीत की और जल्द ही मुझे उनसे लगाव हो गया। उनकी बुद्धि इतनी तीक्ष्ण और मौलिक थी! और उनके सोचने का तरीका ऐसा था जैसा मैंने किसी और में नहीं देखा।
इसके कुछ समय बाद मुझे "क्रि डू बुलेवार्ड" के कानून संबंधी समाचारों का प्रभार सौंपा गया। पत्रकारिता में मेरे प्रवेश ने रूलेटाबिल के साथ मेरे संबंधों को और भी मजबूत कर दिया। कुछ समय बाद, मेरे नए मित्र को "एपोक" में "बिजनेस" शीर्षक से न्यायिक पत्राचार कॉलम शुरू करने की अनुमति मिल गई, और मैं अक्सर उन्हें आवश्यक कानूनी जानकारी उपलब्ध करा पाता था।
लगभग दो साल इसी तरह बीत गए, और जैसे-जैसे मैं उसे बेहतर जानने लगा, मेरा प्यार उसके लिए बढ़ता गया; क्योंकि उसकी बेपरवाह फिजूलखर्ची के बावजूद, मैंने उसमें उसकी उम्र के हिसाब से असाधारण गंभीरता पाई थी। उसे खुशमिजाज और अक्सर हद से ज्यादा खुश देखने का आदी होने के बावजूद, कई बार मैं उसे गहरे दुख में डूबा हुआ पाता था। तब मैंने उससे उसके मिजाज में आए इस बदलाव का कारण जानने की कोशिश की, लेकिन हर बार वह हंस देता और कोई जवाब नहीं देता। एक दिन, जब मैंने उससे उसके माता-पिता के बारे में पूछा, जिनके बारे में वह कभी बात नहीं करता था, तो वह मुझे यह जताते हुए चला गया कि उसने मेरी बात सुनी ही नहीं।
जब हमारे बीच संबंध इस तरह से चल रहे थे, तभी 'येलो रूम' का प्रसिद्ध मामला घटित हुआ। इसी मामले ने उन्हें अखबारों के अग्रणी पत्रकार के रूप में स्थापित किया और दुनिया के सबसे महान जासूस के रूप में ख्याति दिलाई। अगर हम यह याद रखें कि दैनिक समाचार पत्र पहले से ही अपने स्वरूप में बदलाव ला रहे थे और आज के अपराध समाचार पत्र के रूप में विकसित हो रहे थे, तो एक ही व्यक्ति में ऐसी दो विधाओं की पूर्णता देखकर हमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए।
निराशावादी लोग शायद इसकी शिकायत करें; लेकिन मैं इसे गर्व की बात मानता हूँ। अपराधियों के खिलाफ हमारे पास जितने हथियार हों, चाहे सार्वजनिक हों या निजी, उतने ही अच्छे होते हैं। कुछ लोग यह कह सकते हैं कि अपराधों का विवरण लगातार प्रकाशित करके प्रेस अंततः उन्हें बढ़ावा देता है। लेकिन कुछ लोगों के साथ हम कभी भी सही नहीं हो सकते। जैसा कि मैंने बताया, 26

अक्टूबर, 1892 की सुबह रूलेटाबिल मेरे कमरे में आया। उसका चेहरा सामान्य से अधिक लाल था, उसकी आँखें मानो बाहर निकल रही थीं, और कुल मिलाकर वह अत्यधिक उत्तेजित प्रतीत हो रहा था। उसने कांपते हाथों से "मैटिन" (सुबह की प्रार्थना) लहराई और चिल्लाया:
"अच्छा, मेरे प्यारे सैनक्लेयर, क्या तुमने इसे पढ़ा है?"
"ग्लैंडियर अपराध?"
"हाँ; पीला कमरा!—आपको यह कैसा लगा?"
मुझे लगता है कि यह अपराध शैतान या भगवान के बेटे ने ही किया होगा।
"गंभीर रहो!"
खैर, मुझे उन हत्यारों पर ज़्यादा यकीन नहीं होता जो ईंटों की मज़बूत दीवारों को तोड़कर भाग निकलते हैं। मुझे लगता है कि डैडी जैक्स ने अपराध करने वाले हथियार को वहीं छोड़कर गलती की। और चूंकि उनका कमरा मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे के ठीक ऊपर अटारी में था, इसलिए जांच मजिस्ट्रेट द्वारा आदेशित मरम्मत कार्य से हमें इस रहस्य का हल मिल जाएगा। जल्द ही हमें पता चल जाएगा कि किस प्राकृतिक जाल या किस गुप्त दरवाजे से वह बूढ़ा आदमी अंदर-बाहर आता-जाता था और बिना किसी को पता चले तुरंत मिस्टर स्टैंगर्सन के पास प्रयोगशाला लौट जाता था। यह तो सिर्फ एक अनुमान है। हालाँकि मूल अंग्रेज़ी अनुवाद में अक्सर "हत्या" और "हत्यारा" शब्दों का प्रयोग किया गया है, पाठक "हमला" और "हमलावर" शब्दों का प्रयोग कर सकता है क्योंकि वास्तव में कोई हत्या नहीं हुई है।

रूलेटाबिल एक आरामकुर्सी पर बैठ गया, अपनी पाइप जलाई, जो उसके पास हमेशा रहती थी, कुछ मिनट चुपचाप धूम्रपान किया—निस्संदेह उस उत्तेजना को शांत करने के लिए जो स्पष्ट रूप से उस पर हावी थी—और फिर जवाब दिया:
“युवक,” उन्होंने एक ऐसे लहजे में कहा जिसकी दुखद व्यंग्यपूर्णता को व्यक्त करने का मैं प्रयास नहीं करूँगा, “युवक, तुम एक वकील हो और मुझे तुम्हारी क्षमता पर कोई संदेह नहीं है कि तुम दोषियों को सजा से बचा सकते हो; लेकिन अगर तुम न्यायाधीश होते, तो निर्दोष लोगों को दोषी ठहराना तुम्हारे लिए कितना आसान होता!—तुम सचमुच प्रतिभाशाली हो, युवक!”
वह लगातार जोश से सिगरेट पीता रहा, और फिर आगे बोला:

"कोई जाल नहीं मिलेगा, और पीले कमरे का रहस्य और भी गहरा होता चला जाएगा। इसीलिए मुझे इसमें दिलचस्पी है। जांच मजिस्ट्रेट सही कह रहे हैं; इस अपराध से ज़्यादा विचित्र अपराध आज तक कभी नहीं हुआ।"
मैंने पूछा, "क्या आपको इस बात का कोई अंदाजा है कि हत्यारा किस तरीके से फरार हुआ?"
"कोई नहीं," रूलेटाबिल ने जवाब दिया - "फिलहाल तो कोई नहीं। लेकिन मुझे रिवॉल्वर के बारे में कुछ अंदाजा है; हत्यारे ने इसका इस्तेमाल नहीं किया।"
हे भगवान! फिर इसका इस्तेमाल किसने किया था?
"क्यों—मैडमोजेल स्टैंगर्सन द्वारा।"
मैंने कहा, "मुझे समझ नहीं आता, या यूं कहें कि मुझे कभी समझ ही नहीं आया।" रूलेटबिल ने अपने कंधे उचका दिए।
"क्या 'मैटिन' में छपे इस लेख में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे आप विशेष रूप से प्रभावित हुए हों?"
"कुछ नहीं, मुझे तो पूरी कहानी ही उतनी ही अजीब लगी।"
"अच्छा, लेकिन—वह बंद दरवाजा—जिसकी चाबी अंदर की तरफ है?"
"पूरे लेख में यही एकमात्र ऐसी चीज है जो पूरी तरह से स्वाभाविक है।"
"सच में!—और बोल्ट?"
"बोल्ट?"
"हाँ, कमरे के अंदर लगा कुंडी—क्या यह घुसपैठ रोकने के लिए एक और सुरक्षा थी? मैडमोजेल स्टैंगर्सन ने वाकई असाधारण सावधानियां बरती थीं! मुझे स्पष्ट है कि उन्हें किसी का डर था। इसीलिए उन्होंने इतनी सावधानी बरती— यहाँ तक कि डैडी जैक्स का रिवॉल्वर भी—बिना उन्हें बताए। निस्संदेह वह किसी को भी डराना नहीं चाहती थीं, और खासकर अपने पिता को तो बिल्कुल नहीं। जिस बात का उन्हें डर था, वही हुआ, और उन्होंने अपनी रक्षा की। हाथापाई हुई, और उन्होंने रिवॉल्वर का इतनी कुशलता से इस्तेमाल किया कि हत्यारे के हाथ में चोट लगी—जिससे दीवार और दरवाजे पर उस आदमी के खून से सने बड़े हाथ का निशान समझ में आता है जो कमरे से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ रहा था। लेकिन उन्होंने समय रहते गोली नहीं चलाई, जिससे उनके दाहिने कनपटी पर लगने वाला भयानक प्रहार टल नहीं पाया।"
"तो क्या कनपटी पर लगा घाव रिवॉल्वर से नहीं किया गया था?"

अखबार में ऐसा नहीं लिखा है, और मुझे भी नहीं लगता कि ऐसा था; क्योंकि तर्क के हिसाब से मुझे लगता है कि रिवॉल्वर का इस्तेमाल मैडमोजेल स्टैंगरसन ने हत्यारे के खिलाफ किया था। अब, हत्यारे ने किस हथियार का इस्तेमाल किया? कनपटी पर लगे वार से लगता है कि हत्यारा मैडमोजेल स्टैंगरसन को बेहोश करना चाहता था, जब उसने उन्हें गला घोंटकर मारने की नाकाम कोशिश की थी। उसे पता होगा कि अटारी में डैडी जैक्स रहते थे, और मुझे लगता है कि यही एक कारण था कि उसने किसी शांत हथियार का इस्तेमाल किया होगा, जैसे कि लाइफ जैकेट या हथौड़ा।
मैंने कहा, "इन सब बातों से यह स्पष्ट नहीं होता कि हत्यारा 'द येलो रूम' से बाहर कैसे निकला।"
"ज़ाहिर है," रूलेटाबिल ने उठते हुए उत्तर दिया, "और यही बात समझानी है। मैं शैतो डू ग्लैंडियर जा रहा हूँ, और यह देखने आया हूँ कि क्या आप मेरे साथ चलेंगे।"
"मैं?-"
"हां, मेरे लड़के। मुझे तुम्हारी जरूरत है। 'एपोक' ने निश्चित रूप से यह मामला मुझे सौंपा है, और मुझे इसे जल्द से जल्द सुलझाना होगा।"
लेकिन मैं आपके किस काम आ सकता हूँ?
"श्री रॉबर्ट दारज़ैक चेटो डु ग्लैंडियर में हैं।"
"यह सच है। उसकी निराशा असीम होगी।"
मुझे उससे बात करनी होगी।
रूलेटबिल ने जिस लहजे में यह बात कही, उससे मैं हैरान रह गया।
"क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि आपको लगता है कि उससे कुछ हासिल किया जा सकता है?" मैंने पूछा।
"हाँ।"
उन्होंने बस इतना ही कहा। फिर वे मेरे बैठक कक्ष में आकर बैठ गए और मुझसे जल्दी से कपड़े पहनने की विनती करने लगे।
मैं श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक को तब से जानता था जब मैंने मैत्रे बारबेट डेलाटूर के सचिव के रूप में काम करते हुए एक दीवानी मुकदमे में उनकी बहुत मदद की थी। श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक, जिनकी उम्र उस समय लगभग चालीस वर्ष थी, सोरबोन विश्वविद्यालय में भौतिकी के प्रोफेसर थे। वे स्टैंजर्सन परिवार से अच्छी तरह परिचित थे और सात वर्षों तक उनकी बेटी को लुभाने के बाद, उससे

शादी करने ही वाले थे। इस तथ्य के बावजूद कि वह, जैसा कि कहा जाता है, "एक निश्चित उम्र की महिला" हो गई थी, वह अब भी बेहद खूबसूरत थी। कपड़े पहनते समय मैंने रूलेटाबिल को आवाज़ दी, जो मेरे बैठक कक्ष में बेचैनी से इधर-उधर घूम रही थी:
क्या आपको हत्यारे की सामाजिक स्थिति के बारे में कोई जानकारी है?
"हां," उसने जवाब दिया; "मुझे लगता है कि अगर वह समाज का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति नहीं है, तो कम से कम उच्च वर्ग से तो संबंधित है। लेकिन यह भी सिर्फ एक अनुमान है।"
"आपको इसे बनाने के लिए किस बात ने प्रेरित किया?"
"खैर, वो चिकनी टोपी, साधारण रुमाल और फर्श पर खुरदुरे जूतों के निशान," उसने जवाब दिया।
मैंने कहा, "मैं समझ गया; हत्यारे अपने पीछे ऐसे कोई निशान नहीं छोड़ते जो सच्चाई बता सकें।"
"हम तुमसे कुछ न कुछ जरूर बना लेंगे, मेरे प्यारे सैनक्लेयर," रूलेटाबिल ने निष्कर्ष निकाला।

अध्याय III. "एक आदमी परछाई की तरह खिड़की के पर्दों के बीच से गुजर गया"

आधे घंटे बाद, रूलेटाबिल और मैं ऑरलियन्स स्टेशन के प्लेटफार्म पर थे, उस ट्रेन के प्रस्थान की प्रतीक्षा कर रहे थे जो हमें एपिने-सुर-ऑर्गे ले जाने वाली थी।
मंच पर हमें महाशय डी मार्क्वेट और उनके रजिस्ट्रार मिले, जो कॉर्बिल की न्यायिक अदालत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। महाशय मार्क्वेट ने रात पेरिस में बिताई थी, जहाँ वे स्काला थिएटर में एक छोटे से नाटक के अंतिम पूर्वाभ्यास में शामिल हुए थे, जिसके वे अज्ञात लेखक थे और उन्होंने अपने हस्ताक्षर केवल "कैस्टिगेट रिडेन्डो" के रूप में किए थे।
श्रीमान मार्क्वेट एक "सम्मानित बुजुर्ग सज्जन" बनते जा रहे थे। आम तौर पर वे बेहद विनम्र और विनोदपूर्ण स्वभाव के थे, और जीवन भर उनका एक ही जुनून रहा था - नाट्य कला। अपने न्यायिक करियर के दौरान उनकी रुचि केवल उन्हीं मामलों में रही जो उन्हें किसी प्रकार का नाटक प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान कर सकें। यद्यपि वे सर्वोच्च न्यायिक पदों की आकांक्षा रखते थे, लेकिन उन्होंने वास्तव में कभी भी रोमांटिक पोर्ट-सेंट-मार्टिन या गंभीर ओडियन में सफलता प्राप्त करने के अलावा किसी और चीज़ के लिए प्रयास नहीं किया।
इस मामले में व्याप्त रहस्य के कारण, पीले कमरे का मामला एक नाटकीय प्रतिभा वाले व्यक्ति को निश्चित रूप से आकर्षित करने वाला था। इसमें उनकी गहरी रुचि थी, और उन्होंने खुद को इसमें पूरी तरह से झोंक दिया, एक मजिस्ट्रेट की तरह सच्चाई जानने के लिए उत्सुक होने के बजाय, वे नाटकीय उलझनों के शौकीन थे, रहस्य और षड्यंत्र की ओर पूरी तरह से झुकाव रखते थे, और उन्हें सबसे ज्यादा डर अंतिम स्पष्टीकरण से लगता था।
इसलिए, उनसे मुलाकात के समय, मैंने श्रीमान डी मार्केट को रजिस्ट्रार से आह भरते हुए यह कहते सुना:
"मुझे उम्मीद है, मेरे प्रिय महाशय मैलीन, कि कुल्हाड़ी लिए यह निर्माता इतने बेहतरीन रहस्य को नष्ट नहीं करेगा।"
"डरिए मत," महाशय मैलीन ने उत्तर दिया, "हो सकता है कि उनकी कुल्हाड़ी मंडप को ध्वस्त कर दे, लेकिन इससे हमारा मामला सुरक्षित रहेगा। मैंने दीवारों

की जांच की है, छत और फर्श का निरीक्षण किया है और मुझे इसके बारे में सब कुछ पता है। मुझे धोखा नहीं दिया जा सकता।"
अपने प्रमुख को आश्वस्त करने के बाद, महाशय मैलीन ने सिर हिलाकर महाशय डी मार्क्वेट का ध्यान हमारी ओर आकर्षित किया। उस सज्जन का चेहरा उतर आया, और जैसे ही उन्होंने रूलेटाबिल को टोपी हाथ में लिए हुए पास आते देखा, वे खाली गाड़ियों में से एक में कूद पड़े और अपने रजिस्ट्रार से लगभग ऊँची आवाज़ में कहा, "सबसे बढ़कर, कोई पत्रकार नहीं!"
महाशय मैलीन ने उसी लहजे में उत्तर दिया, "मैं समझ गया!" और फिर रूलेटाबिल को जांच मजिस्ट्रेट के साथ एक ही डिब्बे में प्रवेश करने से रोकने की कोशिश की।
"क्षमा कीजिए सज्जनों, यह डिब्बा आरक्षित है।"
"महाशय, मैं एक पत्रकार हूँ, जो 'युग' पर शोध कर रहा हूँ," मेरे युवा मित्र ने हावभाव और विनम्रता का बड़ा प्रदर्शन करते हुए कहा, "और मुझे महाशय डी मार्क्वेट से कुछ कहना है।"
"महामहिम अपने हाथ में लिए गए मामले की जांच में पूरी तरह से लगे हुए हैं।" "अरे! यकीन मानिए, उनकी पूछताछ से मुझे बिलकुल भी मतलब नहीं है। मैं इधर-उधर से जानकारी इकट्ठा करने वाला नहीं हूँ," उन्होंने अपने निचले होंठ पर असीम तिरस्कार का भाव लिए आगे कहा, "मैं एक नाट्य संवाददाता हूँ; और आज शाम मुझे स्काला में चल रहे नाटक का संक्षिप्त विवरण देना होगा।"
"कृपया अंदर आइए, महोदय," रजिस्ट्रार ने कहा।
रूलेटाबिल पहले से ही डिब्बे में मौजूद था। मैं उसके पीछे गया और उसके बगल में बैठ गया। रजिस्ट्रार भी पीछे आया और डिब्बे का दरवाजा बंद कर दिया। महाशय डी मार्क्वेट ने उसकी ओर देखा।
"आह, महोदय," रूलेटाबिल ने शुरू किया, "आपको महाशय डी मैलीन से नाराज़ नहीं होना चाहिए। मैं महाशय डी मार्क्वेट से नहीं, बल्कि महाशय 'कास्टिगेट रिडेन्डो' से बात करने का सम्मान चाहता हूँ। मुझे आपको बधाई देने की अनुमति दें—व्यक्तिगत रूप से, साथ ही 'एपोक' के लेखक की ओर से भी।" और रूलेटाबिल ने पहले मेरा परिचय कराया, फिर अपना परिचय दिया।
महाशय डी मार्क्वेट ने घबराहट भरे हावभाव के साथ अपनी दाढ़ी को संवारते हुए रूलेटाबिल को संक्षेप में समझाया कि वे इतने विनम्र लेखक हैं कि वे नहीं चाहते कि उनके छद्म नाम का पर्दा सार्वजनिक रूप से उठे, और उन्हें

उम्मीद है कि नाटककार के काम के प्रति पत्रकार का उत्साह उन्हें जनता को यह बताने के लिए प्रेरित नहीं करेगा कि महाशय "कास्टिगेट रिडेन्डो" और कॉर्बिल के जांच मजिस्ट्रेट एक ही व्यक्ति हैं।
उन्होंने थोड़ी हिचकिचाहट के बाद कहा, "नाटककार का काम मजिस्ट्रेट के काम में बाधा डाल सकता है, खासकर ऐसे प्रांत में जहां किसी का काम सिर्फ एक नियमित प्रक्रिया से अधिक कुछ नहीं होता है।"
"ओह, आप मेरे विवेक पर भरोसा कर सकते हैं!" रूलेटाबिल चिल्लाया।
ट्रेन चल रही थी।
"हमने शुरू कर दिया है!" जांच मजिस्ट्रेट ने हमें अभी भी गाड़ी में देखकर आश्चर्यचकित होकर कहा।
"जी हां, महाशय, सच्चाई ने अपना सफर शुरू कर दिया है," रूलेटाबिल ने सौहार्दपूर्ण मुस्कान के साथ कहा, "चैटो डू ग्लैंडियर की ओर। एक शानदार मामला है, महाशय डी मार्क्वेट, एक शानदार मामला!"
"यह एक अस्पष्ट—अविश्वसनीय, अथाह, अकथनीय मामला है—और मुझे केवल एक ही बात का डर है, महाशय रूलेटाबिल—कि पत्रकार इसे समझाने की कोशिश करेंगे।" मेरे दोस्त को ऐसा लगा जैसे किसी ने उसकी उंगलियों पर हल्की सी चोट मारी हो।
"जी हां," उसने सरलता से कहा, "यही तो चिंता की बात है। वे हर चीज़ में दखल देते हैं। जहाँ तक मेरी रुचि की बात है, महोदय, मैंने इसका ज़िक्र महज़ संयोगवश किया था—महज़ संयोग से कि मैं आपके साथ एक ही ट्रेन में और एक ही डिब्बे के एक ही कंपार्टमेंट में था।"
"तो फिर आप कहाँ जा रहे हैं?" मॉन्सियर डी मार्क्वेट ने पूछा।
"चैटो डू ग्लैंडियर की ओर," रूलेटाबिल ने बिना मुड़े उत्तर दिया।
"आपको अंदर जाने की अनुमति नहीं मिलेगी, महाशय रूलेटाबिल!"
"क्या तुम मुझे रोकोगे?" मेरे दोस्त ने कहा, जो पहले से ही लड़ने के लिए तैयार था।
"मैं नहीं! मुझे प्रेस और पत्रकार इतने पसंद हैं कि मैं उनके प्रति किसी भी तरह से अप्रिय व्यवहार नहीं कर सकता; लेकिन श्री स्टैंगरसन ने आदेश दिया है कि उनका दरवाजा सबके लिए बंद कर दिया जाए और उसकी कड़ी सुरक्षा की जा रही है। कल ग्लैंडियर के गेट से एक भी पत्रकार अंदर नहीं जा सका।"

श्रीमान डी मार्केट ने अपने होंठ सिकोड़ लिए और हठपूर्वक चुप रहने को तैयार लग रहे थे। वे तभी थोड़ा शांत हुए जब रूलेटाबिल ने उन्हें यह बता दिया कि हम ग्लैंडियर में एक "पुराने और घनिष्ठ मित्र" श्रीमान रॉबर्ट डार्ज़ैक से हाथ मिलाने जा रहे हैं—एक ऐसा व्यक्ति जिसे रूलेटाबिल ने शायद अपने जीवन में केवल एक बार देखा था।
"बेचारा रॉबर्ट!" युवा रिपोर्टर ने आगे कहा, "यह भयानक घटना उसकी मौत का कारण बन सकती है, क्योंकि वह मैडमोजेल स्टैंगर्सन से बहुत प्यार करता है।" "उनकी पीड़ा को देखना सचमुच कष्टदायक है," यह बात महाशय डी मार्क्वेट के होठों से खेद व्यक्त करते हुए निकली।
लेकिन उम्मीद है कि मैडमोजेल स्टैंगरसन की जान बच जाएगी।
"उम्मीद करते हैं ऐसा ही हो। उसके पिता ने कल मुझसे कहा था कि अगर वह ठीक नहीं हुई तो जल्द ही उनका भी उससे निधन हो जाएगा। उनकी मृत्यु विज्ञान के लिए कितना बड़ा अपूरणीय नुकसान होगा!"
"उसके कनपटी पर लगा घाव गंभीर है, है ना?"
"स्पष्ट रूप से; लेकिन, एक अद्भुत संयोग से, यह घातक साबित नहीं हुआ। प्रहार बहुत बलपूर्वक किया गया था।"
"तो फिर उसे रिवॉल्वर से चोट नहीं लगी थी," रूलेटाबिल ने विजयी भाव से मेरी ओर देखते हुए कहा।
श्रीमान डी मार्क्वेट बेहद शर्मिंदा प्रतीत हुए।
"मैंने कुछ नहीं कहा—मैं कुछ कहना नहीं चाहता—मैं कुछ नहीं कहूंगा," उसने कहा। और वह अपने रजिस्ट्रार की ओर ऐसे मुड़ा जैसे वह हमें पहचानता ही न हो।
लेकिन रूलेटाबिल इतनी आसानी से हार मानने वाला नहीं था। वह जांच मजिस्ट्रेट के पास गया और अपनी जेब से "मैटिन" की एक प्रति निकालकर उसे दिखाते हुए बोला:
"महाशय, एक बात है जो मैं आपसे बिना किसी अनुचित कार्य के पूछ सकता हूँ। आपने 'मैटिन' में दिया गया विवरण तो देखा ही होगा, है ना? यह बेतुका है?" "बिल्कुल भी नहीं, महोदय।"
"क्या! पीले कमरे में केवल एक ही खिड़की है जिस पर सलाखें लगी हैं—जिनकी सलाखें हटाई नहीं गई हैं—और केवल एक ही दरवाजा है, जिसे तोड़कर खोलना पड़ा—और हत्यारा पकड़ा ही नहीं गया!"

"जी हां, महोदय, यही सच है। मामला इसी प्रकार है।"
रूलेटाबिल ने और कुछ नहीं कहा, बल्कि सोच में डूब गया। इस तरह पंद्रह मिनट बीत गए।
होश में आते हुए उन्होंने मजिस्ट्रेट को संबोधित करते हुए कहा:
"उस शाम मैडमोजेल स्टैंगर्सन ने अपने बाल कैसे बांध रखे थे?"
"मुझे नहीं पता," महाशय डी मार्केट ने उत्तर दिया।
"यह बहुत महत्वपूर्ण बात है," रूलेटाबिल ने कहा। "उसके बाल पट्टियों में बंधे हुए थे, है ना? मुझे पूरा यकीन है कि उस शाम, अपराध वाली शाम को, उसने अपने बालों को पट्टियों में बांध रखा था।"
“तो आप गलत हैं, महाशय रूलेटाबिल,” मजिस्ट्रेट ने उत्तर दिया; “उस शाम मैडमोजेल स्टैंगरसन ने अपने बाल सिर के ऊपर एक गांठ में बांध रखे थे—यह उनका हमेशा का तरीका था—उनका माथा पूरी तरह खुला था। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूँ, क्योंकि हमने घाव की सावधानीपूर्वक जांच की है। बालों पर खून नहीं था, और अपराध होने के बाद से बालों की बनावट में कोई बदलाव नहीं हुआ है।”
"आपको पूरा यकीन है! आपको पूरा यकीन है कि अपराध की रात उसके बाल पट्टियों में नहीं बंधे थे?"
"बिल्कुल," मजिस्ट्रेट मुस्कुराते हुए बोले, "क्योंकि मुझे याद है कि घाव की जांच करते समय डॉक्टर ने मुझसे कहा था, 'यह बड़े दुख की बात है कि मैडमोजेल स्टैंगरसन को अपने बालों को माथे से पीछे बांधने की आदत थी। अगर उन्होंने बालों को पट्टियों में बांधा होता, तो कनपटी पर लगी चोट का असर कम हो जाता।' मुझे यह अजीब लगता है कि आप इस बात को इतना महत्व दे रहे हैं।" "ओह! अगर उसके बाल पट्टियों में बंधे न होते, तो मैं हार मान लेता," रूलेटाबिल ने निराशा भरे भाव से कहा।
"और क्या उसकी कनपटी पर लगा घाव गंभीर था?" उसने थोड़ी देर बाद पूछा। "भयानक।"
"इसे किस हथियार से बनाया गया था?"
"यह जांच का एक रहस्य है।"
"क्या आपको हथियार मिला—जो भी वह था?"
मजिस्ट्रेट ने कोई जवाब नहीं दिया।
और गले का घाव?

यहां जांच करने वाले मजिस्ट्रेट ने डॉक्टर के इस फैसले की तुरंत पुष्टि कर दी कि अगर हत्यारे ने कुछ सेकंड और मैडमोजेल स्टैंगरसन का गला दबाए रखा होता, तो उनकी गला घोंटने से मौत हो जाती।
रूलेटाबिल ने उत्सुकता से कहा, "'मैटिन' में छपी खबर मुझे दिन-ब-दिन और भी रहस्यमय लग रही है। क्या आप मुझे बता सकते हैं, महोदय, कि पवेलियन में कितने द्वार और खिड़कियाँ हैं? मेरा मतलब है दरवाजे और खिड़कियाँ।" "पांच हैं," महाशय डी मार्क्वेट ने एक-दो बार खांसने के बाद उत्तर दिया, लेकिन अब वह उस मामले के अविश्वसनीय रहस्य के बारे में बात करने की अपनी तीव्र इच्छा को रोक नहीं पा रहे थे जिसकी वह जांच कर रहे थे। "कुल पाँच द्वार हैं, जिनमें से वेस्टिब्यूल का द्वार ही मंडप में प्रवेश का एकमात्र द्वार है—यह द्वार हमेशा स्वचालित रूप से बंद रहता है और इसे बाहर या अंदर से खोला नहीं जा सकता, सिवाय दो विशेष चाबियों के जो डैडी जैक्स या मॉन्सियर स्टैंगर्सन के पास हमेशा रहती हैं। मैडमोजेल स्टैंगर्सन को इसकी आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि डैडी जैक्स मंडप में ही रहते थे और दिन के समय वह कभी अपने पिता से अलग नहीं होती थीं। जब वे चारों प्रयोगशाला का द्वार तोड़कर पीले कमरे में घुसे, तो वेस्टिब्यूल का द्वार हमेशा की तरह बंद रहा और उसे खोलने की दो चाबियों में से एक डैडी जैक्स की जेब में थी और दूसरी मॉन्सियर स्टैंगर्सन की। मंडप में चार खिड़कियाँ हैं; पीले कमरे की एक खिड़की और प्रयोगशाला की खिड़कियाँ जो ग्रामीण इलाके की ओर खुलती हैं; और वेस्टिब्यूल की खिड़की जो पार्क की ओर खुलती है।"
"वह उसी खिड़की से मंडप से भागा था!" रूलेटाबिल चिल्लाया।
"तुम्हें यह कैसे पता चला?" महाशय डी मार्क्वेट ने मेरे युवा मित्र पर एक अजीब नज़र डालते हुए पूछा।
"हम बाद में देखेंगे कि वह पीले कमरे से कैसे बच निकला," रूलेटाबिल ने जवाब दिया, "लेकिन वह मंडप से वेस्टिब्यूल की खिड़की से ही निकला होगा।"
"एक बार फिर,—आपको यह कैसे पता चला?"
"कैसे? अरे, बात तो बहुत सीधी-सादी है! जैसे ही उसे पता चला कि वह मंडप के दरवाजे से नहीं भाग सकता, उसके पास बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता बरामदे की खिड़की से था, जब तक कि वह किसी जालीदार खिड़की से न निकल जाए। पीले कमरे की खिड़की लोहे की सलाखों से सुरक्षित है, क्योंकि वह खुले मैदान की ओर खुलती है; प्रयोगशाला की दोनों खिड़कियों को भी इसी कारण से इसी तरह

सुरक्षित रखना पड़ता है। मुझे लगता है कि जब हत्यारा भागा, तो उसे कोई ऐसी खिड़की मिल गई होगी जिस पर सलाखें नहीं लगी थीं—बरामदे की खिड़की, जो पार्क की ओर खुलती है—यानी जागीर के अंदरूनी हिस्से की ओर। इसमें कोई जादू नहीं है।"
“जी हां,” महाशय डी मार्केट ने कहा, “लेकिन आपने जो अनुमान नहीं लगाया है, वह यह है कि प्रवेश कक्ष की इस इकलौती खिड़की में लोहे की सलाखें तो नहीं हैं, लेकिन लोहे के पर्दे लगे हैं। ये लोहे के पर्दे अभी भी अपनी कुंडी से बंद हैं; और फिर भी हमारे पास सबूत है कि हत्यारा उसी खिड़की से मंडप से भागा! अंदर की दीवार और पर्दों पर, साथ ही फर्श पर खून के निशान और पैरों के निशान, जिनका मैंने माप लिया है, इस बात की गवाही देते हैं कि हत्यारा उसी रास्ते से भागा। लेकिन फिर, उसने ऐसा कैसे किया, जबकि पर्दे अंदर से बंद थे? वह परछाई की तरह उनके बीच से निकल गया। लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह समझना नामुमकिन है कि हत्यारा पीले कमरे से कैसे निकला, या प्रयोगशाला पार करके प्रवेश कक्ष तक कैसे पहुंचा! आह, जी हां, महाशय रूलेटाबिल, यह बिल्कुल वैसा ही मामला है जैसा आपने कहा, एक पेचीदा मामला, जिसकी गुत्थी लंबे समय तक नहीं सुलझेगी, मुझे उम्मीद है।”
"क्या आप आशा करते हैं, महाशय?"
महाशय डी मार्क्वेट ने स्वयं को सुधारा।
मुझे ऐसी उम्मीद नहीं है, मुझे ऐसा लगता है।
"क्या हत्यारे के भाग जाने के बाद उस खिड़की को बंद करके दोबारा कस दिया गया होगा?" रूलेटाबिल ने पूछा।
"यही बात मेरे मन में एक क्षण के लिए आई थी; लेकिन इसका मतलब होगा कि इसमें एक या एक से अधिक सहयोगी शामिल हैं, और मुझे ऐसा नहीं लगता।"
कुछ देर चुप रहने के बाद उन्होंने आगे कहा:
"आह—काश मैडमोजेल स्टैंगरसन आज इतनी स्वस्थ होतीं कि उनसे पूछताछ की जा सके!"
रूलेटबिल ने अपने विचार को आगे बढ़ाते हुए पूछा:
और अटारी?—उसमें जाने का कोई रास्ता तो होगा ही?
"जी हां; इसमें एक खिड़की है, या यूं कहें कि रोशनदान है, जो ग्रामीण इलाके की ओर खुलती है, इसलिए श्री स्टैंगरसन ने बाकी खिड़कियों की तरह इसे भी सलाखों से बंद करवा दिया है। ये सलाखें, बाकी खिड़कियों की तरह, अभी भी सही

सलामत हैं, और पर्दे, जो स्वाभाविक रूप से अंदर की ओर खुलते हैं, उन्हें भी नहीं खोला गया है। इसके अलावा, हमें ऐसा कुछ भी नहीं मिला जिससे हमें यह संदेह हो कि हत्यारा अटारी से होकर गुजरा था।"
"तो, महोदय, आपको यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि हत्यारा भाग निकला—कोई नहीं जानता कैसे—प्रवेश कक्ष की खिड़की से?"
"हर चीज इस बात को साबित करती है।"
"मुझे भी ऐसा ही लगता है," रूलेटाबिल ने गंभीरता से स्वीकार किया।
कुछ देर चुप रहने के बाद उन्होंने आगे कहा:
"यदि आपको अटारी में हत्यारे के कोई सुराग नहीं मिले हैं, जैसे कि पीले कमरे के फर्श पर पाए जाने वाले गंदे पैरों के निशान, तो आपको इस निष्कर्ष पर पहुंचना होगा कि डैडी जैक्स की रिवॉल्वर उसने नहीं चुराई थी।"
"अटारी में डैडी जैक्स के अलावा किसी और के पैरों के निशान नहीं हैं," मजिस्ट्रेट ने अपना सिर घुमाते हुए कहा। फिर, एक स्पष्ट निर्णय लेने के बाद, उन्होंने आगे कहा: "डैडी जैक्स प्रयोगशाला में मॉन्सियर स्टैंगर्सन के साथ थे - और यह उनके लिए सौभाग्य की बात थी।"
"तो फिर इस त्रासदी में उसकी रिवॉल्वर ने क्या भूमिका निभाई?—यह बिल्कुल स्पष्ट प्रतीत होता है कि इस हथियार ने हत्यारे को जितना नुकसान पहुंचाया, उतना नुकसान मैडमोजेल स्टैंगरसन को नहीं हुआ।"
मजिस्ट्रेट ने इस प्रश्न का कोई उत्तर नहीं दिया, जिससे निस्संदेह उन्हें शर्मिंदगी हुई। उन्होंने कहा, "श्रीमान स्टैंगर्सन ने हमें बताया है कि दो गोलियां 'द येलो रूम' में मिली हैं, एक दीवार में धंसी हुई है जिस पर एक लाल हाथ का निशान है - एक आदमी का बड़ा हाथ - और दूसरी छत में।"
"ओह! ओह! छत में!" रूलेटाबिल ने बुदबुदाया। "छत में! ये तो बहुत अजीब है! छत में!"
वह कुछ देर चुपचाप पाइप से कश लेता रहा, धुएं में खुद को लपेटे हुए। जब हम सैविग्नी-सुर-ओर्गे पहुंचे, तो मुझे उसे कंधे पर थपथपाकर उसकी नींद से जगाना पड़ा और उसे स्टेशन के प्लेटफार्म पर लाना पड़ा।
वहां, मजिस्ट्रेट और उनके रजिस्ट्रार ने हमें झुककर प्रणाम किया, और तेजी से एक टैक्सी में बैठकर हमें यह समझा दिया कि वे हमें काफी देख चुके हैं। "चैटो डू ग्लैंडियर तक पैदल जाने में कितना समय लगेगा?" रूलेटाबिल ने रेलवे के एक कुली से पूछा।

"डेढ़ घंटा या पौने दो घंटे - आराम से पैदल चलना होगा," उस आदमी ने जवाब दिया।
रूलेटबिल ने आकाश की ओर देखा और निस्संदेह, उसकी सुंदरता से संतुष्ट होकर, मेरा हाथ पकड़कर कहा:
"चलो भी! मुझे टहलने की जरूरत है।"
मैंने पूछा, "क्या चीजें कम उलझी हुई हो रही हैं?"
"बिल्कुल नहीं!" उसने कहा, "पहले से भी ज़्यादा उलझा हुआ! यह सच है, मेरे पास एक विचार है—"
मैंने पूछा, "यह क्या है?"
"मैं अभी आपको यह नहीं बता सकता कि यह क्या है—यह एक ऐसा विचार है जिसमें कम से कम दो व्यक्तियों के जीवन या मृत्यु का सवाल शामिल है।"
"क्या आपको लगता है कि इसमें कोई सह-अपराधी शामिल थे?"
मुझे नहीं लगता कि ऐसा है—
हम सब चुप हो गए। थोड़ी देर बाद उन्होंने बोलना शुरू किया:
"यह तो किस्मत की बात थी कि हमारी मुलाकात उस जांच मजिस्ट्रेट और उसके रजिस्ट्रार से हो गई, है ना? मैंने तुम्हें उस रिवॉल्वर के बारे में क्या बताया था?" उसका सिर झुका हुआ था, हाथ जेब में थे और वह सीटी बजा रहा था। थोड़ी देर बाद मैंने उसे धीरे से बुदबुदाते सुना:
"बेचारी औरत!"
"क्या आप मैडमोजेल स्टैंगरसन पर तरस खा रहे हैं?"
"हाँ; वह एक नेक महिला है और दया की पात्र है!—एक महान, बहुत महान चरित्र वाली महिला—मैं कल्पना करता हूँ—मैं कल्पना करता हूँ।"
"तो आप उसे जानते हैं?"
"बिल्कुल नहीं। मैंने उसे कभी नहीं देखा।"
"तो फिर आप ऐसा क्यों कहते हैं कि वह महान चरित्र वाली महिला है?" "क्योंकि उसने बहादुरी से हत्यारे का सामना किया; क्योंकि उसने साहसपूर्वक अपना बचाव किया—और सबसे बढ़कर, छत में लगी गोली की वजह से।" मैंने रूलेटाबिल की ओर देखा और मन ही मन सोचने लगा कि कहीं वह मेरा मज़ाक तो नहीं उड़ा रहा, या कहीं अचानक उसका दिमाग खराब तो नहीं हो गया। लेकिन मैंने देखा कि वह पहले से कहीं ज़्यादा बेमन से हंस रहा था, और उसकी तेज़ बुद्धि से भरी आँखों की चमक ने मुझे यकीन दिला दिया कि वह पूरी तरह होश में

है। फिर, मैं उसकी टूटी-फूटी बोलने की आदत से भी वाकिफ था, जिससे मैं उसके कहने का मतलब समझने में हमेशा उलझन में रहता था, जब तक कि वह कुछ ही साफ और तेज़ी से बोले गए शब्दों में अपने विचारों का सार मुझे स्पष्ट नहीं कर देता। तब मुझे समझ आता था कि जो बातें उसने पहले कही थीं, जो मुझे अर्थहीन लग रही थीं, वे इतनी तार्किक थीं कि मैं यह समझ ही नहीं पा रहा था कि मैं उसे पहले क्यों नहीं समझ पाया।

अध्याय IV. "वन्य प्रकृति की गोद में"

ग्लैंडियर महल, आइल डी फ़्रांस के सबसे पुराने महलों में से एक है, जहाँ सामंती काल की कई इमारतें आज भी खड़ी हैं। मूल रूप से जंगल के बीचोंबीच, फिलिप ले बेल के शासनकाल में निर्मित, यह अब सैंट-जेनेवीव गाँव से मोंथेरी जाने वाली सड़क से कुछ सौ गज की दूरी पर स्थित है। असंगत संरचनाओं का यह समूह, एक विशाल बुर्ज (डोंजॉन) से घिरा हुआ है। जब आगंतुक इस प्राचीन बुर्ज की जर्जर सीढ़ियों पर चढ़ता है, तो वह एक छोटे पठार पर पहुँचता है जहाँ सत्रहवीं शताब्दी में, ग्लैंडियर, मैसन-न्यूव्स और अन्य स्थानों के स्वामी, जॉर्जेस फिलिबर्ट डी सेक्विग्नी ने, एक बेहद ही भद्दी रोकोको शैली में वर्तमान शहर का निर्माण किया था।
यह वही जगह थी, जो देखने में पूरी तरह अतीत से जुड़ी हुई लगती थी, जहाँ प्रोफेसर स्टैंगर्सन और उनकी बेटी ने भविष्य के विज्ञान की नींव रखने के लिए अपना ठिकाना बनाया। घने जंगलों में बसा इसका एकांत ही उन्हें सबसे ज़्यादा भाता था। वे नहीं चाहते थे कि उनके परिश्रम का कोई गवाह बने और उनकी आशाओं में कोई दखल दे, सिवाय पुराने पत्थरों और भव्य ओक के पेड़ों के। ग्लैंडियर—प्राचीन ग्लैंडियरम—का नाम उस इलाके में सदियों से इकट्ठा होने वाले बलूत के फलों (ग्लैंड्स) की प्रचुरता के कारण पड़ा था। यह भूमि, जो आज दुखद महत्व रखती है, अपने मालिकों की उपेक्षा या परित्याग के कारण आदिम प्रकृति के जंगली स्वरूप में लौट आई थी। केवल वहाँ छिपी हुई इमारतें ही अपने विचित्र रूपांतरणों के निशान बचाए हुए थीं। हर युग ने उन पर अपनी छाप छोड़ी थी; वास्तुकला का एक ऐसा अंश जिसके साथ किसी भयानक घटना, किसी खूनी साहसिक कार्य की याद जुड़ी हुई थी। ऐसा ही वह महल था जिसमें विज्ञान ने शरण ली थी—एक ऐसी जगह जो मानो रहस्यों, आतंक और मृत्यु का रंगमंच बनने के लिए बनाई गई थी।
अब तक समझाने के बाद, मैं एक और बात कहने से खुद को रोक नहीं पा रहा हूँ। अगर मैंने ग्लैंडियर के इस वर्णन में थोड़ा ज़्यादा समय लगाया है, तो इसका कारण यह नहीं है कि पाठक के सामने त्रासदी के खुलने के लिए ज़रूरी माहौल बनाने का सही समय आ गया है। दरअसल, इस पूरे मामले में मेरी पहली प्राथमिकता यही होगी कि मैं इसे यथासंभव सरल रखूँ। मुझे लेखक बनने की कोई महत्वाकांक्षा नहीं है। एक लेखक हमेशा कुछ हद तक एक कहानीकार होता है, और

ईश्वर जानता है कि 'द येलो रूम' का रहस्य वास्तविक त्रासदी और भयावहता से इतना भरा हुआ है कि उसे साहित्यिक युक्तियों की ज़रूरत नहीं है। मैं एक सच्चा "रिपोर्टर" हूँ, और बस यही बनना चाहता हूँ। मेरा कर्तव्य है घटना की रिपोर्ट करना; और मैं घटना को उसके संदर्भ में रखता हूँ—बस इतना ही। यह स्वाभाविक है कि आपको पता हो कि घटनाएँ कहाँ घटीं।
मैं श्री स्टैंगर्सन की ओर लौटता हूँ। जिस त्रासदी के बारे में हम बात कर रहे हैं, उससे पंद्रह साल पहले जब उन्होंने यह संपत्ति खरीदी थी, तब ग्लैंडियर महल लंबे समय से खाली पड़ा था। पड़ोस में एक और पुराना महल, जिसे चौदहवीं शताब्दी में जीन डी बेलमोंट ने बनवाया था, वह भी वीरान पड़ा था, इसलिए उस इलाके में बहुत कम लोग रहते थे। कॉर्बिल की ओर जाने वाली सड़क के किनारे कुछ छोटे-छोटे घर, "ऑबर्ज डू डोनजॉन" नाम का एक सराय, जो आने-जाने वाले लोगों को ठहरने की सुविधा देता था; राजधानी से कुछ ही मील दूर, इस सुनसान इलाके में सभ्यता के बस यही कुछ निशान थे।
लेकिन उस स्थान की यह वीरान हालत ही श्री स्टैंगरसन और उनकी बेटी के चुनाव का निर्णायक कारण थी। श्री स्टैंगरसन पहले से ही प्रसिद्ध थे। वे अमेरिका से लौटे थे, जहाँ उनके कार्यों ने हलचल मचा दी थी। फिलाडेल्फिया में प्रकाशित उनकी पुस्तक, "विद्युत क्रिया द्वारा पदार्थ का वियोजन", ने पूरे वैज्ञानिक जगत में विरोध को जन्म दिया था। श्री स्टैंगरसन फ्रांसीसी थे, लेकिन मूल रूप से अमेरिकी थे। वसीयत से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों के कारण वे कई वर्षों तक संयुक्त राज्य अमेरिका में रहे, जहाँ उन्होंने फ्रांस में शुरू किए गए अपने कार्य को जारी रखा, जहाँ वे एक बड़ी संपत्ति के मालिक बनकर लौटे थे। यह संपत्ति उनके लिए एक बड़ा वरदान थी; क्योंकि यद्यपि वे रंगाई की नई प्रक्रियाओं से संबंधित अपनी दो-तीन रासायनिक खोजों का उपयोग करके लाखों डॉलर कमा सकते थे, फिर भी प्रकृति से प्राप्त आविष्कार के अद्भुत उपहार का उपयोग अपने निजी लाभ के लिए करना उन्हें हमेशा अरुचिकर लगता था। वे इसे मानवता के प्रति अपना कर्तव्य मानते थे, और अपने कर्तव्य के इस दार्शनिक दृष्टिकोण के अनुसार, उनकी प्रतिभा ने जो कुछ भी संसार को दिया, वह जनता के लिए समर्पित था।
यदि उन्होंने इस संपत्ति के प्राप्त होने पर अपनी संतुष्टि को छिपाने का प्रयास नहीं किया, जिसने उन्हें शुद्ध विज्ञान के प्रति अपने जुनून को समर्पित करने में सक्षम बनाया, तो उन्हें एक अन्य कारण से भी उतना ही

प्रसन्न होना चाहिए था। मैडमोजेल स्टैंगरसन उस समय बीस वर्ष की थीं जब उनके पिता अमेरिका से लौटे और ग्लैंडियर एस्टेट खरीदा। वह बेहद खूबसूरत थीं, उनमें अपनी माँ की पेरिसियन शालीनता थी, जिनकी मृत्यु उन्हें जन्म देते समय हो गई थी, और साथ ही उनके दादा विलियम स्टैंगरसन के युवा अमेरिकी रक्त की सारी शान और सारी दौलत भी थी। फिलाडेल्फिया के नागरिक विलियम स्टैंगरसन को एक फ्रांसीसी महिला से विवाह के समय पारिवारिक मजबूरियों के कारण फ्रांसीसी नागरिकता प्राप्त करनी पड़ी थी, जो प्रख्यात स्टैंगरसन की माँ बनने वाली थीं। इस प्रकार प्रोफेसर की फ्रांसीसी नागरिकता का कारण स्पष्ट होता है।
बीस वर्ष की आयु की, आकर्षक सुनहरे बालों वाली, नीली आँखों वाली, दूधिया गोरे रंग की और दिव्य स्वास्थ्य से परिपूर्ण, मथिल्डे स्टैंगर्सन पुरानी और नई दुनिया दोनों में सबसे सुंदर विवाह योग्य लड़कियों में से एक थी। उससे बिछड़ने के असहनीय दर्द के बावजूद, उसके पिता का यह कर्तव्य था कि वे उसकी शादी के बारे में सोचें; और वे इसके लिए पूरी तरह से तैयार थे। फिर भी, जिस समय उनके मित्र उन्हें अपनी बेटी को समाज में लाने की प्रतीक्षा कर रहे थे, उसी समय उन्होंने स्वयं को और अपनी बेटी को ग्लैंडियर में दफना दिया। उनमें से कुछ ने आश्चर्य व्यक्त किया, और उनके प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने कहा: "यह मेरी बेटी की इच्छा है। मैं उसे मना नहीं कर सकता। उसने ग्लैंडियर को चुना है।"
जब उस युवती से भी सवाल किया गया, तो उसने शांत भाव से उत्तर दिया: "इस एकांत से बेहतर काम करने की जगह और कहाँ हो सकती है?" मैडमोजेल स्टैंगर्सन पहले ही अपने पिता के काम में सहयोग करने लगी थीं। उस समय यह कल्पना भी नहीं की जा सकती थी कि विज्ञान के प्रति उनका जुनून उन्हें इस हद तक ले जाएगा कि वे पंद्रह वर्षों से अधिक समय तक अपने सामने आए सभी दूल्हों को ठुकरा देंगी। पिता और पुत्री का जीवन इतना एकांतपूर्ण था कि वे केवल कुछ औपचारिक समारोहों में ही दिखाई देते थे और साल में कुछ खास समय पर दो-तीन दोस्ताना बैठक-गृहों में ही मिलते थे, जहाँ प्रोफेसर की प्रसिद्धि और मैथिल्डे की सुंदरता चर्चा का विषय बन जाती थी। युवती के अत्यधिक संयम ने शुरू में दूल्हों को हतोत्साहित नहीं किया; लेकिन कुछ वर्षों के बाद, वे अपनी खोज से थक गए।

केवल एक ही व्यक्ति ने कोमल दृढ़ता के साथ अपना प्रेम निवेदन जारी रखा और "सदाबहार मंगेतर" कहलाने का पात्र बना, जिसे उसने बड़े दुख के साथ स्वीकार किया; वह थे श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक। मैडमोजेल स्टैंगर्सन अब युवा नहीं थीं, और ऐसा प्रतीत होता था कि पैंतीस वर्ष की आयु में विवाह करने का कोई कारण न मिलने पर, उन्हें कभी कोई कारण नहीं मिलेगा। लेकिन श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक को यह तर्क स्वीकार्य नहीं था। उन्होंने इस पैंतीस वर्षीय महिला के प्रति अपने प्रेम निवेदन को जारी रखा—यदि उनके द्वारा निरंतर इस कोमल और स्नेहपूर्ण ध्यान को प्रेम निवेदन कहा जा सकता है—उसके विवाह न करने के स्पष्ट इरादे के बावजूद।
अचानक, जिन घटनाओं पर हम चर्चा कर रहे हैं, उनसे कुछ सप्ताह पहले, पेरिस में एक खबर फैली - जिसे किसी ने भी गंभीरता से नहीं लिया, क्योंकि वह अविश्वसनीय लग रही थी - कि मैडमोजेल स्टैंगरसन ने आखिरकार श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक के अटूट प्रेम को "पुष्पित" करने की सहमति दे दी है! इस वैवाहिक अफवाह को सच साबित करने के लिए श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक का स्वयं इसका खंडन न करना ही पर्याप्त था, क्योंकि यह इतनी असंभव लग रही थी। हालांकि, एक दिन, श्री स्टैंगरसन ने विज्ञान अकादमी छोड़ते समय घोषणा की कि उनकी बेटी और श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक का विवाह ग्लैंडियर महल में निजी तौर पर आयोजित किया जाएगा, जैसे ही वे और उनकी बेटी "पदार्थ के वियोजन" पर अपने शोध को अंतिम रूप दे देंगे। नया परिवार ग्लैंडियर में बस जाएगा, और दामाद उस कार्य में अपना सहयोग देगा जिसके लिए पिता और पुत्री ने अपना जीवन समर्पित कर दिया था।
वैज्ञानिक जगत को इस खबर के प्रभाव से उबरने का अभी समय भी नहीं मिला था कि उसे मैडमोजेल की हत्या के प्रयास के बारे में पता चला। यह हत्या असाधारण परिस्थितियों में की गई थी, जिनका हमने विस्तृत वर्णन किया है और जिन्हें महल की हमारी यात्रा से और भी अधिक सटीकता से समझने में मदद मिली। मैंने पाठक को ये सभी प्रासंगिक विवरण देने में कोई संकोच नहीं किया है, जो मुझे श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक के साथ अपने व्यावसायिक संबंधों के माध्यम से ज्ञात हुए थे। पीले कमरे में प्रवेश करते ही वे भी मेरी ही तरह पूरी तरह से अवगत थे।

अध्याय V. जिसमें जोसेफ रूलेटाबिल ने श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक से एक ऐसी टिप्पणी की जिसका प्रभाव नगण्य रहा।
रूलेटाबिल और मैं कई मिनटों से श्री स्टैंगर्सन की विशाल संपत्ति की सीमा बनाने वाली एक लंबी दीवार के किनारे-किनारे चल रहे थे और प्रवेश द्वार के पास पहुँच चुके थे, तभी हमारा ध्यान एक व्यक्ति पर गया जो आधा ज़मीन पर झुका हुआ था और अपने काम में इतना मग्न था कि मानो उसने हमें आते हुए देखा ही न हो। एक पल वह इतना नीचे झुका कि लगभग ज़मीन को छू ही लिया; फिर सीधा खड़ा हुआ और ध्यान से दीवार का निरीक्षण करने लगा; उसके बाद उसने अपने एक हाथ की हथेली में देखा और तेज़ी से कदम बढ़ाते हुए चला गया। अंत में वह दौड़ने लगा, अभी भी अपने हाथ की हथेली में देख रहा था। रूलेटाबिल ने इशारे से मुझे रोक दिया।
"चुप रहो! फ्रेडरिक लार्सन काम पर हैं! उन्हें परेशान मत करो!"
रूलेटाबिल उस प्रसिद्ध जासूस के बहुत बड़े प्रशंसक थे। मैंने उन्हें पहले कभी नहीं देखा था, लेकिन उनकी ख्याति से मैं उन्हें अच्छी तरह जानता था। उस समय, रूलेटाबिल द्वारा अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रमाण देने से पहले ही, लार्सन को सबसे रहस्यमय और जटिल अपराधों को सुलझाने में सबसे कुशल माना जाता था। उनकी ख्याति विश्वव्यापी थी, और लंदन की पुलिस, और यहाँ तक कि अमेरिका की पुलिस भी, अक्सर उनकी सहायता लेती थी जब उनके अपने राष्ट्रीय निरीक्षक और जासूस अपनी बुद्धि और संसाधनों के अंत तक पहुँच जाते थे। इसलिए किसी को आश्चर्य नहीं हुआ कि सुरेते के प्रमुख ने, पीले कमरे के रहस्य की शुरुआत में ही, अपने उस प्रिय अधीनस्थ को, जिसे चोरी की प्रतिभूतियों के एक बड़े मामले की जांच के लिए लंदन भेजा गया था, तार भेजकर तुरंत वापस आने को कहा। फ्रेडरिक, जिसे सुरेते में "महान फ्रेडरिक" कहा जाता था, ने पूरी तेजी से काम किया, निस्संदेह अनुभव से जानते हुए कि यदि उसके काम में कोई रुकावट आती है, तो इसका मतलब है कि उसकी सेवाओं की किसी अन्य क्षेत्र में तत्काल आवश्यकता है; इसलिए, जैसा कि रूलेटाबिल ने कहा, वह उस सुबह पहले से ही "काम पर" था। हमें जल्द ही पता चल गया कि वह काम क्या था।

वह लगातार अपने दाहिने हाथ की हथेली पर अपनी घड़ी को देख रहा था, जिसकी मिनट वाली सुई को वह बड़ी ध्यान से देख रहा था। फिर वह दौड़ता हुआ वापस मुड़ा और पार्क के गेट पर पहुँचकर रुका, जहाँ उसने फिर से अपनी घड़ी देखी और उसे अपनी जेब में रख लिया, निराशा भरे अंदाज़ में कंधे उचकाते हुए। उसने पार्क का गेट खोला, फिर बंद किया और ताला लगा दिया, अपना सिर उठाया और सलाखों के पार से हमें देखा। रूलेटाबिल उसके पीछे भागा और मैं भी उसके पीछे-पीछे गया। फ्रेडरिक लार्सन हमारा इंतज़ार कर रहा था।
"महाशय फ्रेड," रूलेटाबिल ने अपनी टोपी उठाते हुए और उस युवा पत्रकार के मन में प्रसिद्ध जासूस के प्रति मौजूद गहरे सम्मान और प्रशंसा को दर्शाते हुए कहा, "क्या आप मुझे बता सकते हैं कि क्या महाशय रॉबर्ट डार्ज़ैक इस समय महल में हैं? पेरिस बार के उनके एक मित्र उनसे बात करना चाहते हैं।"
"मुझे सच में नहीं पता, श्रीमान रूलेटाबिल," फ्रेड ने मेरे दोस्त से हाथ मिलाते हुए जवाब दिया, जिससे वह अपनी कठिन जांच के दौरान कई बार मिल चुका था। "मैंने उसे नहीं देखा है।"
"दरबान हमें जानकारी दे पाएंगे, इसमें कोई संदेह नहीं?" रूलेटाबिल ने लॉज की ओर इशारा करते हुए कहा, जिसके दरवाजे और खिड़कियां पूरी तरह से बंद थीं। "कॉन्सियरज आपको कोई जानकारी नहीं दे पाएंगे, महाशय रूलेटाबिल।"
"क्यों नहीं?"
"क्योंकि उन्हें आधे घंटे पहले गिरफ्तार किया गया था।"
"गिरफ्तार हो गए!" रूलेटाबिल चिल्लाया; "तो फिर वे ही हत्यारे हैं!" फ्रेडरिक लार्सन ने अपने कंधे उचका दिए।
उन्होंने अत्यंत व्यंग्यपूर्ण लहजे में कहा, "जब आप असली हत्यारे को गिरफ्तार नहीं कर सकते, तो आप हमेशा उसके सहयोगियों को खोजने के विलासितापूर्ण अनुभव का आनंद ले सकते हैं।"
"क्या आपने उन्हें गिरफ्तार करवा दिया, महाशय फ्रेड?"
"नहीं, मैंने उन्हें गिरफ्तार नहीं कराया है। पहली बात तो यह है कि मुझे पूरा यकीन है कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है, और फिर क्योंकि—" "किस वजह से?" रूलेटाबिल ने उत्सुकता से पूछा।
"बिना किसी वजह के," लार्सन ने सिर हिलाते हुए कहा।
"क्योंकि कोई सहयोगी नहीं था!" रूलेटाबिल ने कहा।

"अहा!—तो तुम्हें इस मामले में कुछ अंदाजा है?" लार्सन ने रूलेटाबिल की ओर ध्यान से देखते हुए कहा, "लेकिन तुमने अभी कुछ नहीं देखा है, नौजवान— तुम्हें अभी यहाँ प्रवेश नहीं मिला है!"
मुझे प्रवेश मिल जाएगा।
मुझे इस पर संदेह है। आदेश सख्त हैं।
"अगर आप मुझे श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक से मिलने देंगे, तो मुझे प्रवेश मिल जाएगा। कृपया ऐसा कीजिए। आप जानते हैं कि हम पुराने दोस्त हैं। श्री फ्रेड, मैं आपसे विनती करता हूँ। क्या आपको सोने की छड़ों के मामले में आपके बारे में लिखा मेरा लेख याद है?"
उस समय रूलेटाबिल का चेहरा सचमुच हास्यास्पद था। ऐसा लग रहा था मानो वह उस दहलीज को पार करने की तीव्र इच्छा रखता हो जिसके पार कोई बड़ा रहस्य घटित हुआ हो; उसके चेहरे के भाव, न केवल मुंह और आंखों के, बल्कि पूरे चेहरे के हाव-भाव से, इतने प्रभावशाली ढंग से अपील कर रहे थे कि मैं अपनी हंसी नहीं रोक पाया। फ्रेडरिक लार्सन, मेरी ही तरह, अपनी गंभीरता बनाए नहीं रख सके। इसी बीच, गेट के दूसरी तरफ खड़े होकर, उन्होंने शांति से चाबी अपनी जेब में रख ली। मैंने उन्हें गौर से देखा।
उनकी उम्र लगभग पचास वर्ष रही होगी। उनका सिर सुगठित था, बाल सफ़ेद हो रहे थे; चेहरा निर्मल और चेहरे की बनावट दृढ़ थी। उनका माथा उभरा हुआ था, ठुड्डी और गाल साफ़ मुंडे हुए थे। बिना मूंछों वाला उनका ऊपरी होंठ तराशा हुआ था। उनकी आंखें छोटी और गोल थीं, जिनमें एक साथ खोज और बेचैनी झलकती थी। वे मध्यम कद के और सुगठित शरीर वाले थे, और उनका व्यवहार शालीन और सज्जनतापूर्ण था। उनमें किसी भी तरह के असभ्य पुलिसकर्मी की झलक नहीं थी। अपने तरीके से वे एक कलाकार थे, और ऐसा लगता था कि वे खुद को बहुत ऊँचा समझते थे। उनकी बातचीत का संशयपूर्ण लहजा एक ऐसे व्यक्ति का था जिसने अनुभव से सीखा था। उनके इस विचित्र पेशे ने उन्हें इतने सारे अपराधों और कुकर्मों के संपर्क में ला दिया था कि अगर उनका स्वभाव थोड़ा कठोर न होता तो यह आश्चर्यजनक होता।
महल से आती हुई और उसके पीछे गेट पर पहुँचती हुई गाड़ी की आवाज़ सुनकर लार्सन ने अपना सिर घुमाया। हमने उस टैक्सी को पहचान लिया जिसमें जांच मजिस्ट्रेट और उनके रजिस्ट्रार एपिने स्टेशन से आए थे।

"आह!" फ्रेडरिक लार्सन ने कहा, "अगर आप श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक से बात करना चाहते हैं, तो वे यहीं हैं।"
टैक्सी पहले से ही पार्क के गेट पर थी और रॉबर्ट डार्ज़ैक फ्रेडरिक लार्सन से गेट खोलने की गुहार लगा रहे थे, यह समझाते हुए कि उन्हें एपिने से पेरिस जाने वाली अगली ट्रेन पकड़ने के लिए समय की कमी है। तभी उन्होंने मुझे पहचान लिया। जब लार्सन गेट खोल रहे थे, तब श्री डार्ज़ैक ने पूछा कि ऐसे दुखद समय में मैं ग्लैंडियर क्यों आया हूँ। मैंने देखा कि उनका चेहरा बुरी तरह पीला पड़ गया था और उनके चेहरे पर झुर्रियाँ पड़ गई थीं, मानो किसी भयानक पीड़ा के कारण।
मैंने तुरंत पूछा, "क्या मैडमोजेल की तबीयत में सुधार हो रहा है?"
"हाँ," उसने कहा। "शायद वह बच जाएगी। उसे बचाना ही होगा!"
उन्होंने "वरना मेरी मौत होगी" जैसे शब्द नहीं कहे; लेकिन मुझे महसूस हुआ कि ये वाक्यांश उनके पीले होठों पर कांप रहे थे।
रूलेटाबिल ने हस्तक्षेप किया:
"महाशय, आप जल्दी में हैं; लेकिन मुझे आपसे बात करनी ही होगी। मुझे आपको कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण बात बतानी है।"
फ्रेडरिक लार्सन ने बीच में ही बात काट दी:
"क्या मैं आपसे विदा ले सकता हूँ?" उसने रॉबर्ट डार्ज़ैक से पूछा। "क्या आपके पास चाबी है, या आप चाहते हैं कि मैं आपको यही चाबी दे दूँ?" "धन्यवाद। मेरे पास चाबी है और मैं गेट बंद कर दूंगा।"
लार्सन महल की दिशा में तेजी से चल पड़ा, जिसकी भव्य इमारत कुछ सौ गज की दूरी पर दिखाई दे रही थी।
रॉबर्ट डार्ज़ैक, माथे पर शिकन लिए, अधीर होने लगे थे। मैंने रूलेटाबिल को अपना अच्छा दोस्त बताया, लेकिन जैसे ही उन्हें पता चला कि वह युवक एक पत्रकार है, उन्होंने मुझे बड़ी नाराज़गी से देखा, बीस मिनट में एपिने पहुँचने की मजबूरी का बहाना बनाकर माफ़ी मांगी, झुककर प्रणाम किया और अपने घोड़े को चाबुक मारा। लेकिन रूलेटाबिल ने लगाम पकड़ ली और मुझे पूरी तरह से आश्चर्यचकित करते हुए, ज़ोरदार हाथ से गाड़ी रोक दी। फिर उन्होंने एक ऐसा वाक्य कहा जो मेरे लिए बिल्कुल अर्थहीन था।
"पुजारी मंडल ने अपना आकर्षण बिल्कुल नहीं खोया है, न ही बगीचे ने अपनी चमक।"

रूलेटाबिल के मुंह से ये शब्द निकलते ही मैंने रॉबर्ट डार्ज़ैक को कांपते हुए देखा। पहले से ही पीला पड़ा हुआ वह और भी पीला पड़ गया। उसकी निगाहें उस युवक पर भय से टिकी हुई थीं, और वह तुरंत ही अवर्णनीय घबराहट की स्थिति में वाहन से नीचे उतर गया।
"अंदर आओ!" वह हकलाते हुए बोला।
फिर अचानक, और एक तरह के क्रोध के साथ, उसने दोहराया:
"चलिए, महोदय।"
वह उसी रास्ते पर आकर रुका जिससे वह महल से आया था, रूलेटाबिल अभी भी घोड़े की लगाम पकड़े हुए था। मैंने श्री डार्ज़ैक से कुछ शब्द कहे, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। मेरी निगाहें रूलेटाबिल पर टिकी थीं, लेकिन उनकी नज़र कहीं और थी।

अध्याय VI. बलूत के पेड़ों के झुरमुट के हृदय में

हम महल पहुँचे, और जैसे ही हम उसके पास पहुँचे, हमने देखा कि चार पुलिसकर्मी मुख्य भवन के भूतल पर एक छोटे से दरवाजे के सामने टहल रहे थे। हमें जल्द ही पता चला कि इस भूतल पर, जो पहले एक जेल के रूप में इस्तेमाल होता था, दरबारी महाशय और श्रीमती बर्नियर को कैद किया गया था। महाशय रॉबर्ट डार्ज़ैक हमें एक बड़े दरवाजे से महल के आधुनिक हिस्से में ले गए, जो एक उभरी हुई छतरी से ढका हुआ था—जिसे "मार्क्विस" कहा जाता है। रूलेटाबिल, जिसने घोड़े और गाड़ी को एक नौकर की देखरेख में सौंप दिया था, ने महाशय डार्ज़ैक से अपनी नज़रें नहीं हटाईं। मैंने उसकी नज़र का पीछा किया और पाया कि उसकी नज़रें केवल सोरबोन के प्रोफेसर के दस्ताने पहने हाथों पर टिकी थीं। जब हम पुराने फर्नीचर से सजे एक छोटे से बैठक कक्ष में थे, तब महाशय डार्ज़ैक ने रूलेटाबिल की ओर मुड़कर तीखे स्वर में कहा:
"आप क्या चाहते हैं?"
रिपोर्टर ने भी उतने ही तीखे लहजे में जवाब दिया:
"आपसे हाथ मिलाने के लिए।"
डार्ज़ैक पीछे हट गया।
"इसका क्या मतलब है?"
ज़ाहिर है, वह समझ गया था, जो मैं भी समझ गया था, कि मेरे दोस्त को शक था कि मैडमोज़ेल स्टैंगर्सन की जान लेने की घिनौनी कोशिश में उसका हाथ था। पीले कमरे की दीवारों पर खून से सने हाथ का निशान उसके दिमाग में था। मैंने उस आदमी को गौर से देखा। उसका अभिमानी चेहरा, जिस पर आमतौर पर इतने सीधे भाव रहते थे, उस समय अजीब तरह से परेशान था। उसने अपना दाहिना हाथ आगे बढ़ाया और मेरी ओर इशारा करते हुए कहा:
"चूंकि आप महाशय सैन्क्लेयर के मित्र हैं, जिन्होंने एक न्यायपूर्ण कार्य में मेरी अमूल्य सेवाएँ की हैं, इसलिए मुझे आपको अपना हाथ देने से इनकार करने का कोई कारण नहीं दिखता—"
रूलेटबिल ने बढ़ा हुआ हाथ नहीं उठाया। उसने अत्यंत दुस्साहस से झूठ बोलते हुए कहा:
"महाशय, मैं कई वर्षों तक रूस में रहा हूँ, जहाँ मुझे दस्ताने रहित हाथ के अलावा किसी और का हाथ न लेने की आदत पड़ गई है।"

मुझे लगा था कि सोरबोन के प्रोफेसर खुलकर अपना गुस्सा जाहिर करेंगे, लेकिन इसके विपरीत, उन्होंने काफी जोर लगाकर खुद को शांत किया, अपने दस्ताने उतारे और अपने हाथ दिखाए; उन पर किसी भी तरह के निशान नहीं थे।
"क्या आप संतुष्ट हैं?"
"नहीं!" रूलेटाबिल ने जवाब दिया। "मेरे प्यारे दोस्त," उसने मेरी ओर मुड़ते हुए कहा, "मुझे आपसे अनुरोध करना होगा कि आप हमें कुछ पल के लिए अकेला छोड़ दें।"
मैंने सिर झुकाया और पीछे हट गया; जो कुछ मैंने देखा और सुना था, उससे मैं स्तब्ध था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक ने मेरे इस धृष्ट, अपमानजनक और मूर्ख मित्र को अभी तक बाहर का रास्ता क्यों नहीं दिखा दिया। उस क्षण मैं रूलेटाबिल पर भी क्रोधित था, क्योंकि उसके संदेह के कारण ही दस्तानों का यह दृश्य उत्पन्न हुआ था।
लगभग बीस मिनट तक मैं महल के सामने घूमता रहा, दिन भर की घटनाओं को जोड़ने की व्यर्थ कोशिश करता रहा। रूलेटाबिल के मन में क्या चल रहा था? क्या यह संभव था कि वह श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक को हत्यारा समझ रहा हो? यह कैसे सोचा जा सकता है कि वह व्यक्ति, जिसकी कुछ ही दिनों में मैडमोजेल स्टैंगर्सन से शादी होने वाली थी, अपनी मंगेतर की हत्या करने के लिए पीले कमरे में घुस गया था? मुझे समझ नहीं आ रहा था कि हत्यारा पीले कमरे से बाहर कैसे निकल पाया; और जब तक यह रहस्य, जो मुझे इतना समझ से परे लग रहा था, अनसुलझा ही रहा, तब तक मुझे लगा कि हम सभी का यही कर्तव्य है कि किसी पर भी शक न करें। लेकिन फिर भी, वह बेतुका सा लगने वाला वाक्य—"पुजारी भवन ने अपना आकर्षण नहीं खोया है, न ही बगीचे ने अपनी चमक"—मेरे कानों में गूंजता रहा। इसका क्या मतलब था? मैं रूलेटाबिल के पास जाकर उससे सवाल पूछने के लिए उत्सुक था।
उसी क्षण वह युवक श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक के साथ महल से बाहर आया, और आश्चर्यजनक रूप से, मैंने एक नज़र में ही देख लिया कि वे दोनों घनिष्ठ मित्र थे। "हम पीले कमरे में जा रहे हैं। हमारे साथ आओ," रूलेटाबिल ने मुझसे कहा। "जानते हो, मेरे प्यारे लड़के, मैं तुम्हें पूरे दिन अपने साथ रखूंगी। हम यहीं कहीं साथ में नाश्ता करेंगे—"
"आप लोग मेरे साथ यहीं नाश्ता करेंगे, सज्जनों—"
"नहीं, धन्यवाद," युवक ने उत्तर दिया। "हम डॉनजॉन इन में नाश्ता करेंगे।"

"वहाँ तुम्हारा हाल बहुत बुरा होगा; तुम्हें वहाँ कुछ नहीं मिलेगा—" "क्या आपको ऐसा लगता है? खैर, मुझे उम्मीद है कि मुझे वहाँ कुछ मिल जाएगा," रूलेटाबिल ने जवाब दिया। "नाश्ते के बाद, हम फिर से काम पर लग जाएंगे। मैं अपना लेख लिखूंगा और अगर आप कृपा करके इसे मेरे लिए कार्यालय ले जाएं तो—" "क्या तुम मेरे साथ पेरिस वापस नहीं आओगे?"
"नहीं; मैं यहीं रहूंगा।"
मैंने रूलेटाबिल की ओर रुख किया। वह काफी गंभीरता से बोल रहा था, और श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक जरा भी आश्चर्यचकित नहीं दिखे।
हम किले के पास से गुजर रहे थे और हमें रोने की आवाजें सुनाई दीं। रूलेटाबिल ने पूछा:
"इन लोगों को क्यों गिरफ्तार किया गया है?"
"इसमें थोड़ी मेरी भी गलती है," महाशय डार्ज़ैक ने कहा। "कल मैंने जांच मजिस्ट्रेट से कहा था कि यह समझ से परे है कि चौकीदारों को रिवाल्वर की आवाज़ सुनने, कपड़े पहनने और अपने लॉज और मंडप के बीच की इतनी बड़ी दूरी को दो मिनट के भीतर तय करने का समय कैसे मिल गया; क्योंकि गोली चलने के ठीक दो मिनट बाद ही उनकी मुलाकात डैडी जैक्स से हुई थी।"
"यह स्पष्ट रूप से संदिग्ध था," रूलेटाबिल ने सहमति जताते हुए कहा। "और क्या उन्होंने कपड़े पहने थे?"
"यही तो अविश्वसनीय है—वे पूरी तरह से सजे-धजे थे—उनके पहनावे का एक भी हिस्सा अधूरा नहीं था। महिला ने सैबोट्स पहने थे, जबकि पुरुष ने फीते वाले बूट पहने थे। अब वे दावा कर रहे हैं कि वे साढ़े नौ बजे सोए थे। आज सुबह पहुँचने पर, जाँच मजिस्ट्रेट पेरिस से उसी कैलिबर का रिवॉल्वर अपने साथ लाए थे जो कमरे में मिला था (क्योंकि वे सबूत के तौर पर रखे गए रिवॉल्वर का इस्तेमाल नहीं कर सकते थे), और उन्होंने अपने रजिस्ट्रार से पीले कमरे में दरवाजे और खिड़कियाँ बंद करके दो गोलियाँ चलवाईं। हम उनके साथ चौकीदारों के कमरे में थे, फिर भी हमें कुछ भी सुनाई नहीं दिया, एक भी आवाज़ नहीं। चौकीदारों ने झूठ बोला है, इसमें कोई शक नहीं। वे ज़रूर मंडप से कुछ ही दूरी पर किसी चीज़ का इंतज़ार कर रहे होंगे! निश्चित रूप से उन पर अपराध का मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप नहीं लगाया जा सकता, लेकिन उनकी मिलीभगत असंभव नहीं है। इसीलिए महाशय डी मार्केट ने उन्हें तुरंत गिरफ्तार करवा दिया।"

□□□□□□□□□□ □□ □□□, "□□□ □□ □□-□□□□□□□ □□□□□, □□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□, □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □□-□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□-□□□□□□□ □□□"

"□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□? □□ □□□□□ □□□□ □□□□□?"

"□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□, □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□; □□□□□□□ □□□ □□ □□ □□-□□□□□□ □ □□□, □□□ □□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □□ □□□, □□ □□ □□□□□□□□□□ □□□"

□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□, □□ □□□□ □□□□ □□□□□□, □□□□ □□ □□□□□ □□□, □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□, □□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□, □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□, □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□; □□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□, □□□□□-□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□

□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□, □□□□□-□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□, □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□, □□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□, □□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□, □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□, □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□

___

		□□□				
		___				
□□□□	□□□□□		||	||		

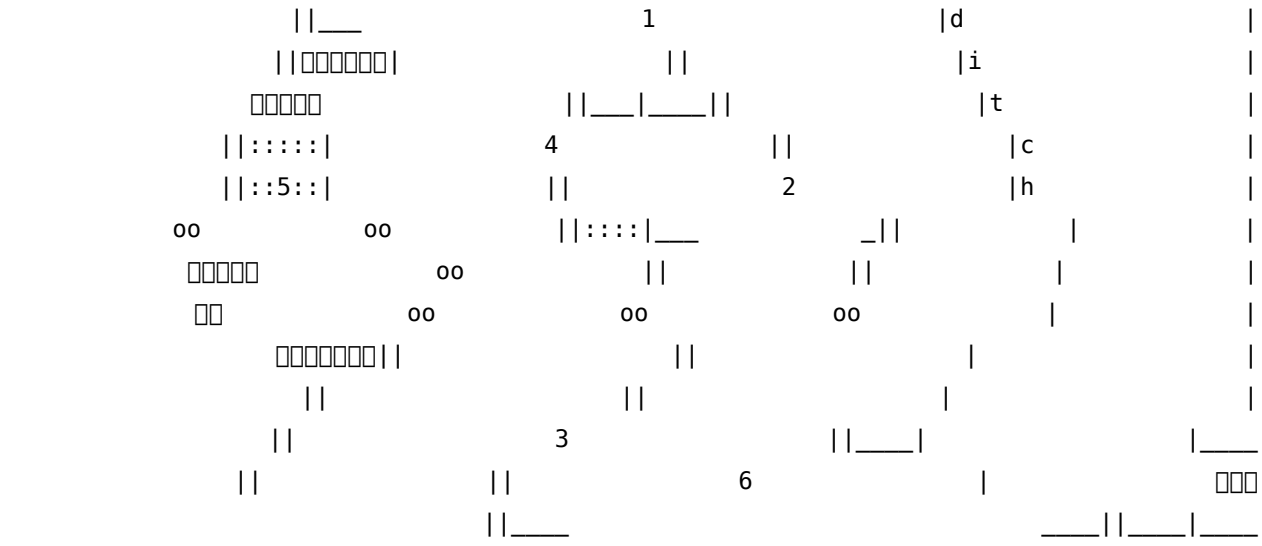

दरवाजा संलग्न दीवार

यह पवेलियन का ग्राउंड प्लान है। इसमें एक ग्राउंड फ्लोर था, जहाँ कुछ सीढ़ियाँ चढ़कर पहुँचा जा सकता था, और उसके ऊपर एक अटारी थी, जिसके बारे में हमें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। यहाँ मैं पाठक के समक्ष केवल ग्राउंड फ्लोर का ही मोटा-मोटा खाका प्रस्तुत कर रहा हूँ।
1. पीला कमरा, जिसमें एक खिड़की और एक दरवाजा है जो प्रयोगशाला में खुलता है। 2. प्रयोगशाला, जिसमें दो बड़ी, जालीदार खिड़कियाँ और दरवाजे हैं, जिनमें से एक प्रवेश कक्ष के लिए और दूसरा पीले कमरे के लिए है। 3. प्रवेश कक्ष, जिसमें बिना जाली वाली खिड़की और दरवाजा है जो पार्क में खुलता है। 4. शौचालय। 5. अटारी की ओर जाने वाली सीढ़ियाँ। 6. मंडप में एकमात्र और बड़ी चिमनी। प्रयोगशाला के प्रयोगों के लिए सेवा प्रदान करना।

यह योजना रूलेटाबिल द्वारा तैयार की गई थी, और मैंने यह सुनिश्चित कर लिया था कि इसमें एक भी ऐसी पंक्ति नहीं थी जो पुलिस के सामने मौजूद समस्या के समाधान में सहायक न हो। इस योजना की पंक्तियों और इसके भागों के विवरण को देखकर मेरे पाठक उतना ही जान पाएंगे जितना रूलेटाबिल पहली बार मंडप में प्रवेश करते समय जानता था। अब वे उससे पूछ सकते हैं: हत्यारा पीले कमरे से कैसे भागा? मंडप के दरवाजे तक जाने वाली तीन सीढ़ियाँ चढ़ने से पहले, रूलेटाबिल रुका और उसने श्री डार्ज़ैक से सीधे-सीधे पूछा:
"इस अपराध का मकसद क्या था?"
“महाशय, मैं अपने बारे में कहूँ तो, इस मामले में कोई संदेह नहीं हो सकता,” मैडमोजेल स्टैंगरसन के मंगेतर ने अत्यंत व्याकुल होकर कहा। “मैडमोजेल स्टैंगरसन की उंगलियों के नाखून, छाती और गले पर गहरे खरोंच यह दर्शाते हैं कि उन पर हमला करने वाले दुष्ट ने एक भयानक अपराध करने का प्रयास किया

था। कल इन निशानों की जांच करने वाले चिकित्सा विशेषज्ञों ने पुष्टि की है कि ये उसी हाथ के हैं जिसने दीवार पर अपना लाल निशान छोड़ा था; एक विशाल हाथ, महाशय, इतना बड़ा कि मेरे दस्तानों में समा नहीं सकता,” उन्होंने एक अवर्णनीय मुस्कान के साथ कहा।
मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा, "क्या वह खून से सना हुआ हाथ मैडमोजेल स्टैंगरसन का हाथ नहीं हो सकता, जिसने गिरने के क्षण में उसे दीवार पर दबा दिया हो और फिसलने के कारण निशान बड़ा हो गया हो?"
"जब उसे उठाया गया तो उसके दोनों हाथों पर खून की एक बूंद भी नहीं थी," महाशय डार्ज़ैक ने उत्तर दिया।
मैंने कहा, "अब हमें यकीन है कि मैडमोजेल स्टैंगरसन ही डैडी जैक्स के रिवॉल्वर से लैस थीं, क्योंकि उन्होंने हत्यारे के हाथ को घायल कर दिया था। वह किसी न किसी से डरी हुई थीं।"
"शायद।"
क्या आपको किसी पर शक है?
"नहीं," मॉन्सियर डार्ज़ैक ने रूलेटाबिल की ओर देखते हुए उत्तर दिया। तब रूलेटाबिल ने मुझसे कहा:
"मेरे मित्र, आपको यह अवश्य ही ज्ञात होगा कि जांच महाशय डी मार्केट द्वारा बताई गई जानकारी से कहीं अधिक उन्नत है। उन्हें न केवल यह पता है कि मैडमोजेल स्टैंगर्सन ने रिवॉल्वर से अपनी रक्षा की, बल्कि उन्हें यह भी पता है कि उन पर हमला करने के लिए किस हथियार का इस्तेमाल किया गया था। महाशय डार्ज़ैक ने मुझे बताया कि यह भेड़ की हड्डी थी। महाशय डी मार्केट इस भेड़ की हड्डी को इतना रहस्यमय क्यों बना रहे हैं? निस्संदेह, इसका उद्देश्य पुलिस के एजेंटों की जांच को आसान बनाना है। शायद उन्हें लगता है कि इस सबसे भयानक आविष्कारक, अपराध के इस हथियार का मालिक पेरिस की झुग्गी- झोपड़ियों में रहने वाले उन लोगों में से होगा जो इसका इस्तेमाल करते हैं। लेकिन एक जांच मजिस्ट्रेट के दिमाग में क्या चल रहा होता है, यह कौन कह सकता है?" रूलेटाबिल ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा।
मैंने उससे पूछा, "क्या पीले कमरे में भेड़ की हड्डी मिली है?"
“जी हां, महाशय,” रॉबर्ट डार्ज़ैक ने कहा, “बिस्तर के नीचे; लेकिन मैं आपसे विनती करता हूं कि इसके बारे में किसी को न बताएं।” (मैंने सहमति में इशारा किया।) “यह एक बहुत बड़ी भेड़ की हड्डी थी, जिसका ऊपरी सिरा, या यूं कहें कि

जोड़, उस भयानक घाव के खून से अभी भी लाल था। यह एक पुरानी हड्डी थी, जो देखने में ऐसा लगता है कि शायद अन्य अपराधों में भी इस्तेमाल हुई हो। महाशय डी मार्केट का यही मानना है। उन्होंने इसे विश्लेषण के लिए पेरिस की नगरपालिका प्रयोगशाला में भेजा है। दरअसल, उनका मानना है कि उन्होंने इस पर न केवल अंतिम पीड़ित का खून, बल्कि सूखे खून के अन्य धब्बे भी पाए हैं, जो पिछले अपराधों के सबूत हैं।”
रूलेटाबिल ने कहा, "एक कुशल हत्यारे के हाथ में भेड़ की हड्डी एक भयानक हथियार है, एक भारी हथौड़े से भी अधिक निश्चित हथियार।"
“उस बदमाश ने इसे साबित कर दिया है,” श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक ने दुख भरे स्वर में कहा। “मिली हुई हड्डी का जोड़ ठीक उसी घाव से मेल खाता है जिस पर चोट लगी थी।”
मेरा मानना है कि अगर हत्यारे का वार मैडमोजेल स्टैंगर्सन के रिवॉल्वर से न रोका गया होता, तो घाव जानलेवा होता। हाथ में घायल होकर उसने भेड़ की हड्डी गिरा दी और भाग गया। दुर्भाग्य से, वार हो चुका था और मैडमोजेल लगभग गला घोंटने के बाद बेहोश हो गई थीं। अगर वह रिवॉल्वर की पहली गोली से ही उस आदमी को घायल कर देतीं, तो निस्संदेह वह हड्डी वाले वार से बच जातीं। लेकिन उन्होंने रिवॉल्वर का इस्तेमाल बहुत देर से किया; पहली गोली भटक गई और छत में जा लगी; दूसरी गोली ही असरदार साबित हुई।
यह कहते हुए, महाशय डार्ज़ैक ने मंडप के दरवाजे पर दस्तक दी। मुझे यह स्वीकार करना होगा कि अपराध स्थल तक पहुँचने के लिए मेरे मन में तीव्र बेचैनी थी। कुछ समय बाद, एक व्यक्ति ने दरवाजा खोला जिसे मैंने तुरंत डैडी जैक्स के रूप में पहचान लिया।
उनकी उम्र साठ वर्ष से अधिक प्रतीत हो रही थी। उनकी लंबी सफेद दाढ़ी और सफेद बाल थे, जिन पर उन्होंने एक चपटी बास्क टोपी पहन रखी थी। उन्होंने भूरे रंग के मखमली कपड़े का पूरा सूट पहना हुआ था, जो किनारों से ढीला था; उनके पैरों में चप्पलें थीं। उनका चेहरा कुछ चिड़चिड़ा सा लग रहा था, लेकिन श्री डार्ज़ैक को देखते ही उनके चेहरे का भाव बदल गया।
"दोस्तों," हमारे गाइड ने कहा। "पैवेलियन में कोई नहीं है, डैडी जैक्स?" "मुझे किसी को भी अंदर आने की अनुमति नहीं देनी चाहिए, महाशय रॉबर्ट, लेकिन बेशक यह आदेश आप पर लागू नहीं होता। न्याय के इन सज्जनों ने सब कुछ देख

लिया है, पर्याप्त रेखाचित्र बना लिए हैं और पर्याप्त रिपोर्ट तैयार कर ली हैं—"
"क्षमा कीजिए, महाशय जैक्स, सबसे पहले एक प्रश्न," रूलेटाबिल ने कहा। "क्या बात है, नौजवान? अगर मैं इसका जवाब दे सकूँ तो—"
"क्या तुम्हारी मालकिन ने उस शाम अपने बालों में पट्टियाँ बाँधी थीं? तुम समझ रहे हो ना मेरा मतलब—अपने माथे पर?"
"नहीं, नौजवान। मेरी मालकिन ने कभी भी अपने बाल उस तरह नहीं बांधे थे जैसा तुम बता रहे हो, न उस दिन और न ही किसी और दिन। उन्होंने हमेशा की तरह अपने बाल ऊपर बांध रखे थे, ताकि उनका सुंदर माथा दिखाई दे सके, जो किसी अजन्मे बच्चे के माथे की तरह पवित्र था!"
रूलेटाबिल ने हल्की सी आवाज़ निकाली और दरवाज़े की जाँच करने लगा। उसने पाया कि दरवाज़ा अपने आप बंद हो जाता है। उसे इस बात का संतोष हो गया कि यह कभी खुला नहीं रह सकता और इसे खोलने के लिए चाबी की ज़रूरत है। फिर हम प्रवेश कक्ष में दाखिल हुए, जो चौकोर लाल टाइलों से बना एक छोटा, अच्छी रोशनी वाला कमरा था।
"आह! यही वह खिड़की है जिससे हत्यारा भाग निकला!" रूलेटाबिल ने कहा।
"वे यही कहते रहते हैं, महोदय, यही कहते रहते हैं! लेकिन अगर वह उस तरफ गया होता, तो हम उसे ज़रूर देख लेते। हम अंधे नहीं हैं, न तो महोदय स्टैंगरसन, न मैं, और न ही जेल में बंद चौकीदार। मेरे रिवॉल्वर की वजह से मुझे भी जेल में क्यों नहीं डाला गया?"
रूलेटबिल ने खिड़की पहले ही खोल दी थी और वह शटर की जांच कर रहा था।
"क्या अपराध के समय ये दुकानें बंद थीं?"
"और अंदर लगे लोहे के कुंडी से बंद था," डैडी जैक्स ने कहा, "और मुझे पूरा यकीन है कि हत्यारा उस तरह से बाहर नहीं निकल पाया होगा।"
"क्या यहाँ खून के धब्बे हैं?"
"हां, बाहर पत्थरों पर; लेकिन किसका खून?"
"आह!" रूलेटाबिल ने कहा, "रास्ते पर पैरों के निशान दिखाई दे रहे हैं— ज़मीन बहुत गीली थी। मैं अभी इसकी जाँच करूँगा।"
"बकवास!" डैडी जैक्स ने बीच में ही टोकते हुए कहा; "हत्यारा उस रास्ते से नहीं गया था।"
"तो फिर वह किस रास्ते गया?"

"मुझे कैसे पता चलेगा?"
रूलेटाबिल ने हर चीज़ को देखा, हर चीज़ को सूंघा। वह घुटनों के बल बैठ गया और तेज़ी से हर एक टाइल की जांच करने लगा। डैडी जैक्स ने आगे कहा:
"अरे! आपको कुछ नहीं मिल रहा है, महोदय। कुछ भी नहीं मिला है। और अब यह सब गंदा हो गया है; बहुत से लोग इस पर चल चुके हैं। उन्होंने मुझे इसे धोने नहीं दिया, लेकिन अपराध वाले दिन मैंने फर्श को अच्छी तरह से धोया था, और अगर हत्यारा अपने कील लगे जूतों से इस पर चला होता, तो मुझे पता चल जाता कि वह कहाँ था; उसने मैडमोजेल के कमरे में काफी निशान छोड़े हैं।"
रूलेटबिल रोज़।
"आपने इन टाइलों को आखिरी बार कब धोया था?" उसने पूछा, और उसने डैडी जैक्स को बेहद उत्सुकता भरी नजरों से देखा।
"क्यों—जैसा कि मैंने आपको बताया—अपराध वाले दिन, लगभग साढ़े पाँच बजे— जब मैडमोजेल और उनके पिता रात के खाने से पहले यहाँ इसी कमरे में थोड़ी देर टहल रहे थे—उन्होंने प्रयोगशाला में खाना खाया था। अगले दिन, जाँच अधिकारी आए और उन्होंने फर्श पर बने सभी निशान देखे जो इतने स्पष्ट थे मानो सफेद कागज पर स्याही से बनाए गए हों। खैर, न तो प्रयोगशाला में और न ही बरामदे में, जो दोनों बिल्कुल साफ थे, किसी आदमी के पैरों के निशान नहीं थे। चूंकि वे बाहर इस खिड़की के पास मिले हैं, इसलिए वह पीले कमरे की छत से होकर अटारी में गया होगा, फिर छत को काटकर बरामदे की खिड़की के बाहर जमीन पर कूद गया होगा। लेकिन—न तो पीले कमरे की छत में कोई छेद है और न ही मेरी अटारी की छत में—यह बिल्कुल निश्चित है! तो आप देख रहे हैं कि हम कुछ नहीं जानते—कुछ भी नहीं! और कभी कुछ पता भी नहीं चलेगा! यह शैतान का बनाया हुआ रहस्य है।"
रूलेटबिल फिर से घुटनों के बल बैठ गया, लगभग प्रवेश कक्ष के पीछे स्थित एक छोटे से शौचालय के सामने। वह लगभग एक मिनट तक उसी स्थिति में रहा।
"तो?" मैंने उससे पूछा जब वह उठा।
"अरे! कुछ खास नहीं, बस खून की एक बूंद," उसने जवाब दिया और बोलते हुए डैडी जैक्स की ओर मुड़ गया। "जब आप प्रयोगशाला और इस गलियारे की सफाई कर रहे थे, तो क्या गलियारे की खिड़की खुली थी?" उन्होंने पूछा।
"नहीं, महोदय, यह बंद था; लेकिन फर्श धोने के बाद, मैंने महोदय के लिए प्रयोगशाला की भट्टी में कुछ कोयला जलाया, और चूंकि मैंने इसे पुराने

अखबारों से जलाया था, इसलिए इसमें से धुआं निकला, इसलिए मैंने प्रयोगशाला की दोनों खिड़कियां और यह वाली भी खोल दीं, ताकि हवा का प्रवाह हो सके; फिर मैंने प्रयोगशाला की खिड़कियां बंद कर दीं और बाहर जाते समय यह वाली खुली छोड़ दी। जब मैं मंडप में लौटा, तो यह खिड़की बंद थी और महोदय और महोदया पहले से ही प्रयोगशाला में काम कर रहे थे।"
"क्या श्रीमान या श्रीमती स्टैंगरसन ने इसे बंद कर दिया था?"
"इसमें कोई शक नहीं।"
"आपने उनसे नहीं पूछा?"
छोटे से शौचालय और अटारी की ओर जाने वाली सीढ़ियों का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद, रूलेटाबिल—जिसके लिए मानो हमारा अस्तित्व ही न रहा हो— प्रयोगशाला में दाखिल हुआ। मैं उसके पीछे गया। मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं बहुत उत्तेजित था। रॉबर्ट डार्ज़ैक ने मेरे मित्र की हर हरकत पर नज़र रखी। जहाँ तक मेरी बात है, मेरी नज़र सबसे पहले पीले कमरे के दरवाज़े पर पड़ी। वह बंद था और, जैसा कि मैंने तुरंत देखा, आंशिक रूप से टूटा हुआ और बेकार पड़ा था।
मेरा मित्र, जो अपने काम में व्यवस्थित रूप से लगा रहता था, चुपचाप उस कमरे का निरीक्षण कर रहा था जिसमें हम थे। कमरा बड़ा और रोशनी से भरपूर था। दो बड़ी खिड़कियाँ—लगभग चौड़ी खाड़ियों जैसी—मज़बूत लोहे की सलाखों से सुरक्षित थीं और दूर-दूर तक फैले ग्रामीण इलाके की ओर खुलती थीं। जंगल में बने एक खुले स्थान से घाटी की पूरी लंबाई और मैदान के उस पार उस बड़े शहर का अद्भुत दृश्य दिखाई देता था, जो साफ मौसम में स्पष्ट रूप से नज़र आता था। लेकिन आज, ज़मीन पर धुंध छाई हुई थी—और उस कमरे में खून के धब्बे थे! प्रयोगशाला का पूरा एक हिस्सा एक बड़ी चिमनी, क्रूसिबल, ओवन और रासायनिक प्रयोगों के लिए आवश्यक उपकरणों से भरा हुआ था; मेजें शीशियों, कागजों, रिपोर्टों से लदी हुई थीं, एक विद्युत मशीन थी - एक उपकरण, जैसा कि महाशय डार्ज़ैक ने मुझे बताया, जिसका उपयोग प्रोफेसर स्टैंगर्सन ने सौर प्रकाश की क्रिया के तहत पदार्थ के वियोजन को प्रदर्शित करने के लिए किया था - और अन्य वैज्ञानिक उपकरण थे।
दीवारों के किनारे सादी या कांच के सामने वाली अलमारियां थीं, जिनके माध्यम से सूक्ष्मदर्शी, विशेष फोटोग्राफिक उपकरण और बड़ी मात्रा में क्रिस्टल दिखाई दे रहे थे।

चिमनी में कुछ खोजबीन कर रहे रूलेटाबिल ने अपनी उंगलियां एक भट्टी में डालीं। अचानक वह सीधा खड़ा हुआ और हाथ में आधा जला हुआ कागज का टुकड़ा पकड़े हुए था। वह खिड़की के पास आकर खड़ा हो गया, जहां हम बातें कर रहे थे। "इसे हमारे लिए संभाल कर रखिए, महाशय डार्ज़ैक," उन्होंने कहा।
मैंने रूलेटाबिल के हाथ से महाशय डार्ज़ैक द्वारा लिए गए जले हुए कागज के टुकड़े पर झुककर, केवल उन शब्दों को स्पष्ट रूप से पढ़ा जो अभी भी पठनीय थे:
"प्रेस्बिटरी ने कुछ भी नहीं खोया—न तो अपना आकर्षण, न ही अपनी चमक।" सुबह से दो बार ये बेतुके शब्द मेरे मन में आए थे, और दूसरी बार मैंने देखा कि इनका सोरबोन के प्रोफेसर पर भी वही स्तब्ध कर देने वाला असर हुआ। श्री डार्ज़ैक की पहली घबराहट तब दिखी जब उन्होंने अपनी नज़रें पिताजी जैक्स की ओर घुमाईं। लेकिन, चूंकि वे दूसरी खिड़की पर व्यस्त थे, इसलिए उन्हें कुछ भी दिखाई नहीं दिया। फिर कांपते हुए उन्होंने अपना पर्स खोला और उसमें कागज़ का टुकड़ा रखते हुए आह भरी: "हे भगवान!"
इस दौरान, रूलेटाबिले आग की अंगीठी के खुले हिस्से में चढ़ गया था - यानी, वह भट्टी की ईंटों पर चढ़ गया था - और चिमनी का ध्यानपूर्वक निरीक्षण कर रहा था, जो ऊपर की ओर संकरी होती जा रही थी, जिसका निकास लोहे की चादरों से बंद था, जो ईंटों में जड़ी हुई थीं, और जिनसे होकर तीन छोटी चिमनियां गुजरती थीं।
"उस रास्ते से निकलना नामुमकिन है," उसने प्रयोगशाला में वापस कूदते हुए कहा। "इसके अलावा, अगर उसने कोशिश भी की होती, तो वह सारा लोहे का ढांचा ज़मीन पर गिरा देता। नहीं, नहीं; हमें उस तरफ नहीं खोजना है।"
इसके बाद रूलेटाबिल ने फर्नीचर का निरीक्षण किया और अलमारी के दरवाजे खोले। फिर वह खिड़कियों के पास आया, जिनके बारे में उसने कहा कि उनसे होकर कोई भी गुजर नहीं सकता था। दूसरी खिड़की पर उसने डैडी जैक्स को चिंतन करते हुए पाया।
"अच्छा, पिताजी जैक्स," उसने कहा, "आप क्या देख रहे हैं?"
"वो पुलिसवाला जो हमेशा झील के चक्कर लगाता रहता है। उन लोगों में से एक और जो सोचते हैं कि वो बाकी सब से बेहतर देख सकते हैं!"

“आप फ्रेडरिक लार्सन को नहीं जानते, डैडी जैक्स, वरना आप उनके बारे में इस तरह बात नहीं करते,” रूलेटाबिल ने उदास स्वर में कहा। “अगर कोई हत्यारे को ढूंढ सकता है, तो वह वही होगा।” और रूलेटाबिल ने एक गहरी आह भरी।
"उसे ढूंढने से पहले, उन्हें यह पता लगाना होगा कि वे उसे कैसे खो बैठे," डैडी जैक्स ने दृढ़ता से कहा।
अंततः हम पीले कमरे के दरवाजे तक पहुँच गए।
"यह वह दरवाजा है जिसके पीछे कोई भयानक घटना घटी थी," रूलेटाबिल ने एक ऐसी गंभीरता के साथ कहा जो किसी अन्य परिस्थिति में हास्यास्पद लगती।

अध्याय VII. जिसमें रूलेटाबिल बिस्तर के नीचे एक अभियान पर निकलता है
रूलेटबिल ने पीले कमरे का दरवाजा खोलकर दहलीज पर रुककर एक ऐसी भावना के साथ कहा, जिसे मैं बाद में ही समझ पाया, "आह, काले कपड़े वाली महिला की खुशबू!"
कमरा अंधेरा था। डैडी जैक्स पर्दे खोलने ही वाले थे कि रूलेटाबिल ने उन्हें रोक दिया।
"क्या यह त्रासदी घोर अंधेरे में नहीं घटी थी?" उसने पूछा।
नहीं, नौजवान, मुझे ऐसा नहीं लगता। मैडमोजेल की मेज पर हमेशा एक नाइटलाइट रहती थी, और मैं हर शाम उनके सोने से पहले उसे जला देती थी। तुम्हें समझना होगा, शाम होते-होते मैं एक तरह से नौकरानी का काम करती थी। असली नौकरानी सुबह होने से पहले यहाँ नहीं आती थी। मैडमोजेल देर रात तक काम करती थीं। "रात की बत्ती वाली मेज कहाँ रखी थी, जो बिस्तर से काफी दूर थी?"
"बिस्तर से कुछ दूरी पर।"
"क्या अब आप बर्नर जला सकते हैं?"
"दीपक टूट गया है और मेज के गिरने से उसमें रखा तेल भी फैल गया। कमरे की बाकी सारी चीजें वैसी ही हैं जैसी पहले थीं। आपको देखने के लिए बस पर्दे खोलने होंगे।"
"इंतज़ार।"
रूलेटबिल प्रयोगशाला में वापस गया, दोनों खिड़कियों के शटर और प्रवेश कक्ष का दरवाजा बंद कर दिया।
जब चारों ओर घना अंधेरा था, तो उसने एक मोम की वेस्ता (वस्त्र) जलाई और डैडी जैक्स से कहा कि वे उसे लेकर कमरे के बीच में उस जगह पर चले जाएं जहां उस रात रोशनी जल रही थी।
डैडी जैक्स, जो मोज़े पहने हुए थे—वे आमतौर पर अपने मोज़े प्रवेश द्वार पर ही छोड़ देते थे—अपने थोड़े से वस्त्र के साथ पीले कमरे में दाखिल हुए। हमें धुंधली सी दिखाई दे रही थी: फर्श पर कुछ वस्तुएँ बिखरी पड़ी थीं, एक कोने में बिस्तर था, और हमारे सामने बाईं ओर, बिस्तर के पास दीवार पर टंगा एक दर्पण चमक रहा था।
"बस इतना ही काफी है! अब आप पर्दे खोल सकते हैं," रूलेटाबिल ने कहा।

"और आगे मत आओ," डैडी जैक्स ने विनती की, "तुम अपने बूटों से निशान बना सकते हो, और कुछ भी गड़बड़ नहीं होनी चाहिए; यह मजिस्ट्रेट का विचार है - हालाँकि अब उसका यहाँ कोई काम नहीं है।"
और उसने शटर खोल दिया। बाहर से हल्की धूप अंदर आई, जिससे केसरिया रंग की दीवारों पर एक भयावह रोशनी पड़ रही थी। फर्श—हालांकि प्रयोगशाला और प्रवेश कक्ष में टाइलें लगी थीं, पीले कमरे में लकड़ी का फर्श था—एक ही पीली चटाई से ढका हुआ था जो लगभग पूरे कमरे को ढकने के लिए काफी बड़ी थी, बिस्तर के नीचे और ड्रेसिंग टेबल के नीचे—जो एकमात्र फर्नीचर था जो सीधा खड़ा था। बीच की गोल मेज, नाइट टेबल और दो कुर्सियाँ उलटी पड़ी थीं। इन सबके बावजूद चटाई पर खून का एक बड़ा धब्बा साफ दिखाई दे रहा था, जो, जैसा कि डैडी जैक्स ने हमें बताया, मैडमोजेल स्टैंगर्सन के माथे के घाव से निकले खून का था। इन धब्बों के अलावा, खून की बूँदें चारों दिशाओं में गिरी थीं, हत्यारे के बड़े और काले पैरों के निशानों की दिशा में। हर बात से यही अनुमान लगाया जा सकता था कि खून की ये बूँदें उस आदमी के घाव से गिरी थीं जिसने एक पल के लिए अपना लाल हाथ दीवार पर रखा था। दीवार पर उसी हाथ के अन्य निशान भी थे, लेकिन वे बहुत कम स्पष्ट थे।
"देखो!—दीवार पर ये खून देखो!" मैं विस्मय से बोले बिना नहीं रह सकी। "अंधेरे में जिसने भी इतनी ज़ोर से हाथ दबाया होगा, उसने ज़रूर सोचा होगा कि वह दरवाज़ा खोल रहा है! इसीलिए उसने इतनी ज़ोर से दबाया, जिससे पीले कागज़ पर ये भयानक निशान बन गए। मुझे नहीं लगता कि दुनिया में ऐसे हाथ ज़्यादा होंगे। ये बड़ा और मज़बूत है और उंगलियाँ लगभग बराबर लंबी हैं! अंगूठा गायब है और हमारे पास सिर्फ़ हथेली का निशान है; लेकिन अगर हम हाथ के निशान का पीछा करें," मैंने आगे कहा, "तो हम देखते हैं कि दीवार पर अपना निशान छोड़ने के बाद, हाथ ने दरवाज़े को ढूँढा, उसे पाया, और फिर ताला टटोला—"
"इसमें कोई शक नहीं," रूलेटाबिल ने बीच में ही टोकते हुए हंसते हुए कहा, "बस ताले पर या कुंडी पर खून का कोई निशान नहीं है!"
"इससे क्या साबित होता है?" मैंने गर्व से भरे आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया; "हो सकता है उसने ताला अपने बाएं हाथ से खोला हो, जो कि बिल्कुल स्वाभाविक होता, क्योंकि उसका दाहिना हाथ घायल था।"

“उसने तो दरवाजा खोला ही नहीं!” डैडी जैक्स ने फिर कहा। “हम बेवकूफ नहीं हैं; और जब हमने दरवाजा तोड़ा था तब हम चार लोग थे!”
"कितना अजीब हाथ है! देखो, कितना अजीब हाथ है!" मैंने कहा।
रूलेटाबिल ने कहा, "यह एक बहुत ही स्वाभाविक हाथ है, जिसका आकार दीवार पर फिसलने से बिगड़ गया है। उस आदमी ने अपना हाथ दीवार पर सुखाया होगा। उसकी लंबाई लगभग पांच फुट आठ इंच होगी।"
"आप इस निष्कर्ष पर कैसे पहुंचे?"
"दीवार पर बने निशानों की ऊंचाई के आधार पर।"
इसके बाद मेरा दोस्त दीवार पर गोली के निशान को देखने में मग्न हो गया। वह एक गोल छेद था।
"यह गेंद सीधी दिशा में दागी गई थी, ऊपर से नहीं, और इसलिए नीचे से भी नहीं।"
रूलेटाबिल दरवाजे के पास वापस गया और ताले और कुंडी की सावधानीपूर्वक जाँच की। उसने यह सुनिश्चित कर लिया कि दरवाजा बाहर से ही तोड़ा गया था, और चाबी कमरे के अंदर लगे ताले में ही मिली थी। अंत में, उसे इस बात की भी पुष्टि हो गई कि ताले में चाबी लगी होने के कारण, किसी दूसरी चाबी से दरवाजा बाहर से नहीं खोला जा सकता था। इन सभी बातों की पुष्टि करने के बाद, उसने कहा: "अब ठीक है!"—फिर वह जमीन पर बैठ गया, जल्दी से अपने जूते उतारे और मोजे पहने हुए कमरे में चला गया।
सबसे पहले उसने पलटे हुए फर्नीचर का बारीकी से निरीक्षण किया। हम चुपचाप उसे देखते रहे।
"युवक, तुम अपने लिए बहुत बड़ी मुसीबत खड़ी कर रहे हो," डैडी जैक्स ने व्यंग्यपूर्वक कहा।
रूलेटबिल ने अपना सिर उठाया और कहा:
"आपने बिलकुल सच कहा है, डैडी जैक्स; उस शाम आपकी प्रेमिका के बालों में पट्टियाँ नहीं बंधी थीं। मेरा यह मानना मूर्खता थी कि उसके बालों में पट्टियाँ बंधी थीं।"
फिर, सांप की तरह फुर्ती से वह पलंग के नीचे खिसक गया। थोड़ी देर बाद हमने उसे पूछते सुना:
"महाशय जैक्स, महाशय और मैडमोजेल स्टैंगर्सन किस समय प्रयोगशाला में पहुँचे थे?"

"छह बजे।"
रूलेटाबिल की आवाज जारी रही:
"हाँ, वो यहीं नीचे था, ये तो पक्का है; असल में, उसके छिपने की कोई और जगह ही नहीं थी। यहाँ उसके कीलों के निशान भी हैं। जब तुम चारों अंदर आए थे, तो क्या तुमने बिस्तर के नीचे देखा था?"
"तुरंत ही, हमने इसे इसकी जगह से खींचकर बाहर निकाल दिया।"
और गद्दों के बीच में?
"बिस्तर पर केवल एक ही बिस्तर था, और उसी पर मैडमोजेल को लिटाया गया; और श्री स्टैंगर्सन और दरबान तुरंत उसे प्रयोगशाला में ले गए। गद्दे के नीचे धातु की जाली के अलावा कुछ नहीं था, जो किसी भी चीज़ या किसी को भी छिपा नहीं सकती थी। याद रखिए, महोदय, कि हम चार लोग थे और हम सब कुछ देखे बिना नहीं रह सकते थे—कमरा इतना छोटा और कम साज-सज्जा वाला था, और सब कुछ मंडप के पीछे बंद था।"
मैंने एक परिकल्पना प्रस्तुत की:
"शायद वह गद्दे के साथ भाग निकला हो—गद्दे के अंदर ही!—ऐसे रहस्य के सामने कुछ भी संभव है! मानसिक तनाव में डूबे श्री स्टैंगरसन और दरबान ने शायद ध्यान ही नहीं दिया होगा कि वे दोहरा बोझ ढो रहे हैं; खासकर अगर दरबान भी इसमें शामिल हो! मैं यह परिकल्पना यूं ही पेश कर रहा हूं, लेकिन यह कई बातों को स्पष्ट करती है—और विशेष रूप से इस तथ्य को कि न तो प्रयोगशाला में और न ही प्रवेश कक्ष में कमरे में मिले पैरों के निशान का कोई सुराग है। अगर महल की प्रयोगशाला से मैडमोजेल को गद्दे पर ले जाते समय वे एक पल के लिए भी रुके हों, तो गद्दे में लेटे व्यक्ति को भागने का मौका मिल सकता था।"
"और फिर?" रूलेटाबिल ने बिस्तर के नीचे जानबूझकर हंसते हुए पूछा।
मुझे काफी झुंझलाहट हुई और मैंने जवाब दिया:
मुझे नहीं पता, लेकिन कुछ भी संभव प्रतीत होता है।
“जांच करने वाले मजिस्ट्रेट के मन में भी यही विचार आया, महोदय,” डैडी जैक्स ने कहा, “और उन्होंने गद्दे की सावधानीपूर्वक जांच की। उन्हें यह विचार सुनकर हंसी आ गई, महोदय, जैसा कि आपका मित्र अभी कर रहा है, क्योंकि भला किसने सुना है कि गद्दे में दोहरी सतह हो सकती है?”

मैंने खुद को हंसते हुए पाया कि मैंने जो कहा था वह बेतुका था; लेकिन ऐसे मामले में यह कहना मुश्किल है कि बेतुकापन कहां से शुरू होता है और कहां खत्म होता है।
मेरा दोस्त ही समझदारी से बात कर पा रहा था। उसने बिस्तर के नीचे से आवाज़ लगाई।
"यहाँ की चटाई अपनी जगह से हटा दी गई है, यह किसने किया?"
"जी हाँ, महोदय," डैडी जैक्स ने समझाया। "जब हमें हत्यारा नहीं मिला, तो हमने खुद से पूछा कि क्या फर्श में कोई छेद तो नहीं था—"
"नहीं है," रूलेटाबिल ने उत्तर दिया। "क्या यहाँ तहखाना है?"
"नहीं, यहाँ कोई तहखाना नहीं है। लेकिन इससे हमारी तलाशी नहीं रुकी है, और न ही इससे जांच करने वाले मजिस्ट्रेट और उनके रजिस्ट्रार को फर्श की एक-एक तख्ती का अध्ययन करने से रोका है, मानो उसके नीचे कोई तहखाना रहा हो।"
फिर रिपोर्टर दोबारा प्रकट हुआ। उसकी आँखें चमक रही थीं और नथुने फड़फड़ा रहे थे। वह अपने हाथों और घुटनों के बल बैठा रहा। उसकी तुलना किसी अनोखे शिकार की गंध सूंघते हुए एक कुशल शिकारी कुत्ते से की जा सकती थी। और वास्तव में, वह एक आदमी के कदमों की आहट सूंघ रहा था—वही आदमी जिसके बारे में उसने अपने मालिक, "एपोक" के प्रबंधक को रिपोर्ट करने की शपथ ली थी। यह नहीं भूलना चाहिए कि रूलेटाबिल सबसे पहले और अंत में एक पत्रकार था।
इस प्रकार, अपने हाथों और घुटनों के बल, वह कमरे के चारों कोनों तक गया, मानो हर चीज को सूंघता और उसके चारों ओर घूमता रहा - वह सब कुछ जो हम देख सकते थे, जो कि बहुत कम था, और वह सब कुछ जो हम नहीं देख सकते थे, जो कि अनंत रहा होगा।
वह मेज़पोश चार पैरों पर खड़ी एक साधारण मेज़ थी; उसमें ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे उसे अस्थायी छिपने की जगह में बदला जा सके। वहाँ कोई कोठरी या अलमारी नहीं थी। मैडमोजेल स्टैंगरसन ने अपने कपड़े महल में ही रखे थे। रूलेटाबिल ने ईंटों से बनी ठोस दीवारों पर अपनी नाक और हाथ फेरे। जब उसने दीवारों का मुआयना कर लिया और उन पर लगे पीले कागज़ के हर हिस्से पर अपनी फुर्तीली उंगलियां फेर लीं, तो वह छत तक पहुंचा, जिसे वह टॉयलेट टेबल पर रखी कुर्सी पर चढ़कर छू सका। इस चतुराई से बनाए गए चबूतरे को इधर-उधर घुमाकर उसने छत के हर हिस्से की जांच की। छत की जांच पूरी करने के बाद, जहां उसने दूसरी गोली से बने छेद का ध्यान से निरीक्षण किया, वह खिड़की के

पास पहुंचा और एक बार फिर लोहे की सलाखों और पर्दों की जांच की, जो सभी ठोस और सही-सलामत थे। अंत में, उसने संतुष्टि भरी आह भरी और कहा, "अब मैं चैन से हूं!"
"अच्छा, क्या आपको विश्वास है कि उस बेचारी युवती को उस समय बंद कर दिया गया था जब उसकी हत्या की जा रही थी—जब वह मदद के लिए चिल्ला रही थी?" डैडी जैक्स विलाप करते हुए बोले।
"हां," युवा रिपोर्टर ने अपना माथा पोंछते हुए कहा, "पीला कमरा लोहे की तिजोरी की तरह कसकर बंद था।"
मैंने कहा, "इसीलिए यह रहस्य मेरे लिए सबसे चौंकाने वाला है। एडगर एलन पो ने 'द मर्डर्स इन द रू मोर्ग' में ऐसा कुछ भी नहीं लिखा। उस अपराध स्थल को इतनी अच्छी तरह से बंद कर दिया गया था कि कोई आदमी भाग न सके; लेकिन वहाँ एक खिड़की थी जिससे बंदर, हत्यारा, निकल सकता था! लेकिन यहाँ, किसी भी तरह के खुलने का कोई सवाल ही नहीं उठता। दरवाजा बंद था, और खिड़की के पर्दे इतने मज़बूती से लगे थे कि एक मक्खी भी अंदर या बाहर नहीं जा सकती थी।"
"जी हां, जी हां," रूलेटाबिल ने सहमति जताते हुए अपना माथा पोंछा, जो हाल ही में हुए शारीरिक परिश्रम से कम और मानसिक उत्तेजना से ज़्यादा पसीना बहा रहा था। "सचमुच, यह एक महान, सुंदर और बहुत ही विचित्र रहस्य है।"
"भगवान की देवी," पिताजी जैक्स ने बुदबुदाते हुए कहा, "भगवान की देवी, अगर उसने अपराध किया होता, तो वह बच नहीं पाती। सुनो! क्या तुम्हें सुनाई दे रहा है? चुप रहो!"
डैडी जैक्स ने हमें चुप रहने का इशारा किया और जंगल के सबसे नजदीक वाली दीवार की ओर अपना हाथ बढ़ाकर कुछ ऐसा सुना जो हम नहीं सुन सके।
"यह जवाब दे रही है," उसने अंत में कहा। "मुझे इसे मारना ही होगा। यह बहुत दुष्ट है, लेकिन यह ईश्वर की सबसे बुरी आत्मा है, और हर रात यह संत-जेनेवीव की कब्र पर प्रार्थना करने जाती है और कोई भी उसे छूने की हिम्मत नहीं करता, इस डर से कि कहीं मदर एंजेनॉक्स उन पर कोई बुरी शक्ति न डाल दे।" "बेटे डू बॉन डियू कितना बड़ा है?"
“लगभग एक छोटे रिट्रीवर कुत्ते जितनी बड़ी,—एक राक्षस, मैं तुम्हें बता रहा हूँ। आह!—मैंने खुद से कई बार पूछा है कि क्या यह वही तो नहीं थी जिसने हमारी बेचारी मैडमोजेल का गला अपने पंजों से जकड़ लिया था। लेकिन भगवान की बेते न तो कील वाले जूते पहनती है, न ही रिवॉल्वर चलाती है, और न ही उसका

हाथ ऐसा है!” डैडी जैक्स ने दीवार पर लाल निशान की ओर इशारा करते हुए फिर कहा। “इसके अलावा, हम उसे वैसे ही देख पाते जैसे हम किसी आदमी को देखते—” "ज़ाहिर है," मैंने कहा। "इस पीले कमरे को देखने से पहले, मैंने खुद से यह भी पूछा था कि क्या मदर एंजेनॉक्स की बिल्ली—"
"तुम भी!" रूलेटाबिल चिल्लाया।
"क्या तुमने नहीं किया?" मैंने पूछा।
"बिल्कुल नहीं। 'मैटिन' में लेख पढ़ने के बाद, मुझे पता चल गया था कि बिल्ली का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन अब मैं कसम खाता हूँ कि यहाँ एक भयानक त्रासदी घटित हुई है। डैडी जैक्स, आपने यहाँ मिली बास्क टोपी या रूमाल के बारे में कुछ नहीं कहा?"
"बेशक, मजिस्ट्रेट उन्हें ले गए हैं," बूढ़े व्यक्ति ने हिचकिचाते हुए उत्तर दिया।
"मैंने न तो रूमाल देखा है और न ही टोपी, फिर भी मैं आपको बता सकता हूं कि वे कैसे बनाए जाते हैं," रिपोर्टर ने गंभीरता से उससे कहा।
"ओह, तुम तो बहुत होशियार हो," डैडी जैक्स ने खांसते हुए और शर्मिंदा होते हुए कहा।
"यह रूमाल बड़ा है, नीले रंग का है जिस पर लाल धारियां हैं और यह टोपी एक पुरानी बास्क टोपी है, बिल्कुल वैसी ही जैसी आपने अभी पहनी हुई है।"
"तुम तो जादूगर हो!" डैडी जैक्स ने हंसने की कोशिश करते हुए कहा, लेकिन पूरी तरह सफल नहीं हो पाए। "तुम्हें कैसे पता चला कि रुमाल नीला है और उस पर लाल धारियां हैं?"
"क्योंकि, अगर यह नीले रंग का न होता और इस पर लाल धारियां न होतीं, तो यह बिल्कुल भी नहीं मिल पाता।"
डैडी जैक्स पर ध्यान दिए बिना, मेरे दोस्त ने अपनी जेब से एक कागज़ निकाला और कैंची निकालकर पैरों के निशानों पर झुक गया। कागज़ को एक निशान पर रखकर उसने काटना शुरू कर दिया। थोड़ी ही देर में उसने एक सटीक पैटर्न बना लिया, जो उसने मुझे देते हुए मुझसे विनती की कि मैं इसे खो न दूं।
फिर वह खिड़की पर लौट आया और झील के किनारे से न हटे हुए फ्रेडरिक लार्सन की आकृति की ओर इशारा करते हुए डैडी जैक्स से पूछा कि क्या वह जासूस भी, उसकी तरह, द येलो रूम में काम कर रहा था?

“नहीं,” रॉबर्ट डार्ज़ैक ने जवाब दिया, जो रूलेटाबिल द्वारा जला हुआ कागज़ का टुकड़ा सौंपे जाने के बाद से एक शब्द भी नहीं बोला था, “वह दिखावा करता है कि उसे पीले कमरे की जाँच करने की ज़रूरत नहीं है। वह कहता है कि हत्यारा वहाँ से बड़ी सहजता से भाग निकला, और वह आज शाम को बताएगा कि उसने यह कैसे किया।”
मॉन्सियर डार्ज़ैक की बातें सुनते हुए रूलेटाबिल का चेहरा पीला पड़ गया। "क्या फ्रेडरिक लार्सन ने उस सच्चाई का पता लगा लिया है, जिसका मैं सिर्फ अनुमान लगा सकता हूँ?" उसने धीरे से कहा। "वह बहुत चतुर है—बहुत ही चतुर— और मैं उसकी प्रशंसा करता हूँ। लेकिन आज हमें जो करना है, वह एक पुलिसकर्मी के काम से कहीं बढ़कर है, अनुभव से मिली सीख से बिल्कुल अलग है। हमें अपनी बुद्धि का सही इस्तेमाल करना होगा।"
रिपोर्टर इस विचार से उत्तेजित होकर खुली हवा में दौड़ पड़ा कि कहीं महान और प्रसिद्ध फ्रेड पीले कमरे की समस्या के समाधान में उससे आगे न निकल जाए।
मैं मंडप के द्वार पर पहुँचकर उसके पास पहुँचने में कामयाब रहा। "शांत हो जाओ, मेरे प्रिय मित्र," मैंने कहा। "क्या तुम संतुष्ट नहीं हो?"
"हां," उसने गहरी आह भरते हुए मुझसे स्वीकार किया। "मैं पूरी तरह संतुष्ट हूं। मैंने बहुत सी चीजें खोजी हैं।"
"नैतिक या भौतिक?"
"कई नैतिक बातें हैं, लेकिन एक भौतिक बात है। उदाहरण के लिए, यह।"
और उसने झट से अपनी वेस्टकोट की जेब से कागज का एक टुकड़ा निकाला, जिसमें उसने एक महिला के सिर का हल्के रंग का बाल रखा हुआ था।

अध्याय VIII. जांच मजिस्ट्रेट द्वारा मैडमोजेल स्टैंगर्सन से पूछताछ
दो मिनट बाद, जब रूलेटाबिल पार्क में मिले पदचिह्नों पर झुकी हुई थी, प्रवेश कक्ष की खिड़की के नीचे, एक आदमी, जो स्पष्ट रूप से महल का नौकर था, तेजी से हमारी ओर आया और मंडप से बाहर आ रहे महाशय डार्ज़ैक को पुकारा: "महामहिम रॉबर्ट, मजिस्ट्रेट, आप जानते हैं, मैडमोजेल से पूछताछ कर रहे हैं।"
महाशय डार्ज़ैक ने हमसे धीमी आवाज़ में बहाना बनाया और महल की ओर दौड़ने लगे, उनके पीछे वह आदमी भी दौड़ रहा था।
मैंने कहा, "अगर लाश बोल सकती है, तो वहां होना दिलचस्प होगा।"
“हमें पता लगाना ही होगा,” मेरे दोस्त ने कहा। “चलो महल चलते हैं।” और वह मुझे अपने साथ ले गया। लेकिन महल में प्रवेश द्वार पर तैनात एक पुलिसकर्मी ने हमें पहली मंजिल की सीढ़ियों पर चढ़ने से रोक दिया। हमें नीचे ही इंतजार करना पड़ा।
जब हम नीचे इंतजार कर रहे थे, तब पीड़ित के कमरे में यही सब घटित हुआ। पारिवारिक चिकित्सक ने पाया कि मैडमोजेल स्टैंगरसन की हालत में काफी सुधार हुआ है, लेकिन उन्हें आशंका थी कि कहीं उनकी हालत फिर से बिगड़ न जाए जिससे उनसे पूछताछ करना संभव न हो पाए। इसलिए उन्होंने जांच मजिस्ट्रेट को इसकी सूचना देना अपना कर्तव्य समझा, जिन्होंने तुरंत एक संक्षिप्त जांच करने का निर्णय लिया। इस जांच के दौरान रजिस्ट्रार, श्री स्टैंगरसन और चिकित्सक उपस्थित थे। बाद में, मुझे जांच रिपोर्ट का पाठ प्राप्त हुआ, और मैं इसे यहां उसके संपूर्ण कानूनी प्रारूप में प्रस्तुत कर रहा हूं। "प्रश्न: क्या आप, महोदया, बिना अधिक थके, उस भयावह हमले के कुछ आवश्यक विवरण दे सकती हैं जिसकी आप शिकार हुई हैं?"
"उत्तर। मैं अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूँ, महोदय, और मैं आपको वह सब कुछ बताऊंगा जो मुझे पता है। जब मैं अपने कमरे में दाखिल हुआ तो मुझे वहाँ कुछ भी असामान्य नहीं दिखा।"
"प्र. क्षमा कीजिए, महोदया, यदि आप मुझे अनुमति देंगी, तो मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूंगा और आप उनके उत्तर देंगी। इससे आपको लंबे समय तक पाठ करने की तुलना में कम थकान होगी।"

"ए. ऐसा कीजिए, महोदय।"
"प्र. आपने उस दिन क्या किया?—मैं चाहता हूं कि आप यथासंभव विस्तृत और सटीक विवरण दें। मैं जानना चाहता हूं कि आपने उस दिन क्या-क्या किया, यदि यह आपसे बहुत अधिक पूछना न हो।"
"मैं सुबह दस बजे देर से उठी, क्योंकि मेरे पिता और मैं पिछली रात देर से घर लौटे थे। हम फिलाडेल्फिया विज्ञान अकादमी के सम्मान में गणतंत्र के राष्ट्रपति द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में रात्रिभोज के लिए गए थे। जब मैं साढ़े दस बजे अपने कमरे से निकली, तो मेरे पिता पहले से ही प्रयोगशाला में काम कर रहे थे। हमने दोपहर तक साथ काम किया। फिर हमने पार्क में आधे घंटे की सैर की, जैसा कि हम अक्सर करते थे, महल में नाश्ता करने से पहले। नाश्ते के बाद, हमने आधे घंटे की और सैर की, और फिर प्रयोगशाला लौट आए। वहाँ हमें मेरी नौकरानी मिली, जो मेरा कमरा ठीक करने आई थी। मैं उसे कुछ मामूली निर्देश देने के लिए पीले कमरे में गई और वह तुरंत मंडप से चली गई, और मैंने अपने पिता के साथ अपना काम फिर से शुरू कर दिया। पाँच बजे, हम फिर से पार्क में सैर करने गए और उसके बाद चाय पी।"
"प्र. शाम पांच बजे पवेलियन छोड़ने से पहले, क्या आप अपने कमरे में गए थे?" "अ. नहीं, महोदय, मेरे पिता मेरी टोपी लाने के मेरे अनुरोध पर उसमें गए थे।" "प्र. और उन्हें वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला?"
"ए. जाहिर तौर पर नहीं, महोदय।"
"प्र. तो फिर, यह लगभग निश्चित है कि हत्यारा अभी तक बिस्तर के नीचे नहीं छिपा था। जब आप बाहर गए थे, तो क्या कमरे का दरवाजा बंद था?"
"ए. नहीं, इसे लॉक करने का कोई कारण नहीं था।"
प्र. आप दोनों, श्री स्टैंगरसन, कुछ समय के लिए पवेलियन से अनुपस्थित थे? "ए. लगभग एक घंटा।"
प्र. इसमें कोई शक नहीं कि उसी समय हत्यारा मंडप में घुसा होगा। लेकिन कैसे? कोई नहीं जानता। पार्क में प्रवेश कक्ष की खिड़की से दूर जाते हुए पैरों के निशान मिले हैं, लेकिन खिड़की की ओर जाते हुए कोई निशान नहीं मिला है। क्या आपने ध्यान दिया कि जब आप बाहर गए थे तो प्रवेश कक्ष की खिड़की खुली थी?
"अ. मुझे याद नहीं है।"
"महामहिम स्टैंगरसन। यह बंद था।"

"प्र. और आप कब लौटे?"
"मैडम स्टैंगर्सन। मैंने ध्यान नहीं दिया।"
"एम. स्टैंगरसन। यह अभी भी बंद था। मुझे याद है मैंने ज़ोर से कहा था: 'डैडी जैक्स ने हमारे जाने के दौरान इसे ज़रूर खोल दिया होगा।'
"प्र. अजीब बात है!—क्या आपको याद है, श्रीमान स्टैंगरसन, कि आपकी अनुपस्थिति के दौरान, और बाहर जाने से पहले, उसने इसे खोला था? आप छह बजे प्रयोगशाला में लौटे और काम फिर से शुरू किया?"
"मिस स्टैंगरसन। जी हाँ, महोदय।"
"प्र. और आप उस समय से लेकर अपने कक्ष में प्रवेश करने तक प्रयोगशाला से बाहर नहीं निकले?"
"श्री स्टैंगरसन। न तो मेरी बेटी और न ही मैं, महोदय। हम एक अत्यावश्यक काम में लगे हुए थे, और हमने उस कारण से एक पल भी बर्बाद नहीं किया, बाकी सब कुछ नजरअंदाज कर दिया।"
"प्र. क्या आपने प्रयोगशाला में भोजन किया?"
"ए. इसी कारण से।"
प्र. क्या आपको प्रयोगशाला में भोजन करने की आदत है?
"ए. हम वहां बहुत कम ही भोजन करते हैं।"
"प्र. क्या हत्यारे को पता हो सकता था कि आप उस शाम वहां भोजन करेंगे?" "एम. स्टैंगरसन। हे भगवान!—मुझे नहीं लगता। शाम छह बजे जब हम मंडप लौटे, तब मैंने और मेरी बेटी ने वहीं भोजन करने का फैसला किया। उसी समय मेरे गेमकीपर ने मुझसे बात की और मुझे कुछ देर रोककर जंगल के उस हिस्से के निरीक्षण के लिए अपने साथ चलने को कहा, जिसे मैंने कम करने का निर्णय लिया था। मैंने इसे अगले दिन के लिए टाल दिया और जब वह महल के पास से गुजर रहे थे, तो उनसे विनती की कि वे प्रबंधक को बता दें कि हम प्रयोगशाला में भोजन करें। वे मुझे काम पर छोड़कर चले गए और मैं अपनी बेटी के पास लौट आई, जो पहले से ही काम पर थी।"
"प्र. महोदया, आप किस समय अपने कमरे में जाती थीं जबकि आपके पिता वहां काम करना जारी रखते थे?"
"ए. आधी रात को।"
प्र. क्या डैडी जैक्स शाम के दौरान पीले कमरे में दाखिल हुए थे?
"ए. पर्दों को बंद करना और रात की बत्ती जलाना।"

"प्र. क्या उन्हें कुछ भी संदिग्ध नहीं दिखा?"
"ए. अगर उसने देखा होता तो वह हमें बता देता। डैडी जैक्स एक ईमानदार आदमी हैं और मुझसे बहुत लगाव रखते हैं।"
"प्र. आप पुष्टि करते हैं, महाशय स्टैंगरसन, कि जब आप प्रयोगशाला में थे तब डैडी जैक्स हर समय आपके साथ रहे?"
"एम. स्टैंगरसन। मुझे पूरा यकीन है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है।"
प्र. मैडम, जब आप अपने कमरे में दाखिल हुईं, तो आपने तुरंत दरवाजा बंद कर दिया और उसे ताला लगाकर कुंडी लगा दी? यह असामान्य सावधानी थी, यह जानते हुए कि आपके पिता और नौकर वहां मौजूद थे? क्या आपको किसी बात का डर था?
"ए. मेरे पिता महल में लौट रहे होंगे और डैडी जैक्स अपने बिस्तर पर जा रहे होंगे। और, वास्तव में, मुझे किसी बात का डर था।"
"प्र. क्या आप किसी बात से इतना भयभीत थे कि आपने डैडी जैक्स को बिना बताए उनकी रिवॉल्वर उधार ले ली?"
"अ. यह सच है। मैं किसी को डराना नहीं चाहता था, खासकर इसलिए क्योंकि मेरे डर मूर्खतापूर्ण साबित हो सकते थे।"
प्र. आपको किस बात का डर था?
"अ. मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं आपको कैसे बताऊं। कई रातों तक, मुझे पार्क के अंदर और बाहर, मंडप के आसपास, अजीबोगरीब आवाजें सुनाई देती रहीं, कभी कदमों की आहट, तो कभी डालियों के टूटने की। मुझ पर हमले से एक रात पहले, जब मैं एलिसी से लौटने के बाद सुबह तीन बजे से पहले बिस्तर पर नहीं गया, तो मैं कुछ देर अपनी खिड़की के सामने खड़ा रहा, और मुझे लगा जैसे मैंने परछाइयां देखी हों।"
प्र. कितने?
"ए. दो. वे झील के चारों ओर घूमे, फिर चाँद बादलों से घिर गया और वे मेरी नज़र से ओझल हो गए। हर साल इस मौसम में मैं आमतौर पर सर्दियों के लिए महल में अपने कमरे में लौट आता था; लेकिन इस साल मैंने खुद से कहा कि मैं तब तक महल नहीं छोड़ूंगा जब तक मेरे पिता अकादमी के लिए 'पदार्थ का वियोजन' पर अपने कार्यों का सारांश पूरा नहीं कर लेते। मैं नहीं चाहता था कि वह महत्वपूर्ण कार्य, जो कुछ ही दिनों में पूरा हो जाना था, हमारी दिनचर्या में बदलाव के कारण विलंबित हो। आप अच्छी तरह समझ सकते हैं कि मैं अपने बचकाने डर के बारे में अपने पिता से बात नहीं करना चाहता था, और न ही मैंने

डैडी जैक्स से कुछ कहा, जिनके बारे में मुझे पता था कि वे चुप नहीं रह पाएंगे। यह जानते हुए कि उनके कमरे में एक रिवॉल्वर है, मैंने उनकी अनुपस्थिति का फायदा उठाया और उसे उधार लेकर अपनी नाइट टेबल की दराज में रख दिया।"
प्र. क्या आप अपने किसी शत्रु के बारे में नहीं जानतीं? उ. कोई नहीं। प्र. क्या आप समझती हैं, महोदया, कि ये सावधानियां आश्चर्य पैदा करने के लिए बरती गई हैं? एम. स्टैंगरसन. स्पष्ट है, मेरी बच्ची, ऐसी सावधानियां बहुत आश्चर्यजनक हैं। उ. नहीं; क्योंकि मैंने आपको बताया था कि मैं दो रातों से बेचैन थी। एम. स्टैंगरसन. आपको मुझे यह बताना चाहिए था! यह दुर्भाग्य टाला जा सकता था। "प्र. पीले कमरे का दरवाजा बंद था, क्या आप सोने चली गईं? "उ. हाँ, और बहुत थकी होने के कारण मैं तुरंत सो गई। "प्र. रात की बत्ती अभी भी जल रही थी? "उ. हाँ, लेकिन उससे बहुत हल्की रोशनी आ रही थी। "प्र. तो फिर, महोदया, हमें बताइए क्या हुआ? "उ. मुझे नहीं पता कि मैं बहुत देर तक सो रहा था या नहीं, लेकिन अचानक मैं जाग गया— और जोर से चिल्लाया। "एम. स्टैंगरसन। हाँ—एक भयानक चीख—'हत्या!'—यह अभी भी मेरे कानों में गूंज रही है। "क्यू. क्या आपने ज़ोर से चीख मारी?

"एक आदमी मेरे कमरे में था। वह मुझ पर झपटा और मेरा गला घोंटने की कोशिश की। मैं लगभग दम घुटने से मर ही गई थी कि अचानक मैं अपने नाइट टेबल के दराज तक पहुँचने में कामयाब हो गई और उसमें रखी रिवॉल्वर को पकड़ लिया। उसी क्षण उस आदमी ने मुझे मेरे बिस्तर के पैरों के पास धकेल दिया और मेरे सिर के ऊपर एक तरह का गदा लहराया। लेकिन मैंने गोली चला दी। उसने तुरंत मेरे सिर पर ज़ोरदार वार किया। यह सब, महोदय, इतनी तेज़ी से हुआ कि मैं बता नहीं सकती, और मुझे कुछ भी याद नहीं है।" अधिक।

"प्र. कुछ नहीं?—क्या आपको कोई अंदाजा नहीं है कि हत्यारा आपके कमरे से कैसे भाग निकला?

"उ. बिलकुल कुछ नहीं—मुझे इससे ज्यादा कुछ नहीं पता। जब कोई बेहोश होता है, तो उसे नहीं पता होता कि उसके आसपास क्या हो रहा है।

"प्र. क्या आपने जिस आदमी को देखा वह लंबा था या छोटा, पतला था या मोटा?

"उ. मैंने केवल एक छाया देखी जो मुझे भयानक लगी।

"प्र. क्या आप हमें कोई संकेत नहीं दे सकते?

"ए. मुझे इससे अधिक कुछ नहीं पता, महोदय, कि एक व्यक्ति ने मुझ पर हमला किया और मैंने उस पर गोली चलाई। मुझे इससे अधिक कुछ नहीं पता।"
यहां मैडमोजेल स्टैंगरसन से पूछताछ समाप्त हुई।

रूलेटबिल धैर्यपूर्वक श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक की प्रतीक्षा कर रही थी, जो थोड़ी देर बाद प्रकट हुए।

मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे के पास वाले एक कमरे से उन्होंने पूछताछ सुनी थी और अब अपनी उत्कृष्ट स्मृति की सहायता से मेरे मित्र को बड़ी सटीकता से उसे सुनाने आए थे। उनकी विनम्रता ने मुझे अब भी आश्चर्यचकित कर दिया। जल्दबाजी में पेंसिल से लिखे गए नोट्स की बदौलत वे लगभग शब्दशः प्रश्न और दिए गए उत्तरों को दोहराने में सक्षम थे।
ऐसा प्रतीत होता था मानो श्री डार्ज़ैक को मेरे युवा मित्र के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया हो और वे ऐसे व्यवहार करते थे मानो वे उसे किसी भी बात के लिए मना नहीं कर सकते हों; बल्कि, ऐसा लगता था मानो वे ऐसा करने के लिए विवश हों।
खिड़की बंद देखकर रिपोर्टर को भी उतना ही आश्चर्य हुआ जितना मजिस्ट्रेट को हुआ था। रूलेटाबिल ने डार्ज़ैक से मैडमोजेल स्टैंगर्सन के उस बयान को एक बार फिर दोहराने को कहा, जिसमें उन्होंने मजिस्ट्रेट को बताया था कि त्रासदी वाले दिन उन्होंने और उनके पिता ने कैसे समय बिताया था। प्रयोगशाला में भोजन करने की घटना में डार्ज़ैक की विशेष रुचि थी, इसलिए उन्होंने इसे तीन बार दोहराने को कहा। वह यह भी सुनिश्चित करना चाहते थे कि वनपाल को पता था कि प्रोफेसर और उनकी बेटी प्रयोगशाला में भोजन करने जा रहे हैं और उन्हें यह जानकारी कैसे मिली।
जब महाशय डार्ज़ैक ने अपनी बात समाप्त कर ली, तो मैंने कहा: "इस जांच से समस्या में कोई खास प्रगति नहीं हुई है।"
"इसने इसे वापस अपनी जगह पर रख दिया है," महाशय डार्ज़ैक ने कहा।
"इसने इस पर प्रकाश डाला है," रूलेटाबिल ने सोच-समझकर कहा।

अध्याय 9. रिपोर्टर और जासूस

हम तीनों मंडप की ओर वापस चले। इमारत से कुछ दूरी पर रिपोर्टर ने हमें रुकने के लिए कहा और हमारे दाहिनी ओर पेड़ों के एक छोटे से समूह की ओर इशारा करते हुए बोला:
"हत्यारा उसी रास्ते से मंडप में घुसा था।"
क्योंकि बड़े-बड़े ओक के पेड़ों के बीच उसी तरह के पेड़ों के और भी झुंड थे, इसलिए मैंने पूछा कि हत्यारे ने बाकी झुंडों के बजाय उसी झुंड को क्यों चुना। रूलेटाबिल ने मुझे जवाब देते हुए उस रास्ते की ओर इशारा किया जो झाड़ियों के बिल्कुल करीब से होते हुए मंडप के दरवाजे तक जाता था। उन्होंने कहा, "वह रास्ता जैसा कि आप देख रहे हैं, बजरी से ढका हुआ है।" वह आदमी मंडप की ओर जाते हुए इसी रास्ते से गुजरा होगा, क्योंकि नरम ज़मीन पर उसके कदमों के कोई निशान नहीं मिले हैं। उस आदमी के पंख नहीं थे; वह चला था; लेकिन वह बजरी पर चला था जिस पर उसके कदमों के कोई निशान नहीं हैं। दरअसल, बजरी पर कई और लोगों के पैर पड़े होंगे, क्योंकि यह रास्ता मंडप और महल के बीच का सबसे सीधा रास्ता है। जहाँ तक झाड़ियों की बात है, जो ऐसे पौधों से बनी हैं जो कठोर मौसम में नहीं पनपते—जैसे लॉरेल और फुकसिया—उन्होंने हत्यारे को मंडप तक जाने के समय तक छिपने के लिए पर्याप्त जगह दी। पेड़ों के उस झुंड में छिपते हुए ही उसने महाशय और श्रीमती स्टैंगर्सन को, और फिर पिताजी जैक्स को मंडप से निकलते देखा। बजरी लगभग मंडप की खिड़कियों तक बिछी हुई है। दीवार के समानांतर एक आदमी के पैरों के निशान—जिनकी हम अभी जाँच करेंगे, और जिन्हें मैं पहले ही देख चुका हूँ—यह साबित करते हैं कि उसे मंडप के सामने पहुँचने के लिए केवल एक कदम ही चलना पड़ा। प्रवेश कक्ष की खिड़की, जिसे डैडी जैक्स ने खुला छोड़ दिया था। उस आदमी ने अपने हाथों के बल खुद को ऊपर उठाया और प्रवेश कक्ष में प्रवेश किया।
मैंने कहा, "आखिरकार, यह बहुत संभव है।"
"आखिरकार क्या? आखिर क्या?" रूलेटाबिल चिल्लाया।
मैंने उनसे नाराज़ न होने की विनती की; लेकिन वे इतने चिढ़ गए थे कि मेरी बात सुनने को तैयार नहीं थे और व्यंग्यपूर्वक बोले कि वे कुछ लोगों के उस विवेकपूर्ण संदेह की प्रशंसा करते हैं जिसके साथ वे सबसे सरल समस्याओं का समाधान ढूंढते हैं, और "ऐसा है" या "ऐसा नहीं है" कहकर कोई जोखिम नहीं

उठाते। उनकी बुद्धिमत्ता का परिणाम लगभग वैसा ही होता अगर प्रकृति ने उनके दिमाग में थोड़ी सी बुद्धि न डाली होती। जब मैं नाराज़ दिखाई दिया, तो मेरे युवा मित्र ने मेरा हाथ पकड़ा और स्वीकार किया कि उनका इरादा मेरे लिए ऐसा कहने का नहीं था; वे मेरे बारे में इससे कहीं ज़्यादा सोचते हैं। “अगर मैं इस बजरी के बारे में इस तरह तर्क न करता, तो मुझे गुब्बारे की कल्पना करनी पड़ती! मेरे प्रिय मित्र, डिराइजेबल गुब्बारों के एयरस्टेशन का विज्ञान अभी इतना विकसित नहीं है कि मैं यह मान सकूँ कि कोई हत्यारा बादलों से गिरेगा! इसलिए किसी बात को तब तक संभव मत कहो जब तक वह असंभव न हो। अब हम जानते हैं कि वह व्यक्ति खिड़की से कैसे अंदर आया, और हम यह भी जानते हैं कि वह किस समय अंदर आया—प्रोफेसर और उनकी बेटी के शाम पाँच बजे की सैर के दौरान। जब श्री स्टैंगर्सन और उनकी बेटी डेढ़ बजे अपनी सैर से लौटे, तब प्रयोगशाला में नौकरानी की उपस्थिति—जो पीले कमरे की सफाई करने आई थी—हमें यह पुष्टि करने की अनुमति देती है कि डेढ़ बजे हत्यारा पलंग के नीचे वाले कमरे में नहीं था, जब तक कि वह नौकरानी के साथ मिलीभगत न कर रहा हो। आपका क्या कहना है, श्री डार्ज़ैक?”
महाशय डार्ज़ैक ने अपना सिर हिलाया और कहा कि उन्हें नौकरानी की वफादारी पर पूरा भरोसा है, और वह एक पूरी तरह से ईमानदार और समर्पित नौकरानी है। उन्होंने आगे कहा, "इसके अलावा, शाम पांच बजे महाशय स्टैंगरसन अपनी बेटी की टोपी लेने कमरे में गए थे।"
"वो भी है," रूलेटाबिल ने कहा।
मैंने कहा, "मैं मानता हूँ कि वह व्यक्ति आपके बताए समय पर खिड़की से अंदर आया था; लेकिन उसने खिड़की क्यों बंद कर दी? यह एक ऐसा कार्य था जिससे निश्चित रूप से उन लोगों का ध्यान आकर्षित होता जिन्होंने खिड़की खुली छोड़ दी थी।"
युवा पत्रकार ने जवाब दिया, "हो सकता है कि खिड़की तुरंत बंद न हुई हो। लेकिन अगर उसने खिड़की बंद की भी थी, तो वह पवेलियन से कुछ ही गज की दूरी पर स्थित बजरी के रास्ते के मोड़ और उस स्थान पर उगने वाले तीन बलूत के पेड़ों के कारण ही थी।"
"इसका क्या मतलब है?" मॉन्सियर डार्ज़ैक ने पूछा, जो हमारे पीछे-पीछे आए थे और रूलेटाबिल की कही हर बात को लगभग सांस रोककर ध्यान से सुन रहे थे।

"महाशय, मैं आपको बाद में सब कुछ समझा दूंगा, जब मुझे लगेगा कि ऐसा करने का सही समय आ गया है; लेकिन अगर मेरी परिकल्पना सही है, तो मुझे नहीं लगता कि इस मामले पर मेरे पास कहने के लिए इससे अधिक महत्वपूर्ण कुछ है।"
और आपकी परिकल्पना क्या है?
"अगर यह सच साबित नहीं हुआ तो आपको कभी पता नहीं चलेगा। यह इतना गंभीर मामला है कि जब तक यह केवल एक परिकल्पना बनी रहती है, तब तक इसके बारे में बात करना ठीक नहीं है।"
"क्या आपको कम से कम इस बात का कुछ अंदाजा है कि हत्यारा कौन है?"
"नहीं, महोदय, मुझे नहीं पता कि हत्यारा कौन है; लेकिन घबराइए मत, महोदय रॉबर्ट डार्ज़ैक—मुझे पता चल जाएगा।"
मैंने गौर किया कि श्री डार्ज़ैक बेहद भावुक हो गए थे; और मुझे संदेह हुआ कि रूलेटाबिल का आत्मविश्वासपूर्ण कथन उन्हें पसंद नहीं आया था। मैंने खुद से पूछा, अगर उन्हें सचमुच डर था कि हत्यारे का पता चल जाएगा, तो वे पत्रकार को उसे ढूंढने में मदद क्यों कर रहे थे? मेरे युवा मित्र को भी शायद यही लगा, क्योंकि उसने स्पष्ट रूप से कहा:
"महाशय डार्ज़ैक, क्या आप नहीं चाहते कि मैं हत्यारे का पता लगाऊं?" "ओह!—मैं उसे अपने हाथों से मारना चाहूँगा!" मैडमोजेल स्टैंगरसन के मंगेतर ने इतनी उग्रता से कहा कि मैं दंग रह गया।
रूलेटाबिल ने गंभीरता से कहा, "मैं आपकी बात पर विश्वास करता हूँ; लेकिन आपने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया है।"
हम उस झाड़ी के पास से गुज़र रहे थे, जिसके बारे में उस युवा पत्रकार ने एक मिनट पहले हमसे बात की थी। मैं उसमें घुस गया और वहाँ छिपे हुए एक आदमी के स्पष्ट निशानों की ओर इशारा किया। रूलेटाबिल एक बार फिर सही साबित हुए। "हाँ, हाँ!" उसने कहा। "हमें एक सजीव प्राणी से निपटना है, जो उन्हीं साधनों का उपयोग करता है जिनका हम करते हैं। सब कुछ इसी तरह सामने आएगा।"
यह कहते हुए, उन्होंने मुझसे उस पदचिह्न का कागज़ का नमूना मांगा जो उन्होंने मुझे संभालने के लिए दिया था, और उसे झाड़ियों के पीछे एक स्पष्ट पदचिह्न पर लगाया। "आहा!" कहते हुए वे उठ खड़े हुए।
मुझे लगा कि अब वह हत्यारे के पदचिह्नों का पीछा करते हुए प्रवेश कक्ष की खिड़की तक जाएगा; लेकिन इसके बजाय वह हमें बाईं ओर बहुत दूर ले गया, यह

कहते हुए कि कीचड़ में छानबीन करना व्यर्थ है, और अब वह हत्यारे द्वारा अपनाए गए रास्ते के बारे में निश्चित है।
"वह दीवार के सहारे-किनारे झाड़ियों और सूखी खाई तक गया, जिसके ऊपर से वह कूद गया। देखो, झील की ओर जाने वाले छोटे रास्ते के ठीक सामने, बाहर निकलने का वही उसका सबसे नज़दीकी रास्ता था।"
"तुम्हें कैसे पता चला कि वह झील पर गया था?"
"क्योंकि फ्रेडरिक लार्सन आज सुबह से इसकी सीमाओं से बाहर नहीं निकला है। वहां कुछ महत्वपूर्ण निशान जरूर होंगे।"
कुछ मिनट बाद हम झील पर पहुँच गए।
यह दलदली पानी का एक छोटा सा हिस्सा था, जो सरकंडों से घिरा हुआ था, जिस पर कुछ सूखे कमल के पत्ते तैर रहे थे। महान फ्रेड ने शायद हमें आते हुए देखा होगा, लेकिन शायद उसे हममें कोई दिलचस्पी नहीं थी, क्योंकि उसने हमारी ओर लगभग कोई ध्यान नहीं दिया और अपनी छड़ी से कुछ हिलाता रहा जिसे हम देख नहीं सकते थे।
"देखो!" रूलेटाबिल ने कहा, "भागते हुए आदमी के पैरों के निशान फिर से दिख रहे हैं; ये यहाँ झील के किनारे से होकर गुजरते हैं और अंत में एपिने जाने वाली मुख्य सड़क की ओर जाने वाले इस रास्ते से ठीक पहले गायब हो जाते हैं। वह आदमी पेरिस की ओर भागता रहा।"
मैंने पूछा, "आपको ऐसा क्यों लगता है? क्योंकि ये पदचिह्न रास्ते पर आगे नहीं बढ़ते?"
"मुझे ऐसा क्यों लग रहा है? अरे, ये पैरों के निशान तो मुझे मिलने ही वाले थे!" उसने चिल्लाते हुए एक साफ-सुथरे जूते के स्पष्ट निशान की ओर इशारा किया। "देखो!" और उसने फ्रेडरिक लार्सन को पुकारा।
"महाशय फ्रेड, ये साफ-सुथरे पदचिह्न अपराध स्थल का पता चलने के बाद ही बने प्रतीत होते हैं।"
"जी हां, नौजवान, हां, इन्हें बड़ी सावधानी से बनाया गया है," फ्रेड ने सिर उठाए बिना जवाब दिया। "देखो, इसमें आगे जाने वाली सीढ़ियाँ हैं, और पीछे जाने वाली सीढ़ियाँ हैं।"
"और उस आदमी के पास साइकिल थी!" रिपोर्टर चिल्लाया।
यहां, पीछे-पीछे आती-जाती साइकिल के निशानों और साफ-सुथरे पदचिह्नों को देखने के बाद, मैंने सोचा कि शायद मुझे हस्तक्षेप करना चाहिए।

मैंने कहा, "साइकिल से हत्यारे के बड़े पैरों के निशान गायब होने की बात समझ में आती है। हत्यारा, अपने खुरदुरे जूतों के साथ, साइकिल पर सवार हुआ था। उसका साथी, साफ-सुथरे जूतों वाला, झील के किनारे साइकिल लेकर उसका इंतज़ार कर रहा था। ऐसा माना जा सकता है कि हत्यारा दूसरे के लिए काम कर रहा था।"
"नहीं, नहीं!" रूलेटाबिल ने एक अजीब सी मुस्कान के साथ जवाब दिया। "मुझे शुरू से ही इन पदचिह्नों के मिलने की उम्मीद थी। ये हत्यारे के पदचिह्न नहीं हैं!"
"तो फिर दो ही थे?"
"नहीं—वहाँ केवल एक ही व्यक्ति था, और उसका कोई साथी नहीं था।"
"बहुत बढ़िया!—बहुत बढ़िया!" फ्रेडरिक लार्सन चिल्लाया।
“देखो!” युवा रिपोर्टर ने हमें वह ज़मीन दिखाते हुए कहा, जहाँ भारी-भरकम एड़ियों के निशान थे; “वह आदमी वहाँ बैठ गया और अपने कील लगे बूट उतार दिए, जिन्हें उसने सिर्फ़ पुलिस को गुमराह करने के लिए पहना था। फिर, निस्संदेह, उन्हें अपने साथ ले जाकर, वह अपने बूटों में खड़ा हो गया और चुपचाप धीरे-धीरे अपनी साइकिल हाथ में पकड़े हुए मुख्य सड़क पर वापस चला गया, क्योंकि वह इस ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर साइकिल चलाने का जोखिम नहीं उठा सकता था। ज़मीन के नरम होने के बावजूद पहियों के निशान इतने हल्के हैं। अगर साइकिल पर कोई आदमी होता, तो पहिए मिट्टी में गहरे धंस जाते। नहीं, नहीं; वहाँ सिर्फ़ एक ही आदमी था, पैदल चल रहा हत्यारा।”
"वाह! वाह!" फ्रेड ने फिर से चिल्लाते हुए कहा, और अचानक हमारी ओर आकर, श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक के सामने खड़े होकर, उसने उनसे कहा:
"अगर हमारे पास यहाँ एक साइकिल होती, तो हम युवक के तर्क की सत्यता को प्रदर्शित कर सकते थे, श्रीमान रॉबर्ट डार्ज़ैक। क्या आप जानते हैं कि महल में एक साइकिल है या नहीं?"
"नहीं!" महाशय डार्ज़ैक ने उत्तर दिया। "ऐसा कुछ नहीं है। मैंने अपना सामान चार दिन पहले पेरिस ले गया था, अपराध से पहले जब मैं आखिरी बार महल में आया था।"
"यह तो बहुत दुख की बात है!" फ्रेड ने बेहद ठंडे लहजे में जवाब दिया। फिर रूलेटाबिल की ओर मुड़कर उसने कहा: "अगर हम इसी रफ्तार से चलते रहे, तो हम

दोनों एक ही नतीजे पर पहुंचेंगे। क्या तुम्हें कोई अंदाजा है कि हत्यारा 'द येलो रूम' से कैसे भाग निकला?"
"हां," मेरे युवा मित्र ने कहा; "मेरे पास एक विचार है।"
"मैंने भी यही सोचा है," फ्रेड ने कहा, "और यह बिल्कुल तुम्हारे जैसा ही होगा। इस मामले में दो राय का कोई सवाल ही नहीं उठता। मैं जांच मजिस्ट्रेट को कोई स्पष्टीकरण देने से पहले अपने प्रमुख के आने का इंतजार कर रहा हूं।"
"अरे! क्या सुरेते का मुखिया आ रहा है?"
"जी हां, आज दोपहर। वह मजिस्ट्रेट के सामने, प्रयोगशाला में, इस त्रासदी में शामिल सभी लोगों को तलब करने जा रहा है। यह बहुत दिलचस्प होगा। अफसोस की बात है कि आप उपस्थित नहीं हो पाएंगे।"
"मैं उपस्थित रहूंगा," रूलेटाबिल ने आत्मविश्वास से कहा।
"सचमुच—आप अपनी उम्र के हिसाब से वाकई असाधारण व्यक्ति हैं!" जासूस ने व्यंग्य से भरे लहजे में जवाब दिया। "आप एक बेहतरीन जासूस बन सकते थे—अगर आपमें थोड़ी सी भी समझदारी होती—अगर आप अपनी सहज प्रवृत्ति और माथे पर उस चोट के पीछे न भागते। जैसा कि मैंने पहले भी कई बार कहा है, श्रीमान रूलेटाबिल, आप बहुत ज्यादा तर्क करते हैं; आप जो देखते हैं, उससे मार्गदर्शन नहीं लेते। खून से सने रूमाल और दीवार पर हाथ के लाल निशान के बारे में आप क्या कहते हैं? आपने दीवार पर दाग देखा है, लेकिन मैंने तो सिर्फ रूमाल देखा है।"
"वाह!" रूलेटाबिल चिल्लाया, "हत्यारे को मैडमोजेल स्टैंगर्सन के रिवॉल्वर से हाथ में चोट लगी है!"
"अरे!—यह तो बिल्कुल सहज अवलोकन है! सावधान!—आप कुछ ज़्यादा ही तार्किक हो रहे हैं, श्रीमान रूलेटाबिल; अगर आप अंधाधुंध तर्क का इस्तेमाल करेंगे तो यह आपको परेशान कर देगा। आप सही हैं जब आप कहते हैं कि मैडमोजेल स्टैंगर्सन ने अपनी रिवॉल्वर चलाई, लेकिन आप गलत हैं जब आप कहते हैं कि उन्होंने हत्यारे के हाथ में चोट पहुँचाई।"
"मुझे पूरा यकीन है," रूलेटाबिल चिल्लाया।
फ्रेड ने शांत भाव से उसे बीच में ही रोक दिया:
"गलत अवलोकन—गलत अवलोकन!—रूमाल की जांच, अनगिनत छोटे-छोटे लाल धब्बे, पैरों के निशानों में मिली बूंदों के निशान, जिस क्षण वे ज़मीन पर बने थे,

ये सब साबित करते हैं कि हत्यारे को ज़रा भी चोट नहीं लगी थी। महाशय रूलेटाबिल, हत्यारे की नाक से खून बह रहा था!"
महान फ्रेड ने बड़ी गंभीरता से बात की। हालांकि, मैं विस्मयबोधक शब्द कहने से खुद को रोक नहीं पाया।
रिपोर्टर ने फ्रेड की ओर गंभीरता से देखा, और फ्रेड ने भी उसकी ओर गंभीरता से देखा। और फ्रेड ने तुरंत यह निष्कर्ष निकाला:
उन्होंने आगे कहा, "उस व्यक्ति ने खून को अपने हाथ और रूमाल में बहने दिया और फिर दीवार पर हाथ पोंछा। यह तथ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि हत्यारा होने के लिए उसके हाथ में चोट लगना जरूरी नहीं है।"
रूलेटाबिल गहरी सोच में डूबा हुआ प्रतीत हो रहा था। कुछ देर बाद उसने कहा: "कुछ तो है—कुछ तो है, श्रीमान फ्रेडरिक लार्सन, जो तर्क के दुरुपयोग से कहीं अधिक गंभीर है—कुछ जासूसों की मानसिकता ऐसी होती है कि वे पूरी ईमानदारी से तर्क को अपने पूर्वकल्पित विचारों के अनुरूप मोड़ देते हैं। श्रीमान फ्रेड, हत्यारे के बारे में आपका अपना विचार पहले से ही है। इसे नकारें नहीं; और आपके सिद्धांत के अनुसार हत्यारे के हाथ में चोट नहीं लगनी चाहिए थी, अन्यथा यह बेमानी हो जाता है। और आपने खोजबीन की है, और कुछ और ही पाया है। श्रीमान फ्रेड, किसी पूर्वकल्पित विचार से उसके अनुरूप सबूत खोजना खतरनाक है, बहुत खतरनाक। यह तरीका आपको बहुत दूर भटका सकता है। न्यायिक त्रुटि से सावधान रहें, श्रीमान फ्रेड, यह आपको फंसा सकती है!"
और थोड़ा हंसते हुए, हल्के से मजाक भरे लहजे में, अपने हाथों को जेब में डाले हुए, रूलेटबिल ने अपनी धूर्त निगाहें महान फ्रेड पर टिका दीं। फ्रेडरिक लार्सन चुपचाप उस युवा पत्रकार को निहार रहे थे जो खुद को उन्हीं की तरह बुद्धिमान होने का दिखावा कर रहा था। कंधे उचकाते हुए उन्होंने हमें प्रणाम किया और अपनी मजबूत छड़ी से रास्ते के पत्थरों को मारते हुए तेज़ी से आगे बढ़ गए।
रूलेटबिल ने उसकी वापसी देखी, और फिर हमारी ओर मुड़ा, उसका चेहरा आनंदित और विजयी था।
"मैं उसे हरा दूँगा!" वह चिल्लाया। "मैं महान फ्रेड को हरा दूँगा, चाहे वह कितना भी चतुर क्यों न हो; मैं उन सबको हरा दूँगा!"
और वह दो कदम पीछे हटकर नाचने लगा। अचानक वह रुक गया। मेरी निगाहें उसकी नज़रों का पीछा करती रहीं; मेरी निगाहें श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक पर टिकी

थीं, जो बड़ी उत्सुकता से अपने पैरों के निशान और बाकी पैरों के सुंदर पदचिह्नों को देख रहे थे। उनमें ज़रा भी अंतर नहीं था!
हमें लगा कि वह बेहोश होने वाले हैं। भय से उनकी आँखें फटी हुई थीं और वह हमसे नज़रें चुरा रहे थे, जबकि उनका दाहिना हाथ अचानक उनकी दाढ़ी पर फड़फड़ा रहा था, जो उनके ईमानदार, सौम्य और अब निराशा से भरे चेहरे को ढके हुए थी। आखिरकार, खुद को संभालते हुए, उन्होंने हमें प्रणाम किया और बदली हुई आवाज़ में कहा कि उन्हें महल लौटना है, और फिर चले गए।
"वाह!" रूलेटाबिल ने हैरानी से कहा।
वह भी काफी चिंतित लग रहा था। उसने अपनी जेब से सफेद कागज का एक टुकड़ा निकाला, जैसा कि मैंने उसे पहले भी करते देखा था, और कैंची से जमीन पर बने साफ-सुथरे बूट के निशानों की आकृति काट ली। फिर उसने नए कागज के पैटर्न को पहले बनाए गए पैटर्न से मिलाया—दोनों बिल्कुल एक जैसे थे। उठते हुए, रूलेटाबिल ने फिर कहा: "अरे बाप रे!" थोड़ी देर बाद उसने आगे कहा: "लेकिन मुझे लगता है कि श्रीमान रॉबर्ट डार्ज़ैक एक ईमानदार आदमी हैं।" फिर वह मुझे डॉनजॉन सराय की ओर ले गया, जो हमें राजमार्ग पर पेड़ों के एक छोटे से झुंड के किनारे दिखाई दे रही थी।

अध्याय X. "हमें अब लाल मांस खाना ही पड़ेगा"

डॉनजॉन इन देखने में भव्य नहीं था; लेकिन मुझे ये इमारतें पसंद हैं, जिनकी छतें उम्र के साथ काली पड़ गई हैं और जिनमें चूल्हों का धुआँ भरा है—ये पुराने ज़माने की सराय, जर्जर इमारतें जो जल्द ही सिर्फ़ यादों में रह जाएँगी। ये बीते दिनों की याद दिलाती हैं, इतिहास से जुड़ी हैं। ये हमें सड़क की याद दिलाती हैं, उन दिनों की जब लुटेरे घोड़े दौड़ा करते थे। मैंने तुरंत देखा कि डॉनजॉन इन कम से कम दो शताब्दियों पुराना था—शायद उससे भी पुराना। उसके साइनबोर्ड के नीचे, दहलीज के उस पार, एक चिड़चिड़े चेहरे वाला आदमी खड़ा था, जो माथे की झुर्रियों और भौंहों के सिकुड़ने से ऐसा लग रहा था मानो किसी अप्रिय विचार में डूबा हुआ हो।
जब हम उसके पास पहुँचे, तो उसने हमें देखने की कृपा की और बेहद अरुचिकर स्वर में पूछा कि क्या हमें कुछ चाहिए। वह निस्संदेह इस आकर्षक मकान का कोई मिलनसार न दिखने वाला मकान मालिक था। जब हमने उससे नाश्ते की उम्मीद जताई, तो उसने हमें आश्वासन दिया कि उसके पास कुछ भी नहीं है, और यह कहते हुए उसने हमें संदेह भरी नज़रों से देखा।
रूलेटाबिल ने उससे कहा, "आप हमें अंदर ले सकते हैं, हम पुलिसकर्मी नहीं हैं।"
"मुझे पुलिस से डर नहीं लगता—मुझे किसी से भी डर नहीं लगता!" उस आदमी ने जवाब दिया।
मैंने अपने दोस्त को इशारे से समझा दिया था कि हमें ज्यादा ज़िद नहीं करनी चाहिए; लेकिन सराय में प्रवेश करने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, वह दरवाजे पर खड़े आदमी के पास से चुपके से निकल गया और कॉमन रूम में पहुँच गया। "चलो ना," उसने कहा, "यहाँ बहुत आराम है।"
चिमनी में अच्छी आग जल रही थी और हम उससे निकलती गर्म हवा का आनंद ले रहे थे; यह एक ऐसी सुबह थी जिसमें सर्दियों के आने का स्पष्ट आभास हो रहा था। कमरा काफी बड़ा था, जिसमें दो भारी मेजें, कुछ स्टूल और सिरप और शराब की बोतलों की कतारों से सजा एक काउंटर था। तीन खिड़कियाँ सड़क की ओर खुलती थीं। एक रंगीन विज्ञापन में एक नए वर्मथ के गुणों का बखान किया गया था। मेंटलपीस पर सराय मालिक के नक्काशीदार मिट्टी के बर्तनों और पत्थर के जगों का संग्रह सजा हुआ था।

"मुर्गी भूनने के लिए यह बढ़िया आग है," रूलेटाबिल ने कहा। "हमारे पास मुर्गी नहीं है—यहां तक कि एक बेचारा खरगोश भी नहीं है," मकान मालिक ने कहा।
"मुझे पता है," मेरे दोस्त ने धीरे से कहा; "मुझे पता है—हमें अब लाल मांस खाना ही पड़ेगा।"
मैं स्वीकार करता हूँ कि मुझे रूलेटाबिल की कही बात बिल्कुल समझ नहीं आई; लेकिन मकान मालिक ने जैसे ही ये शब्द सुने, उसने एक अपशब्द कहा, जिसे उसने तुरंत दबा लिया और हमारे आदेशों का उसी आज्ञाकारी ढंग से पालन किया, जैसे श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक ने रूलेटाबिल के उस भविष्यवाणी भरे वाक्य को सुनकर किया था—"पुजारी भवन का आकर्षण और बगीचे की चमक ज़रा भी कम नहीं हुई है।" मेरा मित्र निश्चित रूप से लोगों को अपनी बात समझाने के लिए पूरी तरह से समझ से परे वाक्यों का प्रयोग करना जानता था। मैंने उसे यह बात बताई, लेकिन वह केवल मुस्कुराया। मैं उससे कुछ स्पष्टीकरण माँगना चाहता था; लेकिन उसने अपनी उंगली होठों पर रख ली, जिसका स्पष्ट अर्थ था कि उसने न केवल चुप रहने का निश्चय कर लिया था, बल्कि मुझे भी चुप रहने का आदेश दे दिया था। इसी बीच उस आदमी ने एक छोटा सा दरवाज़ा खोलकर किसी को बुलाया और उससे आधा दर्जन अंडे और गोमांस का एक टुकड़ा लाने को कहा। सुंदर सुनहरे बालों और बड़ी-बड़ी आकर्षक आँखों वाली एक हष्ट-पुष्ट युवती ने झटपट यह काम कर दिया और हमें जिज्ञासा से देखने लगी।
सराय मालिक ने उससे रूखेपन से कहा:
"निकल जाओ! और अगर हरा आदमी आ जाए, तो मुझे उसे देखने मत देना।"
वह गायब हो गई। रूलेटाबिल ने कटोरे में लाए गए अंडे और प्लेट में रखे मांस को लिया, सब कुछ चिमनी में अपने पास सावधानी से रख दिया, एक फ्राइंग पैन और ग्रिल को हुक से निकाला और हमारे आमलेट को फेंटना शुरू कर दिया, फिर उसने बीफ़स्टीक को ग्रिल करना शुरू कर दिया। इसके बाद उसने साइडर की दो बोतलें मंगाईं और ऐसा लग रहा था जैसे वह हमारे मेज़बान पर उतना ही ध्यान दे रहा हो जितना हमारा मेज़बान उस पर। मकान मालिक ने हमें खाना खुद बनाने दिया और हमारी मेज खिड़कियों में से एक के पास लगा दी।
अचानक मैंने उसे बुदबुदाते हुए सुना:
"आह!—वह रहा।"

उसके चेहरे का भाव बदल गया था, मानो वह भयंकर घृणा व्यक्त कर रहा हो। वह जाकर एक खिड़की से चिपक गया और सड़क को देखने लगा। मुझे रूलेटाबिल का ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता नहीं थी; वह पहले ही हमारा ऑमलेट छोड़कर मकान मालिक के साथ खिड़की पर जा चुका था। मैं भी उसके साथ चला गया।
हरे मखमल के वस्त्र पहने, सिर पर उसी रंग की शिकारी टोपी लगाए एक व्यक्ति इत्मीनान से आगे बढ़ रहा था और चलते-चलते पाइप जला रहा था। उसकी पीठ पर शिकार करने वाली बंदूक टंगी हुई थी। उसकी चाल में एक शाही सहजता झलक रही थी। उसने चश्मा पहना हुआ था और उसकी उम्र लगभग पैंतालीस वर्ष लग रही थी। उसके बाल और मूंछें दोनों ही सफ़ेद भूरे रंग के थे। वह बेहद आकर्षक था। सराय के पास से गुजरते हुए वह झिझका, मानो खुद से पूछ रहा हो कि उसे अंदर जाना चाहिए या नहीं; उसने हमारी ओर एक नज़र डाली, पाइप से कुछ कश लिए और फिर उसी बेपरवाह गति से चलने लगा।
रूलेटाबिल और मैंने अपने मेज़बान की ओर देखा। उसकी चमकती आँखें, उसकी मुट्ठी भींची हुई हथेलियाँ, उसके कांपते होंठ, हमें उन उथल-पुथल भरी भावनाओं के बारे में बता रहे थे जिनसे वह व्याकुल था।
"आज यहाँ न आकर उसने अच्छा ही किया!" उसने फुफकारते हुए कहा।
"वह आदमी कौन है?" रूलेटाबिल ने अपना ऑमलेट खाते हुए पूछा।
"वह हरा आदमी," सराय मालिक गुर्राया। "क्या तुम उसे नहीं जानते? अगर जानते हो तो और भी अच्छा। उससे जान-पहचान बनाना ठीक नहीं है। दरअसल, वह महाशय स्टैंगर्सन का वन रक्षक है।"
"ऐसा लगता है कि आप उसे ज्यादा पसंद नहीं करते?" रिपोर्टर ने अपना ऑमलेट फ्राइंग पैन में डालते हुए पूछा।
"महाशय, उसे कोई पसंद नहीं करता। वह एक उद्दंड व्यक्ति है, जिसके पास कभी अपनी दौलत रही होगी; और वह किसी को माफ नहीं करता क्योंकि जीने के लिए उसे नौकर बनना पड़ा है। एक रखवाला भी उतना ही नौकर होता है जितना कोई और, है ना? मेरी बात मानो, कोई कहेगा कि वह ग्लैंडियर का मालिक है, और सारी ज़मीन और जंगल उसी के हैं। वह किसी बेचारे को अपनी ज़मीन पर रोटी का एक टुकड़ा भी नहीं खाने देता!"
"क्या वह अक्सर यहाँ आता है?"
"अक्सर। लेकिन मैंने उसे समझा दिया है कि उसका चेहरा मुझे पसंद नहीं है, और पिछले एक महीने से वह यहाँ नहीं आया है। उसके लिए डॉनजॉन इन का कोई

अस्तित्व ही नहीं था! उसके पास समय ही नहीं था! वह सेंट-मिशेल के थ्री लिलीज़ की मालकिन को रिझाने में इतना व्यस्त था। एक बुरा आदमी! कोई भी ईमानदार आदमी उसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। अरे, महल के चौकीदार भी उसकी तस्वीर देखकर अपनी आँखें फेर लेंगे!"
तो क्या महल के चौकीदार ईमानदार लोग हैं?
"जी हां, वे बिल्कुल सच हैं, जैसे मेरा नाम मैथ्यू है, महोदय। मुझे विश्वास है कि वे ईमानदार हैं।"
"फिर भी उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है?"
इससे क्या साबित होता है?—लेकिन मैं दूसरों के मामलों में दखल नहीं देना चाहता।
"और आप इस हत्या के बारे में क्या सोचते हैं?"
"बेचारी मैडमोजेल स्टैंगर्सन की हत्या के बारे में?—एक अच्छी लड़की जिसे पूरे देश में सब प्यार करते थे। मैं इसके बारे में यही सोचता हूँ—और इसके अलावा भी बहुत कुछ; लेकिन यह किसी का मामला नहीं है।"
"मेरा भी नहीं?" रूलेटाबिल ने जोर देकर कहा।
सराय मालिक ने तिरछी नज़र से उसकी ओर देखा और रूखे स्वर में कहा: "तुम्हारा भी नहीं।"
आमलेट तैयार हो जाने पर हम मेज पर बैठ गए और चुपचाप खाना खा रहे थे, तभी दरवाजा खुल गया और एक बूढ़ी औरत, फटे-पुराने कपड़ों में, एक छड़ी के सहारे खड़ी, जिसका सिर लड़खड़ा रहा था, और जिसके सफेद बाल उसकी झुर्रीदार माथे पर लटके हुए थे, दहलीज पर दिखाई दी।
"आह!—आप यहाँ हैं, मदर एंजेनॉक्स!—आपको देखे हुए काफी समय हो गया," हमारे मेज़बान ने कहा।
"मैं बहुत बीमार थी, लगभग मर ही गई थी," बूढ़ी औरत ने कहा। "अगर कभी आपके पास भगवान के लिए कुछ बचा हुआ दाना हो तो...?"
और वह अंदर आई, उसके पीछे एक बिल्ली थी, जो इतनी बड़ी थी कि मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसी कोई बिल्ली हो सकती है। उस जानवर ने हमारी तरफ देखा और इतनी बेबस म्याऊं की कि मैं कांप गया। मैंने इतनी उदास आवाज पहले कभी नहीं सुनी थी।

बिल्ली की आवाज सुनकर मानो खिंचा चला आया, एक आदमी उस बूढ़ी औरत के पीछे- पीछे अंदर आया। वह हरा आदमी था। उसने अपनी टोपी पर हाथ रखकर अभिवादन किया और हमारी मेज के पास वाली एक मेज पर बैठ गया।
"एक गिलास साइडर, डैडी मैथ्यू," उसने कहा।
जैसे ही ग्रीन मैन अंदर आया, डैडी मैथ्यू ने हिंसक प्रतिक्रिया दी; लेकिन खुद पर काबू पाते हुए उन्होंने कहा:
"मेरे पास अब और साइडर नहीं है; मैंने आखिरी बोतलें इन सज्जनों को परोस दीं।"
"तो मुझे एक गिलास सफेद शराब दो," ग्रीन मैन ने जरा भी आश्चर्य दिखाए बिना कहा।
"मेरे पास अब सफेद शराब नहीं बची है—कुछ भी नहीं बचा है," डैडी मैथ्यू ने चिड़चिड़ेपन से कहा।
"मैडम मैथ्यू कैसी हैं?"
"बिल्कुल ठीक, धन्यवाद।"
तो बड़ी-बड़ी कोमल आँखों वाली वह युवती, जिसे हमने अभी-अभी देखा था, उस घृणित और क्रूर देहाती की पत्नी थी, जिसकी ईर्ष्या ने उसकी शारीरिक कुरूपता को और भी बढ़ा दिया था।
दरवाजा जोर से बंद करके सराय का मालिक कमरे से बाहर चला गया। मदर एंजेनॉक्स अभी भी अपनी छड़ी के सहारे खड़ी थीं, बिल्ली उनके पैरों के पास बैठी थी।
"क्या आप बीमार थीं, मदर एंजेनॉक्स?—क्या इसीलिए हमने आपको पिछले एक हफ्ते से नहीं देखा?" ग्रीन मैन ने पूछा।
"जी हां, महाशय रक्षक। मैं केवल तीन बार ही उठ पाई, हमारी संरक्षिका संत जेनेवीव से प्रार्थना करने के लिए, और बाकी समय मैं अपने बिस्तर पर ही लेटी रही। मेरी देखभाल करने वाला कोई नहीं था सिवाय ईश्वर की कृपा के!"
"क्या उसने तुम्हें नहीं छोड़ा?"
न दिन में, न रात में।
"क्या आपको पूरा यकीन है?"
"मैं स्वर्ग का हूं।"
"तो फिर, मैडम एंगेनोक्स, ऐसा कैसे हुआ कि हत्या की रात भर 'बेटे डू बॉन डियू' की चीख के अलावा और कुछ भी सुनाई नहीं दिया?"

मदर एंजेनॉक्स वनपाल के सामने खड़ी हो गईं और अपनी छड़ी से जमीन पर प्रहार किया।
"मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता," उसने कहा। "लेकिन क्या मैं आपको कुछ बताऊँ? दुनिया में ऐसी दो बिल्लियाँ नहीं हैं जो इस तरह रोती हों। खैर, जिस रात हत्या हुई, उस रात मैंने भी बाहर उस बिल्ली की रोने की आवाज़ सुनी थी; और फिर भी वह मेरे घुटनों पर बैठी थी, और कसम से उसने एक बार भी म्याऊँ नहीं किया। जब मैंने वह आवाज़ सुनी तो मैंने खुद को क्रॉस का निशान बनाया, मानो मैंने शैतान की आवाज़ सुन ली हो।"
जब चौकीदार ने आखिरी सवाल पूछा, तो मैंने उसकी तरफ देखा और अगर मैंने उसके होठों पर एक शैतानी मुस्कान न देखी हो तो मैं बहुत बड़ी गलती थी। उसी क्षण, ज़ोरदार झगड़े की आवाज़ हम तक पहुँची। हमें लगा जैसे किसी को पीटा जा रहा हो, जैसे कोई किसी को पीट रहा हो। हरा आदमी झट से उठा और चूल्हे के बगल वाले दरवाजे की ओर भागा; लेकिन वहाँ मकान मालिक प्रकट हुआ और उसने चौकीदार से कहा:
"चिंता मत कीजिए, महोदय—यह मेरी पत्नी है; उसे दांत में दर्द हो रहा है।" और वह हँस पड़ा। "लीजिए, मदर एंजेनॉक्स, ये आपकी बिल्ली के लिए कुछ जूठा खाना है।"
उसने बूढ़ी औरत को एक पैकेट दिया, जिसे उसने उत्सुकता से लिया और दरवाजे से बाहर चली गई, उसके पीछे-पीछे उसकी बिल्ली भी गई।
"तो फिर तुम मेरी सेवा नहीं करोगे?" हरे आदमी ने पूछा।
डैडी मैथ्यू के चेहरे पर अब घृणा का भाव नहीं था।
"मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ नहीं है—कुछ भी नहीं। तुम यहाँ से चले जाओ।" ग्रीन मैन ने चुपचाप अपनी पाइप में पाइप भरी, उसे जलाया, हमें प्रणाम किया और बाहर चला गया। उसके दहलीज पार करते ही डैडी मैथ्यू ने उसके पीछे दरवाजा जोर से बंद कर दिया और हमारी ओर मुड़कर, लाल आँखों और झाग से भरे मुँह के साथ, उसने हम पर फुफकारा, और उस दरवाजे पर अपनी मुट्ठी हिलाई जिसे उसने अभी-अभी उस आदमी पर बंद किया था जिससे वह स्पष्ट रूप से नफरत करता था: "मुझे नहीं पता कि आप कौन हैं जो मुझसे कहते हैं 'हमें अब लाल मांस खाना पड़ेगा'; लेकिन अगर आपको यह जानकर दिलचस्पी होगी तो वह आदमी ही हत्यारा है!"

ये कहते ही डैडी मैथ्यू तुरंत हमें छोड़कर चले गए। रूलेटाबिल चिमनी की ओर लौटी और बोली:
"अब हम अपना स्टेक ग्रिल करेंगे। आपको साइडर कैसा लगा?—यह थोड़ा खट्टा है, लेकिन मुझे पसंद है।"
उस दिन हमें डैडी मैथ्यू फिर कभी नहीं दिखे, और जब हमने अपने भोजन के भुगतान के रूप में मेज पर पांच फ्रैंक रखकर सराय छोड़ी, तो वहां पूर्ण सन्नाटा छाया हुआ था।
रूलेटाबिल तुरंत प्रोफेसर स्टैंगरसन की जागीर के चारों ओर तीन मील की पैदल यात्रा पर निकल पड़े। सेंट-जेनेवीव के जंगल में, जो एपिने से कॉर्बिल जाने वाली सड़क से मिलता है, कोयला जलाने वालों की झोपड़ियों के पास, कालिख से काली एक संकरी सड़क के कोने पर वे लगभग दस मिनट के लिए रुके और मुझे बताया कि हत्यारा निश्चित रूप से उसी रास्ते से गुजरा था, फिर जागीर में प्रवेश करके पेड़ों के छोटे से झुंड में छिप गया।
"तो आपको नहीं लगता कि चौकीदार को इसके बारे में कुछ पता होगा?" मैंने पूछा।
“हम इसे बाद में देखेंगे,” उसने जवाब दिया। “फिलहाल मुझे इस बात में कोई दिलचस्पी नहीं है कि मकान मालिक ने उस आदमी के बारे में क्या कहा। मकान मालिक उससे नफरत करता है। मैंने तुम्हें डॉनजॉन इन में नाश्ते पर ग्रीन मैन के लिए नहीं बुलाया था।”
फिर रूलेटाबिल बड़ी सावधानी से धीरे-धीरे उस छोटी सी इमारत की ओर बढ़ा, जो पार्क के द्वार के पास स्थित थी और चौकीदारों का घर थी, जिन्हें उसी सुबह गिरफ्तार कर लिया गया था। एक कलाबाज की तरह फुर्ती से वह खुली हुई ऊपरी खिड़की से लॉज में घुस गया और दस मिनट बाद वापस आ गया। उसने सिर्फ "आह!" कहा — यह शब्द उसके मुँह से कई अर्थों को दर्शाता था।
हम महल की ओर जाने वाली सड़क पर मुड़ने ही वाले थे कि पार्क के द्वार पर काफी हलचल ने हमारा ध्यान आकर्षित किया। एक घोड़ागाड़ी आई थी और कुछ लोग महल से उसका स्वागत करने आए थे। रूलेटाबिल ने मुझे उस घोड़े से उतरने वाले एक सज्जन की ओर इशारा किया।
"ये सुरेते का मुखिया है," उसने कहा। "अब हम देखेंगे कि फ्रेडरिक लार्सन के पास क्या चाल है, और क्या वह बाकी सब से कहीं ज्यादा चालाक है।"

अध्याय 11. जिसमें फ्रेडरिक लार्सन बताते हैं कि हत्यारा पीले कमरे से बाहर निकलने में कैसे कामयाब हुआ।
पीले कमरे के रहस्य से संबंधित मैंने जो ढेर सारे कागज़ात, कानूनी दस्तावेज़, संस्मरण और अख़बारों के अंश एकत्र किए हैं, उनमें से एक बेहद दिलचस्प अंश है; यह उस प्रसिद्ध जाँच का विवरण है जो उस दोपहर प्रोफ़ेसर स्टैंगर्सन की प्रयोगशाला में मुख्य न्यायाधीश के समक्ष हुई थी। यह वृत्तांत रजिस्ट्रार महाशय मैलीन द्वारा लिखा गया है, जिन्होंने जाँच मजिस्ट्रेट की तरह ही अपने खाली समय का कुछ हिस्सा साहित्य के अध्ययन में बिताया था। यह अंश एक पुस्तक का हिस्सा बनने वाला था, जो हालाँकि कभी प्रकाशित नहीं हुई, और जिसका शीर्षक "मेरी जाँच" होना था। इस मामले के आश्चर्यजनक अंत के कुछ समय बाद रजिस्ट्रार ने स्वयं इसे मुझे दिया था, और न्यायिक इतिहास में यह अद्वितीय है।
यह रहा। यह महज प्रश्नों और उत्तरों का नीरस प्रतिलेख नहीं है, क्योंकि रजिस्ट्रार अक्सर अपनी कहानी में अपनी व्यक्तिगत टिप्पणियाँ भी शामिल करते हैं।
रजिस्ट्रार का विवरण

जांच मजिस्ट्रेट और मैं (लेखक बताते हैं) खुद को पीले कमरे में उस बिल्डर के साथ पाए, जिसने प्रोफेसर स्टैंगर्सन के डिजाइन के अनुसार मंडप का निर्माण किया था। उसके साथ एक मजदूर भी था। महाशय डी मार्क्वेट ने दीवारों को पूरी तरह से खाली करवा दिया था; यानी, उन पर लगे कागज को पूरी तरह से हटवा दिया था। जगह-जगह कुल्हाड़ी से वार करने पर हमें किसी भी तरह के छेद के न होने का यकीन हो गया। फर्श और छत की अच्छी तरह से जांच की गई। हमें कुछ नहीं मिला। कुछ भी मिलने को नहीं था। महाशय डी मार्क्वेट बेहद खुश लग रहे थे और बार-बार यही दोहरा रहे थे:
"क्या मामला है! क्या मामला है! हम कभी नहीं जान पाएंगे, आप देखेंगे, कि हत्यारा इस कमरे से बाहर निकलने में कैसे कामयाब हुआ!"
फिर अचानक, दमकते चेहरे के साथ, उसने पुलिस बल के प्रभारी अधिकारी को बुलाया।

उन्होंने कहा, "महल में जाओ और श्री स्टैंगर्सन और श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक से प्रयोगशाला में मेरे पास आने का अनुरोध करो, साथ ही पिताजी जैक्स को भी; और अपने आदमियों को दो दरबानों को यहाँ लाने के लिए कहो।"
पांच मिनट बाद सभी प्रयोगशाला में एकत्रित हो गए। सुरेते के प्रमुख, जो ग्लैंडियर पहुँच चुके थे, उसी क्षण हमारे साथ शामिल हो गए। मैं श्री स्टैंगर्सन की मेज पर काम के लिए तैयार बैठा था, तभी श्री डी मार्क्वेट ने हमें निम्नलिखित संक्षिप्त भाषण दिया—जो जितना मौलिक था उतना ही अप्रत्याशित भी था:
"आपकी अनुमति से, महोदय—चूंकि पूछताछ से कुछ हासिल नहीं होता—हम एक बार के लिए पूछताछ की पुरानी प्रणाली को छोड़ देंगे। मैं आपको एक-एक करके अपने सामने नहीं बुलाऊंगा, बल्कि हम सभी यहीं रहेंगे—महाशय स्टैंगर्सन, महाशय रॉबर्ट डार्ज़ैक, डैडी जैक्स और दोनों चौकीदार, सुरेते के प्रमुख, रजिस्ट्रार और मैं। हम सभी एक समान स्थिति में होंगे। चौकीदार फिलहाल यह भूल सकते हैं कि उन्हें गिरफ्तार किया गया है। हम आपस में विचार-विमर्श करने जा रहे हैं। हम उस स्थान पर हैं जहां अपराध हुआ था। हमारे पास अपराध के अलावा और कुछ चर्चा करने के लिए नहीं है। इसलिए आइए इस पर खुलकर चर्चा करें—बुद्धिमान तरीके से या अन्यथा, बशर्ते हम वही बोलें जो हमारे मन में है। किसी औपचारिकता या विधि की आवश्यकता नहीं है क्योंकि इससे हमें किसी भी तरह से मदद नहीं मिलेगी।"
फिर मेरे सामने से गुजरते हुए उसने धीमी आवाज में कहा:
"क्या ख्याल है, है ना? क्या नज़ारा है! क्या आप ऐसा सोच सकते थे? मैं इससे एक छोटा सा नाटक बनाऊंगा जिसे वाडेविल में दिखाया जाएगा।" और उसने खुशी से अपने हाथ मले।
मैंने अपनी निगाहें महाशय स्टैंजरसन पर डालीं। डॉक्टर की ताज़ा रिपोर्टों से उन्हें जो उम्मीद मिली थी, जिनमें कहा गया था कि मैडमोजेल स्टैंजरसन अपने ज़ख्मों से उबर सकती हैं, वह उनके गंभीर चेहरे से उस गहरे दुख के निशानों को मिटा नहीं पाई थी। उन्होंने अपनी बेटी को मृत मान लिया था, और वह अब भी उस विश्वास से टूट चुके थे। उनकी निर्मल, नीली आँखों में असीम दुख झलक रहा था। मुझे कई बार सार्वजनिक समारोहों में महाशय स्टैंजरसन से मिलने का अवसर मिला था, और पहली ही नज़र में मैं उनके चेहरे से प्रभावित हो गया था, जो एक बच्चे के चेहरे की तरह मासूम लगता था—उनकी

स्वप्निल निगाहों में एक आविष्कारक और विचारक की उदात्त और रहस्यमय अभिव्यक्ति थी।
उन मौकों पर उनकी बेटी हमेशा उनके पीछे या उनके बगल में ही नज़र आती थी; क्योंकि कहा जाता था कि वे कभी एक-दूसरे से अलग नहीं हुए और कई सालों से साथ-साथ काम करते आ रहे थे। वह युवती, जो उस समय पैंतीस साल की थी, हालांकि तीस साल से ज़्यादा उम्र की नहीं दिखती थी, ने अपना पूरा जीवन विज्ञान को समर्पित कर दिया था। समय और प्रेम की कसौटी पर भी उसकी सुंदरता बरकरार थी, जो आज भी अखंड है, उस पर एक भी झुर्री नहीं है। किसने सोचा होगा कि एक दिन मैं अपने कागज़ात लेकर उसके तकिये के पास बैठा होऊँगा और उसे मृत्यु के कगार पर, हमारे सामने उस सबसे भयानक और रहस्यमय अपराध की दर्दनाक कहानी सुनाते हुए देखूँगा जिसके बारे में मैंने अपने पूरे जीवन में सुना है? किसने सोचा होगा कि उस दोपहर मैं उस हताश पिता को सुन रहा होऊँगा जो व्यर्थ ही यह समझाने की कोशिश कर रहा है कि उसकी बेटी पर हमला करने वाला उससे कैसे बच निकला? अगर व्यस्त शहरों में जीवन के लिए मौजूद उन खतरनाक खतरों से हमारी रक्षा नहीं हो सकती, तो फिर हम अपने काम में खुद को जंगलों की गहराई में एकांत स्थानों में क्यों डुबो लें?
"अब, महाशय स्टैंगरसन," महाशय डी मार्केट ने कुछ महत्वपूर्ण लहजे में कहा, "ठीक उसी स्थान पर खड़े हो जाइए जहाँ आप तब थे जब मैडमोजेल स्टैंगरसन आपको छोड़कर अपने कमरे में गई थीं।"
महाशय स्टैंगर्सन उठे और पीले कमरे के दरवाजे से कुछ दूरी पर खड़े होकर, एक समान स्वर में और बिना किसी जोर के बोले—एक ऐसी आवाज जिसे मैं केवल एक मृत आवाज के रूप में वर्णित कर सकता हूँ:
"मैं यहीं थी। लगभग ग्यारह बजे, प्रयोगशाला की भट्टियों में एक छोटा सा रासायनिक प्रयोग करने के बाद, मुझे अपने पीछे काफी जगह चाहिए थी, इसलिए मैंने अपने डेस्क को यहाँ रखवाया। डैडी जैक्स ने शाम को मेरे कुछ उपकरणों की सफाई की। मेरी बेटी भी मेरे साथ उसी डेस्क पर काम कर रही थी। जब उसके जाने का समय हुआ, तो वह उठी, मुझे चूमा और डैडी जैक्स को शुभ रात्रि कहा। उसे अपने कमरे में जाने के लिए मेरे डेस्क और दरवाजे के पीछे से गुजरना पड़ा, और वह बड़ी मुश्किल से ऐसा कर पाई। कहने का तात्पर्य यह है कि मैं उस जगह के बहुत करीब थी जहाँ बाद में अपराध हुआ।"

"और मेज का क्या हुआ?" मैंने अपने मुखिया के स्पष्ट आदेशों का पालन करते हुए, बातचीत में शामिल होते हुए पूछा, "जैसे ही तुमने 'हत्या' की चीख सुनी और उसके बाद रिवाल्वर की गोलियों की आवाज सुनी, मेज का क्या हुआ?"
डैडी जैक्स ने जवाब दिया।
"हमने इसे दीवार के सहारे पीछे धकेल दिया, यहाँ—जहाँ यह इस समय है—ताकि हम तुरंत दरवाजे तक पहुँच सकें।"
मैंने अपने तर्क को आगे बढ़ाते हुए एक और प्रश्न पूछा, जिसे मैंने हालांकि बहुत कम महत्व दिया, क्योंकि मैं इसे केवल एक कमजोर परिकल्पना मानता था। "क्या कमरे में मौजूद कोई व्यक्ति, मेज के दरवाजे के इतने करीब होने के कारण, झुककर और मेज के नीचे से खिसककर, उसे किसी की नजरों से बचाकर नहीं जा सकता था?"
"आप भूल रहे हैं," श्री स्टैंगरसन ने थके हुए स्वर में बीच में ही टोकते हुए कहा, "कि मेरी बेटी ने अपने दरवाजे पर ताला लगा रखा था और कुंडी भी लगा रखी थी, कि दरवाजा बंद ही रहा, कि शोर सुनकर हमने उसे खोलने की व्यर्थ कोशिश की, और हम दरवाजे पर ही थे जब हत्यारे और मेरी बच्ची के बीच संघर्ष चल रहा था—ठीक उसी क्षण जब हमने उसकी दबी हुई चीखें सुनीं, जब उसे उन उंगलियों से पकड़ा गया था जिन्होंने उसके गले पर लाल निशान छोड़ दिए थे। हमला जितनी तेजी से हुआ, उतनी ही तेजी से हमने भी उस कमरे में घुसने की कोशिश की जहाँ यह त्रासदी घट रही थी।"
मैं अपनी सीट से उठा और एक बार फिर अत्यंत सावधानी से दरवाजे का निरीक्षण किया। फिर निराशा भरे भाव से मैं वापस अपनी जगह पर बैठ गया।
मैंने कहा, "अगर दरवाजे का निचला हिस्सा, पूरे दरवाजे को खोले बिना ही निकाला जा सकता, तो समस्या हल हो जाती। लेकिन, दुर्भाग्य से, दरवाजे की जांच करने के बाद यह आखिरी अनुमान गलत साबित होता है—यह ओक की लकड़ी का बना है, ठोस और भारी-भरकम। इसे जबरदस्ती खोलने की कोशिश में हुए नुकसान के बावजूद, आप यह बात साफ-साफ देख सकते हैं।"
“आह!” डैडी जैक्स चिल्लाए, “यह तो महल से लाया गया एक पुराना और मजबूत दरवाजा है—अब ऐसे दरवाजे नहीं बनते। इसे खोलने के लिए हम चारों को लोहे की छड़ का इस्तेमाल करना पड़ा—दरबान, वह बहादुर महिला है, उसने हमारी मदद की। मुझे बहुत दुख होता है जब पता चलता है कि वे दोनों अब जेल में हैं।”

डैडी जैक्स के ये दया और विरोध के शब्द कहते ही चौकीदारों की आँखों से आँसू बहने लगे और वे विलाप करने लगे। मैंने दो आरोपियों को इतना ज़ोर से रोते कभी नहीं देखा था। मुझे बहुत घृणा हुई। भले ही वे निर्दोष थे, लेकिन मैं समझ नहीं पा रहा था कि दुर्भाग्य के सामने वे ऐसा व्यवहार कैसे कर सकते हैं। ऐसे समय में गरिमापूर्ण व्यवहार करना आँसुओं और विलाप से बेहतर है, जो अक्सर दिखावटी होते हैं।
"अब बस करो ये रोना-धोना," महाशय डी मार्क्वेट चिल्लाए; "और, तुम्हारे हित में, हमें बताओ कि जब तुम्हारी प्रेमिका पर हमला हो रहा था, तब तुम मंडप की खिड़कियों के नीचे क्या कर रहे थे; क्योंकि जब पिताजी जैक्स तुमसे मिले थे, तब तुम मंडप के पास ही थे।"
"हम तो मदद करने आ रहे थे!" उन्होंने गिड़गिड़ाते हुए कहा।
"अगर हम किसी तरह उस हत्यारे को पकड़ लें, तो वो फिर कभी रोटी का स्वाद नहीं चख पाएगा!" महिला सिसकते हुए बोली।
पहले की तरह हम उनसे दो परस्पर संबंधित बातें भी नहीं निकलवा पाए। वे अपने इनकार पर अड़े रहे और ईश्वर और सभी संतों की कसम खाकर बोले कि जब उन्होंने रिवाल्वर की गोली की आवाज सुनी तब वे बिस्तर पर थे।
"एक नहीं, बल्कि दो गोलियां चलीं!—देखो, तुम झूठ बोल रहे हो। अगर तुमने एक की आवाज सुनी होती, तो दूसरी भी सुन ली होती।"
"हे भगवान! महोदय—हमने दूसरी गोली की आवाज सुनी। पहली गोली चलने के समय हम सो रहे थे।"
“दो गोलियां चलीं,” डैडी जैक्स ने कहा। “मुझे पूरा यकीन है कि मेरे रिवॉल्वर में सभी कारतूस मौजूद थे। बाद में हमें पता चला कि दो कारतूस फट गए थे, और हमने दरवाजे के पीछे से दो गोलियों की आवाज सुनी। क्या ऐसा ही नहीं था, श्रीमान स्टैंगर्सन?”
"हां," प्रोफेसर ने उत्तर दिया, "दो गोलियां चलीं, एक धीमी और दूसरी तेज और गूंजने वाली।"
"तुम झूठ बोलना क्यों नहीं छोड़ रहे हो?" महाशय डी मार्केट ने चौकीदारों की ओर मुड़ते हुए कहा। "क्या तुम्हें लगता है कि पुलिस तुम्हारी तरह मूर्ख है? सब कुछ यही इशारा करता है कि त्रासदी के समय तुम बाहर पवेलियन के पास थे। तुम वहाँ क्या कर रहे थे? जहाँ तक मेरा सवाल है," उन्होंने महाशय स्टैंगरसन की ओर मुड़ते हुए कहा, "मैं हत्यारे के भागने की वजह सिर्फ़ इन

दो साथियों की मदद से ही समझ सकता हूँ। जैसे ही दरवाज़ा ज़बरदस्ती खोला गया, और जब आप, महाशय स्टैंगरसन, अपने दुर्भाग्यपूर्ण बच्चे में व्यस्त थे, तब चौकीदार और उसकी पत्नी ने हत्यारे को भागने में मदद की। हत्यारा उनके पीछे छिपकर बरामदे की खिड़की तक पहुँचा और वहाँ से कूदकर पार्क में चला गया। चौकीदार ने उसके पीछे खिड़की बंद कर दी और पर्दे लगा दिए, जो अपने आप तो बंद नहीं हो सकते थे। यही मेरा निष्कर्ष है। अगर यहाँ किसी के पास कोई और विचार है, तो वह बता दे।"
श्री स्टैंगरसन ने हस्तक्षेप किया:
"आप जो कह रहे हैं वह असंभव है। मैं अपने चौकीदारों के अपराध या उनकी मिलीभगत पर विश्वास नहीं करती, हालांकि मुझे समझ नहीं आता कि वे रात के उस समय पार्क में क्या कर रहे थे। मैं कहती हूं कि यह असंभव था, क्योंकि मैडम बर्नियर ने लैंप पकड़ रखा था और कमरे की दहलीज से हिली नहीं थीं; क्योंकि जैसे ही दरवाजा जबरदस्ती खोला गया, मैं अपनी बेटी के बगल में घुटनों के बल गिर पड़ी, और कोई भी उसके शरीर को पार किए बिना और मुझे धक्का दिए बिना दरवाजे से कमरे में आ या जा नहीं सकता था! डैडी जैक्स और चौकीदार को बस कमरे में और बिस्तर के नीचे एक नज़र डालनी थी, जैसा मैंने अंदर आते समय किया था, यह देखने के लिए कि अंदर मेरी बेटी के अलावा कोई नहीं था जो फर्श पर लेटी हुई थी।"
"आप क्या सोचते हैं, महाशय डार्ज़ैक?" मजिस्ट्रेट ने पूछा।
श्री डार्ज़ैक ने उत्तर दिया कि उन्हें कोई राय व्यक्त नहीं करनी है। श्री डैक्स, जो सुरेते के प्रमुख थे और अब तक कमरे में सब कुछ सुन और देख रहे थे, अंततः उन्होंने बोलने की कृपा की:
"अपराधी की तलाश जारी है, लेकिन बेहतर होगा कि हम अपराध के पीछे का मकसद पता लगाने की कोशिश करें; इससे हमें थोड़ी मदद मिलेगी," उन्होंने कहा। श्री स्टैंगरसन की ओर मुड़ते हुए, उन्होंने एक मजबूत व्यक्तित्व के संकेत देने वाले शांत और बुद्धिमान स्वर में आगे कहा, "मुझे पता चला है कि मैडमोजेल की जल्द ही शादी होने वाली थी?"
प्रोफेसर ने श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक की ओर उदास निगाहों से देखा।
"मेरे इस मित्र को, जिसे मैं अपना पुत्र कहने में प्रसन्न होता—श्रीमान रॉबर्ट डार्ज़ैक को।"

"मैडम स्टैंगरसन की हालत काफी बेहतर है और वह अपने घावों से तेजी से उबर रही हैं। शादी बस कुछ समय के लिए टल गई है, है ना, महाशय?" सुरेते के प्रमुख ने जोर देकर कहा।
"ऐसा ही हो।
"क्या! इसमें कोई शक है क्या?"
श्री स्टैंगर्सन ने कोई जवाब नहीं दिया। श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक बेचैन लग रहे थे। मैंने देखा कि घड़ी की चेन को छूते समय उनका हाथ कांप रहा था। श्री डैक्स और श्री डी मार्क्वेट दोनों खांस रहे थे। दोनों स्पष्ट रूप से शर्मिंदा थे।
"आप समझते हैं, श्रीमान स्टैंगरसन," उन्होंने कहा, "कि इस तरह के पेचीदा मामले में हम किसी भी बात को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते; हमें पीड़ित के बारे में सब कुछ जानना होगा, यहाँ तक कि सबसे छोटी और सबसे महत्वहीन लगने वाली बात भी—वह जानकारी जो देखने में सबसे मामूली लगती है। आपको इस विवाह के होने पर संदेह क्यों है? आपने आशा व्यक्त की थी; लेकिन आशा में संदेह भी निहित है। आपको संदेह क्यों है?"
श्री स्टैंगरसन ने स्वयं को संभालने का स्पष्ट प्रयास किया।
"जी हां, महाशय," उन्होंने अंत में कहा, "आप सही कह रहे हैं। यह बेहतर होगा कि आप वह बात जान लें, जिसे अगर मैं छुपाता तो वह महत्वपूर्ण प्रतीत हो सकती थी; महाशय डार्ज़ैक भी इस मामले में मुझसे सहमत हैं।"
श्री डार्ज़ैक, जिनका पीलापन उस समय मुझे बिल्कुल असामान्य लग रहा था, ने सहमति का संकेत दिया। मुझे समझ आया कि वे बोलने में असमर्थ थे।
“तो मैं आपको बताना चाहता हूँ,” महाशय स्टैंगरसन ने आगे कहा, “कि मेरी बेटी ने मुझसे कभी अलग न होने की कसम खाई है और मेरी तमाम प्रार्थनाओं और शादी के लिए मनाने की तमाम कोशिशों के बावजूद वह अपनी कसम पर अडिग है। हम महाशय रॉबर्ट डार्ज़ैक को कई सालों से जानते हैं। वह मेरी बेटी से प्यार करते हैं; और मुझे विश्वास था कि वह भी उनसे प्यार करती है; क्योंकि उसने हाल ही में इस शादी के लिए हामी भरी है, जिसे मैं दिल से चाहता हूँ। महाशय, मैं बूढ़ा हो चुका हूँ और मेरे लिए वह पल बहुत खुशी का था जब मुझे पता चला कि मेरे जाने के बाद, उसके साथ एक ऐसा व्यक्ति होगा जो उससे प्यार करता है और जो हमारे साझा कामों को जारी रखने में उसकी मदद करेगा। मैं महाशय डार्ज़ैक से उनके बड़े दिल और विज्ञान के प्रति उनकी निष्ठा दोनों के लिए प्यार और

सम्मान करता हूँ। लेकिन, उस दुखद घटना से दो दिन पहले, पता नहीं किस कारण से, मेरी बेटी ने मुझसे कहा कि वह कभी भी महाशय डार्ज़ैक से शादी नहीं करेगी।”
मिस्टर स्टैंगर्सन के शब्दों के बाद सन्नाटा छा गया। वह क्षण तनाव से भरा हुआ था।
"क्या मैडमोजेल ने आपको कोई स्पष्टीकरण दिया, क्या उन्होंने आपको बताया कि उनका मकसद क्या था?" श्री डैक्स ने पूछा।
"उसने मुझसे कहा कि उसकी शादी करने की उम्र हो गई है—कि उसने बहुत लंबा इंतजार कर लिया है। उसने कहा कि उसने इस मामले पर बहुत सोच-विचार किया है और हालांकि वह श्री डार्ज़ैक का बहुत सम्मान करती है, यहाँ तक कि उनसे स्नेह भी करती है, लेकिन उसे लगता है कि बेहतर होगा अगर चीजें जैसी हैं वैसी ही रहें। उसने कहा कि वह हमारे और श्री डार्ज़ैक के बीच संबंधों को और घनिष्ठ होते देखकर खुश होगी, लेकिन केवल इस शर्त पर कि अब शादी की कोई बात नहीं होगी।"
"यह तो बहुत अजीब है!" श्री डैक्स ने बुदबुदाते हुए कहा।
"अजीब!" महाशय डी मार्क्वेट ने दोहराया।
"आपको वहां मकसद बिल्कुल नहीं मिलेगा, महाशय डैक्स," महाशय स्टैंगरसन ने ठंडी मुस्कान के साथ कहा।
"किसी भी सूरत में, मकसद चोरी नहीं था!" मुखिया ने अधीरता से कहा।
"ओह! हमें इस बात का पूरा यकीन है!" जांच मजिस्ट्रेट ने चिल्लाकर कहा।
उसी क्षण प्रयोगशाला का दरवाजा खुला और पुलिस बल का प्रभारी अधिकारी अंदर आया और जांच मजिस्ट्रेट को एक कार्ड सौंप दिया। महाशय डी मार्केट ने उसे पढ़ा और आधे गुस्से में विस्मय व्यक्त किया:
"यह तो हद से ज्यादा है!" वह चिल्लाया।
"यह क्या है?" मुखिया ने पूछा।
"यह 'एपोक' काल पर रिपोर्टिंग कर रहे एक युवा पत्रकार, श्री जोसेफ रूलेटाबिल का कार्ड है। इस पर ये शब्द लिखे हैं: 'अपराध के उद्देश्यों में से एक डकैती थी।'"
मुखिया मुस्कुराया।
"आह,—युवा रूलेटाबिल—मैंने उसके बारे में सुना है, वह काफी होशियार माना जाता है। उसे अंदर आने दो।"

श्रीमान जोसेफ रूलेटाबिल को अंदर आने दिया गया। उनसे मेरी मुलाकात उसी सुबह एपिने-सुर-ओर्गे जाते समय ट्रेन में हुई थी। उन्होंने लगभग मेरी इच्छा के विरुद्ध हमारे डिब्बे में प्रवेश किया था। मैं पहले ही बता दूं कि उनका व्यवहार और जिस घमंड से उन्होंने यह जताने की कोशिश की कि उन्हें सब कुछ पता है, जो हमें भी समझ नहीं आ रहा था, उससे मेरे मन में उनके प्रति एक बुरी धारणा बन गई। मुझे पत्रकार पसंद नहीं हैं। वे लेखकों का एक ऐसा वर्ग हैं जिनसे दूर रहना चाहिए। वे सोचते हैं कि सब कुछ जायज़ है और वे किसी का सम्मान नहीं करते। उन्हें ज़रा सी भी कृपा करें, उन्हें अपने पास आने की भी अनुमति दें, और आप कभी नहीं जान सकते कि वे आपको कितनी परेशानी में डाल देंगे। यह पत्रकार मुश्किल से बीस साल का लग रहा था, और जिस धृष्टता से उन्होंने हमसे सवाल करने और इस मामले पर चर्चा करने की हिम्मत की, उससे वे मुझे बेहद अप्रिय लगे। इसके अलावा, उनके बोलने का तरीका ऐसा था कि हम यह अंदाज़ा लगाते रहे कि वे हमारा मज़ाक उड़ा रहे हैं या नहीं। मैं यह भलीभांति जानता हूं कि 'एपोक' एक प्रभावशाली समाचार पत्र है जिसके साथ अच्छे संबंध बनाए रखना उसके लिए लाभकारी है, लेकिन समाचार पत्र को खुद को गुप्त रूप से रिपोर्ट करने वाले पत्रकारों द्वारा प्रतिनिधित्व करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।
श्रीमान जोसेफ रूलेटाबिल ने प्रयोगशाला में प्रवेश किया, हमें प्रणाम किया और श्रीमान डी मार्क्वेट द्वारा उनकी उपस्थिति का कारण पूछे जाने की प्रतीक्षा की।
"महाशय, आप यह दिखावा कर रहे हैं कि आपको अपराध का मकसद पता है, और वह मकसद - अब तक सामने आए सभी सबूतों के बावजूद - डकैती था?"
"नहीं, महोदय, मैं ऐसा दावा नहीं करता। मैं यह नहीं कहता कि डकैती अपराध का मकसद था, और मुझे ऐसा विश्वास भी नहीं है।"
"तो फिर इस कार्ड का क्या अर्थ है?"
"इसका मतलब है कि डकैती अपराध के उद्देश्यों में से एक थी।"
आपको ऐसा क्यों लगता है?
"अगर आप मेरे साथ चलने की कृपा करेंगे, तो मैं आपको दिखा दूंगा।"
उस युवक ने हमें प्रवेश कक्ष में आने को कहा और हम उसके पीछे-पीछे चले गए। वह हमें शौचालय की ओर ले गया और श्रीमान डी मार्केट से उसके बगल में घुटने टेकने का अनुरोध किया। यह शौचालय कांच के दरवाजे से रोशन था, और जब दरवाजा

खुला था, तो अंदर आने वाली रोशनी शौचालय को पूरी तरह से रोशन करने के लिए पर्याप्त थी। श्रीमान डी मार्केट और श्रीमान जोसेफ रूलेटाबिल दहलीज पर घुटने टेककर बैठ गए, और उस युवक ने फुटपाथ पर एक जगह की ओर इशारा किया। “डैडी जैक्स ने काफी समय से शौचालय के पत्थरों को नहीं धोया है,” उन्होंने कहा; “उन पर जमी धूल की परत से यह साफ पता चलता है। अब, यहाँ दो बड़े पैरों के निशान और उनके द्वारा छोड़ी गई काली राख पर ध्यान दीजिए। यह राख और कुछ नहीं बल्कि कोयले की धूल है जो उस रास्ते पर जमी है जिससे होकर आपको एपिने से सीधे ग्लैंडियर जाने के लिए जंगल से गुजरना पड़ता है। आपको पता है कि उस जगह कोयला बनाने वालों का एक छोटा सा गाँव है, जो बड़ी मात्रा में कोयला बनाते हैं। हत्यारे ने दोपहर के समय यहाँ आकर, जब मंडप में कोई नहीं था, लूटपाट की कोशिश की।”
"लेकिन कैसी डकैती?—आपको डकैती के कोई संकेत कहाँ दिखते हैं? आपके पास ऐसा क्या सबूत है जिससे साबित होता है कि डकैती हुई है?" हम सब एक साथ चिल्लाए। "मुझे किस बात से इसका पता चला?" पत्रकार ने आगे कहा...
"क्या यही था?" श्रीमान डी मार्क्वेट ने घुटनों के बल बैठे हुए बीच में ही टोकते हुए पूछा।
"स्पष्टतः," रूलेटाबिल ने कहा।
और महाशय डी मार्क्वेट ने बताया कि फुटपाथ की धूल पर दो पदचिह्नों के निशान थे, साथ ही एक भारी आयताकार पार्सल का ताजा बना हुआ निशान भी था, जिस रस्सी से इसे बांधा गया था उसके निशान आसानी से पहचाने जा सकते थे।
"तो आप यहाँ आए थे, महाशय रूलेटाबिल? मुझे लगा था कि मैंने डैडी जैक्स को, जिन्हें पवेलियन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, आदेश दिया था कि किसी को भी अंदर न आने दें।"
"डैडी जैक्स को डांटिए मत, मैं यहां मिस्टर रॉबर्ट डार्ज़ैक के साथ आई हूं।"
"आह,—सचमुच!" महाशय डी मार्केट ने असहमति जताते हुए कहा और महाशय डार्ज़ैक की ओर तिरछी नज़र डाली, जो पूरी तरह चुप रहे।
"जब मैंने पैरों के निशान के बगल में पार्सल का निशान देखा, तो मुझे चोरी के बारे में कोई संदेह नहीं रहा," मॉन्सियर रूलेटाबिल ने उत्तर दिया। चोर अपने साथ कोई पार्सल नहीं लाया था; उसने यहीं एक पार्सल बनाया था—निश्चित रूप से चोरी की वस्तुओं वाला पार्सल; और उसने इसे इस कोने में रख दिया था

ताकि भागने का समय आने पर इसे ले जा सके। उसने अपने भारी जूते भी पार्सल के बगल में रखे थे, क्योंकि देखिए—जूतों के निशानों तक जाने वाले कदमों के कोई निशान नहीं हैं, जबकि जूते बगल-बगल रखे थे। इसी कारण हत्यारे ने पीले कमरे से भागते समय, न तो प्रयोगशाला में, न ही प्रवेश कक्ष में, अपने कदमों के कोई निशान नहीं छोड़े। पीले कमरे में जूते पहनकर प्रवेश करने के बाद, उसने उन्हें उतार दिया, शायद उन्हें असुविधाजनक लगे या इसलिए कि वह जितना हो सके कम शोर करना चाहता था। प्रवेश कक्ष और प्रयोगशाला से गुजरते समय उसके द्वारा बनाए गए निशानों को बाद में डैडी जैक्स ने धो दिया। किसी कारणवश अपने जूते उतारने के बाद, हत्यारे ने उन्हें हाथ में उठाया और अपने बनाए पार्सल के बगल में रख दिया—तब तक चोरी हो चुकी थी। फिर वह आदमी पीले कमरे में लौटा और बिस्तर के नीचे घुस गया, जहाँ उसके जूतों का निशान मिला। उसका शरीर फर्श पर और यहाँ तक कि चटाई पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जो अपनी जगह से थोड़ी खिसक गई है और उसमें सिलवटें पड़ गई हैं। हाल ही में टूटे हुए भूसे के टुकड़े भी बिस्तर के नीचे हत्यारे की गतिविधियों के गवाह हैं।
"जी हां, हमें इसके बारे में सब पता है," महाशय डी मार्क्वेट ने कहा।
“चोर के बिस्तर के नीचे छिपने के पीछे एक और मकसद था,” उस होनहार युवा पत्रकार ने आगे बताया। “आप सोच सकते हैं कि उसने वेस्टिब्यूल की खिड़की से मिस्टर और मैडमोजेल स्टैंगर्सन को मंडप में प्रवेश करते देख जल्दी से छिपने की कोशिश की होगी। अगर उसका मकसद सिर्फ भागना होता, तो उसके लिए अटारी में चढ़कर छिप जाना और भागने का मौका ढूंढते रहना कहीं ज्यादा आसान होता। नहीं! नहीं! उसे पीले कमरे में ही जाना था।”
यहां मुखिया ने हस्तक्षेप किया।
"यह तो बिलकुल भी बुरा नहीं है, नौजवान। मैं तुम्हारी तारीफ़ करता हूँ। भले ही हमें अभी तक यह पता न चला हो कि हत्यारा भागने में कैसे कामयाब हुआ, लेकिन हम कम से कम यह तो देख ही सकते हैं कि वह अंदर कैसे आया और उसने डकैती कैसे की। लेकिन उसने क्या चुराया?"
"कुछ बहुत ही मूल्यवान चीज," युवा पत्रकार ने उत्तर दिया।
उसी क्षण हमें प्रयोगशाला से एक चीख सुनाई दी। हम अंदर भागे और देखा कि श्री स्टैंगर्सन, जिनकी आँखें सूजी हुई थीं और हाथ-पैर काँप रहे थे, एक तरह की किताबों की अलमारी की ओर इशारा कर रहे थे, जिसे उन्होंने खोला था और जो,

हमने देखा, खाली थी। उसी क्षण वे मेज के सामने रखी बड़ी कुर्सी पर बैठ गए और कराहते हुए, उनकी आँखों से आँसू बहने लगे, "मुझे फिर से लूट लिया गया है! भगवान के लिए, मेरी बेटी को इस बारे में एक शब्द भी मत कहना। उसे मुझसे भी ज़्यादा दुख होगा।" उन्होंने एक गहरी साँस ली और एक ऐसे स्वर में कहा जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊँगा: "आखिरकार, इससे क्या फर्क पड़ता है, जब तक वह जीवित है!"
"वह जीवित रहेगी!" महाशय डार्ज़ैक ने एक अजीब तरह से मार्मिक स्वर में कहा।
“और हम चोरी की गई वस्तुएँ ढूँढ़ लेंगे,” श्री डैक्स ने कहा। “लेकिन कैबिनेट में क्या था?”
“मेरे जीवन के बीस साल,” प्रख्यात प्रोफेसर ने उदास स्वर में उत्तर दिया, “या यूँ कहें कि हमारे जीवन के बीस साल—मेरा और मेरी बेटी का जीवन! जी हाँ, हमारे सबसे अनमोल दस्तावेज़, हमारे गुप्त प्रयोगों के रिकॉर्ड और बीस वर्षों की हमारी मेहनत उस अलमारी में थी। यह हमारे लिए और विज्ञान के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है। वे सभी प्रक्रियाएँ जिनके द्वारा मैं पदार्थ के विनाशीय होने के बहुमूल्य प्रमाण तक पहुँच पाया था, वहाँ मौजूद थीं—सब कुछ। जो व्यक्ति आया था, वह मुझसे सब कुछ छीनना चाहता था—मेरी बेटी और मेरा काम—मेरा दिल और मेरी आत्मा।”
और महान वैज्ञानिक बच्चे की तरह रोने लगे।
हम सब चुपचाप उसके चारों ओर खड़े थे, उसकी अत्यधिक पीड़ा से बहुत प्रभावित थे। श्री डार्ज़ैक उसके पास सटकर बैठ गए और अपने आँसू रोकने की व्यर्थ कोशिश की—यह दृश्य देखकर मुझे क्षण भर के लिए उससे लगाव हो गया, हालाँकि उसके विचित्र व्यवहार और उसकी अकारण चिंता ने मेरे मन में सहज घृणा उत्पन्न कर दी थी।
श्री रूलेटाबिल अकेले ही—मानो पृथ्वी पर उनका कीमती समय और कर्तव्य उन्हें मानवीय पीड़ा पर चिंतन करने की अनुमति न देते हों—बड़े शांत भाव से खाली अलमारी के पास गए और उसकी ओर इशारा करते हुए लगभग सन्नाटे को तोड़ दिया। उन्होंने उन स्पष्टीकरणों में उलझना शुरू कर दिया, जिनकी कोई आवश्यकता नहीं थी, कि उन्हें ऐसा क्यों लगा कि चोरी हुई है, जिसमें शौचालय में उनकी एक साथ की खोज और प्रयोगशाला में खाली कीमती अलमारी शामिल थी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले जिस चीज़ ने उनका ध्यान खींचा, वह उस फर्नीचर का

असामान्य आकार था। यह अग्निरोधी लोहे से बहुत मज़बूती से बना था, जिससे स्पष्ट था कि इसे अत्यंत मूल्यवान वस्तुओं को रखने के लिए बनाया गया था। फिर उन्होंने देखा कि चाबी ताले में ही लगी हुई थी। "आम तौर पर कोई तिजोरी को खुला नहीं छोड़ता!" उन्होंने मन ही मन कहा। पीतल की नोक और जटिल आवरण वाली इस छोटी सी चाबी ने उन्हें बहुत आकर्षित किया—इसकी उपस्थिति ने चोरी का संकेत दिया।
श्रीमान डी मार्केट काफी असमंजस में लग रहे थे, मानो उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि युवा पत्रकार द्वारा जांच को दी गई नई दिशा से उन्हें प्रसन्न होना चाहिए या इस बात का अफसोस कि यह काम उन्होंने खुद क्यों नहीं किया। हमारे पेशे में और जन कल्याण के लिए, हमें ऐसी अपमानजनक बातों को सहना पड़ता है और स्वार्थी भावनाओं को दबाना पड़ता है। इसीलिए श्रीमान डी मार्केट ने खुद पर नियंत्रण रखा और श्रीमान डैक्स की प्रशंसा में अपनी प्रशंसा भी जोड़ दी। जहाँ तक श्रीमान रूलेटाबिल की बात है, उन्होंने बस अपने कंधे उचकाए और कहा: "इसमें कुछ भी नहीं है!" मेरा मन कर रहा था कि मैं उनके कान खींच लूँ, खासकर तब जब उन्होंने आगे कहा: "महामहिम, आप श्रीमान स्टैंगर्सन से पूछें कि वह चाबी आमतौर पर किसके पास रहती थी?"
"मेरी बेटी," महाशय स्टैंगरसन ने उत्तर दिया, "वह इसके बिना कभी नहीं रहती थी।"
"अरे! तो फिर मामला पूरी तरह बदल गया है, जो अब श्री रूलेटाबिल के विचारों से मेल नहीं खाता!" श्री डी मार्केट चिल्लाए। "अगर वह चाबी मैडमोजेल स्टैंगरसन से कभी निकली ही नहीं, तो हत्यारे ने उसे चुराने के इरादे से उसके कमरे में उसका इंतज़ार किया होगा; और चोरी तो उस पर हमला होने के बाद ही हो सकती थी। लेकिन हमले के बाद प्रयोगशाला में चार लोग थे! मेरी समझ से बाहर है!"
रिपोर्टर ने कहा, "यह डकैती मैडमोजेल स्टैंगरसन पर उनके कमरे में हुए हमले से पहले ही की जा सकती थी। जब हत्यारा मंडप में दाखिल हुआ, तब तक उसके पास पीतल की चाबी पहले से ही मौजूद थी।"
"यह असंभव है," महाशय स्टैंगरसन ने धीमी आवाज में कहा।
"यह बिलकुल संभव है, महोदय, जैसा कि इससे सिद्ध होता है।"

और उस बदमाश युवक ने अपनी जेब से 21 अक्टूबर की तारीख वाला "एपोक" अखबार निकाला (मुझे याद है कि अपराध 24 और 25 अक्टूबर की रात के बीच हुआ था), और हमें एक विज्ञापन दिखाते हुए उसने पढ़ा:
"कल लूव्र के ग्रैंड मैगासिन्स में एक काले साटन का पर्स खो गया। उसमें अन्य चीजों के साथ-साथ पीतल की नोक वाली एक छोटी चाबी भी थी। इसे ढूंढने वाले को अच्छा इनाम दिया जाएगा। उस व्यक्ति को इस पते पर 'पोस्ट रेस्टेंट, ब्यूरो 40' लिखकर भेजना होगा: एम. ए. टी. एच. एस. एन.' क्या ये अक्षर मैडमोजेल स्टैंगर्सन की ओर इशारा नहीं करते?" रिपोर्टर ने आगे पूछा। "'पीतल की नोक वाली चाबी'—क्या यही वह चाबी नहीं है? मैं हमेशा विज्ञापन पढ़ता हूँ। मेरे व्यवसाय में, और आपके व्यवसाय में भी, महोदय, हमेशा व्यक्तिगत विज्ञापन पढ़ने चाहिए।" ये अक्सर साजिशों की कुंजी होती हैं, जो हमेशा सीधी-सादी नहीं होतीं, लेकिन फिर भी कम दिलचस्प नहीं होतीं। इस विज्ञापन ने मुझे विशेष रूप से आकर्षित किया; चाबी वाली महिला ने इसे एक तरह के रहस्य से घेर रखा था। जाहिर है, वह चाबी को बहुत महत्व देती थी, क्योंकि उसने इसे लौटाने के लिए एक बड़े इनाम का वादा किया था! और मैंने इन छह अक्षरों के बारे में सोचा: एम. ए. टी. एच. एस. एन. पहले चार अक्षरों से तुरंत एक ईसाई नाम का संकेत मिला; जाहिर है मैंने सोचा कि मैथ, मैथिल्डे है। लेकिन मैं आखिरी दो अक्षरों को समझ नहीं पाया। इसलिए मैंने जर्नल एक तरफ रख दिया और दूसरे कामों में लग गया। चार दिन बाद, जब शाम के अखबार में मैडमोजेल स्टैंगर्सन की हत्या की खबर बड़े-बड़े शीर्षकों के साथ छपी, तो विज्ञापन में लिखे अक्षर अनायास ही मेरे दिमाग में आ गए। मैं आखिरी दो अक्षर, एस. एन., भूल गया था। जब मैंने उन्हें दोबारा देखा तो मैं 'स्टैंगर्सन!' कहने से खुद को रोक नहीं पाया। मैं एक टैक्सी में कूदा और ब्यूरो नंबर 40 में घुस गया और पूछा: 'क्या आपके पास एम. ए. टी. एच. एस. एन. के नाम से संबोधित कोई पत्र है?' क्लर्क ने जवाब दिया कि उसके पास वह पत्र नहीं है। मैंने ज़िद की, गिड़गिड़ाया और उससे खोजने का आग्रह किया। वह जानना चाहता था कि क्या मैं उसके साथ मज़ाक कर रहा हूँ, और फिर उसने मुझे बताया कि उसके पास M. A. T. H. S. N अक्षरों वाला एक पत्र था, लेकिन उसने उसे तीन दिन पहले एक महिला को दे दिया था जो उसे लेने आई थी। 'आज तुम पत्र लेने आई हो, और परसों एक और सज्जन ने उसे ले लिया! बस बहुत हो गया!' उसने गुस्से में कहा। मैंने उससे उन दो लोगों के बारे में पूछने की कोशिश की

जिन्होंने पहले ही पत्र ले लिया था; लेकिन चाहे वह पेशेवर गोपनीयता की आड़ में खुद को बचाना चाहता हो—शायद उसने सोचा हो कि वह पहले ही बहुत कुछ कह चुका है—या फिर अपने साथ हुए मज़ाक से नाराज़ हो—उसने मेरे किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया।
रूलेटाबिल कुछ देर रुका। हम सब चुप रहे। हर किसी ने पोस्ट रेस्टेंटे पत्र की इस विचित्र कहानी से अपने-अपने निष्कर्ष निकाले। ऐसा लग रहा था कि अब हमें एक सुराग मिल गया है जिसके माध्यम से हम इस असाधारण रहस्य को सुलझा सकेंगे।
“तो फिर यह लगभग निश्चित है,” श्री स्टैंगरसन ने कहा, “कि मेरी बेटी ने ही चाबी खोई थी, और उसने मुझे इसके बारे में नहीं बताया, ताकि मुझे कोई चिंता न हो। उसने जिसने भी चाबी पाई हो, उससे डाक स्टेशन को पत्र लिखने का अनुरोध किया था। जाहिर है, उसे डर था कि हमारा पता देने से पूछताछ शुरू हो जाएगी और मुझे चाबी खोने की सूचना मिल जाएगी। उसका ऐसा करना बिल्कुल तर्कसंगत और स्वाभाविक था—क्योंकि मेरे साथ पहले भी एक बार चोरी हो चुकी है।”
"वह घटना कहाँ और कब हुई थी?" सुरेते के प्रमुख ने पूछा।
"ओह! कई साल पहले, अमेरिका के फिलाडेल्फिया में। मेरी प्रयोगशाला से दो आविष्कारों के चित्र चोरी हो गए थे, जिनसे एक व्यक्ति की किस्मत चमक सकती थी। मुझे न केवल यह पता नहीं चला कि चोर कौन था, बल्कि चोरी करने वाले के बारे में भी मुझे कभी कोई जानकारी नहीं मिली, शायद इसलिए क्योंकि जिसने मुझे लूटा था, उसकी योजनाओं को विफल करने के लिए मैंने खुद इन दोनों आविष्कारों को जनता के सामने पेश कर दिया और इस तरह चोरी को नाकाम कर दिया। तब से मैं काम करते समय खुद को कमरे में बंद रखने में बहुत सावधानी बरतता हूं। इन खिड़कियों की सलाखें, इस मंडप का एकांत स्थान, यह अलमारी, जिसे मैंने विशेष रूप से बनवाया था, यह विशेष ताला, यह अनोखी चाबी, ये सभी उस दुखद अनुभव से उत्पन्न भय से बचाव के उपाय हैं।"
"बहुत ही दिलचस्प!" श्री डैक्स ने टिप्पणी की।
श्री रूलेटाबिल ने पर्स के बारे में पूछा। श्री स्टैंगरसन और पिताजी जैक्स दोनों ने ही उसे कई दिनों से नहीं देखा था, लेकिन कुछ घंटों बाद हमें मैडमोजेल स्टैंगरसन से ही पता चला कि पर्स या तो उनसे चोरी हो गया था या उन्होंने उसे खो दिया था। उन्होंने अपने पिता के कथन की पुष्टि करते हुए बताया कि जो कुछ हुआ था वह बिल्कुल वैसा ही था। वह डाकघर गई थीं और 23

अक्टूबर को उन्हें एक पत्र मिला था, जिसमें उनके अनुसार केवल एक भद्दा मज़ाक था, जिसे उन्होंने तुरंत जला दिया था।
अब अपनी जांच, या कहें कि अपनी बातचीत पर लौटते हैं। मुझे यह बताना होगा कि पुलिस प्रमुख ने श्री स्टैंगर्सन से पूछा कि उनकी बेटी 20 अक्टूबर को किन परिस्थितियों में पेरिस गई थी, तो हमें पता चला कि श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक उनके साथ गए थे, और डार्ज़ैक को उस दिन से लेकर अपराध होने के अगले दिन तक महल में फिर कभी नहीं देखा गया। यह तथ्य कि श्री डार्ज़ैक लूव्र के ग्रैंड मैगासिन्स में उनके साथ थे जब पर्स गायब हुआ, अनदेखा नहीं किया जा सकता था, और यह कहना होगा कि इसने हमारी दिलचस्पी को और भी बढ़ा दिया। मजिस्ट्रेटों, आरोपी, पीड़ित, गवाहों और पत्रकार के बीच यह बातचीत समाप्त होने ही वाली थी कि तभी एक नाटकीय घटना घटी—जो श्री डी मार्केट को बिल्कुल भी पसंद नहीं आई। पुलिस का एक अधिकारी यह घोषणा करने आया कि फ्रेडरिक लार्सन ने अंदर आने की अनुमति मांगी है—और उसकी यह अनुमति तुरंत मान ली गई। उसके हाथ में कीचड़ से सने भारी जूते थे, जिन्हें उसने प्रयोगशाला के फुटपाथ पर फेंक दिया।
"ये रहे," उसने कहा, "हत्यारे के जूते। क्या आप इन्हें पहचानते हैं, डैडी जैक्स?"
डैडी जैक्स उन जूतों पर झुके और अचंभित होकर उन्होंने पुराने जूतों की एक जोड़ी को पहचान लिया, जिसे उन्होंने कुछ समय पहले अपने अटारी के एक कोने में फेंक दिया था। वे इतने चौंक गए कि अपनी घबराहट छिपा नहीं सके।
फिर बूढ़े आदमी के हाथ में मौजूद रूमाल की ओर इशारा करते हुए फ्रेडरिक लार्सन ने कहा:
"यह रूमाल बिल्कुल वैसा ही है जैसा 'द येलो रूम' में मिला था।"
"मुझे पता है," डैडी जैक्स ने कांपते हुए कहा, "वे लगभग एक जैसे हैं।"
“और फिर,” फ्रेडरिक लार्सन ने आगे कहा, “येलो रूम में मिली पुरानी बास्क टोपी शायद कभी खुद डैडी जैक्स ने पहनी होगी। सज्जनों, मुझे लगता है कि यह सब साबित करता है कि हत्यारा अपनी असली पहचान छिपाना चाहता था। उसने यह बहुत ही अनाड़ी तरीके से किया—या कम से कम हमें तो ऐसा ही लगता है। घबराइए मत, डैडी जैक्स; हमें पूरा यकीन है कि आप हत्यारे नहीं थे; आप मिस्टर स्टैंगर्सन के साथ ही रहे। लेकिन अगर मिस्टर स्टैंगर्सन उस रात काम पर नहीं होते और अपनी बेटी से विदा लेने के बाद महल लौट गए होते, और डैडी

जैक्स अपने अटारी में सो गए होते, तो किसी को भी शक नहीं होता कि वही हत्यारा है। इसलिए, उनकी सुरक्षा इस बात से हुई कि त्रासदी बहुत जल्दी घटित हो गई—हत्यारे ने, निस्संदेह, प्रयोगशाला की खामोशी से यह सोचा होगा कि वह खाली है, और कार्रवाई का समय आ गया है। वह आदमी जो इतनी रहस्यमय तरीके से यहाँ आया और चला गया डैडी जैक्स के खिलाफ इतने सारे सबूतों को देखते हुए, इसमें कोई शक नहीं कि वह घर से अच्छी तरह परिचित थे। वह ठीक किस समय अंदर आए, दोपहर में या शाम को, यह मैं नहीं कह सकता। इस पवेलियन की गतिविधियों और लोगों से परिचित व्यक्ति 'द येलो रूम' में प्रवेश करने का अपना समय खुद चुन सकता था।
"अगर प्रयोगशाला में कोई भी होता तो वह उसमें प्रवेश नहीं कर पाता," महाशय डी मार्केट ने कहा।
"हमें यह कैसे पता चला?" लार्सन ने जवाब दिया। "प्रयोगशाला में रात का खाना चल रहा था, नौकरों का आना-जाना लगा हुआ था। रात दस से ग्यारह बजे के बीच एक रासायनिक प्रयोग चल रहा था, जिसमें श्री स्टैंगर्सन, उनकी बेटी और पिताजी जैक्स ऊँची चिमनी के एक कोने में भट्टी पर काम कर रहे थे। कौन कह सकता है कि हत्यारा—एक करीबी!—एक दोस्त!—शौचालय में अपने जूते उतारकर उस पल का फायदा उठाकर पीले कमरे में नहीं घुस गया होगा?"
"यह बहुत ही असंभव है," महाशय स्टैंगरसन ने कहा।
"निस्संदेह—लेकिन यह असंभव नहीं है। मैं कुछ भी दावा नहीं करता। जहाँ तक पवेलियन से भागने की बात है—वह एक अलग बात है, दुनिया की सबसे स्वाभाविक बात।"
एक क्षण के लिए फ्रेडरिक लार्सन रुक गए—वह क्षण हमें बहुत लंबा लगा। हम उनकी बात सुनने के लिए जिस उत्सुकता से इंतजार कर रहे थे, उसकी कल्पना की जा सकती है।
“मैं पीले कमरे में नहीं गया हूँ,” उन्होंने आगे कहा, “लेकिन मैं यह मानकर चलता हूँ कि आप इस बात से संतुष्ट हो चुके हैं कि वह कमरे से केवल दरवाजे के रास्ते ही निकल सकता था; तो हत्यारे ने दरवाजे से ही अपना रास्ता बनाया। किस समय? उस समय जब उसके लिए ऐसा करना सबसे आसान था; उस समय जब यह सबसे अधिक व्याख्या योग्य हो गया—इतना पूरी तरह से व्याख्या योग्य कि कोई और व्याख्या हो ही नहीं सकती। आइए अपराध होने के बाद के क्षणों पर गौर करें। पहला क्षण था, जब महाशय स्टैंगरसन और पिताजी जैक्स दरवाजे के पास खड़े थे,

रास्ता रोकने के लिए तैयार। दूसरा क्षण था, जब पिताजी जैक्स अनुपस्थित थे और महाशय स्टैंगरसन दरवाजे के सामने अकेले रह गए थे। तीसरा क्षण था, जब महाशय स्टैंगरसन के साथ चौकीदार भी आ गया। चौथा क्षण था, जब महाशय स्टैंगरसन, चौकीदार, उसकी पत्नी और पिताजी जैक्स दरवाजे के सामने थे। पाँचवाँ क्षण था, जब दरवाजा तोड़कर खोला गया और... येलो रूम में प्रवेश किया गया। भागने की घटना का कारण वही क्षण था जब दरवाजे के सामने सबसे कम लोग थे। एक क्षण ऐसा भी था जब वहाँ केवल एक ही व्यक्ति था—श्रीमान स्टैंगरसन। जब तक डैडी जैक्स की ओर से चुप्पी साधने की मिलीभगत को स्वीकार नहीं किया जाता—जिस पर मुझे विश्वास नहीं है—दरवाजा केवल श्रीमान स्टैंगरसन की उपस्थिति में खोला गया और वह व्यक्ति भाग निकला।
"यहाँ हमें यह स्वीकार करना होगा कि श्री स्टैंगरसन के पास हत्यारे को गिरफ्तार न करने या उसकी गिरफ्तारी न करवाने के ठोस कारण थे, क्योंकि उन्होंने उसे प्रवेश कक्ष की खिड़की तक पहुँचने दिया और उसके पीछे दरवाजा बंद कर दिया! इसके बाद, मैडमोजेल स्टैंगरसन, बुरी तरह घायल होने के बावजूद, अपने पिता की विनतियों का पालन करते हुए, फर्श पर गिरने से पहले अपने कमरे का दरवाजा कुंडी और ताले से फिर से बंद करने में सक्षम थीं। हम नहीं जानते कि अपराध किसने किया; हम नहीं जानते कि श्री और मैडमोजेल स्टैंगरसन किस दुष्ट के शिकार हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे दोनों जानते हैं! यह रहस्य बहुत भयानक होना चाहिए, क्योंकि पिता ने अपनी बेटी को उस दरवाजे के पीछे मरने के लिए छोड़ने में जरा भी संकोच नहीं किया जिसे उसने खुद बंद कर लिया था, हत्यारे को भागने देना उनके लिए बहुत भयानक था। क्योंकि पीले कमरे से हत्यारे के भागने का दुनिया में कोई और स्पष्टीकरण नहीं है!"
इस नाटकीय और स्पष्ट व्याख्या के बाद जो सन्नाटा छाया, वह भयावह था। हम सभी उस प्रख्यात प्रोफेसर के लिए दुखी थे, जो फ्रेडरिक लार्सन के निर्मम तर्क के आगे बेबस हो गए थे, और जिन्हें अपने शहादत के पूरे सच को कबूल करने या चुप रहने के लिए मजबूर होना पड़ा था, और इस तरह एक और भी भयानक स्वीकारोक्ति करनी पड़ती। स्वयं वह व्यक्ति, जो दुख की मूर्ति के समान थे, ने इतने गंभीर भाव से अपना हाथ उठाया कि हमने उनके सामने सिर झुका लिया, मानो किसी पवित्र वस्तु के सामने। फिर उन्होंने इतनी ऊँची आवाज़ में ये शब्द कहे कि ऐसा लगा जैसे वे थक गए हों:

मैं अपने पीड़ित बच्चे की कसम खाकर कहती हूँ कि उसकी मदद के लिए चीखें सुनने के बाद मैंने एक पल के लिए भी उसके कमरे का दरवाजा नहीं छोड़ा; जब मैं प्रयोगशाला में अकेली थी, तब वह दरवाजा नहीं खोला गया; और अंत में, जब हम, मेरे तीन नौकर और मैं, पीले कमरे में दाखिल हुए, तो हत्यारा वहाँ नहीं था! मैं कसम खाती हूँ कि मैं हत्यारे को नहीं जानती!
क्या मुझे यह कहना ही पड़ेगा, श्री स्टैंगर्सन के शब्दों की गंभीरता के बावजूद, हमें उनके इनकार पर विश्वास नहीं हुआ। फ्रेडरिक लार्सन ने हमें सच्चाई दिखाई थी और इसे इतनी आसानी से छोड़ा नहीं जा सकता था।
श्रीमान डी मार्केट ने घोषणा की कि बातचीत समाप्त हो गई है, और जैसे ही हम प्रयोगशाला से निकलने वाले थे, जोसेफ रूलेटाबिल ने श्रीमान स्टैंगरसन से संपर्क किया, अत्यंत आदरपूर्वक उनका हाथ पकड़ा, और मैंने उन्हें यह कहते हुए सुना:
"मुझे आप पर विश्वास है, महाशय।"
मैं यहाँ श्री मैलीन के वृत्तांत से उद्धरण देना अपना कर्तव्य समझता हूँ। पाठक को यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि प्रयोगशाला में जो कुछ भी हुआ, उसकी सूचना मुझे रूलेटाबिल ने तुरंत और पूरी ईमानदारी से दी थी।

अध्याय XII. फ्रेडरिक लार्सन की छड़ी

शाम छह बजे तक मैं महल से निकला, अपने साथ वह लेख लेकर जो मेरे मित्र ने उस छोटे से बैठक कक्ष में जल्दबाजी में लिखा था जिसे श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक ने हमारे लिए उपलब्ध कराया था। पत्रकार को महल में ही सोना था, श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक द्वारा दी गई उस अकल्पनीय मेहमाननवाज़ी का लाभ उठाते हुए, जिन्हें श्री स्टैंगर्सन ने उस दुखद समय में अपने सभी घरेलू मामलों की देखभाल सौंपी थी। फिर भी उन्होंने एपिने स्टेशन तक मेरे साथ चलने पर जोर दिया। पार्क पार करते हुए उन्होंने मुझसे कहा:
"फ्रेडरिक सचमुच बहुत चालाक है और उसने अपनी प्रतिष्ठा को गलत साबित नहीं किया है। क्या आप जानते हैं कि उसे डैडी जैक्स के जूते कैसे मिले?—जिस जगह हमने साफ-सुथरे जूतों के निशान और खुरदुरे जूतों के गायब होने को देखा था, उसके पास ही नम ज़मीन में एक चौकोर छेद था, जो अभी-अभी बना था, जहाँ से जाहिर तौर पर एक पत्थर निकाला गया था। लार्सन ने उस पत्थर को ढूंढा लेकिन वह नहीं मिला, और उसने तुरंत अनुमान लगाया कि हत्यारे ने उसी पत्थर का इस्तेमाल जूतों को झील में डुबाने के लिए किया होगा। फ्रेड का अनुमान एकदम सटीक था, जैसा कि उसकी खोज की सफलता से साबित होता है। यह बात मेरी समझ से परे थी; लेकिन मेरा ध्यान दूसरी दिशा में चला गया, क्योंकि हत्यारे ने अपने पदचिह्नों के कई झूठे संकेत छोड़े थे, और पीले कमरे के फर्श पर डैडी जैक्स के जूतों से मिलते-जुलते काले पैरों के निशान थे, जिन्हें मैंने बिना उसके शक किए ही ढूंढ लिया था। ये सब मेरी नज़र में इस बात का सबूत था कि हत्यारे ने शक को बूढ़े नौकर पर डालने की कोशिश की थी। इस बिंदु तक, लार्सन और मैं सहमत हैं; लेकिन बस। यह बहुत भयानक मामला होने वाला है; क्योंकि मैं आपको बता दूं कि वह गलत दिशा में काम कर रहा है, और मुझे—मुझे, उससे बिना किसी बल के लड़ना होगा!
मुझे इस बात पर आश्चर्य हुआ कि मेरे युवा मित्र ने अंतिम शब्द कितने गंभीर लहजे में बोले।
उन्होंने दोहराया:
"हाँ, भयानक! - भयानक! क्योंकि यह तो कुछ भी नहीं से लड़ने जैसा है, जब आपके पास लड़ने के लिए केवल एक विचार ही हो।"

उसी क्षण हम महल के पिछले हिस्से से गुज़रे। रात हो चुकी थी। पहली मंज़िल की एक खिड़की थोड़ी खुली हुई थी। उससे हल्की रोशनी आ रही थी और कुछ आवाज़ें सुनाई दे रही थीं जिन्होंने हमारा ध्यान खींचा। हम तब तक आगे बढ़ते रहे जब तक हम उस दरवाज़े के पास नहीं पहुँच गए जो खिड़की के ठीक नीचे था। रूलेटाबिल ने धीमी आवाज़ में मुझे समझाया कि यह मैडमोज़ेल स्टैंगर्सन के कमरे की खिड़की है। जिन आवाज़ों ने हमारा ध्यान खींचा था, वे बंद हो गईं, फिर एक पल के लिए दोबारा सुनाई दीं, और फिर हमें दबी हुई सिसकियाँ सुनाई दीं। हम केवल ये शब्द ही सुन पाए, जो हमें स्पष्ट रूप से सुनाई दिए: "मेरे बेचारे रॉबर्ट!"—रूलेटाबिल ने मेरे कान में फुसफुसाया:
"अगर हमें पता होता कि उस कक्ष में क्या कहा जा रहा है, तो मेरी जांच जल्द ही पूरी हो जाती।"
उसने चारों ओर देखा। शाम का अंधेरा हमें घेर रहा था; हम महल के पीछे पेड़ों से घिरे संकरे रास्ते के अलावा कुछ ज्यादा नहीं देख पा रहे थे। सिसकियाँ बंद हो चुकी थीं।
"अगर हम सुन नहीं सकते तो कम से कम देखने की कोशिश तो कर ही सकते हैं," रूलेटाबिल ने कहा।
और, मेरे कदमों की आहट को दबाने का इशारा करते हुए, वह मुझे रास्ते से होते हुए एक ऊँचे बीच के पेड़ के तने तक ले गया, जिसका सफेद तना अँधेरे में दिखाई दे रहा था। यह पेड़ ठीक उस खिड़की के सामने उगा था जिसमें हमारी इतनी दिलचस्पी थी, इसकी निचली शाखाएँ महल की पहली मंजिल के बराबर थीं। उन शाखाओं की ऊँचाई से मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे में क्या हो रहा था, यह ज़रूर देखा जा सकता था। जाहिर है, रूलेटाबिल यही सोच रहा था, क्योंकि मुझे छुपने का आदेश देते हुए, उसने अपनी मजबूत बाहों से तने को पकड़ा और ऊपर चढ़ गया। मैं जल्द ही शाखाओं के बीच उसकी नज़रों से ओझल हो गया, और फिर गहरी खामोशी छा गई। मेरे सामने खुली खिड़की रोशन रही, और मुझे उस पर कोई परछाई हिलती हुई नहीं दिखाई दी। मैंने ध्यान से सुना, और थोड़ी देर बाद मेरे ऊपर से ये शब्द मेरे कानों तक पहुँचे:
"आप के बाद!"
"इसके बाद, प्रार्थना करो!"
ऊपर से किसी की आवाज़ आ रही थी, कोई शिष्टाचार का आदान-प्रदान कर रहा था। मुझे यह देखकर बहुत आश्चर्य हुआ कि पेड़ के फिसलन भरे खंभे पर दो मानव

आकृतियाँ प्रकट हुईं और चुपचाप ज़मीन पर उतर गईं। रूलेटाबिल अकेले ही ऊपर चढ़ा था और किसी दूसरे के साथ वापस आया था।
शुभ संध्या, महाशय सेन्क्लेयर!
वह फ्रेडरिक लार्सन थे। जब मेरा युवा मित्र अकेले वहाँ पहुँचने का सोच रहा था, तब तक जासूस पहले ही निगरानी चौकी पर तैनात हो चुका था। दोनों में से किसी ने भी मेरी हैरानी पर ध्यान नहीं दिया। मैंने मन ही मन सोचा कि वे दोनों मैडमोजेल स्टैंगरसन (जो अपने बिस्तर पर लेटी थीं) और मिस्टर डार्ज़ैक (जो उनके तकिये के पास घुटनों के बल बैठे थे) के बीच किसी कोमल और निराशा भरे दृश्य के गवाह रहे होंगे। मैंने अनुमान लगाया कि दोनों ने जो देखा था, उससे अलग-अलग निष्कर्ष निकाले होंगे। यह स्पष्ट था कि उस दृश्य ने रूलेटाबिल को मिस्टर रॉबर्ट डार्ज़ैक के पक्ष में बहुत प्रभावित किया था; जबकि लार्सन के लिए, वह दृश्य मैडमोजेल स्टैंगरसन के मंगेतर द्वारा बड़ी कुशलता से किया गया घोर पाखंड ही था।
जैसे ही हम पार्क के गेट पर पहुंचे, लार्सन ने हमें रोक दिया।
"मेरी छड़ी!" वह चिल्लाया। "मैंने उसे पेड़ के पास ही छोड़ दिया था।"
वह यह कहकर चला गया कि वह थोड़ी देर में हमसे दोबारा मिलेगा।
"क्या आपने फ्रेडरिक लार्सन की छड़ी देखी है?" युवा पत्रकार ने जैसे ही हम अकेले हुए, पूछा। "यह बिल्कुल नई है, मैंने उन्हें पहले कभी इसका इस्तेमाल करते नहीं देखा। लगता है वह इसका बहुत ध्यान रखते हैं—यह कभी उनसे अलग नहीं होती। ऐसा लगता है जैसे उन्हें डर हो कि कहीं यह अजनबियों के हाथ न पड़ जाए। मैंने इसे आज से पहले कभी नहीं देखा था। उन्हें यह कहाँ से मिली? यह स्वाभाविक नहीं है कि जो व्यक्ति पहले कभी छड़ी का इस्तेमाल न करता हो, वह ग्लैंडियर अपराध के अगले दिन बिना छड़ी के एक कदम भी न चले। जिस दिन हम महल पहुँचे, जैसे ही उन्होंने हमें देखा, उन्होंने अपनी घड़ी जेब में रखी और ज़मीन से अपनी छड़ी उठाई—शायद इस बात को गंभीरता से न लेना मेरी गलती थी।"
अब हम पार्क से बाहर निकल चुके थे। रूलेटाबिल चुप हो गया था। उसके विचार अभी भी फ्रेडरिक लार्सन की नई छड़ी में ही उलझे हुए थे। मुझे इसका सबूत तब मिला जब हम एपिने के पास पहुँचे और उसने कहा:
"फ्रेडरिक लार्सन मुझसे पहले ग्लैंडियर पहुंचे; उन्होंने मुझसे पहले अपनी जांच शुरू की; उन्हें उन चीजों के बारे में पता लगाने का समय मिला

जिनके बारे में मुझे कुछ भी नहीं पता। उन्हें वह छड़ी कहां मिली?" फिर उन्होंने आगे कहा: "संभवतः उनके संदेह—या उससे भी अधिक, उनकी तर्कशक्ति— ने उन्हें किसी ठोस चीज तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया है। क्या इस छड़ी का इससे कोई संबंध है? आखिर उन्हें वह छड़ी कहां मिली होगी?"
एपिने में मुझे ट्रेन के लिए बीस मिनट इंतजार करना पड़ा, इसलिए हम एक शराब की दुकान में चले गए। लगभग तुरंत ही दरवाजा खुला और फ्रेडरिक लार्सन अपनी मशहूर छड़ी लहराते हुए सामने आ गए।
"मुझे मिल गया!" उसने हंसते हुए कहा।
हम तीनों एक मेज पर बैठ गए। रूलेटाबिल की नज़र छड़ी से हटी ही नहीं; वह इतना मग्न था कि उसने लार्सन द्वारा एक रेलवे कर्मचारी को दिए गए इशारे पर ध्यान ही नहीं दिया। वह एक युवक था जिसकी ठुड्डी पर छोटी, सुनहरी और बेतरतीब दाढ़ी थी। इशारे पर वह उठा, अपने पेय का भुगतान किया, झुककर अभिवादन किया और बाहर चला गया। मैं खुद इस घटना को कोई महत्व नहीं देता, अगर कुछ महीनों बाद इस मामले के सबसे दुखद क्षणों में से एक में उस दाढ़ी वाले व्यक्ति के फिर से प्रकट होने से यह बात मुझे याद न आती। तब मुझे पता चला कि वह युवक लार्सन के सहायकों में से एक था और लार्सन ने उसे एपिने- सुर-ओर्गे स्टेशन पर यात्रियों के आने-जाने पर नज़र रखने का काम सौंपा था। लार्सन अपने द्वारा सौंपे गए किसी भी काम में कोई लापरवाही नहीं करता था। मैंने अपनी निगाहें एक बार फिर रूलेटाबिल पर टिका दीं।
"अरे, महोदय फ्रेड!" उसने कहा, "आप कब से छड़ी का इस्तेमाल करने लगे? मैंने तो हमेशा आपको जेब में हाथ डालकर चलते देखा है!"
"यह एक उपहार है," जासूस ने उत्तर दिया।
"हाल ही में?" रूलेटाबिल ने जोर देकर पूछा।
"नहीं, यह मुझे लंदन में दिया गया था।"
"अरे हाँ, मुझे याद है—आप अभी-अभी लंदन से आए हैं। क्या मैं इसे देख सकता हूँ?"
"ओह!—ज़रूर!"
फ्रेड ने छड़ी रूलेटाबिल को दे दी। यह एक बड़ी पीली बांस की छड़ी थी, जिसमें बैसाखी का हैंडल लगा था और उस पर एक सोने की अंगूठी जड़ी हुई थी। रूलेटाबिल ने उसका बारीकी से निरीक्षण करने के बाद, उसे लार्सन को लौटाते हुए, चेहरे पर व्यंग्यात्मक भाव लिए कहा:

"आपको लंदन में एक फ्रांसीसी छड़ी दी गई थी!"
"शायद," फ्रेड ने शांत भाव से कहा।
"वहां छोटे अक्षरों में लिखा हुआ पढ़ो: कैसेट, 6 ए, ओपेरा।"
"क्या अंग्रेज लोग पेरिस में छड़ी नहीं खरीद सकते?"
जब रूलेटाबिल ने मुझे ट्रेन में बिठाया, तो उसने कहा:
"आपको पता याद रहेगा?"
"जी हां, कैसेट, 6 ए, ओपेरा। मुझ पर भरोसा रखें; आपको कल सुबह खबर मिल जाएगी।"
उस शाम, पेरिस पहुँचकर, मैंने छड़ियों और छतरियों के विक्रेता, श्रीमान कैसेट को देखा और अपने मित्र को लिखा:
"एक व्यक्ति, जिसका हुलिया स्पष्ट रूप से श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक से मिलता- जुलता था—उतनी ही ऊँचाई, थोड़ा झुका हुआ, हल्के भूरे रंग का ओवरकोट और बॉलर हैट पहने हुए—ने अपराध वाली शाम को लगभग आठ बजे, ठीक वैसी ही छड़ी खरीदी, जिसमें हमारी दिलचस्पी है। श्री कैसेट ने पिछले दो वर्षों में ऐसी कोई छड़ी नहीं बेची थी। फ्रेड की छड़ी नई है। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यह वही छड़ी है। फ्रेड ने इसे नहीं खरीदा, क्योंकि वह लंदन में था। आपकी तरह, मुझे भी लगता है कि उसने इसे श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक के आस-पास कहीं पाया होगा। लेकिन अगर, जैसा कि आप मानते हैं, हत्यारा 'द येलो रूम' में पाँच या छह घंटे तक रहा और अपराध आधी रात के आसपास हुआ, तो इस छड़ी की खरीद डार्ज़ैक के लिए एक अकाट्य सबूत साबित करती है।"

अध्याय XIII. "प्रेसबिटरी ने अपना आकर्षण नहीं खोया है, न ही बगीचे ने अपनी चमक।"

मैंने अभी जिन घटनाओं का वर्णन किया है, उनके घटित होने के एक सप्ताह बाद— ठीक 2 नवंबर को—मुझे पेरिस स्थित अपने घर पर निम्नलिखित टेलीग्राम संदेश प्राप्त हुआ: "पहली ट्रेन से ग्लैंडियर आ जाओ। रिवॉल्वर साथ लाना। हार्दिक शुभकामनाएँ। रूलेटाबिल।"
मुझे लगता है कि मैं पहले भी कह चुका हूँ कि उस समय, एक युवा बैरिस्टर होने के नाते और बहुत कम मामलों का सामना करते हुए, मैं पैलेस डी जस्टिस में विधवा और अनाथों के बचाव के बजाय अपने पेशेवर कर्तव्यों से परिचित होने के लिए अक्सर जाता था। इसलिए, रूलेटाबिल द्वारा मेरे समय का उपयोग करने पर मुझे कोई आश्चर्य नहीं हुआ। इसके अलावा, वह जानता था कि मैं उसकी पत्रकारिता संबंधी गतिविधियों में, और विशेष रूप से ग्लैंडियर हत्याकांड में, कितनी गहरी रुचि रखता था। एक सप्ताह से मुझे उससे कोई खबर नहीं मिली थी, न ही उस रहस्यमय मामले में हुई प्रगति के बारे में, सिवाय अखबारों में छपे अनगिनत लेखों और "एपोक" में रूलेटाबिल के बहुत संक्षिप्त नोट्स के। उन नोट्स से यह पता चला था कि भेड़ की हड्डी पर मानव रक्त के निशान मिले थे, साथ ही मैडमोजेल स्टैंगर्सन के रक्त के ताजा निशान भी मिले थे - पुराने धब्बे अन्य अपराधों के थे, जो शायद कई साल पहले के थे।
यह आसानी से समझा जा सकता है कि इस अपराध ने दुनिया भर के प्रेस का ध्यान आकर्षित किया। अब तक के किसी भी अपराध ने लोगों के मन को इतना प्रभावित नहीं किया था। हालाँकि, मुझे ऐसा प्रतीत हुआ कि न्यायिक जाँच में बहुत धीमी प्रगति हो रही थी; और मुझे बहुत खुशी होती, अगर मेरे मित्र के ग्लैंडियर में उनसे दोबारा मिलने के निमंत्रण पर भेजे गए संदेश में "रिवॉल्वर साथ लाना" शब्द न लिखे होते।
इससे मैं बहुत हैरान हो गया। रूलेटाबिल द्वारा रिवाल्वर मांगने का मतलब था कि शायद उन्हें इस्तेमाल करने की ज़रूरत पड़ सकती है। अब, मैं बिना किसी शर्म के स्वीकार करता हूँ, मैं कोई हीरो नहीं हूँ। लेकिन यहाँ मेरा एक दोस्त था, जो स्पष्ट रूप से खतरे में था और मुझसे मदद की गुहार लगा रहा था। मैंने ज़रा भी देर नहीं की; और यह सुनिश्चित करने के बाद कि मेरे पास जो इकलौती रिवाल्वर थी, वह ठीक से भरी हुई थी, मैं ऑरलियन्स स्टेशन की ओर चल

पड़ा। रास्ते में मुझे याद आया कि रूलेटाबिल ने दो रिवाल्वर मांगी थीं; इसलिए मैं एक बंदूक बनाने वाले की दुकान में गया और अपने दोस्त के लिए एक बेहतरीन हथियार खरीद लिया।
मुझे उम्मीद थी कि वह एपिने स्टेशन पर मिलेगा; लेकिन वह वहाँ नहीं था। हालांकि, मेरे लिए एक टैक्सी इंतज़ार कर रही थी और मैं जल्द ही ग्लैंडियर पहुँच गया। गेट पर कोई नहीं था, और महल की दहलीज पर ही मेरी मुलाकात उस युवक से हुई। उसने दोस्ताना अंदाज़ में मेरा अभिवादन किया और मुझे गले लगा लिया, और बड़े प्यार से मेरी सेहत के बारे में पूछा।
जब हम उस छोटे से बैठक कक्ष में थे जिसका मैंने जिक्र किया है, तो रूलेटाबिल ने मुझे बैठने के लिए कहा।
उन्होंने कहा, "हालात खराब हो रहे हैं।"
मैंने पूछा, "क्या गड़बड़ हो रही है?"
"सब कुछ।"
वह मेरे पास आया और फुसफुसाते हुए बोला:
"फ्रेडरिक लार्सन डार्ज़ैक के खिलाफ पूरी ताकत से काम कर रहे हैं।"
इससे मुझे आश्चर्य नहीं हुआ। मैंने पैरों के निशान की जांच के समय मैडमोजेल स्टैंगरसन के मंगेतर का खराब प्रदर्शन देखा था। हालांकि, मैंने तुरंत पूछा:
"उस छड़ी का क्या हुआ?"
"यह अभी भी फ्रेडरिक लार्सन के हाथों में है। वह इसे कभी नहीं छोड़ते।" "लेकिन क्या यह मॉन्सियर डार्ज़ैक के लिए पुख्ता सबूत साबित नहीं करता?" "बिल्कुल नहीं। मेरे द्वारा विनम्रतापूर्वक पूछे जाने पर, डार्ज़ैक ने उस शाम या किसी अन्य दिन कैसेट की दुकान से छड़ी खरीदने से इनकार किया। हालांकि," रूलेटाबिल ने कहा, "मैं किसी भी बात की शपथ नहीं ले सकता; श्री डार्ज़ैक की चुप्पी के ऐसे अजीबोगरीब दौर होते हैं कि यह ठीक से पता नहीं चलता कि वे क्या कह रहे हैं।"
"फ्रेडरिक लार्सन के लिए यह छड़ी एक बेहद घातक सबूत का टुकड़ा होनी चाहिए। लेकिन किस तरह से? जिस समय इसे खरीदा गया था, उससे पता चलता है कि यह हत्यारे के कब्जे में नहीं हो सकती थी।"
"लार्सन को समय की चिंता नहीं है। वह मेरे उस सिद्धांत को मानने के लिए बाध्य नहीं है जिसमें यह माना गया है कि हत्यारा शाम पांच से छह बजे के बीच

'पीले कमरे' में घुसा था। लेकिन उन्हें यह मानने से कोई नहीं रोक सकता कि हत्यारा रात दस से ग्यारह बजे के बीच घुसा था। उस समय महाशय और श्रीमती स्टैंगर्सन, डैडी जैक्स की सहायता से, प्रयोगशाला के उस हिस्से में एक दिलचस्प रासायनिक प्रयोग कर रहे थे जहाँ भट्टियाँ थीं। लार्सन का कहना है, भले ही यह असंभव लगे, कि हत्यारा उनके पीछे से आया होगा। उन्होंने पहले ही जांच मजिस्ट्रेट को अपनी बात सुना दी है। जब कोई इस पर गौर से देखता है, तो तर्क बेतुका लगता है, क्योंकि 'घनिष्ठ मित्र'—यदि कोई था—को अवश्य ही पता होगा कि प्रोफेसर जल्द ही मंडप से निकलेंगे, और 'मित्र' को केवल प्रोफेसर के जाने के बाद तक काम टालना था। प्रोफेसर के प्रयोगशाला में रहते हुए वह उसे पार करने का जोखिम क्यों उठाता? और फिर, जब वह 'पीले कमरे' में घुस गया था?"
"लार्सन के सिद्धांत को स्वीकार करने से पहले कई बातों को स्पष्ट करना बाकी है। मैं इस पर अपना समय बर्बाद नहीं करूँगा, क्योंकि मेरा सिद्धांत मुझे केवल कल्पना में उलझने की अनुमति नहीं देता। हालांकि, फिलहाल मुझे चुप रहना पड़ रहा है, और लार्सन कभी-कभी बोलते हैं, इसलिए हो सकता है कि अगर मैं वहां न रहूँ तो वे श्री डार्ज़ैक के खिलाफ खुलकर सामने आ जाएँ," युवा पत्रकार ने गर्व से कहा। "क्योंकि डार्ज़ैक के खिलाफ सतही सबूत उस छड़ी से कहीं अधिक ठोस हैं, जो मेरी समझ से परे है, खासकर इसलिए कि लार्सन डार्ज़ैक को छड़ी के साथ खुद को दिखाने में जरा भी संकोच नहीं करते! लार्सन के सिद्धांत में मुझे कई बातें समझ आती हैं, लेकिन उस छड़ी का मुझे कोई मतलब समझ नहीं आता।"
"क्या वह अभी भी महल में है?"
"हाँ; वह शायद ही कभी इसे छोड़ते हैं!—वह वहीं सोते हैं, जैसे मैं सोता हूँ, श्री स्टैंगरसन के अनुरोध पर, जिन्होंने उनके लिए वही किया है जो श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक ने मेरे लिए किया है। लार्सन द्वारा लगाए गए इस आरोप के बावजूद कि श्री स्टैंगरसन जानते हैं कि हत्यारा कौन है, फिर भी वह उन्हें सच्चाई तक पहुँचने के लिए हर संभव सुविधा प्रदान करते हैं,—ठीक वैसे ही जैसे डार्ज़ैक मेरे लिए कर रहे हैं।"
"लेकिन क्या आपको डार्ज़ैक की निर्दोषता पर पूरा भरोसा है?"

"एक समय था जब मुझे उनके दोषी होने की संभावना पर यकीन था। यह तब की बात है जब हम पहली बार यहां आए थे। अब समय आ गया है कि मैं आपको बताऊं कि श्री डार्ज़ैक और मेरे बीच क्या बातचीत हुई है।"
तभी रूलेटाबिल ने बीच में ही रुककर मुझसे पूछा कि क्या मैं रिवॉल्वर लाया हूँ। मैंने उसे रिवॉल्वर दिखाईं। दोनों को देखने के बाद उसने उन्हें उत्कृष्ट बताया और मुझे वापस सौंप दीं।
मैंने पूछा, "क्या हमें इनकी कोई जरूरत होगी?"
"निःसंदेह; आज शाम। हम रात यहीं बिताएंगे—अगर इससे आपको थकान नहीं होगी तो?"
"इसके विपरीत," मैंने ऐसे भाव से कहा जिससे रूलेटाबिल हंस पड़ा।
"नहीं, नहीं," उन्होंने कहा, "यह हंसने का समय नहीं है। आपको वह मुहावरा याद है जो इस रहस्यमय महल का 'राज खोलने वाला तिल' था?"
"हाँ," मैंने कहा, "बिल्कुल, 'पुजारी भवन ने अपना आकर्षण नहीं खोया है, न ही बगीचे ने अपनी चमक।' यही वह वाक्य था जो आपको प्रयोगशाला में राख के ढेर में आधे जले हुए कागज के टुकड़े पर मिला था।"
"हाँ; कागज़ के निचले हिस्से में, जहाँ आग नहीं पहुँची थी, यह तारीख लिखी थी: 23 अक्टूबर। इस तारीख को याद रखना, यह बहुत महत्वपूर्ण है। अब मैं आपको उस विचित्र वाक्य के बारे में बताने जा रहा हूँ। अपराध से एक शाम पहले, यानी 23 तारीख को, महाशय और श्रीमती स्टैंगरसन एलिसी पैलेस में एक स्वागत समारोह में थे। मुझे यह इसलिए पता है क्योंकि मैं वहाँ ड्यूटी पर था, मुझे फिलाडेल्फिया अकादमी के एक विद्वान का साक्षात्कार लेना था, जिनका वहाँ स्वागत किया जा रहा था। मैंने महाशय और श्रीमती स्टैंगरसन को पहले कभी नहीं देखा था। मैं उस कमरे में बैठा था जो सैलून डेस एम्बेसेडर्स से पहले आता है, और इतने सारे प्रतिष्ठित व्यक्तियों के बीच धक्का-मुक्की से थककर, मैं एक धुंधली सी तल्लीनता में खो गया था, तभी मुझे अपने पास काले वस्त्र वाली महिला के इत्र की खुशबू आई।"
क्या आप मुझसे पूछ रहे हैं कि 'काले वस्त्र वाली महिला का इत्र' क्या है? आपके लिए इतना जानना ही काफी होगा कि यह एक ऐसा इत्र है जो मुझे बहुत पसंद है, क्योंकि यह उस महिला का इत्र था जो मेरे बचपन में मेरे प्रति बहुत दयालु थीं—एक ऐसी महिला जिसे मैंने हमेशा काले वस्त्रों में देखा था। उस शाम, काले वस्त्र वाली महिला के इत्र से महकती हुई महिला सफेद वस्त्रों

में थी। वह बेहद खूबसूरत थी। मैं खुद को रोक नहीं पाया और उठकर उसके पीछे चल दिया। एक बूढ़े व्यक्ति ने उसे अपना हाथ दिया और जब वे आगे बढ़े, तो मैंने आवाजें सुनीं: 'प्रोफेसर स्टैंगर्सन और उनकी बेटी।' इसी तरह मुझे पता चला कि मैं किसका पीछा कर रहा था।
वे श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक से मिले, जिन्हें मैं जानता था। प्रोफेसर स्टैंगरसन, अमेरिकी विद्वानों में से एक श्री आर्थर विलियम रैंस से बातचीत करने के बाद, बड़ी गैलरी में बैठ गए, और श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक मैडमोजेल स्टैंगरसन को कंज़र्वेटरी में ले गए। मैं उनके पीछे गया। उस शाम मौसम बहुत सुहावना था; बगीचे के दरवाजे खुले थे। मैडमोजेल स्टैंगरसन ने अपने कंधों पर एक फिचू शॉल डाला और मैंने स्पष्ट रूप से देखा कि वही श्री डार्ज़ैक से बगीचे में साथ चलने की विनती कर रही थीं। श्री डार्ज़ैक के हाव-भाव में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही बेचैनी को देखकर मैं उनके पीछे- पीछे चलता रहा। वे धीरे-धीरे एवेन्यू मैरिग्नी से सटी दीवार के साथ-साथ चले। मैं बीच वाली गली में उनके समानांतर चलने लगा, और फिर उनके करीब जाने के लिए दूसरी तरफ चला गया। रात गहरी थी, और घास ने मेरे कदमों की आवाज को दबा दिया था। वे एक गैस जेट की टिमटिमाती रोशनी के नीचे रुक गए थे और ऐसा लग रहा था कि वे दोनों एक कागज पर झुके हुए थे जिसे उन्होंने पकड़ रखा था। मैडमोजेल स्टैंगरसन कुछ ऐसा पढ़ रही थीं जिसमें उन्हें गहरी रुचि थी। मैं अंधेरे और सन्नाटे में रुक गया।
"उनमें से किसी ने भी मुझे नहीं देखा, और मैंने मैडमोजेल स्टैंगरसन को कागज़ मोड़ते हुए साफ़-साफ़ कहते सुना: 'पुजारी भवन का आकर्षण ज़रा भी कम नहीं हुआ है, न ही बगीचे की रौनक!'—यह बात उन्होंने व्यंग्य और निराशा से भरे लहजे में कही थी, और इसके बाद इतनी ज़ोरदार हंसी आई कि मुझे लगता है उनके शब्द मेरे कानों में हमेशा गूंजते रहेंगे। लेकिन तभी श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक ने एक और वाक्य कहा: 'क्या तुम्हें पाने के लिए मुझे कोई अपराध करना पड़ेगा?' वह बेहद बेचैन थे। उन्होंने मैडमोजेल स्टैंगरसन का हाथ पकड़ा और काफी देर तक अपने होठों से लगाए रखा, और उनके कंधों की हरकत देखकर मुझे लगा कि वह रो रहे हैं। फिर वे चले गए।"
रूलेटाबिल ने आगे कहा, "जब मैं ग्रेट गैलरी में लौटा, तो मुझे मिस्टर रॉबर्ट डार्ज़ैक कहीं नहीं दिखे, और ग्लैंडियर में हुई त्रासदी के बाद ही मैं उन्हें दोबारा देख पाया। मैडमोजेल मिस्टर रेंस के पास बैठी थीं, जो

बड़े उत्साह से बातें कर रहे थे, बातचीत के दौरान उनकी आँखें एक अनोखी चमक से दमक रही थीं। मुझे लगा कि मैडमोजेल स्टैंगरसन उनकी बातें सुन ही नहीं रही थीं, उनके चेहरे पर पूर्ण उदासीनता थी। उनका चेहरा शराबी की तरह लाल था। जब मिस्टर और मैडमोजेल स्टैंगरसन चले गए, तो वे बार में चले गए और वहीं बैठे रहे। मैं भी उनके साथ गया और भीड़ के बीच उनकी थोड़ी-बहुत सेवा की। उन्होंने मुझे धन्यवाद दिया और बताया कि वे तीन दिन बाद, यानी 26 तारीख (अपराध के अगले दिन) को अमेरिका लौट रहे हैं। मैंने उनसे फिलाडेल्फिया के बारे में बात की; उन्होंने बताया कि वे वहाँ पच्चीस साल रहे थे, और वहीं उनकी मुलाकात प्रख्यात प्रोफेसर स्टैंगरसन और उनकी बेटी से हुई थी। उन्होंने शराब पी। उसने बहुत सारी शैम्पेन पी थी, और जब मैं उससे विदा हुआ तो वह लगभग नशे में धुत था।
उस शाम मेरे अनुभव कुछ इस प्रकार थे, और आप कल्पना कीजिए कि मैडमोजेल स्टैंगर्सन की हत्या के प्रयास की खबर ने मुझ पर क्या प्रभाव डाला होगा— महोदय रॉबर्ट डार्ज़ैक के वे शब्द, 'क्या तुम्हें पाने के लिए मुझे अपराध करना पड़ेगा?' मेरे मन में कितनी तीव्रता से गूंज रहे थे। हालाँकि, ग्लैंडियर में हमारी मुलाकात के दौरान मैंने उनसे ये वाक्य नहीं दोहराए। प्रेस्बिटरी और उस सुंदर बगीचे की बात ही महल का द्वार खोलने के लिए काफी थी। अगर आप मुझसे पूछें कि क्या अब मुझे विश्वास है कि महाशय डार्ज़ैक ही हत्यारा है, तो मुझे कहना होगा कि नहीं। मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी ऐसा सोचा भी था। उस समय मैं वास्तव में किसी भी बात पर गंभीरता से विचार नहीं कर पा रहा था। मेरे पास सबूत बहुत कम थे। लेकिन मुझे तुरंत इस बात का सबूत चाहिए था कि उनके हाथ में कोई चोट नहीं आई थी।
जब हम अकेले थे, तो मैंने उसे बताया कि कैसे मैंने एलिसी के बगीचे में मैडमोजेल स्टैंगरसन के साथ उसकी बातचीत का कुछ हिस्सा गलती से सुन लिया था; और जब मैंने उससे ये शब्द दोहराए, 'तो क्या तुम्हें पाने के लिए मुझे कोई अपराध करना पड़ेगा?' तो वह बहुत परेशान हुआ, हालांकि प्रेस्बिटरी के बारे में मेरे द्वारा दोहराए गए वाक्य को सुनकर वह जितना परेशान हुआ था, उससे कहीं कम। उसे असली हैरानी तब हुई जब उसने मुझसे जाना कि जिस दिन वह एलिसी में मैडमोजेल स्टैंगरसन से मिलने गया था, उसी दिन वह डाकघर से पत्र लेने गई थी। शायद वही पत्र था, जिसके अंत में ये शब्द थे: 'प्रेस्बिटरी ने अपना आकर्षण नहीं खोया है, न ही बगीचे ने अपनी चमक।' मेरा अनुमान तब पुष्ट

हुआ जब मुझे, अगर आपको याद हो, प्रयोगशाला की राख में 23 अक्टूबर की तारीख वाला कागज का टुकड़ा मिला। पत्र उसी दिन लिखा गया था और डाकघर से लिया गया था।
इसमें कोई शक नहीं कि उस रात एलिसी पैलेस से लौटते समय मैडमोजेल स्टैंगरसन ने उस आपत्तिजनक कागज़ को नष्ट करने की कोशिश की थी। मिस्टर डार्ज़ैक ने यह मानने से इनकार कर दिया कि उस पत्र का अपराध से कोई संबंध है, लेकिन यह व्यर्थ था। मैंने उनसे कहा कि इतने रहस्य से भरे मामले में उन्हें इस पत्र को छिपाने का कोई अधिकार नहीं है; मुझे पूरा यकीन है कि यह पत्र बहुत महत्वपूर्ण है; मैडमोजेल स्टैंगरसन ने जिस हताश स्वर में भविष्यवाणी वाले शब्द कहे थे, उनके अपने आँसू और पत्र पढ़े जाने के बाद अपराध करने की धमकी — इन सभी तथ्यों से मुझे कोई संदेह नहीं रह गया था। मिस्टर डार्ज़ैक और भी ज़्यादा उत्तेजित हो गए, और मैंने उन पर अपने प्रभाव का फायदा उठाने का निश्चय किया। 'आपकी शादी होने ही वाली थी, मिस्टर,' मैंने लापरवाही से और उनकी ओर देखे बिना कहा, 'और अचानक उस पत्र के लेखक की वजह से आपकी शादी असंभव हो गई; क्योंकि जैसे ही उनका पत्र पढ़ा गया, आपने मैडमोजेल को जीतने के लिए अपराध करने की आवश्यकता की बात कही। स्टैंगरसन। इसलिए, आप और उसके बीच कोई है, कोई ऐसा जिसने उसे जान से मारने की कोशिश की है, ताकि वह शादी न कर सके!' और मैंने इन शब्दों के साथ अपनी बात समाप्त की: 'अब, महोदय, आपको बस मुझे गुप्त रूप से हत्यारे का नाम बताना है!'—मेरे कहे शब्द उसे बुरी तरह प्रभावित कर गए होंगे, क्योंकि जब मैंने उसकी ओर देखा, तो मैंने पाया कि उसका चेहरा मुरझाया हुआ था, उसके माथे पर पसीना जमा हुआ था और उसकी आँखों में भय स्पष्ट था।
"'महाशय,' उसने मुझसे कहा, 'मैं आपसे कुछ ऐसा माँगने जा रहा हूँ जो शायद पागलपन भरा लगे, लेकिन इसके बदले में मैं अपना जीवन आपके हाथों में सौंपता हूँ। आपने एलिसी के बगीचे में जो कुछ देखा और सुना, उसके बारे में मजिस्ट्रेटों को न तो उन्हें और न ही किसी और को बताना। मैं आपसे शपथ लेता हूँ कि मैं निर्दोष हूँ, और मुझे पता है, मुझे महसूस होता है, कि आप मुझ पर विश्वास करते हैं; लेकिन मैं दोषी ठहराया जाना पसंद करूँगा बजाय इसके कि न्याय उस वाक्य के आधार पर भटक जाए, 'प्रेसबिटरी ने अपना आकर्षण नहीं खोया है, न ही बगीचे ने अपनी चमक।' न्यायाधीशों को उस वाक्य के बारे में कुछ भी पता नहीं होना चाहिए। यह सारा मामला आपके हाथों में है। महाशय, मैं इसे

यहीं छोड़ता हूँ; लेकिन एलिसी की उस शाम को भूल जाइए। अपराधी की तलाश में आपके लिए सौ और रास्ते खुले हैं। मैं उन्हें आपके लिए स्वयं खोलूँगा। मैं आपकी मदद करूँगा। क्या आप यहाँ ठहरेंगे? आप यहाँ रह सकते हैं और जो चाहें कर सकते हैं। यहीं खाएँ-पिएँ-सोएँ-मेरी गतिविधियों पर नज़र रखें-यहाँ मौजूद सभी की गतिविधियों पर नज़र रखें। आप यहाँ के स्वामी होंगे।' ग्लैंडियर, महाशय; लेकिन एलिसी में उस शाम को भूल जाइए।
रूलेटाबिल यहाँ साँस लेने के लिए रुका। अब मुझे समझ में आ गया था कि मेरे दोस्त के प्रति श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक का व्यवहार इतना रहस्यमय क्यों लग रहा था, और युवा पत्रकार इतनी आसानी से अपराध स्थल पर कैसे पहुँच गया था। मैंने जो कुछ सुना था, उससे मेरी जिज्ञासा बढ़ना लाज़मी था। मैंने रूलेटाबिल से अपनी जिज्ञासा को और शांत करने के लिए कहा। पिछले सप्ताह ग्लैंडियर में क्या हुआ था? क्या उसने मुझे यह नहीं बताया था कि श्री डार्ज़ैक के खिलाफ़ सतही संकेत लार्सन द्वारा मिली छड़ी से कहीं अधिक भयानक थे?
"सब कुछ उसके खिलाफ जाता दिख रहा है," मेरे दोस्त ने जवाब दिया, "और स्थिति बेहद गंभीर होती जा रही है। श्री डार्ज़ैक को इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता; लेकिन इस मामले में वह गलत हैं। मुझे तो सिर्फ मैडमोजेल स्टैंगर्सन की सेहत की चिंता थी, जो दिन-ब-दिन सुधर रही थी, तभी कुछ ऐसा घटित हुआ जो 'द येलो रूम' के रहस्य से भी कहीं ज्यादा रहस्यमय है!"
"असंभव!" मैं चिल्लाया, "इससे ज़्यादा रहस्यमय और क्या हो सकता है?"
"चलिए पहले श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक की बात करते हैं," रूलेटाबिल ने मुझे शांत करते हुए कहा। "मैंने कहा है कि सब कुछ उनके खिलाफ इशारा कर रहा है। फ्रेडरिक लार्सन को मिले साफ-सुथरे जूतों के निशान वास्तव में मैडमोजेल स्टैंगर्सन के मंगेतर के पैरों के निशान प्रतीत होते हैं। साइकिल के निशान शायद उन्हीं की साइकिल के थे। वे आमतौर पर साइकिल को महल में ही छोड़ देते थे; उस खास मौके पर वे उसे पेरिस क्यों ले गए? क्या इसलिए कि वे महल में वापस नहीं लौटने वाले थे? क्या इसलिए कि उनकी शादी टूटने के कारण स्टैंगर्सन परिवार से उनके संबंध समाप्त होने वाले थे? इस मामले में रुचि रखने वाले सभी लोग इस बात की पुष्टि करते हैं कि वे संबंध अपरिवर्तित रहने वाले थे।"

"फ्रेडरिक लार्सन का मानना है कि सभी संबंध समाप्त हो चुके थे। जिस दिन श्री डार्ज़ैक मैडमोजेल स्टैंगरसन के साथ लूव्र के ग्रैंड मैगासिन्स गए थे, उस दिन से लेकर अपराध के अगले दिन तक, वे ग्लैंडियर में नहीं थे। याद रहे कि मैडमोजेल स्टैंगरसन ने उनके साथ रहते हुए पीतल की नोक वाली चाबी वाला अपना पर्स खो दिया था। उस दिन से लेकर एलिसी पैलेस की शाम तक, सोरबोन के प्रोफेसर और मैडमोजेल स्टैंगरसन एक-दूसरे से नहीं मिले; लेकिन हो सकता है कि उन्होंने एक-दूसरे को पत्र लिखे हों। मैडमोजेल स्टैंगरसन एक पत्र लेने डाकघर गईं, जिसे लार्सन के अनुसार रॉबर्ट डार्ज़ैक ने लिखा था; एलिसी पैलेस में जो कुछ हुआ था, उसके बारे में कुछ भी न जानते हुए, लार्सन का मानना है कि श्री डार्ज़ैक ने ही चाबी वाला पर्स चुराया था, ताकि उनके पिता के बहुमूल्य कागजात हासिल करके उनकी सहमति प्राप्त कर सकें—वे कागजात जो वे विवाह की सगाई पूरी होने की शर्त पर उन्हें लौटा देते।"
"लार्सन ने मुझसे स्वीकार किया था कि यह सब एक बेहद संदिग्ध और लगभग बेतुकी परिकल्पना होती, लेकिन एक और अधिक गंभीर परिस्थिति के कारण ऐसा नहीं हुआ। सबसे पहले, एक ऐसी बात है जिसे मैं स्पष्ट नहीं कर पाया हूँ - श्री डार्ज़ैक स्वयं 24 तारीख को डाकघर गए थे, उस पत्र के बारे में पूछने के लिए जिसे मैडमोजेल ने पिछली शाम को मंगवाया था और प्राप्त किया था। आवेदन करने वाले व्यक्ति का विवरण श्री डार्ज़ैक के रूप-रंग से पूरी तरह मेल खाता है, जिन्होंने जांच मजिस्ट्रेट द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में डाकघर जाने से इनकार किया है। अब मान भी लें कि पत्र उन्हीं ने लिखा था - जिस पर मुझे विश्वास नहीं है - तो भी वे जानते थे कि मैडमोजेल स्टैंगर्सन को वह पत्र मिल गया था, क्योंकि उन्होंने उसे एलिसी पैलेस के बगीचे में उनके हाथों में देखा था। इसलिए, यह संभव नहीं था कि वे 24 तारीख के अगले दिन डाकघर गए हों, उस पत्र के बारे में पूछने के लिए जिसके बारे में वे जानते थे कि वह अब वहाँ नहीं है।"
मुझे स्पष्ट प्रतीत होता है कि उससे काफी मिलता-जुलता कोई व्यक्ति मैडमोजेल स्टैंगरसन का पर्स चुराकर, उस पत्र में उनसे कुछ ऐसी चीज़ की मांग कर रहा था जो उन्होंने उसे भेजी ही नहीं थी। अपनी मांग पूरी न होने पर वह आश्चर्यचकित हुआ होगा, इसीलिए उसने डाकघर में यह जानने के लिए आवेदन किया कि क्या उसका पत्र उस व्यक्ति तक पहुँचा दिया गया है जिसे वह संबोधित था। यह जानकर कि पत्र ले लिया गया है, वह क्रोधित हो गया। उसने क्या मांगा

था? यह केवल मैडमोजेल स्टैंगरसन ही जानती हैं। फिर, अगले दिन, यह बताया गया कि रात में उन पर हमला हुआ था, और अगले दिन, मुझे पता चला कि प्रोफेसर को भी उसी समय उस चाबी से लूटा गया था जिसका उल्लेख पोस्ट रेस्टेंट पत्र में किया गया था। ऐसा प्रतीत होता है कि पत्र के बारे में पूछताछ करने के लिए डाकघर जाने वाला व्यक्ति ही हत्यारा रहा होगा। लार्सन इन सभी तर्कों को मॉन्सियर डार्ज़ैक के विरुद्ध लागू करते हैं। आप निश्चिंत रहें कि जांच मजिस्ट्रेट, लार्सन और मैंने डाकघर से उस विलक्षण व्यक्ति के बारे में सटीक जानकारी प्राप्त करने का भरसक प्रयास किया है। 24 अक्टूबर को वहाँ आवेदन किया गया था। लेकिन कुछ भी पता नहीं चला। हमें नहीं पता कि वह कहाँ से आया था या कहाँ गया। श्री डार्ज़ैक से मिलते-जुलते विवरण के अलावा, हमें कुछ भी नहीं पता।
मैंने प्रमुख समाचार पत्रों में घोषणा की है कि 24 अक्टूबर की सुबह लगभग दस बजे डाकघर नंबर 40 तक किसी यात्री को ले जाने वाले किसी भी सार्वजनिक परिवहन के चालक को भारी इनाम दिया जाएगा। सूचना 'एम. आर.' को 'एपोक' कार्यालय में भेजी जानी है; लेकिन कोई जवाब नहीं मिला है। हो सकता है वह व्यक्ति पैदल गया हो; लेकिन, चूंकि वह संभवतः जल्दी में था, इसलिए यह भी संभव है कि वह टैक्सी से गया हो। मैं दिन-रात खुद से यही सवाल पूछता रहता हूँ कि वह कौन है जो श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक से इतना मिलता-जुलता है, और जिसने वह छड़ी खरीदी थी जो लार्सन के हाथ लगी है?
सबसे गंभीर बात यह है कि जिस समय उनका हमशक्ल डाकघर में आया, उसी समय श्री डार्ज़ैक सोरबोन विश्वविद्यालय में व्याख्यान देने वाले थे। उन्होंने वह व्याख्यान नहीं दिया, और उनके एक मित्र ने उनकी जगह ले ली। जब मैंने उनसे पूछा कि उन्होंने उस समय का सदुपयोग कैसे किया, तो उन्होंने बताया कि वे बोइस डी बोलोग्ने में टहलने गए थे। आप उस प्रोफेसर के बारे में क्या सोचते हैं जो अपना व्याख्यान देने के बजाय, बोइस डी बोलोग्ने में टहलने के लिए किसी और को बुला लेता है? जब फ्रेडरिक लार्सन ने उनसे इस बारे में जानकारी मांगी, तो उन्होंने चुपचाप जवाब दिया कि पेरिस में वे अपना समय कैसे बिताते हैं, इससे उनका कोई लेना-देना नहीं है। इस पर फ्रेड ने कसम खाई कि वह किसी की मदद के बिना इसका पता लगाएंगे।
"यह सब फ्रेड की परिकल्पना से मेल खाता प्रतीत होता है, अर्थात्, श्री स्टैंगर्सन ने बदनामी से बचने के लिए हत्यारे को भागने दिया। इस

परिकल्पना को इस तथ्य से और बल मिलता है कि डार्ज़ैक 'द येलो रूम' में था और उसे भागने दिया गया। मेरा मानना है कि यह परिकल्पना गलत है। लार्सन इससे गुमराह हो रहे हैं, हालाँकि अगर इससे किसी निर्दोष व्यक्ति पर असर न पड़ता तो मुझे कोई आपत्ति नहीं होती। अब क्या यह परिकल्पना वास्तव में फ्रेडरिक लार्सन को गुमराह करती है? यही सवाल है—यही सवाल है।"
"शायद वह सही कह रहा है," मैंने रूलेटाबिल की बात काटते हुए कहा। "क्या आपको यकीन है कि श्री डार्ज़ैक निर्दोष हैं? मुझे तो ये असाधारण संयोग लग रहे हैं।"
मेरे मित्र ने उत्तर दिया, "संयोग सत्य के सबसे बड़े शत्रु होते हैं।"
"इस मामले के बारे में जांच मजिस्ट्रेट की अब क्या राय है?"
"पुख्ता सबूतों के अभाव में, श्रीमान डी मार्केट श्रीमान डार्ज़ैक पर आरोप लगाने में हिचकिचाते हैं। न केवल जनता की राय उनके खिलाफ होगी, बल्कि सोरबोन विश्वविद्यालय की राय भी, और श्रीमान और मैडमोजेल स्टैंगरसन भी। वह श्रीमान रॉबर्ट डार्ज़ैक की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं। हत्यारे को उन्होंने धुंधली दृष्टि से देखा था, इसलिए जनता को यह विश्वास दिलाना मुश्किल होगा कि अगर डार्ज़ैक ही अपराधी होते तो वह उन्हें पहचान नहीं पातीं। इसमें कोई संदेह नहीं कि पीला कमरा बहुत कम रोशनी वाला था; लेकिन रात की बत्ती, चाहे कितनी भी छोटी क्यों न हो, कुछ रोशनी तो देती ही है। देखो, मेरे बच्चे, तीन दिन पहले, या यूँ कहें कि तीन रात पहले, जब एक असाधारण रूप से विचित्र घटना घटी, तब स्थिति कुछ इस प्रकार थी।"

अध्याय 14. "मुझे आज शाम हत्यारे के आने की उम्मीद है"
रूलेटाबिल ने कहा, "आपको समझाने के लिए मुझे आपको अलग-अलग जगहों पर ले जाना होगा। मेरा मानना है कि मैंने वह खोज लिया है जिसकी तलाश बाकी सब कर रहे हैं, यानी हत्यारा पीले कमरे से बिना किसी साथी के और मैडमोजेल स्टैंगर्सन की मिलीभगत के बिना कैसे भागा। लेकिन जब तक मुझे असली हत्यारे का पता नहीं चल जाता, मैं अपने सिद्धांत के बारे में कुछ नहीं कह सकता। मैं बस इतना कह सकता हूँ कि मुझे लगता है कि यह सही है और वैसे भी, यह बिल्कुल स्वाभाविक और सरल सिद्धांत है। जहाँ तक तीन रात पहले इस जगह पर जो हुआ, उसकी बात है, तो मैं एक दिन और एक रात तक सोचता रहा। यह अविश्वसनीय है। इस घटना से मैंने जो सिद्धांत बनाया है, वह इतना बेतुका है कि मैं चाहता हूँ कि मामला अभी तक अनसुलझा ही रहे।"
यह कहते हुए उस युवा पत्रकार ने मुझे अपने साथ महल का भ्रमण करने का न्योता दिया। चारों ओर केवल हमारे पैरों के नीचे सूखी पत्तियों के चरमराने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। सन्नाटा इतना गहरा था कि मानो महल वीरान पड़ा हो। पुराने पत्थर, बुर्ज के चारों ओर बनी खाई का ठहरा हुआ पानी, सूखी पत्तियों से भरी बंजर ज़मीन, पेड़ों की कंकाल जैसी काली आकृतियाँ, ये सब मिलकर उस सुनसान जगह को, जो अब अपने भयानक रहस्य से भरी हुई थी, एक बेहद उदास रूप दे रहे थे। जब हम बुर्ज के चारों ओर घूम रहे थे, तो हमारी मुलाकात वनपाल, ग्रीन मैन से हुई, जिसने हमें नमस्कार नहीं किया, बल्कि ऐसे चला गया जैसे हम वहाँ थे ही नहीं। वह बिल्कुल वैसा ही दिख रहा था जैसा मैंने उसे पहले डोंजॉन इन की खिड़की से देखा था। उसकी बंदूक अभी भी उसकी पीठ पर टंगी थी, उसके मुँह में पाइप था और उसकी नाक पर चश्मा लगा हुआ था।
"यह तो एक अजीब तरह की मछली है!" रूलेटाबिल ने धीमी आवाज़ में मुझसे कहा। मैंने पूछा, "क्या तुमने उससे बात की है?"
"हाँ, लेकिन मुझे उससे कुछ भी पता नहीं चला। उसके जवाब में सिर्फ़ घुरघुराहट और कंधे उचकाने की आवाज़ें आती हैं। वह आम तौर पर किले की पहली मंज़िल पर रहता है, एक बड़ा कमरा जो कभी प्रार्थना कक्ष हुआ करता था। वह बेपरवाह रहता है, बिना बंदूक के कभी बाहर नहीं निकलता, और सिर्फ़ लड़कियों के साथ ही अच्छा व्यवहार करता है। बारह मील के दायरे में सभी औरतें उस पर

फिदा हैं। फिलहाल, वह मैडम मैथ्यू पर ध्यान दे रहा है, जिसके चलते उसका पति उस पर पैनी नज़र रखे हुए है।"
बाईं ओर के बिल्कुल आखिरी छोर पर स्थित मुख्य बुर्ज को पार करने के बाद, हम महल के पिछले हिस्से में गए। रूलेटाबिल ने एक खिड़की की ओर इशारा करते हुए, जिसे मैंने मैडमोजेल स्टैंगर्सन के अपार्टमेंट की इकलौती खिड़की के रूप में पहचाना, मुझसे कहा:
"अगर आप दो रात पहले यहां होते, तो आपने अपने विनम्र सेवक को सीढ़ी के शीर्ष पर, उस खिड़की से महल में प्रवेश करने की तैयारी करते हुए देखा होता।"
जब मैंने रात के समय की इस कलाबाजी पर कुछ हैरानी जताई, तो उन्होंने मुझसे महल की बाहरी बनावट को ध्यान से देखने का आग्रह किया। फिर हम इमारत के अंदर वापस चले गए।
"अब मुझे आपको महल की पहली मंजिल दिखानी होगी, जहां मैं रह रहा हूं," मेरे दोस्त ने कहा।
पाठक को आवास के इन हिस्सों की व्यवस्था को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम बनाने के लिए, मैं दाहिने विंग की पहली मंजिल का एक नक्शा संलग्न कर रहा हूं, जिसे रूलेटाबिल ने असाधारण घटना घटित होने के एक दिन बाद बनाया था, जिसके विवरण मैं अभी बताने जा रहा हूं।
बेडरूम
___ ____ ____ ____ ___ ____4____ ____ ____ __
| | | | | |
| | मैडम | | मैडम |___ ___ ___| श्रीमान
लंबर |स्ट्रेंजरसन का स्ट्रेंजरसन|___ ___ ___|स्ट्रेंजरसन का | कमरा | बैठक | | शयनकक्ष |___ ___ ___| कमरा
| | कमरा | |__ __ ____|सीढ़ी |
| | |स्नानघर|प्रवेशकक्ष| |
|____ ____|____ ____|___|____|___ ___| |____ ____
|
2 ——— दायां गैलरी दायां विंग————- 3 दायां गैलरी बायां विंग
|____ ____ ____ ____ ____ __ __ __ ____ ____

|रौलेट- | डब्ल्यू जी |
|टैबिल्स | आई ए | दायां विंग बायां विंग
| कमरा एन एल का

```
 |____ | □□ □□ | □□□□
 □□□□□□□□□ | □□ □ |
 |□□□□□□□ □□ □□ □□
 | □□□□ | □□ □□□ |
 | |
 |____ ____ | _1_ |
 . 5 .
 . 6 .
 . .
 . . .
```

□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□, □□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□, □□ □□□□ □□ □□□□□ □□, □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□, □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□

□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□, □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□, □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□, □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□, □□ □□□□□□□□□□□□□, □□ □□□□□ □□□□□□□□□□□, □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□, □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ (□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ 2) □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□-□□□□□□ □□□□□□□ □□, □□ □□□□□□ □□□□□□ □□, □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□

□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□, □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ "□□□□□□□□" □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ "□□□□□□□□□□" □□□□□□ (□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□) □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□, □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ "□□□□□□□□□□" □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□, □□□□□

मैडमोजेल स्टैंगर्सन के अपार्टमेंट के दरवाजे "दाहिनी" गैलरी में खुलते थे। (मानचित्र देखें।)
रूलेटाबिल ने अपने कमरे का दरवाजा खोला और हमारे अंदर जाने के बाद, सावधानीपूर्वक कुंडी लगा दी। मुझे उस जगह पर नज़र डालने का समय भी नहीं मिला था जहाँ वह ठहरा हुआ था, तभी उसने आश्चर्य से एक आवाज़ निकाली और एक साइड टेबल पर रखे चश्मे की ओर इशारा किया।
"ये यहाँ क्या कर रहे हैं?" उसने पूछा।
मुझे उसे जवाब देने में असमंजस होना चाहिए था।
उन्होंने कहा, "मुझे आश्चर्य हो रहा है, मुझे आश्चर्य हो रहा है कि क्या यही वह चीज है जिसकी मैं तलाश कर रहा था। मुझे आश्चर्य हो रहा है कि क्या ये वही चश्मे हैं जो प्रेस्बिटरी में मिलते हैं!"
उसने उत्सुकता से उन्हें पकड़ लिया, उसकी उंगलियाँ कांच को सहला रही थीं। फिर मेरी ओर देखते हुए, उसके चेहरे पर भय का भाव था, और वह बुदबुदाया, "ओह!— ओह!"
उसने बार-बार वही विस्मयबोधक चिह्न दोहराया, मानो अचानक उसके दिमाग में कुछ विचार घूमने लगे हों।
वह उठा और मेरे कंधे पर हाथ रखकर पागलों की तरह हंसते हुए बोला:
"वो चश्मे मुझे पागल कर देंगे! गणितीय रूप से तो यह संभव है; लेकिन मानवीय रूप से यह असंभव है—या तो बाद में—या बाद में—"
दरवाजे पर दो हल्की दस्तकें पड़ीं। रूलेटाबिल ने दरवाजा खोला। एक आकृति अंदर आई। मैंने चौकीदार को पहचान लिया, जिसे मैंने तब देखा था जब उसे जांच के लिए मंडप में ले जाया जा रहा था। मैं हैरान थी, क्योंकि मुझे लगा था कि वह अभी भी कैद में है। इस महिला ने बहुत धीमी आवाज में कहा:
"लकड़ी के फर्श वाले पेड़ों के झुरमुट में।"
रूलेटाबिल ने उत्तर दिया: "धन्यवाद।" इसके बाद वह महिला चली गई। उसने सावधानीपूर्वक दरवाजा बंद किया और थके हुए चेहरे के साथ मेरी ओर मुड़ा, कुछ अस्पष्ट वाक्य बुदबुदाते हुए बोला।
"यदि यह गणितीय रूप से संभव है, तो मानवीय रूप से क्यों नहीं हो सकता! और यदि यह मानवीय रूप से संभव है, तो मामला सचमुच भयावह है।" मैंने उनके इस एकालाप को बीच में ही रोक दिया:

"तो क्या उन्होंने चौकीदारों को पूरी तरह से आज़ाद छोड़ दिया है?" मैंने पूछा।
"हां," उसने जवाब दिया, "मैंने उन्हें मुक्त कराया, मुझे ऐसे लोगों की ज़रूरत थी जिन पर मैं भरोसा कर सकूं। वह महिला पूरी तरह से मेरे प्रति समर्पित है, और उसका पति मेरे लिए अपनी जान भी दे देगा।"
"ओहो!" मैंने कहा, "उसे ऐसा करने का मौका कब मिलेगा?"
"आज शाम—आज शाम मुझे हत्यारे के आने की उम्मीद है।"
"क्या आपको आज शाम हत्यारे के आने की उम्मीद है? तो आप उसे जानते हैं?" "मैं उसे पहचान लूंगा; लेकिन इस समय यह कहना मूर्खता होगी कि मैं उसे जानता हूं। हत्यारे के बारे में मेरे मन में जो गणितीय धारणा है, उससे इतने भयावह, इतने राक्षसी परिणाम निकलते हैं कि मुझे उम्मीद है कि शायद मैं गलत हूं। मैं दिल से यही उम्मीद करता हूं!"
"पांच मिनट पहले तक आप हत्यारे को नहीं जानते थे; आप यह कैसे कह सकते हैं कि आप आज शाम उससे मिलने की उम्मीद कर रहे हैं?"
"क्योंकि मुझे पता है कि उसे आना ही होगा।"
रूलेटाबिल ने बड़ी धीमी गति से अपनी पाइप भरी और उसे जलाया। इसका मतलब था कि कोई दिलचस्प कहानी शुरू होने वाली है। उसी क्षण हमने किसी को गैलरी में चलते हुए और हमारे दरवाजे के सामने से गुजरते हुए सुना। रूलेटाबिल ने ध्यान से सुना। कदमों की आवाज दूर जाकर धीमी हो गई।
मैंने दीवार की ओर इशारा करते हुए पूछा, "क्या फ्रेडरिक लार्सन अपने कमरे में हैं?"
“नहीं,” मेरे दोस्त ने जवाब दिया। “वह आज सुबह पेरिस गया है, डार्ज़ैक का पीछा करते हुए, जो खुद भी पेरिस के लिए रवाना हो गया है। यह मामला गंभीर रूप से बिगड़ेगा। मुझे लगता है कि अगले हफ्ते तक मिस्टर डार्ज़ैक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सबसे बुरी बात यह है कि सब कुछ उसके खिलाफ साजिश रच रहा है, परिस्थितियाँ, चीज़ें, लोग। एक घंटा भी नहीं बीतता जब उसके खिलाफ कोई नया सबूत सामने न आ जाए। जांच अधिकारी सबूतों से पूरी तरह से बेहाल है और अंधा हो गया है।”
मैंने कहा, "फ्रेडरिक लार्सन हालांकि नौसिखिया नहीं हैं।"
"मुझे भी ऐसा ही लगा था," रूलेटाबिल ने अपने होठों को थोड़ा तिरस्कारपूर्ण ढंग से मोड़ते हुए कहा। "मुझे लगा था कि वह कहीं अधिक सक्षम व्यक्ति हैं।

वास्तव में, उनके काम करने के तरीके को जानने से पहले मैं उनकी बहुत प्रशंसा करता था। यह बहुत दुखद है। उनकी प्रतिष्ठा पूरी तरह से उनकी क्षमता पर आधारित है; लेकिन उनमें तर्क शक्ति की कमी है—उनके विचारों का गणितीय आधार बहुत कमजोर है।"
मैंने रूलेटाबिल को गौर से देखा और मुस्कुराए बिना नहीं रह सका, जब मैंने अठारह वर्षीय इस लड़के को एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बात करते सुना जिसने दुनिया को साबित कर दिया था कि वह यूरोप का सबसे बेहतरीन पुलिस जासूस था। "तुम मुस्कुरा रहे हो," उसने कहा। "तुम गलत हो! मैं कसम खाता हूँ कि मैं उसे मात दूंगा—और वो भी ज़बरदस्त तरीके से! लेकिन मुझे जल्दी करनी होगी, क्योंकि उसे मुझसे बहुत बड़ी बढ़त मिल चुकी है—जो उसे मिस्टर रॉबर्ट डार्ज़ैक ने दी है, और जो आज शाम इसे और भी बढ़ा देंगे। सोचो ज़रा!—जब भी हत्यारा महल में आता है, मिस्टर डार्ज़ैक, एक अजीब संयोग से, गायब हो जाते हैं और यह बताने से इनकार कर देते हैं कि वे अपना समय कैसे बिताते हैं।" "हर बार जब हत्यारा महल में आता है!" मैं चिल्लाई। "क्या वह वापस आ गया है —?"
"हां, उस मशहूर रात के दौरान जब वह विचित्र घटना घटी थी।"
अब मैं उस आश्चर्यजनक घटना के बारे में जानने जा रहा था जिसका जिक्र रूलेटाबिल ने आधे घंटे पहले बिना कोई स्पष्टीकरण दिए किया था। लेकिन मैंने रूलेटाबिल से उसकी बातों पर ज्यादा सवाल न करने की आदत डाल ली थी। वह तभी बोलता था जब उसका मन करता था और जब उसे सही लगता था। उसे मेरी जिज्ञासा से ज्यादा इस बात की चिंता रहती थी कि जिस भी महत्वपूर्ण विषय में उसकी रुचि हो, उसका वह अपने लिए पूरा सारांश तैयार कर ले।
अंत में, संक्षिप्त और त्वरित वाक्यों में, उन्होंने मुझे ऐसी बातों से अवगत कराया जिन्होंने मुझे लगभग पूर्णतः अचंभित कर दिया। वास्तव में, सम्मोहन नामक उस अभी तक अज्ञात विज्ञान के परिणाम, उदाहरण के लिए, उस हत्यारे के "पदार्थ" के गायब होने से अधिक रहस्यमय नहीं थे, जब चार व्यक्ति उसके संपर्क में थे। मैं सम्मोहन की तुलना बिजली से कर रहा हूँ, क्योंकि हम दोनों की प्रकृति से अनभिज्ञ हैं और उनके नियमों के बारे में हमें बहुत कम जानकारी है। मैं ये उदाहरण इसलिए दे रहा हूँ क्योंकि उस समय, मुझे यह मामला केवल अवर्णनीय घटना से ही स्पष्ट होता प्रतीत हुआ, अर्थात्, ज्ञात प्राकृतिक नियमों से परे किसी घटना से। फिर भी, यदि मेरे पास रूलेटाबिल का

मस्तिष्क होता, तो मुझे भी उनकी तरह ही प्राकृतिक व्याख्या का पूर्वाभास हो जाता; क्योंकि ग्लैंडियर मामले के सभी रहस्यों में सबसे विचित्र बात यह थी कि उन्होंने उन्हें कितने स्वाभाविक तरीके से समझाया था।
घटना समाप्त होने के बाद उस युवक ने मुझे जो कागज़ात भेजे, उनमें उसकी एक नोटबुक भी है, जिसमें हत्यारे के "पदार्थ" के गायब होने की पूरी घटना और उससे मेरे मित्र के मन में उठे विचारों का विस्तृत वर्णन है। मेरा मानना है कि रूलेटाबिल के साथ हुई मेरी बातचीत को दोहराने के बजाय पाठक को यही विवरण देना बेहतर होगा; क्योंकि इस तरह के वृत्तांत में मैं सत्य से परे कोई शब्द जोड़ना नहीं चाहूँगा।

अध्याय पंद्रह. जाल
(जोसेफ रूलेटबिल की नोटबुक से उद्धरण)
जोसेफ रूलेटाबिल ने लिखा, "पिछली रात—29 और 30 अक्टूबर की रात—मैं सुबह करीब एक बजे जागा। क्या यह नींद की कमी थी, या बाहर का शोर? पार्क के आखिरी छोर से बिल्ली की कर्कश आवाज गूंजी। मैं उठा और खिड़की खोली। ठंडी हवा और बारिश; घना अंधेरा; सन्नाटा। मैंने खिड़की बंद कर ली। फिर दूर से बिल्ली की अजीब सी आवाज सुनाई दी। मैंने जल्दी से कपड़े पहने। मौसम इतना खराब था कि बिल्ली को भी बाहर निकालना ठीक नहीं था। तो फिर, महल के इतने पास मदर एंजेनॉक्स की बिल्ली की म्याऊं की नकल का क्या मतलब था? मैंने एक अच्छी- खासी छड़ी उठाई, जो मेरे पास एकमात्र हथियार था, और बिना कोई आवाज किए दरवाजा खोल दिया।"
जिस गैलरी में मैं गया, वह एक परावर्तक लैंप से अच्छी तरह रोशन थी। मुझे हवा का एक तेज़ झोंका महसूस हुआ और मुड़कर देखा तो गैलरी के बिल्कुल आखिरी छोर पर, जिसे मैं 'दाहिनी' गैलरी से अलग करने के लिए 'मुड़ने वाली' गैलरी कहता हूँ, जहाँ मैडमोजेल स्टैंगर्सन का अपार्टमेंट खुलता था, खिड़की खुली हुई थी। ये दोनों गैलरी एक-दूसरे को समकोण पर काटती हैं। उस खिड़की को किसने खुला छोड़ा था? या, उसे खोलने कौन आया था? मैं खिड़की के पास गया और बाहर की ओर झुका। मुझसे पाँच फीट नीचे, भूतल पर एक कमरे के अर्धवृत्ताकार हिस्से के ऊपर एक तरह का चबूतरा था। कोई चाहे तो खिड़की से चबूतरे पर कूद सकता था और वहाँ से महल के प्रांगण में गिर सकता था। जो भी इस रास्ते से अंदर आया था, जाहिर है, उसके पास प्रवेश द्वार की चाबी नहीं थी। लेकिन मैं पिछली रात सीढ़ी से किए गए अपने प्रयास के बारे में क्यों सोच रहा था? - खुली खिड़की के कारण - शायद किसी नौकर की लापरवाही से खुली रह गई थी? मैंने मुस्कुराते हुए उसे बंद कर दिया। मैंने मात्र एक खुली खिड़की के संकेत मात्र से कितनी आसानी से एक नाटक की रचना कर दी।
"फिर से भगवान की पुकार!—और फिर सन्नाटा छा गया। खिड़की पर बारिश की बूँदें थम गईं। महल में सब सो रहे थे। मैं दीर्घा के कालीन पर अत्यंत सावधानी से चला। दाहिनी ओर वाली दीर्घा के कोने पर पहुँचकर मैंने चारों ओर सावधानीपूर्वक देखा। वहाँ एक और लैंप था जिसमें एक परावर्तक लगा था, जिससे उसमें रखी वस्तुएँ—तीन कुर्सियाँ और दीवार पर टंगी कुछ तस्वीरें—पूरी

तरह से रोशन थीं। मैं वहाँ क्या कर रहा था? चारों ओर पूर्ण सन्नाटा छाया हुआ था। सब कुछ शांत था। वह कौन सी सहज प्रवृत्ति थी जो मुझे मैडमोजेल स्टैंगरसन के कक्ष की ओर ले जा रही थी? मेरे भीतर से एक आवाज़ क्यों पुकार रही थी: 'चलिए, मैडमोजेल स्टैंगरसन के कक्ष में!'" मैंने अपनी नज़र उस कालीन पर डाली जिस पर मैं चल रही थी और देखा कि मेरे कदम मैडमोजेल स्टैंगरसन के कमरे की ओर जा रहे थे, क्योंकि वहाँ पहले से ही कदमों के निशान बने हुए थे। जी हाँ, कालीन पर कीचड़ से सने कदमों के निशान थे जो मैडमोजेल स्टैंगरसन के कमरे की ओर जा रहे थे। हे भगवान! हे भगवान!—मैंने उन पदचिह्नों में हत्यारे के साफ-सुथरे जूतों के निशान पहचान लिए! वह इस भयानक रात में बाहर से आया था। अगर आप खिड़की के रास्ते, छत के रास्ते गैलरी से नीचे उतर सकते हैं, तो आप उसी रास्ते से महल में भी जा सकते हैं।
"हत्यारा अभी भी महल में ही था, क्योंकि यहाँ लौटते कदमों के निशान थे। वह गैलरी के आखिरी छोर पर खुली खिड़की से अंदर आया था; वह फ्रेडरिक लार्सन और मेरे दरवाजे से गुजरा, दाहिनी ओर मुड़ा और मैडमोजेल स्टैंगरसन के कमरे में घुस गया। मैं उनके कमरे के दरवाजे के सामने हूँ—यह खुला है। मैं बिना ज़रा भी आवाज़ किए इसे धक्का देता हूँ। कमरे के दरवाजे के नीचे मुझे रोशनी की एक लकीर दिखाई देती है। मैं सुनता हूँ—कोई आवाज़ नहीं—साँस लेने की भी नहीं! आह!—काश मुझे पता होता कि उस दरवाजे के पीछे उस सन्नाटे में क्या चल रहा है! मुझे दरवाजा बंद मिलता है और चाबी अंदर की तरफ घूमी हुई है। और हत्यारा शायद वहीं है। वह ज़रूर वहीं होगा! क्या वह इस बार बच निकलेगा?— सब कुछ मुझ पर निर्भर करता है!—मुझे शांत रहना होगा, और सबसे बढ़कर, मुझे कोई गलत कदम नहीं उठाना होगा। मुझे उस कमरे में देखना होगा। मैं मैडमोजेल स्टैंगरसन के ड्राइंग रूम से अंदर जा सकता हूँ; लेकिन, ऐसा करने के लिए मुझे उनके बेडरूम से होकर गुजरना होगा; और जब तक मैं वहां हूं, हत्यारा गैलरी के दरवाजे से भाग सकता है - जिस दरवाजे के सामने मैं अभी खड़ा हूं। "मुझे पूरा यकीन है कि इस रात कोई और अपराध नहीं हो रहा है; क्योंकि बेडरूम में पूरी तरह सन्नाटा है, जहां दो नर्सें मैडमोजेल स्टैंगर्सन की देखभाल कर रही हैं जब तक कि वह स्वस्थ नहीं हो जातीं।"
"चूंकि मुझे लगभग यकीन है कि हत्यारा यहीं है, तो मैं तुरंत अलार्म क्यों नहीं बजा देता? हो सकता है हत्यारा भाग जाए; लेकिन शायद मैं मैडमोजेल स्टैंगरसन की जान बचा सकूँ। मान लीजिए कि इस बार हत्यारा हत्या करने नहीं

आया है? दरवाजा खोला गया था ताकि वह अंदर आ सके; किसने खोला?—और उसे फिर से बंद कर दिया गया—किसने?—मैडमोजेल स्टैंगरसन हर रात अपनी नर्सों के साथ अपने कमरे में बंद हो जाती हैं। उस कमरे की चाबी किसने घुमाई जिससे हत्यारा अंदर आ सके?—नर्सों ने,—दो वफादार नौकरानियों ने? बूढ़ी नौकरानी, सिल्विया ने? यह बहुत ही असंभव है। इसके अलावा, वे बेडरूम में सोती थीं, और मैडमोजेल स्टैंगरसन, बहुत घबराई हुई और सावधान, जैसा कि मुझे श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक ने बताया, अपनी सुरक्षा का ध्यान रखती हैं जब से वह अपने कमरे में चलने-फिरने लायक हुई हैं, जिसे मैंने अभी तक उन्हें छोड़ते हुए नहीं देखा है। उनकी यह घबराहट और अचानक सावधानी, जिसने श्री डार्ज़ैक को चौंका दिया था, ने मुझे भी सोचने का मौका दिया। विचारणीय प्रश्न। पीले कमरे में हुए अपराध के समय, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह हत्यारे की उम्मीद कर रही थी। क्या उसे उस रात उसकी उम्मीद थी? क्या उसने खुद उसके लिए दरवाजा खोला था? क्या ऐसा करने का उसका कोई कारण था? क्या वह ऐसा करने के लिए बाध्य थी? क्या यह अपराध के उद्देश्य से हुई मुलाकात थी? निश्चित रूप से यह प्रेमियों की मुलाकात नहीं थी, क्योंकि मेरा मानना है कि मैडमोजेल स्टैंगर्सन, मिस्टर डार्ज़ैक से बेहद प्यार करती हैं।
ये सारे विचार बिजली की तरह मेरे दिमाग में कौंध गए। काश मुझे ये सब पता होता!
"हो सकता है उस भयानक सन्नाटे का कोई कारण रहा हो। मेरा हस्तक्षेप फायदे से ज़्यादा नुकसान कर सकता है। मैं कैसे जान सकता हूँ? मुझे कैसे पता चलेगा कि मैं किसी भी क्षण एक और अपराध को जन्म नहीं दे दूँगा? काश मैं उस सन्नाटे को तोड़े बिना देख और जान पाता!"
"मैं प्रतीक्षालय से निकला और केंद्रीय सीढ़ियों से उतरकर प्रवेश कक्ष में पहुँचा और यथासंभव चुपचाप भूतल पर स्थित उस छोटे से कमरे में गया जहाँ डैडी जैक्स मंडप पर हुए हमले के बाद से सो रहे थे।"
मैंने उसे कपड़े पहने हुए पाया, उसकी आँखें चौड़ी खुली हुई थीं, लगभग थका हुआ सा। मुझे देखकर वह हैरान नहीं हुआ। उसने मुझे बताया कि वह इसलिए उठा क्योंकि उसने भगवान की पुकार सुनी थी, और पार्क में, अपनी खिड़की के पास, कदमों की आहट सुनी थी, जहाँ से उसने बाहर देखा और तभी एक काली परछाई को गुजरते हुए देखा। मैंने उससे पूछा कि क्या उसके पास किसी भी प्रकार का हथियार है। नहीं, अब उसके पास कोई हथियार नहीं था, क्योंकि जांच

मजिस्ट्रेट ने उससे उसका रिवॉल्वर ले लिया था। हम एक छोटे से पिछले दरवाजे से पार्क में गए और चुपके से महल के किनारे-किनारे उस जगह तक गए जो मैडमोजेल स्टैंगर्सन की खिड़की के ठीक नीचे है।
मैंने डैडी जैक्स को दीवार के सहारे खड़ा कर दिया और उन्हें वहीं खड़े रहने का आदेश दिया। वहीं, जब चाँद बादल से छिप गया, तो मैंने खिड़की के सामने जाकर, उससे आ रही रोशनी से बचने की कोशिश की, क्योंकि खिड़की आधी खुली थी! काश मुझे पता होता कि उस शांत कमरे में क्या चल रहा है! मैं डैडी जैक्स के पास वापस आई और उनके कान में 'सीढ़ी' शब्द फुसफुसाया। पहले तो मुझे उस पेड़ का ख्याल आया, जो एक हफ्ते पहले मेरे लिए एक वेधशाला का काम करता था; लेकिन मुझे तुरंत समझ आ गया कि खिड़की आधी खुली होने के कारण, मैं उस स्थिति से कमरे में होने वाली किसी भी चीज़ को नहीं देख पाऊँगी; और मैं न केवल देखना चाहती थी, बल्कि सुनना भी चाहती थी, और कुछ करना भी चाहती थी। "बेहद घबराए हुए, लगभग कांपते हुए, डैडी जैक्स एक पल के लिए गायब हो गए और सीढ़ी के बिना वापस आए, लेकिन अपने हाथों से मुझे इशारे कर रहे थे, जैसे कि मुझे जल्दी से उनके पास आने का संकेत दे रहे हों। जब मैं उनके पास पहुंचा तो वे हांफते हुए बोले: 'आओ!'"
"मैं अपनी सीढ़ी की तलाश में मुख्य बुर्ज में गया, और बुर्ज के निचले हिस्से में, जिसका उपयोग मैं और माली लकड़ी के कमरे के रूप में करते हैं, मैंने दरवाजा खुला पाया और सीढ़ी गायब थी। बाहर आने पर, चंद्रमा की रोशनी में मेरी नज़र उसी पर पड़ी।"
और उसने महल के दूसरे छोर की ओर इशारा किया, जहाँ एक सीढ़ी छत को सहारा देने वाले पत्थर के ब्रैकेटों के सहारे टिकी हुई थी, उस खिड़की के नीचे जिसे मैंने खुला पाया था। छत के उभार के कारण मैं उसे देख नहीं पाया था। उस सीढ़ी की बदौलत पहली मंजिल की घुमावदार गैलरी में जाना काफी आसान था, और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं था कि अज्ञात व्यक्ति ने उसी रास्ते का अनुसरण किया होगा।
"हम सीढ़ी की ओर दौड़े, लेकिन जैसे ही हम वहाँ पहुँचे, डैडी जैक्स ने मेरा ध्यान उस छोटे से अर्धवृत्ताकार कमरे के आधे खुले दरवाजे की ओर दिलाया, जो महल के दाहिने पंख के छोर पर, छत के नीचे स्थित था और जिसकी छत छत ही थी। डैडी जैक्स ने दरवाजे को थोड़ा और खोला और अंदर झाँका।"
"वह वहां नहीं है!" उसने फुसफुसाते हुए कहा।

"वहाँ कौन नहीं है?"
"वन रक्षक।"
अपने होंठ एक बार फिर मेरे कान के पास लाते हुए उन्होंने कहा:
"'क्या आप जानते हैं कि जब से इसका जीर्णोद्धार हुआ है, वह डोंजॉन के ऊपरी कमरे में सोता रहा है?' और उसी हावभाव से उसने आधे खुले दरवाजे, सीढ़ी, छत और 'ऑफ-टर्निंग' गैलरी की खिड़कियों की ओर इशारा किया, जिन्हें मैंने कुछ देर पहले ही फिर से बंद कर दिया था।"
"उस समय मेरे मन में क्या विचार आ रहे थे? मेरे पास सोचने का समय ही नहीं था। मैंने जितना सोचा, उससे कहीं अधिक महसूस किया।"
"ज़ाहिर है, मुझे लगा, अगर वनपाल उस कमरे में ऊपर है (मैं 'अगर' इसलिए कह रहा हूँ, क्योंकि इस समय, सीढ़ी और उसके खाली कमरे के अलावा, ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे मुझे उस पर शक भी हो सके) - अगर वह वहाँ है, तो उसे सीढ़ी से होकर जाना पड़ा होगा, और उसके नए आवास में उसके पीछे के कमरे प्रबंधक के परिवार और रसोइए के कब्जे में हैं, और रसोईघर भी वहीं हैं, जो महल के अंदरूनी हिस्से में जाने वाले प्रवेश द्वार को रोकते हैं। और अगर वह शाम को किसी बहाने से वहाँ गया होता, तो उसके लिए गैलरी में जाना और यह देखना आसान होता कि खिड़की को बाहर से आसानी से धक्का देकर खोला जा सकता है। खुली खिड़की के इस सवाल ने हत्यारे की खोज के दायरे को आसानी से सीमित कर दिया। वह घर का ही सदस्य होना चाहिए, जब तक कि उसका कोई साथी न हो, जिस पर मुझे विश्वास नहीं है; जब तक कि - जब तक कि मैडमोजेल स्टैंगर्सन ने खुद यह न देखा हो कि वह खिड़की अंदर से बंद नहीं थी। लेकिन फिर, - वह भयानक रहस्य क्या हो सकता है जो..." क्या उसे उन बाधाओं को दूर करने के लिए बाध्य किया गया था जो उसे हत्यारे से अलग करती थीं?
मैंने सीढ़ी पकड़ी और हम महल के पीछे यह देखने के लिए वापस गए कि क्या कमरे की खिड़की अभी भी आधी खुली है। पर्दा लगा हुआ था लेकिन पूरी तरह से बंद नहीं था, जिससे रोशनी की एक तेज धारा बाहर निकलकर हमारे पैरों के पास रास्ते पर पड़ रही थी। मैंने सीढ़ी को खिड़की के नीचे लगा दिया। मुझे लगभग यकीन है कि मैंने कोई आवाज़ नहीं की; और जब डैडी जैक्स सीढ़ी के नीचे खड़े रहे, तो मैं बहुत धीरे से, अपने हाथ में अपनी मजबूत छड़ी लिए, सीढ़ी पर चढ़ गया। मैंने अपनी सांस रोक ली और बड़ी सावधानी से अपने पैर उठाए। अचानक उसी क्षण एक घना बादल छंट गया और ज़ोरदार बारिश होने लगी।

ठीक उसी क्षण, ईश्वर के दूत की भयावह चीख ने मुझे ऊपर चढ़ते समय रोक दिया। मुझे लगा जैसे वह मेरे बहुत पास से आई हो—कुछ ही गज की दूरी से। क्या वह चीख कोई संकेत थी?—क्या उस आदमी के किसी साथी ने मुझे सीढ़ी पर देख लिया था!—क्या वह चीख उस आदमी को खिड़की तक ले आएगी?—शायद! आह, वह खिड़की पर था! मैंने उसका सिर अपने ऊपर महसूस किया। मैंने उसकी साँसों की आवाज़ सुनी! मैं उसकी ओर नहीं देख सका; मेरे सिर की ज़रा सी भी हरकत, और—मैं खो सकता था। क्या वह मुझे देखेगा?—क्या वह अंधेरे में झाँकेगा? नहीं; वह चला गया। उसने कुछ नहीं देखा। मैंने उसे कमरे में दबे पांव चलते हुए महसूस किया, सुना नहीं; और मैं कुछ सीढ़ियाँ ऊपर चढ़ गया। मेरा सिर खिड़की की चौखट तक पहुँच गया; मेरा माथा उससे ऊपर उठ गया; मेरी आँखें पर्दों के बीच से झाँक रही थीं—और मैंने देखा—एक आदमी मैडमोजेल स्टैंगर्सन की छोटी सी मेज पर बैठा लिख रहा था। उसकी पीठ मेरी ओर थी। एक मोमबत्ती थी। उसके सामने आग जल उठी, और वह लौ के ऊपर झुक गया, जिससे निकलती रोशनी से आकारहीन परछाइयाँ बन रही थीं। मुझे एक विशाल, झुकी हुई पीठ के अलावा कुछ नहीं दिखाई दिया।
"मैडम स्टैंगरसन खुद वहां नहीं थीं! उनके बिस्तर पर कोई लेटा नहीं था! तो फिर उस रात वह कहां सो रही थीं? शायद बगल वाले कमरे में अपनी सहेलियों के साथ। शायद यह सिर्फ एक अनुमान है। मुझे उस आदमी को अकेले पाकर ही संतोष करना होगा। मुझे शांत होकर अपना जाल बिछाना होगा।"
लेकिन फिर ये आदमी कौन है जो मेरी आँखों के सामने, मेज पर बैठा, मानो अपने ही घर में हो, लिख रहा है? अगर खिड़की के नीचे वो सीढ़ी न होती; अगर गैलरी के कालीन पर वो पैरों के निशान न होते; अगर वो खुली खिड़की न होती, तो शायद मैं ये सोच लेता कि इस आदमी को वहाँ होने का पूरा अधिकार है, और वो वहाँ स्वाभाविक रूप से और ऐसे कारणों से है जिनके बारे में मुझे अभी तक कुछ पता नहीं है। लेकिन इसमें कोई शक नहीं था कि ये रहस्यमय अनजान आदमी 'द येलो रूम' का आदमी था, वो आदमी जिसके जानलेवा हमले के आगे मैडमोजेल स्टैंगर्सन को— बिना उसकी निंदा किए—झुकना पड़ा था। काश मैं उसका चेहरा देख पाता! उसे अचानक पकड़ लेता!
"अगर मैं इस समय कमरे में घुस जाऊं, तो वह बेडरूम में खुलने वाले दाहिने दरवाजे से भाग जाएगा, या ड्राइंग रूम पार करके गैलरी में पहुंच जाएगा और मैं उसे खो दूंगी। अभी वह मेरे हाथ में है और पांच मिनट में वह पिंजरे में

बंद होने से भी ज्यादा सुरक्षित होगा। वह मैडमोजेल स्टैंगरसन के कमरे में अकेले क्या कर रहा है? वह क्या लिख रहा है? मैं नीचे उतरती हूं और सीढ़ी को जमीन पर रख देती हूं। डैडी जैक्स मेरे पीछे आते हैं। हम महल में वापस प्रवेश करते हैं। मैं डैडी जैक्स को मिस्टर स्टैंगरसन को जगाने के लिए भेजती हूं और उन्हें निर्देश देती हूं कि वे मैडमोजेल स्टैंगरसन के कमरे में मेरे आने का इंतजार करें और मेरे आने से पहले उनसे कुछ भी निश्चित न कहें। मैं जाकर फ्रेडरिक लार्सन को जगाऊंगी। यह करना उबाऊ है, क्योंकि मैं अकेले काम करना चाहती थी और सोते हुए जासूस की नाक के नीचे इस मामले का सारा श्रेय खुद लेना चाहती थी। लेकिन डैडी जैक्स और मिस्टर स्टैंगरसन बूढ़े आदमी हैं, और मैं..." अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है। शायद मैं इतना ताकतवर नहीं हूँ। लार्सन कुश्ती और हथकड़ी लगाने का आदी है। नींद से सूजी हुई उसकी आँखें खुलीं, मानो मुझे दूर फेंकने को तैयार हो, लेकिन उसे मेरे पत्रकार वाले भ्रमों पर ज़रा भी यकीन नहीं था। मुझे उसे यकीन दिलाना पड़ा कि वह आदमी वहीं था!
"'यह तो अजीब बात है!' उसने कहा; 'मुझे लगा था कि मैंने उसे आज दोपहर पेरिस में ही छोड़ दिया था।'
"उसने जल्दी से कपड़े पहने और रिवॉल्वर से खुद को लैस कर लिया। हम चुपके से गैलरी में घुस गए।"
"'वह कहाँ है?' लार्सन ने पूछा।"
"'मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे में।'"
"'और—मैडमोजेल स्टैंगर्सन?'"
"'वह वहां नहीं है।'"
"'चलो अन्दर चले।'
"'वहाँ मत जाओ! ज़रा सी भी आशंका होने पर वह आदमी भाग जाएगा। उसके पास भागने के चार तरीके हैं—दरवाजा, खिड़की, शयनकक्ष या वह कमरा जिसमें औरतें सो रही हैं।'"
मैं उसे नीचे से खींचूंगा।
"और अगर तुम असफल हो गए?—अगर तुम उसे केवल घायल करने में ही सफल हुए—तो वह फिर से भाग जाएगा, यह सोचे बिना कि वह निश्चित रूप से हथियारों से लैस है। नहीं, मुझे अभियान का नेतृत्व करने दो, और मैं हर चीज़ के लिए जवाबदेह हूँ।"

"'जैसा आप चाहें,' उसने काफी शालीनता से जवाब दिया।"
"फिर, यह सुनिश्चित करने के बाद कि दोनों दीर्घाओं की सभी खिड़कियाँ पूरी तरह से सुरक्षित हैं, मैंने फ्रेडरिक लार्सन को 'बंद' दीर्घा के अंत में, उस खिड़की के सामने रखा जिसे मैंने खुला पाया था और फिर से बंद कर दिया था।" मैंने उससे कहा, "किसी भी हालत में, जब तक मैं तुम्हें न बुलाऊं, तब तक तुम्हें इस जगह से हिलना नहीं है। इस बात की भी पूरी संभावना है कि पीछा किए जाने पर वह आदमी वापस इसी खिड़की पर लौट आएगा और इस तरह से खुद को बचाने की कोशिश करेगा; क्योंकि इसी रास्ते से वह अंदर आया था और भागने का रास्ता तैयार किया था। तुम्हारी पोस्ट खतरनाक है।"
"'तुम्हारा क्या होगा?' फ्रेड ने पूछा।"
"'मैं कमरे में घुसकर उसे तुम्हारे लिए गिरा दूंगा।'"
फ्रेड ने कहा, "'मेरी रिवॉल्वर ले लो, और मैं तुम्हारी लाठी ले लूंगा।'" मैंने कहा, "'धन्यवाद; आप एक बहादुर आदमी हैं।'"
"मैंने उसका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। मैं कमरे में उस आदमी के साथ अकेले बैठकर लिखने वाली थी और हथियार होने के लिए मैं वास्तव में आभारी थी।" मैंने फ्रेड को खिड़की (नक्शे में नंबर 5) पर तैनात करके वहीं छोड़ दिया और पूरी सावधानी बरतते हुए महल के बाएँ विंग में स्थित श्री स्टैंगरसन के अपार्टमेंट की ओर चल पड़ा। मैंने उन्हें डैडी जैक्स के साथ पाया, जिन्होंने मेरे निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन किया था और अपने मालिक से जल्द से जल्द कपड़े पहनने को कहा था। मैंने श्री स्टैंगरसन को संक्षेप में सारी बात समझा दी। उन्होंने एक रिवाल्वर उठाई, मेरे पीछे आए और हम तीनों जल्दी से गैलरी में पहुँच गए। हत्यारे को मेज पर बैठे देखे हुए दस मिनट बीत चुके थे। श्री स्टैंगरसन हत्यारे पर झपटकर उसे मार डालना चाहते थे। मैंने उन्हें समझाया कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसे मारने की हड़बड़ी में वे उसे चूक न जाएँ।
जब मैंने उसे विश्वास दिलाया कि उसकी बेटी कमरे में नहीं है और किसी खतरे में नहीं है, तो उसने अपना धैर्य खो दिया और मुझे कार्रवाई का निर्देशन करने दिया। मैंने उनसे कहा कि जैसे ही मैं उन्हें बुलाऊं या अपनी रिवॉल्वर चलाऊं, उन्हें तुरंत मेरे पास आना होगा। फिर मैंने डैडी जैक्स को 'दाहिनी' गैलरी के अंत में खिड़की के सामने तैनात होने के लिए भेजा। (मेरी योजना में नंबर 2।) मैंने डैडी जैक्स के लिए वह स्थान इसलिए चुना क्योंकि मेरा

मानना था कि हत्यारा, कमरे से बाहर निकलते ही, गैलरी से उस खिड़की की ओर भागेगा जिसे उसने खुला छोड़ दिया था, और जैसे ही वह देखेगा कि लार्सन उसकी रखवाली कर रहा है, वह 'दाहिनी' गैलरी से आगे बढ़ेगा। वहां उसकी मुलाकात डैडी जैक्स से होगी, जो उसे खिड़की से कूदकर पार्क में जाने से रोकेंगे। उस खिड़की के नीचे एक तरह का बट्रेस था, जबकि गैलरी की बाकी सभी खिड़कियां जमीन से इतनी ऊंचाई पर थीं कि उनसे कूदना लगभग असंभव था, गर्दन तोड़े बिना। सभी दरवाजे और खिड़कियां, जिनमें शामिल हैं... 'दाहिनी' गैलरी के अंत में स्थित लकड़ी का कमरा—जैसा कि मैंने खुद को तुरंत आश्वस्त कर लिया था— मजबूत रूप से सुरक्षित था।
"डैडी जैक्स को उनकी जगह बताकर और उन्हें अपनी जगह लेते हुए देखकर, मैंने मिस्टर स्टैंगरसन को उनकी बेटी के कमरे के दरवाजे से कुछ ही दूरी पर सीढ़ियों के शीर्ष पर बने चबूतरे पर खड़ा कर दिया, न कि उस कमरे में जहाँ औरतें थीं, और जिसका दरवाजा मैडमोजेल स्टैंगरसन ने खुद बंद कर रखा होगा, अगर जैसा कि मुझे लगा, वह उस हत्यारे से बचने के लिए कमरे में शरण ली थी जो उनसे मिलने आ रहा था। किसी भी हालत में, उन्हें गैलरी में वापस जाना होगा जहाँ मेरे लोग हर संभव निकास द्वार पर उनका इंतजार कर रहे थे।"
वहाँ पहुँचने पर, वह अपने बाईं ओर महाशय स्टैंगरसन को देखेगा; वह दाईं ओर मुड़ेगा, 'मुड़ने वाली' गैलरी की ओर—वह रास्ता जो उसने भागने के लिए पहले से तय कर रखा था, जहाँ, दोनों गैलरी के चौराहे पर, जैसा कि मैंने बताया है, वह तुरंत अपने बाईं ओर 'मुड़ने वाली' गैलरी के अंत में फ्रेडरिक लार्सन को और सामने, 'दाईं' गैलरी के अंत में डैडी जैक्स को देखेगा। महाशय स्टैंगरसन और मैं महल के पीछे से पहुँचेंगे।—वह हमारा है!—वह अब हमसे बच नहीं सकता! मुझे इस बात का पूरा यकीन था।
"मैंने जो योजना बनाई थी, वह मुझे सबसे अच्छी, सबसे पक्की और सबसे सरल लगी। निस्संदेह, यह और भी सरल हो जाती, अगर हम किसी को मैडमोजेल के शयनकक्ष के दरवाजे के ठीक पीछे तैनात कर पाते, जो उनके शयनकक्ष से जुड़ा हुआ था, और इस तरह हम उस कमरे के दोनों दरवाजों को घेर सकते थे जिसमें वह आदमी था। लेकिन हम ड्राइंग रूम के रास्ते ही शयनकक्ष में प्रवेश कर सकते थे, जिसका दरवाजा मैडमोजेल स्टैंगरसन ने अंदर से बंद कर रखा था। लेकिन अगर मुझे शयनकक्ष का पूरा उपयोग करने की छूट भी होती, तो भी मैं अपनी बनाई हुई योजना पर ही कायम रहता; क्योंकि हमले की कोई भी दूसरी योजना उस आदमी से संघर्ष के समय हमें

अलग कर देती, जबकि मेरी योजना हम सभी को हमले के लिए एक ऐसे स्थान पर एकजुट करती, जिसे मैंने लगभग गणितीय सटीकता के साथ चुना था—दोनों दीर्घाओं का चौराहा।"
"अपने लोगों को इस प्रकार तैनात करने के बाद, मैंने फिर से महल छोड़ दिया, अपनी सीढ़ी की ओर भागा, और उसे वापस रखकर, हाथ में रिवाल्वर लिए ऊपर चढ़ गया।"
यदि कोई मेरे द्वारा इतनी एहतियाती उपायों को अपनाने पर हंसे, तो मैं उन्हें पीले कमरे के रहस्य और हत्यारे की विचित्र चालाकी के सभी सबूतों का हवाला देना चाहूंगा। इसके अलावा, यदि कुछ लोग मेरी टिप्पणियों को अनावश्यक रूप से सूक्ष्म समझते हैं, जबकि उन्हें गति और कार्रवाई के दृढ़ निश्चय के कारण पूरी तरह से सटीक होना चाहिए था, तो मैं जवाब दूंगा कि मैंने यहां हमले की योजना के सभी विवरणों को विस्तार से और पूरी तरह से प्रस्तुत करना चाहा है, जिसे इतनी तेजी से तैयार किया गया था कि केवल मेरी कलम की धीमी गति ही क्रियान्वयन में धीमी गति का आभास देती है। इस धीमी गति और सटीकता के माध्यम से, मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि उस अजीब घटना के घटित होने की परिस्थितियों से कुछ भी न छूटे, जो, जब तक इसकी कोई प्राकृतिक व्याख्या सामने नहीं आती, मुझे प्रोफेसर स्टैंगर्सन के सिद्धांतों से भी बेहतर, पदार्थ के वियोजन को सिद्ध करती प्रतीत होती है - मैं तो यह भी कहूंगा, पदार्थ का तात्कालिक वियोजन।

अध्याय सोलह. पदार्थ के वियोजन की विचित्र घटना (जोसेफ रूलेटबिल की नोट-बुक से उद्धरण, जारी)
"मैं फिर से खिड़की की चौखट पर हूँ," रूलेटाबिल आगे कहता है, "और एक बार फिर अपना सिर ऊपर उठाता हूँ। पर्दों में एक छेद है, जिसकी व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हुआ है, मैं देखने के लिए तैयार हूँ, यह जानने के लिए उत्सुक हूँ कि हत्यारा किस स्थिति में मिलेगा—क्या उसकी पीठ अभी भी मेरी ओर होगी!—क्या वह अभी भी मेज पर बैठकर लिख रहा होगा! लेकिन शायद—शायद—वह अब वहाँ नहीं है!—फिर भी वह कैसे भाग सकता था?—क्या उसकी सीढ़ी मेरे पास नहीं थी? मैं खुद को शांत रखने की कोशिश करता हूँ। मैं अपना सिर और ऊपर उठाता हूँ। मैं देखता हूँ—वह अभी भी वहीं है। मैं उसकी भयानक पीठ देखता हूँ, जो मोमबत्ती की छाया से विकृत हो गई है। वह अब लिख नहीं रहा है, और मोमबत्ती लकड़ी के फर्श पर है, जिस पर वह झुका हुआ है—यह स्थिति मेरे उद्देश्य के लिए उपयुक्त है।"
मैंने अपनी सांस रोक ली। मैं सीढ़ी पर चढ़ा। मैं उसके सबसे ऊपरी पायदान पर था, और अपने बाएं हाथ से खिड़की की चौखट को पकड़ लिया। सफलता के इस निकट क्षण में, मैंने अपने दिल की धड़कन को बेतहाशा बढ़ते हुए महसूस किया। मैंने अपनी रिवॉल्वर को अपने दांतों के बीच दबा लिया। एक झटके में छलांग लगाई, और मैं खिड़की की चौखट पर पहुँच गया। लेकिन—सीढ़ी! मुझे उस पर ज़ोर से पैर रखना पड़ा था, और मेरा पैर मुश्किल से ही उससे हटा था, कि मैंने उसे अपने नीचे हिलते हुए महसूस किया। वह दीवार से टकराई और गिर गई। लेकिन, तब तक मेरे घुटने खिड़की की चौखट को छू चुके थे, और बिजली की गति से मैंने उस पर चढ़ गया।
लेकिन हत्यारा मुझसे भी ज़्यादा फुर्तीला था। उसने दीवार पर सीढ़ी की घिसटने की आवाज़ सुन ली थी, और मैंने उस आदमी की भयानक पीठ को उठते हुए देखा। मैंने उसका सिर देखा। क्या मैंने सचमुच देखा था? फर्श पर रखी मोमबत्ती की रोशनी में केवल उसके पैर ही दिख रहे थे। मेज की ऊँचाई से ऊपर का कमरा अँधेरा था। मैंने एक आदमी को देखा जिसके लंबे बाल, घनी दाढ़ी, जंगली आँखें, पीला चेहरा, बड़ी-बड़ी मूंछों से घिरा हुआ था—जितना मैं देख सका, और मुझे लगता है—लाल रंग का था। मैं उस चेहरे को नहीं पहचानता था।

संक्षेप में, धुंधली रोशनी में उस चेहरे को देखकर मुझे यही मुख्य अनुभूति हुई। मैं उसे नहीं जानता था—या कम से कम, मैं उसे पहचान नहीं पाया।
"अब तुरंत कार्रवाई का समय आ गया था! वाकई यही सही समय था, क्योंकि जैसे ही मैं खिड़की से अपने पैर अंदर डालने वाला था, उस आदमी ने मुझे देख लिया, उछलकर खड़ा हो गया, और जैसा कि मैंने पहले ही अनुमान लगा लिया था, वह कमरे के दरवाजे की ओर भागा, दरवाजा खोलने का समय मिल गया और वह भाग गया। लेकिन मैं पहले ही उसके पीछे था, हाथ में रिवाल्वर लिए, 'मदद!' चिल्ला रहा था।" मैं तीर की तरह कमरे को पार कर गया, लेकिन भागते समय मेरी नज़र मेज़ पर पड़े एक पत्र पर पड़ी। मैं लगभग उस आदमी के पास पहुँच ही गया था जो वेटिंग रूम में था, क्योंकि उसने गैलरी का दरवाज़ा खोलने में देर कर दी थी। मैं पंखों की तरह उड़ता हुआ गैलरी में उसके ठीक पीछे कुछ ही कदम की दूरी पर था। जैसा कि मैंने अनुमान लगाया था, उसने अपने दाहिनी ओर वाली गैलरी ले ली थी— यानी वह रास्ता जो उसने भागने के लिए तैयार किया था। 'मदद करो, जैक्स!—मदद करो, लार्सन!' मैं चिल्लाया। वह हमसे बच नहीं सकता था! मैंने जीत की खुशी में ज़ोर से आवाज़ लगाई। वह आदमी दोनों गैलरी के चौराहे पर मुझसे मुश्किल से दो सेकंड पहले पहुँच गया, उस मुलाकात के लिए जो मैंने तैयार की थी—वह घातक झटका जो उस जगह पर होना ही था! हम सब चौराहे की ओर दौड़े—मिस्टर स्टैंगर्सन और मैं दाहिनी गैलरी के एक छोर से, डैडी जैक्स उसी गैलरी के दूसरे छोर से, और फ्रेडरिक लार्सन 'मुड़ने वाली' गैलरी से।
"वह आदमी वहां नहीं था!"
"हम सब एक-दूसरे को मूर्खता और भयभीत आँखों से देखने लगे। वह आदमी भूत की तरह गायब हो गया था। 'वह कहाँ है—वह कहाँ है?' हम सब यही पूछ रहे थे।"
"'यह असंभव है कि वह बच निकला हो!' मैं चिल्लाई, मेरा डर मेरे गुस्से पर हावी हो गया था।"
"'मैंने उसे छुआ!' फ्रेडरिक लार्सन ने हैरानी से कहा।"
"'मुझे अपने चेहरे पर उसकी सांस महसूस हुई!' डैडी जैक्स चिल्लाए।"
"'वह कहाँ है?'—'वह कहाँ है?' हम सब चिल्लाए।"
"हम पागलों की तरह दोनों गलियारों में दौड़े; हमने दरवाजों और खिड़कियों को देखा—वे बंद थे, पूरी तरह से बंद। उन्हें खोला नहीं गया था। इसके अलावा, जिस व्यक्ति की हम तलाश कर रहे थे, उसके द्वारा बिना हमारी जानकारी

के किसी दरवाजे या खिड़की को खोलना, उसके गायब होने से भी कहीं अधिक रहस्यमय होता।"
"वह कहाँ है?—वह कहाँ है?—वह न तो दरवाजे से भाग सकता था, न खिड़की से, न ही किसी और रास्ते से। वह हमारे शरीरों के आर-पार नहीं जा सकता था!"
मैं स्वीकार करता हूँ कि उस क्षण मुझे लगा कि मैं पूरी तरह से बर्बाद हो गया हूँ। गैलरी में भरपूर रोशनी थी, और न तो दीवारों में कोई जाल था, न कोई गुप्त दरवाजा, न ही छिपने की कोई जगह। हमने कुर्सियाँ हटाईं और तस्वीरें उठाईं। कुछ नहीं! कुछ भी नहीं! अगर देखने के लिए कोई गमला होता, तो हम उसमें भी देख लेते!
जब रूलेटाबिल की बदौलत यह रहस्य स्वाभाविक रूप से सुलझ गया, केवल उनके विलक्षण दिमाग की मदद से, तब हम यह समझने में सक्षम हुए कि हत्यारा न तो दरवाजे से, न खिड़की से, न ही सीढ़ियों से भागा था - एक ऐसा तथ्य जिसे न्यायाधीश स्वीकार करने को तैयार नहीं थे।

अध्याय XVII. अकथनीय गैलरी
"मैडमोजेल स्टैंगरसन अपने प्रतीक्षालय के दरवाजे पर प्रकट हुईं," रूलेटाबिल की नोटबुक में आगे लिखा है। "हम उस गैलरी में उनके दरवाजे के पास थे जहाँ यह अविश्वसनीय घटना घटी थी। ऐसे क्षण होते हैं जब ऐसा लगता है मानो दिमाग फटने वाला हो। सिर में गोली लगना, खोपड़ी का टूटना, तर्कशक्ति का चकनाचूर हो जाना—केवल इन्हीं से मैं उस अनुभूति की तुलना कर सकता हूँ जिसने मुझे थका दिया और मेरी चेतना को पूरी तरह से नष्ट कर दिया।"
"खुशी से, मैडमोजेल स्टैंगरसन अपने प्रतीक्षालय की दहलीज पर प्रकट हुईं। मैंने उन्हें देखा, और इससे मेरे मन की अशांत अवस्था कुछ हद तक शांत हुई। मैंने उनकी सुगंध को महसूस किया—मैंने उस काली पोशाक वाली महिला की खुशबू को साँसों में समा लिया, जिसे मैं फिर कभी नहीं देख पाऊँगी। मैं उस काली पोशाक वाली महिला को एक बार फिर देखने के लिए अपने जीवन के दस साल— आधे जीवन—दे देती! अफसोस! अब मैं उनसे कभी-कभार ही मिलती हूँ,—और फिर भी! — और फिर भी! उस खुशबू की याद—जिसे केवल मैंने ही महसूस किया—मुझे मेरे

बचपन के दिनों में वापस ले जाती है।* मेरी प्रिय खुशबू से मिली उस काली पोशाक वाली महिला की इस तीखी याद ने ही मुझे उनके पास जाने के लिए प्रेरित किया—जो पूरी तरह से सफेद कपड़ों में थीं और इतनी पीली—इतनी पीली और इतनी सुंदर!—उस रहस्यमयी गैलरी की दहलीज पर। उनके सुंदर सुनहरे बाल, जो उनकी गर्दन के पीछे एक गाँठ में बंधे थे, उनकी कनपटी पर बने लाल तारे को दिखा रहे थे, जो लगभग उनकी मृत्यु का कारण बन गया था। जब मैंने पहली बार इस मामले के रहस्य को सुलझाने का सही रास्ता खोजा, तो मैंने कल्पना की थी कि त्रासदी की रात को..." पीले कमरे में, मैडमोजेल स्टैंगरसन ने अपने बालों में पट्टियाँ बाँध रखी थीं। लेकिन भला मैं इसके अलावा और क्या सोच सकती थी, जब मैं पीले कमरे में गई ही नहीं थी!
* जब मैंने ये पंक्तियाँ लिखीं, तब जोसेफ रूलेटाबिल अठारह वर्ष के थे, और उन्होंने अपनी "जवानी" के बारे में बात की थी। मैंने अपने मित्र का पाठ सुरक्षित रखा है, लेकिन मैं पाठक को यहाँ सूचित करना चाहता हूँ कि पीले कमरे के रहस्य का यह प्रसंग काली पोशाक वाली महिला के इत्र से संबंधित नहीं है। यदि मैंने जिस दस्तावेज़ का हवाला दिया है, उसमें रूलेटाबिल ने अपने बचपन का उल्लेख करना उचित समझा हो, तो इसमें मेरी कोई गलती नहीं है।

लेकिन अब, उस रहस्यमयी घटना के बाद से, मैं बिल्कुल भी सोच-विचार नहीं कर पा रही थी। मैं वहाँ मूर्ख की तरह खड़ी थी, मैडमोजेल स्टैंगरसन की उस देह के सामने—जो इतनी पीली और इतनी सुंदर थी। उन्होंने स्वप्निल सफेद रंग का गाउन पहना हुआ था। कोई उन्हें भूत समझ सकता था—एक सुंदर प्रेत। उनके पिता ने उन्हें अपनी बाहों में लिया और उन्हें प्रेम से चूमा, मानो लंबे समय बाद उन्हें वापस पा लिया हो। मैंने उनसे कुछ पूछने की हिम्मत नहीं की। वह उन्हें कमरे में ले गए और हम उनके पीछे-पीछे गए—क्योंकि हमें जानना ही था! — बेडरूम का दरवाजा खुला था। दोनों नर्सों के भयभीत चेहरे हमारी ओर मुड़े हुए थे। मैडमोजेल स्टैंगरसन ने इस सारी हलचल का कारण पूछा। उनका अपने कमरे में न होना आसानी से समझाया जा सकता था—बिल्कुल आसानी से। उस रात उनका मन अपने कमरे में नहीं, बल्कि अपनी नर्सों के साथ बेडरूम में सोने का था, और उन्होंने दरवाजा बंद कर लिया था। अपराध की रात से ही उन्हें आतंक का अनुभव हो रहा था, और उन पर डर हावी हो गया था कि इन्हें आसानी से समझा जा सकता है। लेकिन कौन कल्पना कर सकता था कि जिस रात उसे आना था, उसी रात वह महज़ संयोग से अपनी सहेलियों के साथ कमरे में बंद हो जाएगी? कौन सोच सकता था कि वह अपने पिता की ड्राइंग रूम में सोने की इच्छा के विरुद्ध काम करेगी? कौन विश्वास कर सकता था कि जो पत्र कुछ ही देर पहले उसके कमरे की मेज़ पर था, वह

अब वहाँ नहीं होगा? जो यह सब समझ सकता था, उसे यह मानना ही होगा कि मैडमोजेल स्टैंगरसन जानती थी कि हत्यारा आ रहा है—वह उसे दोबारा आने से नहीं रोक सकती थी—उसके पिता को पता नहीं था, रॉबर्ट डार्ज़ैक के अलावा किसी को पता नहीं था। क्योंकि अब तो उसे पता चल ही गया होगा—शायद उसे पहले भी पता था! क्या उसे एलिसी गार्डन में कही गई वह बात याद थी: 'क्या तुम्हें पाने के लिए मुझे कोई अपराध करना पड़ेगा?' किसके विरुद्ध अपराध, अगर बाधा के विरुद्ध नहीं तो हत्यारे के विरुद्ध? 'आह, मैं उसे अपने हाथों मार डालूँगा!' और मैंने उत्तर दिया, 'आपने मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं दिया।' यह बिलकुल सच था। दरअसल, श्री डार्ज़ैक हत्यारे को इतनी अच्छी तरह जानते थे कि— हालांकि वे खुद उसे मारना चाहते थे—उन्हें डर था कि कहीं मैं उसे ढूंढ न लूं। उन्होंने मेरी जांच में मेरी मदद की, इसके दो ही कारण हो सकते थे। पहला, क्योंकि मैंने उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया था; और दूसरा, क्योंकि इससे वह बेहतर तरीके से सुरक्षित रहेंगी।
मैं उसके कमरे में हूँ। मैं उसे देखता हूँ, और उस जगह को भी जहाँ अभी-अभी चिट्ठी थी। उसने उसे ले लिया है; ज़ाहिर है, वह उसके लिए ही थी—स्पष्ट रूप से। वह कितनी काँप रही है!—अपने पिता द्वारा सुनाई जा रही उस अजीब कहानी से काँप रही है, जिसमें हत्यारे के उसके कमरे में होने और पीछा किए जाने की बात है। लेकिन यह साफ़ देखा जा सकता है कि जब तक उसे यह नहीं बताया जाता कि हत्यारा किसी समझ से परे तरीके से हमसे बच निकलने में कामयाब हो गया है, तब तक वह दिए गए आश्वासन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं है।
फिर सन्नाटा छा गया। कैसा सन्नाटा! हम सब वहीं थे—उसे देख रहे थे—उसके पिता, लार्सन, डैडी जैक्स और मैं। उस सन्नाटे में हम सब क्या सोच रहे थे? उस रात की घटनाओं के बाद, उस रहस्यमयी गैलरी के बाद, उसके कमरे में हत्यारे की मौजूदगी के उस चौंकाने वाले तथ्य के बाद, मुझे लगा कि हमारे सारे विचार उन शब्दों में समाहित हो गए थे जो उससे कहे गए थे। 'तुम जो इस रहस्य को जानती हो, हमें समझाओ, और शायद हम तुम्हें बचा सकें।' मैं उसे बचाने के लिए कितना तड़प रहा था—उसके लिए, और उस दूसरे से!—यह सोचकर मेरी आँखों में आंसू आ गए।
"वह वहीं है, काले वस्त्र वाली महिला की सुगंध बिखेरती हुई। आखिरकार, मैं उसे उसके कमरे की खामोशी में देख पा रहा हूँ। पीले कमरे के रहस्य के उस घातक क्षण से, हम इस अदृश्य और मौन स्त्री के आसपास मंडरा रहे हैं, यह

जानने के लिए कि वह क्या जानती है। हमारी इच्छाएँ, जानने की हमारी लालसा उसके लिए पीड़ादायक होगी। कौन कह सकता है कि, यदि हम उसके रहस्य का राज जान लें, तो यह यहाँ पहले से घटित त्रासदी से भी अधिक भयानक त्रासदी को जन्म नहीं देगा? कौन कह सकता है कि इसका अर्थ उसकी मृत्यु न हो? फिर भी यह उसे मृत्यु के करीब ले आया था, और हम अभी भी कुछ नहीं जानते। या, यूँ कहें कि, हममें से कुछ ऐसे हैं जो कुछ नहीं जानते। लेकिन मैं—अगर मुझे पता होता कि कौन है, तो मुझे सब पता चल जाता। कौन?—कौन?—यह न जानते हुए कि कौन है, मुझे उस पर दया करके चुप रहना होगा। क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह जानती है कि वह पीले कमरे से कैसे भागा, और फिर भी वह इस रहस्य को छुपाए रखती है। जब मुझे पता चलेगा कि कौन है, तो मैं उससे बात करूँगा—उससे!"
अब वह हमारी ओर देख रही थी—उसकी आँखों में एक खोई हुई सी नज़र थी—जैसे हम कमरे में मौजूद ही न हों। श्री स्टैंगरसन ने चुप्पी तोड़ी। उन्होंने ऐलान किया कि अब से वह अपनी बेटी के कमरे से कभी अनुपस्थित नहीं रहेंगे। बेटी ने उनका विरोध करने की व्यर्थ कोशिश की। वह अपने इरादे पर अडिग रहे। उन्होंने कहा कि वह आज रात वहीं ठहरेंगे। अपनी बेटी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित, उन्होंने उसे बिस्तर छोड़ने के लिए फटकारा। फिर अचानक वह उससे ऐसे बात करने लगे जैसे वह कोई छोटी बच्ची हो। वह उस पर मुस्कुराए और ऐसा लगा जैसे उन्हें पता ही न हो कि वह क्या कह रहे हैं या क्या कर रहे हैं। उस प्रतिष्ठित प्रोफेसर का दिमाग खराब हो गया था। मैडमोजेल स्टैंगरसन ने कोमल पीड़ा भरे स्वर में कहा: 'पिताजी!—पिताजी!' पिताजी जैक्स ने अपनी नाक पोंछी, और फ्रेडरिक लार्सन को भी अपनी भावनाओं को छिपाने के लिए मुँह फेरना पड़ा। मैं खुद न तो सोच पा रहा था और न ही कुछ महसूस कर पा रहा था। मुझे अपने आप पर असीम घृणा का भाव आ रहा था।
"येलो रूम में हुए हमले के बाद, फ्रेडरिक लार्सन और मेरी ही तरह, पहली बार मैडमोजेल स्टैंगरसन आमने-सामने आए थे। मेरी तरह, उन्होंने भी उस अभागी महिला से पूछताछ करने की ज़िद की थी; लेकिन उन्हें भी, मेरी ही तरह, अनुमति नहीं दी गई थी। उन्हें भी, और मुझे भी, हमेशा एक ही जवाब दिया जाता था: मैडमोजेल स्टैंगरसन हमसे मिलने के लिए बहुत कमज़ोर थीं। जांच मजिस्ट्रेट की पूछताछ ने उन्हें बहुत थका दिया था। स्पष्ट रूप से उनका इरादा हमें हमारी जांच में कोई सहायता न देना था। मुझे आश्चर्य नहीं हुआ; लेकिन

फ्रेडरिक लार्सन को हमेशा से यह व्यवहार बुरा लगता था। यह सच है कि अपराध के बारे में हम दोनों की अलग-अलग राय थी।"
मैं अब भी अपने दिल की गहराइयों से यही दोहराता रहता हूँ: 'उसे बचाओ!—उसे बचाओ, बिना उसके बोले!' वह कौन है—हत्यारा? उसे पकड़ो और उसका मुँह बंद कर दो। लेकिन श्री डार्ज़ैक ने स्पष्ट कर दिया कि उसका मुँह बंद करने के लिए उसे मारना होगा। क्या मुझे मैडमोजेल स्टैंगर्सन के हत्यारे को मारने का अधिकार है? नहीं, मुझे नहीं था। लेकिन काश वह मुझे मौका दे देता! मुझे पता लगाने दो कि क्या वह सचमुच हाड़-मांस का प्राणी है!—मुझे उसका शव देखने दो, क्योंकि उसे जीवित नहीं पकड़ा जा सकता।
"काश मैं इस औरत को, जो हमारी तरफ देखती तक नहीं, समझा पाती! वह अपने डर और अपने पिता की मानसिक पीड़ा में डूबी हुई है। और मैं उसे बचाने के लिए कुछ नहीं कर सकती। हाँ, मैं एक बार फिर काम पर जाऊंगी और चमत्कार कर दिखाऊंगी।" मैं उसकी ओर बढ़ा। मैं उससे बात करना चाहता था। मैं उससे मुझ पर भरोसा रखने की विनती करता। मैं संक्षेप में, उसे समझाना चाहता था—केवल उसे—कि मुझे पता है कि हत्यारा पीले कमरे से कैसे भागा—कि मैंने उसके रहस्य के पीछे के मकसद का अनुमान लगा लिया है—और मैं दिल से उस पर तरस खाता हूँ। लेकिन उसके हाव-भाव से उसने हमें उसे अकेला छोड़ने की विनती की, थकान और तुरंत आराम की ज़रूरत ज़ाहिर की। श्री स्टैंगर्सन ने हमें अपने कमरों में वापस जाने के लिए कहा और धन्यवाद दिया। फ्रेडरिक लार्सन और मैंने उन्हें प्रणाम किया और डैडी जैक्स के साथ हम गैलरी में वापस आ गए। मैंने लार्सन को धीरे से कहते सुना: 'अजीब! अजीब!' उसने मुझे अपने कमरे में साथ चलने का इशारा किया। दहलीज पर पहुँचकर वह डैडी जैक्स की ओर मुड़ा।
"'क्या तुमने उसे स्पष्ट रूप से देखा?' उसने पूछा।"
"'कौन?'
"'मनुष्य?'
"'उसे देखा! - अरे वाह, उसकी बड़ी लाल दाढ़ी और लाल बाल थे।'"
मैंने कहा, "वह मुझे ऐसा ही दिखाई दिया।"
"'और मेरे लिए,' लार्सन ने कहा।
"महान फ्रेड और मैं अब इस मामले पर चर्चा करने के लिए उनके कमरे में अकेले थे। हमने एक घंटे तक इस मामले पर विचार-विमर्श किया और हर पहलू से इसका विश्लेषण किया। उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों और उनके द्वारा दिए गए

स्पष्टीकरण से मुझे यह स्पष्ट हो गया है कि - हमारी सभी इंद्रियों के बावजूद - उन्हें पूरा विश्वास है कि वह व्यक्ति महल के किसी गुप्त मार्ग से गायब हो गया है, जिसके बारे में केवल उन्हें ही पता है।"
उन्होंने मुझसे कहा, "'वह महल को जानता है; वह इसे अच्छी तरह जानता है।'" "'वह काफी लंबा आदमी है—अच्छी कद-काठी का है,' मैंने सुझाव दिया।"
"'वह जितना लंबा होना चाहता है, उतना लंबा है,' फ्रेड ने धीरे से कहा।" मैंने कहा, "मैं समझ गया; लेकिन आप उसके लाल बालों और दाढ़ी का कारण कैसे बताएंगे?"
"'बहुत ज्यादा दाढ़ी—बहुत ज्यादा बाल—झूठे हैं,' फ्रेड कहते हैं।"
"'यह कहना तो आसान है। आप हमेशा रॉबर्ट डार्ज़ैक के बारे में सोचते रहते हैं। क्या आप उस विचार से छुटकारा नहीं पा सकते? मुझे पूरा यकीन है कि वह निर्दोष है।'"
"यह तो और भी अच्छा है। मुझे उम्मीद है ऐसा ही हो; लेकिन सब कुछ उसे दोषी ठहराता है। क्या आपने कालीन पर निशान देखे?—आओ और उन्हें देखो।"
"'मैंने उन्हें देखा है; वे साफ-सुथरे जूतों के निशान हैं, ठीक वैसे ही जैसे हमने झील के किनारे देखे थे।'"
"'क्या आप इस बात से इनकार कर सकते हैं कि वे रॉबर्ट डार्ज़ैक के हैं?'" "'बेशक, कोई गलती कर सकता है।'"
"'क्या आपने ध्यान दिया है कि वे पदचिह्न केवल एक ही दिशा में जाते हैं?— कि उनके पीछे लौटने के कोई निशान नहीं हैं? जब वह व्यक्ति कमरे से बाहर आया, और हम सब उसका पीछा कर रहे थे, तो उसके पदचिह्नों ने कोई निशान नहीं छोड़ा।'
"'वह शायद घंटों से उस कमरे में था। उसके जूतों से कीचड़ सूख चुका था, और वह अपने पैर की उंगलियों के बल इतनी तेज़ी से चल रहा था - हमने उसे दौड़ते हुए देखा, लेकिन हमें उसके कदमों की आवाज़ सुनाई नहीं दी।'
"मैंने अचानक इस निरर्थक बकवास को रोक दिया—जो किसी भी तर्क से रहित थी— और लार्सन को सुनने का इशारा किया।"
"'वहाँ—नीचे; कोई दरवाजा बंद कर रहा है।'"
मैं उठता हूँ; लार्सन मेरे पीछे आता है; हम महल के भूतल पर उतरते हैं। मैं उसे उस छोटे से अर्धवृत्ताकार कमरे में ले जाता हूँ जो छज्जे के नीचे, 'ऑफ-टर्निंग' गैलरी की खिड़की के नीचे स्थित है। मैं उस दरवाजे की ओर इशारा

करता हूँ, जो अब बंद है, कुछ समय पहले खुला था, जिसके नीचे से प्रकाश की एक किरण दिखाई दे रही है।
"'वन रक्षक!' फ्रेड कहता है।"
"'चलो!' मैं फुसफुसाती हूँ।"
"पता नहीं क्यों, मैं यह मानने को तैयार था कि चौकीदार ही दोषी है—मैं दरवाजे पर गया और उस पर जोर से दस्तक दी। कुछ लोग सोच सकते हैं कि चौकीदार के बारे में सोचने में हमें कुछ देर हो गई, क्योंकि हत्यारे के गैलरी से भाग जाने का पता चलने के बाद हमारा पहला काम तो महल के चारों ओर, पार्क में हर जगह तलाशी लेना होना चाहिए था—"
"अगर उस समय यह आलोचना की गई होती, तो हम केवल यही जवाब दे सकते थे कि हत्यारा गैलरी से इस तरह गायब हो गया था कि हमें लगा कि वह अब कहीं नहीं है! वह हमसे तब बच निकला जब हम सभी उसे पकड़ने के लिए हाथ फैलाए तैयार थे—जब हम लगभग उसे छू ही रहे थे। उस रात के रहस्य को सुलझाने की हमारी कोई उम्मीद नहीं बची थी।"
जैसे ही मैंने दरवाजे पर दस्तक दी, वह खुल गया और चौकीदार ने धीरे से हमसे पूछा कि हमें क्या चाहिए। वह कपड़े उतार चुका था और सोने की तैयारी कर रहा था। बिस्तर अभी तक अपनी जगह से नहीं हिला था।
"हम अंदर गए और मैंने हैरानी जताने का नाटक किया।"
"'अभी तक सोए नहीं हो?'"
"'नहीं,' उसने रूखेपन से जवाब दिया। 'मैं पार्क और जंगल का चक्कर लगा रहा था। मैं अभी-अभी लौटा हूँ—और मुझे नींद आ रही है। शुभ रात्रि!'"
मैंने कहा, "सुनो। लगभग एक घंटे पहले तुम्हारी खिड़की के पास एक सीढ़ी थी।" "'कौन सी सीढ़ी?—मुझे तो कोई सीढ़ी नहीं दिखी। शुभ रात्रि!'"
"और उसने हमें कमरे से बाहर निकाल दिया। जब हम बाहर थे तो मैंने लार्सन की तरफ देखा। उसका चेहरा भावहीन था।"
"'तो?' मैंने कहा।"
"'तो?' उसने दोहराया।"
"'क्या इससे आपके लिए कोई नया दृष्टिकोण खुलता है?'"
लार्सन के चिड़चिड़े स्वभाव में कोई संदेह नहीं था। महल में दोबारा प्रवेश करते ही मैंने उसे बड़बड़ाते हुए सुना:

"'यह बहुत अजीब होगा—बहुत ही अजीब—अगर मैंने उस मामले में खुद को धोखा दिया होता!'"
"ऐसा लग रहा था जैसे वह मुझसे बात कर रहा हो, न कि खुद से। उसने आगे कहा, 'खैर, हमें जल्द ही पता चल जाएगा कि क्या सोचना है। सुबह अपने साथ रोशनी लेकर आएगी।'"

अध्याय 18 वीं। रूलेटाबिल ने अपने माथे पर उभरे दो हिस्सों के बीच एक वृत्त खींचा है।
(जोसेफ रूलेटबिल की नोट-बुक से उद्धरण, जारी)
"हम अपने कमरों की दहलीज पर उदास भाव से हाथ मिलाकर अलग हो गए। मुझे खुशी थी कि मैंने उसके मन में गलती का संदेह जगा दिया था। उसका दिमाग विलक्षण था, बहुत बुद्धिमान था लेकिन—तरीकेहीन था। मैं सोने नहीं गया। मैंने सुबह होने का इंतजार किया और फिर महल के सामने गया, और चक्कर लगाते हुए, उसकी ओर आने या उससे जाने वाले हर पदचिह्न की जाँच की। हालाँकि, ये इतने मिले-जुले और उलझे हुए थे कि मैं उन्हें समझ नहीं पाया। यहाँ मैं एक बात कहना चाहूँगा—मैं अपराध के निशानों को ज़रूरत से ज़्यादा महत्व देने का आदी नहीं हूँ।"
"अपराधी का पता लगाने के लिए उसके पदचिह्नों का उपयोग करने की विधि पूरी तरह से आदिम है। बहुत से पदचिह्न एक जैसे होते हैं। हालांकि, मन की अशांत अवस्था में, मैं सुनसान अदालत में गया और वहां मिले सभी पदचिह्नों को ध्यान से देखा, ताकि कोई सुराग मिल सके, जिससे तर्क करने का आधार बन सके।" "काश मुझे कोई सही शुरुआती बिंदु मिल जाता! निराशा में मैं एक पत्थर पर बैठ गया। एक घंटे से अधिक समय तक मैं एक पुलिसकर्मी के सामान्य, साधारण काम में लगा रहा। सबसे कम बुद्धिमान जासूस की तरह मैं पैरों के निशानों का अंधाधुंध पीछा करता रहा, जो मुझे बस उतना ही बता रहे थे जितना वे बता सकते थे।"
मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि मैं मूर्ख हूँ, आधुनिक उपन्यासकारों के पुलिसकर्मियों से भी कम बुद्धिमान। उपन्यासकार रेत पर एक पदचिह्न या दीवार पर हाथ के निशान से मूर्खता के पहाड़ बना देते हैं। इसी तरह निर्दोष लोगों को जेल भेजा जाता है। यह शायद किसी जांच मजिस्ट्रेट या जासूस विभाग के प्रमुख को यकीन दिला दे, लेकिन यह सबूत नहीं है। आप लेखक भूल जाते हैं कि इंद्रियों से प्राप्त जानकारी सबूत नहीं होती। यदि मैं अपनी इंद्रियों द्वारा दी गई जानकारी को ध्यान में रख रहा हूँ, तो केवल परिणामों को अपनी तर्कशक्ति के दायरे में लाने के लिए। वह दायरा भले ही कितना भी सीमित क्यों न हो, लेकिन अगर ऐसा है, तो इसका यह लाभ है—इसमें सत्य के सिवा कुछ नहीं होता! हाँ, मैं कसम खाता हूँ कि मैंने इंद्रियों के प्रमाणों का

उपयोग कभी भी अपनी तर्कशक्ति के सेवक के रूप में ही किया है। मैंने उन्हें कभी भी अपना स्वामी नहीं बनने दिया। उन्होंने मुझे वह भयानक प्राणी नहीं बनाया—एक अंधे से भी बदतर—एक ऐसा व्यक्ति जो गलत देखता है। और इसीलिए मैं आपकी गलती और आपकी मात्र पशुवत बुद्धि पर विजय प्राप्त कर सकता हूँ, फ्रेडरिक लार्सन।
"तो हिम्मत रखो, मेरे दोस्त रूलेटाबिल; यह असंभव है कि इस रहस्यमय घटना का रहस्य तुम्हारी समझ से परे हो। तुम यह जानते हो! इसलिए विश्वास रखो, सोच-विचार करो और यह मत भूलो कि तुमने सही दिशा पकड़ी थी जब तुमने अपने दिमाग में वह दायरा बनाया था जिसके भीतर तुम परिस्थितियों के इस रहस्यमय खेल को सुलझा सकते हो।"
"फिर से वही! गैलरी में वापस जाओ। अपनी बुद्धि के बल पर डटे रहो और वहीं आराम करो जैसे फ्रेडरिक लार्सन अपनी छड़ी पर आराम करते हैं। तब तुम जल्द ही साबित कर दोगे कि महान फ्रेड एक मूर्ख के सिवा कुछ नहीं है।"
— 30 अक्टूबर। दोपहर।
जोसेफ रूलेटबिल।"
"मैंने अपनी योजना के अनुसार कार्य किया। मेरा दिमाग आग की लपटों में घिरा हुआ था, मैं वापस गैलरी की ओर लौटा, और पिछली रात जो देखा था उससे अधिक कुछ भी न मिलने के बावजूद, मेरी तर्कशक्ति की मजबूत पकड़ ने मुझे किसी ऐसी महत्वपूर्ण चीज की ओर खींच लिया कि मुझे खुद को गिरने से बचाने के लिए उससे चिपके रहना पड़ा।"
अब मुझे अपनी सोच के अनुरूप सार्थक सुराग खोजने के लिए ताकत और धैर्य की जरूरत है—और ये सुराग मेरे माथे पर मौजूद दो उभारों के बीच खींचे गए घेरे के भीतर ही आने चाहिए!
— 30 अक्टूबर। आधी रात।
"जोसेफ रूलेटबिल।"

अध्याय XIX. रूलेटाबिल मुझे डोनजॉन सराय में नाश्ते के लिए आमंत्रित करता है
बाद में ही रूलेटाबिल ने मुझे वह नोटबुक भेजी जिसमें उन्होंने रहस्यमय गैलरी की घटना का विस्तृत वर्णन लिखा था। जिस दिन मैं ग्लैंडियर पहुंचा और उनके कमरे में उनसे मिला, उन्होंने मुझे अत्यंत विस्तार से वह सब कुछ बताया जो मैंने अब बताया है, साथ ही यह भी बताया कि उन्होंने पेरिस में कई घंटे बिताए थे जहाँ उन्हें कुछ भी ऐसा नहीं मिला जो उनके लिए उपयोगी हो सके।
रहस्यमय गैलरी की घटना 29 और 30 अक्टूबर की रात के बीच घटी थी, यानी महल में मेरी वापसी से तीन दिन पहले। 2 नवंबर को, मैं अपने मित्र के टेलीग्राम के आह्वान पर ग्लैंडियर वापस गया और अपने साथ रिवाल्वर ले गया।
मैं इस समय रूलेटाबिल के कमरे में हूँ और उन्होंने अपना संगीत कार्यक्रम समाप्त कर लिया है।
जब वह मुझे कहानी सुना रहा था, मैंने देखा कि वह लगातार साइड टेबल पर मिले चश्मे के शीशे को रगड़ रहा था। उसे चश्मे को छूने में जो आनंद आ रहा था, उससे मुझे लगा कि वह उन ठोस सबूतों में से एक होगा जो उसकी बुद्धि के सही दायरे में प्रवेश करने के लिए नियत हैं। अपने विचारों को अद्भुत रूप से सटीक शब्दों में व्यक्त करने का उसका वह अनोखा और विचित्र तरीका अब मुझे आश्चर्यचकित नहीं करता था। उसके द्वारा प्रयुक्त शब्दों को समझने के लिए अक्सर उसके विचारों को जानना आवश्यक होता था; और रूलेटाबिल की सोच को समझना आसान नहीं था।
इस लड़के का दिमाग मेरी अब तक की देखी सबसे अनोखी चीजों में से एक था। रूलेटाबिल दूसरों में पैदा हो रहे आश्चर्य और हैरानी की परवाह किए बिना, अपनी राह पर बेफिक्र होकर चलता रहा। मुझे यकीन है कि उसे खुद भी अपनी प्रतिभा की मौलिकता का जरा भी एहसास नहीं था। वह जहां भी होता, सहज और स्वाभाविक रहता था।
अपना गायन समाप्त करने के बाद उन्होंने मुझसे पूछा कि मुझे यह कैसा लगा। मैंने उत्तर दिया कि मैं उनके प्रश्न से बहुत हैरान हूँ। तब उन्होंने मुझसे विनती की कि मैं भी अपनी बुद्धि को सही ढंग से नियंत्रित करने का प्रयास करूँ।

"बहुत खूब," मैंने कहा। "मुझे लगता है कि मेरी तर्कशक्ति का शुरुआती बिंदु यह होगा—इसमें कोई संदेह नहीं है कि जिस हत्यारे का आपने पीछा किया वह गैलरी में मौजूद था।" मैं थोड़ी देर रुका।
“इतनी अच्छी शुरुआत के बाद, आपको इतनी जल्दी रुकना नहीं चाहिए,” उन्होंने उत्साह से कहा। “आइए, एक और प्रयास कीजिए।”
"मैं कोशिश करूंगा। चूंकि वह किसी दरवाजे या खिड़की से गुजरे बिना गैलरी से गायब हो गया, इसलिए वह किसी अन्य रास्ते से भाग निकला होगा।" रूलेटाबिल ने दया भरी नजरों से मेरी ओर देखा, लापरवाही से मुस्कुराया और टिप्पणी की कि मैं एक डाकिया की तरह या फ्रेडरिक लार्सन की तरह तर्क कर रहा था।
रूलेटाबिल महान फ्रेड के प्रति कभी प्रशंसा तो कभी तिरस्कार का भाव रखते थे। यह सब इस बात पर निर्भर करता था कि लार्सन की खोजें रूलेटाबिल के तर्क से मेल खाती हैं या नहीं। जब वे मेल खातीं तो वे कहते, "वह सचमुच महान हैं!" और जब वे मेल नहीं खातीं तो वे बड़बड़ाते, "कितना मूर्ख है!" यह इस विचित्र युवक के महान चरित्र का एक तुच्छ पहलू था।
हम उठे और वह मुझे पार्क में ले गया। जब हम प्रांगण में पहुँचे और द्वार की ओर बढ़ रहे थे, तो दीवार से टकराते हुए पर्दों की आवाज़ सुनकर हमने अपना सिर घुमाया और महल की पहली मंजिल की एक खिड़की पर हमने एक ऐसे व्यक्ति का लाल और साफ दाढ़ी वाला चेहरा देखा जिसे मैं पहचानता नहीं था।
"हैलो!" रूलेटाबिल ने बुदबुदाया। "आर्थर रैंस!"—उसने अपना सिर नीचे किया, अपनी चाल तेज़ की, और मैंने उसे दांतों के बीच से खुद से पूछते सुना: "क्या वह उस रात महल में था? वह यहाँ क्या कर रहा है?"
हम महल से कुछ दूर चले गए थे जब मैंने उनसे पूछा कि यह आर्थर रैंस कौन है और वह उन्हें कैसे जानते हैं। उन्होंने उस सुबह की अपनी कहानी सुनाई और मुझे याद आया कि श्री आर्थर डब्ल्यू रैंस फिलाडेल्फिया के वही अमेरिकी थे जिनके साथ उन्होंने एलिसी रिसेप्शन में खूब शराब पी थी।
"लेकिन क्या उन्हें लगभग तुरंत ही फ्रांस छोड़ देना चाहिए था?" मैंने पूछा।
"निस्संदेह; इसीलिए मुझे आश्चर्य है कि वह अभी भी यहाँ है, और न केवल फ्रांस में, बल्कि सबसे बढ़कर ग्लैंडियर में। वह आज सुबह नहीं आया; और वह

कल रात भी नहीं पहुँचा। उसे खाने से पहले यहाँ पहुँच जाना चाहिए था। मुझे चौकीदारों ने क्यों नहीं बताया?"
मैंने अपने दोस्त को चौकीदारों के संदर्भ में याद दिलाया कि उसने अभी तक मुझे यह नहीं बताया था कि किस कारण से उसने उन्हें मुक्त कराया था।
हम उनके लॉज के पास ही थे। श्रीमान और श्रीमती बर्नियर ने हमें आते हुए देख लिया। उनके प्रसन्न चेहरों पर एक स्पष्ट मुस्कान खिल उठी। ऐसा प्रतीत हुआ कि उन्हें अपनी देरी के कारण कोई दुर्भावना नहीं थी। मेरे युवा मित्र ने उनसे पूछा कि श्रीमान आर्थर रैंस किस समय आए थे। उन्होंने उत्तर दिया कि उन्हें पता नहीं था कि वे महल में हैं। वे पिछली रात को ही आए होंगे, लेकिन उन्हें उनके लिए द्वार खोलने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि वे पैदल यात्रा के शौकीन थे और नहीं चाहते थे कि उन्हें लेने के लिए कोई गाड़ी भेजी जाए, इसलिए वे सेंट-मिशेल नामक छोटे से गाँव में उतर जाते थे, जहाँ से वे जंगल के रास्ते महल तक आते थे। वे सेंट-जेनेवीव की गुफा से होते हुए पार्क पहुँचे, जिसके छोटे से द्वार से होकर वे पार्क में प्रवेश कर गए।
जब चौकीदार बोल रहे थे, मैंने रूलेटाबिल के चेहरे पर निराशा के भाव देखे— निस्संदेह, यह निराशा स्वयं से थी। जाहिर तौर पर वह थोड़ा परेशान था, क्योंकि उसने ग्लैंडियर में लोगों और घटनाओं का इतनी बारीकी से अध्ययन करते हुए इतना समय बिताया था, और अब उसे पता चला कि आर्थर रैंस महल में अक्सर आते थे।
"आप कहते हैं कि महाशय आर्थर रैंस महल में अक्सर आते रहते हैं। वे आखिरी बार यहां कब आए थे?"
"हम आपको ठीक-ठीक नहीं बता सकते," मैडम बर्नियर ने जवाब दिया—यह दरबान का नाम था—"जब तक वे हमें कैद में रखे हुए हैं, तब तक हम जान ही नहीं सकते। इसके अलावा, चूंकि सज्जन हमारे द्वार से गुजरे बिना महल में आते हैं, इसलिए वे जिस रास्ते से आते हैं उसी रास्ते से वापस चले जाते हैं।"
"क्या आपको पता है कि वह पहली बार कब आया था?"
"जी हां, महोदय! नौ साल पहले।"
"वह नौ साल पहले फ्रांस में था," रूलेटाबिल ने कहा, "और तब से, जहाँ तक आपको पता है, वह कितनी बार ग्लैंडियर में आया है?"
"तीन बार।"
"आपकी जानकारी के अनुसार, वह आखिरी बार कब आया था?"

"येलो रूम में हमले के प्रयास से एक सप्ताह पहले।"
रूलेटाबिल ने एक और सवाल पूछा—इस बार विशेष रूप से उस महिला को संबोधित करते हुए:
"लकड़ी के फर्श के झुरमुट में?"
"लकड़ी के फर्श वाले बगीचे में," उसने उत्तर दिया।
"धन्यवाद!" रूलेटाबिल ने कहा। "आज शाम मेरे लिए तैयार रहना।"
उसने होठों पर उंगली रखकर अंतिम शब्द कहे, मानो वह मौन और विवेक का आदेश दे रहा हो।
हमने पार्क छोड़ दिया और डोनजॉन इन की ओर जाने वाला रास्ता पकड़ लिया। "क्या आप अक्सर यहाँ खाना खाते हैं?"
"कभी-कभी।"
"लेकिन आप अपना भोजन भी महल में ही करते हैं?"
"हां, लार्सन और मुझे कभी-कभी हमारे ही एक कमरे में खाना परोसा जाता है।" "क्या महाशय स्टैंगरसन ने आपको कभी अपने यहाँ भोजन करने के लिए आमंत्रित नहीं किया है?"
"कभी नहीं।"
"क्या महल में आपकी उपस्थिति उन्हें नापसंद है?"
"मुझे नहीं पता; लेकिन, किसी भी हालत में, वह हमें यह महसूस नहीं कराता कि हम उसके रास्ते में बाधा हैं।"
"क्या वह आपसे सवाल नहीं करता?"
"बिल्कुल नहीं। उसकी मानसिक स्थिति वैसी ही है जैसी उस समय थी जब उसकी बेटी की हत्या हो रही थी और उसने 'द येलो रूम' के दरवाजे पर दरवाजा तोड़कर खोला था, लेकिन उसे हत्यारा नहीं मिला। चूंकि उसे कुछ भी नहीं मिला, इसलिए उसे पूरा यकीन है कि हम उससे ज्यादा कुछ नहीं खोज पाएंगे। लेकिन लार्सन द्वारा अपना सिद्धांत व्यक्त करने के बाद से उसने यह तय कर लिया है कि वह हमारा विरोध नहीं करेगा।"
रूलेटाबिल कुछ देर के लिए फिर से सोच में डूब गया। बाद में जब वह होश में आया तो उसने मुझे बताया कि उसने दोनों चौकीदारों को कैसे रिहा किया।
"मैं हाल ही में श्री स्टैंगर्सन से मिलने गया था और अपने साथ एक कागज़ का टुकड़ा ले गया था जिस पर लिखा था: 'मैं वादा करता हूँ, चाहे दूसरे कुछ भी कहें, मैं अपने दो वफादार नौकरों, बर्नियर और उसकी पत्नी को अपनी सेवा में

रखूँगा।' मैंने उन्हें समझाया कि उस दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करके वे मुझे उन दोनों को सच बोलने के लिए मजबूर करने में सक्षम बना देंगे; और मैंने अपराध में उनकी किसी भी भूमिका के लिए अपनी निर्दोषता का आश्वासन दिया। उनकी भी यही राय थी। हस्ताक्षर होने के बाद, जांच मजिस्ट्रेट ने दस्तावेज़ बर्नियर दंपति को प्रस्तुत किया, जिन्होंने तब बात की। उन्होंने वही कहा जो मुझे पूरा यकीन था कि वे कहेंगे, जैसे ही उन्हें यकीन हो जाएगा कि वे अपनी जगह नहीं खोएंगे।"
उन्होंने मिस्टर स्टैंगर्सन की जागीरों में अवैध शिकार करने की बात कबूल की, और अपराध की रात, जब वे अवैध शिकार कर रहे थे, उसी समय वे मंडप से कुछ ही दूरी पर उस घटना के समय पाए गए जब यह जघन्य अपराध हुआ था। उन्होंने कुछ खरगोश पकड़े और उन्हें डोंजॉन इन के मालिक को बेच दिया, जिसने उन्हें अपने ग्राहकों को परोसा या पेरिस भेज दिया। यही सच था, जैसा कि मैंने शुरू से ही अनुमान लगा लिया था। क्या आपको याद है कि डोंजॉन इन में प्रवेश करते समय मैंने क्या कहा था? - 'हमें अब लाल मांस खाना पड़ेगा!' ये शब्द मैंने उसी सुबह सुने थे जब हम पार्क के गेट पर पहुँचे थे। आपने भी उन्हें सुना था, लेकिन आपने उन पर कोई ध्यान नहीं दिया। आपको याद होगा, जब हम पार्क के गेट पर पहुँचे, तो हम एक आदमी को देखने के लिए रुके जो दीवार के किनारे दौड़ रहा था और हर मिनट अपनी घड़ी देख रहा था। वह लार्सन था। खैर, हमारे पीछे डोंजॉन इन का मालिक अपने दरवाजे पर खड़ा था और उसने अंदर किसी से कहा: 'हमें अब लाल मांस खाना पड़ेगा।'
"वह 'अब' क्यों? जब आप, मेरी तरह, किसी छिपे हुए रहस्य की खोज में होते हैं, तो आप कुछ भी अनदेखा नहीं कर सकते। आपको हर बात का अर्थ जानना होता है। हम देश के एक ऐसे सुनसान इलाके में आ गए थे जहाँ एक अपराध ने सब कुछ तहस-नहस कर दिया था, और मेरी बुद्धि ने मुझे उस दिन की घटना से संबंधित हर वाक्यांश पर संदेह करने के लिए प्रेरित किया। 'अब' का अर्थ मैंने 'उस अत्याचार के बाद से' समझा। इसलिए, अपनी जाँच-पड़ताल के दौरान, मैंने उस वाक्यांश और त्रासदी के बीच संबंध खोजने की कोशिश की। हम नाश्ते के लिए डोनजॉन इन गए; मैंने वह वाक्यांश दोहराया और डैडी मैथ्यू के चेहरे पर आश्चर्य और परेशानी देखकर समझ गया कि मैंने उसके महत्व को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताया था।
मुझे अभी-अभी पता चला था कि चौकीदारों को गिरफ्तार कर लिया गया है। डैडी मैथ्यू उनके बारे में ऐसे बात कर रहे थे जैसे वे उनके प्यारे दोस्त हों—

ऐसे लोग जिनके लिए अफ़सोस होता है। मैंने मन ही मन सोचा, ये विचारों का बेतुका मेल था। 'अब,' क्योंकि चौकीदारों को गिरफ्तार कर लिया गया है, 'हमें लाल मांस खाना पड़ेगा।' अब और चौकीदार नहीं, अब और शिकार नहीं! डैडी मैथ्यू ने मिस्टर स्टैंगर्सन के वनपाल के प्रति जो नफ़रत ज़ाहिर की—एक ऐसी नफ़रत जिसे उन्होंने यह जताने का नाटक किया कि चौकीदार भी साझा करते हैं— उससे मुझे आसानी से अवैध शिकार का ख्याल आया। अब जबकि सभी सबूतों से पता चलता है कि त्रासदी के समय चौकीदार बिस्तर पर नहीं थे, तो वे उस रात बाहर क्यों थे? क्या वे अपराध में भागीदार थे? मैं ऐसा सोचने को तैयार नहीं था। मैं पहले ही इस निष्कर्ष पर पहुँच चुका था, जिसके बारे में मैं आपको बाद में बताऊंगा—कि हत्यारे का कोई साथी नहीं था, और त्रासदी में मैडमोजेल स्टैंगर्सन और हत्यारे के बीच एक रहस्य छिपा था, एक ऐसा रहस्य जिससे चौकीदारों का कोई लेना-देना नहीं था।
"उस सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए, मैंने उनके लॉज में सबूत खोजने की कोशिश की, जिसमें, जैसा कि आप जानते हैं, मैं घुस गया था। मुझे वहाँ उनके बिस्तर के नीचे कुछ स्प्रिंग और पीतल के तार मिले। 'अहा!' मैंने सोचा, 'ये चीजें बताती हैं कि वे रात में पार्क में क्यों थे!'" जांच मजिस्ट्रेट के सामने उनकी खामोशी देखकर मुझे आश्चर्य नहीं हुआ, जबकि उन पर अपराध में सहभागिता जैसे गंभीर आरोप लगे थे। अवैध शिकार उन्हें अदालती कार्यवाही से तो बचा लेता, लेकिन उनकी पदवी छीन लेता; और चूंकि वे अपराध में अपनी बेगुनाही को लेकर पूरी तरह आश्वस्त थे, इसलिए उन्हें उम्मीद थी कि जल्द ही यह साबित हो जाएगा और फिर उनका अवैध शिकार पहले की तरह चलता रहेगा। वे बाद में कभी भी कबूल कर सकते थे। हालांकि, मैंने श्री स्टैंगर्सन द्वारा हस्ताक्षरित दस्तावेज़ के माध्यम से उनके कबूलनामे में तेजी ला दी। उन्होंने सभी आवश्यक 'सबूत' दिए, उन्हें रिहा कर दिया गया और अब वे मेरे प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। मैंने उन्हें पहले रिहा क्यों नहीं करवाया? क्योंकि मुझे यकीन नहीं था कि उनके खिलाफ अवैध शिकार के अलावा और कुछ नहीं है। मैं मामले की तह तक जाना चाहता था। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मेरा विश्वास और भी पुख्ता होता गया। उस रहस्यमय घटना के अगले दिन मुझे एक ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत थी जिस पर मैं भरोसा कर सकूं, इसलिए मैंने उन्हें तुरंत रिहा करवाने का फैसला किया।

जोसेफ रूलेटाबिल ने इसी तरह अपनी बात समझाई। एक बार फिर मैं उस सरल तर्क को देखकर चकित रह गया जिसने उन्हें सच्चाई तक पहुँचाया था। बेशक यह कोई बड़ी बात नहीं थी; लेकिन मुझे लगता है कि यह नौजवान एक दिन इसी सरलता से 'द येलो रूम' की भयावह त्रासदी और रहस्यमय गैलरी की घटना को भी समझा देगा।
हम डोनजॉन इन पहुंचे और उसमें प्रवेश किया।
इस बार हमें मकान मालिक नहीं मिला, बल्कि मेज़बान ने मुस्कुराते हुए हमारा स्वागत किया। मैंने उस कमरे का वर्णन पहले ही कर दिया है जिसमें हम ठहरे थे, और उस आकर्षक सुनहरे बालों वाली महिला की एक झलक भी दे दी है जिसकी आंखें कोमल थीं और जिसने तुरंत हमारा नाश्ता तैयार करना शुरू कर दिया। "डैडी मैथ्यू कैसे हैं?" रूलेटाबिल ने पूछा।
"हालत में कुछ खास सुधार नहीं हुआ है—हालत में कुछ खास सुधार नहीं हुआ है; वह अभी भी बिस्तर पर ही हैं।"
"तो क्या उसका गठिया रोग अब भी उससे जुड़ा हुआ है?"
"हां। कल रात मुझे फिर से उसे मॉर्फिन देनी पड़ी - यही एकमात्र दवा है जिससे उसे कुछ राहत मिलती है।"
वह धीमी आवाज़ में बोली। उसके हर भाव में कोमलता झलकती थी। वह सचमुच एक खूबसूरत महिला थी; थोड़ी सुस्ती लिए, उसकी बड़ी-बड़ी आँखें मानो काली-नीली थीं—प्रेम से भरी आँखें। क्या वह अपने चिड़चिड़े, गठियाग्रस्त पति के साथ खुश थी? जिस दृश्य में हम पहले मौजूद थे, उससे तो ऐसा नहीं लगता था; फिर भी उसके हाव-भाव में निराशा का कोई संकेत नहीं था। वह हमारे लिए भोजन तैयार करने रसोई में चली गई, मेज पर बढ़िया साइडर की एक बोतल छोड़ गई। रूलेटाबिल ने हमारे मिट्टी के मग भरे, अपनी पाइप भरी और धीरे से मुझे समझाया कि उसने मुझे रिवॉल्वर लेकर ग्लैंडियर आने के लिए क्यों कहा था।
"हाँ," उसने अपने द्वारा छोड़े जा रहे धुएँ के बादलों को देखते हुए चिंतनशील भाव से कहा, "हाँ, मेरे प्यारे लड़के, मुझे आज रात हत्यारे के आने की उम्मीद है।" थोड़ी देर के लिए सन्नाटा छा गया, जिसे मैंने जानबूझकर भंग नहीं किया, और फिर वह आगे बोला:
"कल रात, जब मैं सोने जा रही थी, तभी श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक ने मेरे कमरे का दरवाज़ा खटखटाया। अंदर आकर उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें कल यानी आज सुबह पेरिस जाना पड़ रहा है। इस यात्रा का कारण एक साथ ही अनिवार्य और रहस्यमय था; उनके लिए मुझे इसका उद्देश्य समझाना संभव नहीं था। 'मैं जा रहा

हूँ, और फिर भी,' उन्होंने आगे कहा, 'मैं इस समय मैडमोजेल स्टैंगर्सन को छोड़कर न जाने के लिए अपनी जान भी दे सकता हूँ।' उन्होंने यह छिपाने की कोशिश नहीं की कि उन्हें विश्वास था कि वह एक बार फिर खतरे में हैं। 'अगर कल रात कुछ हो जाए तो मुझे ज्यादा आश्चर्य नहीं होगा,' उन्होंने स्वीकार किया, 'फिर भी मुझे अनुपस्थित रहना होगा। मैं परसों की सुबह से पहले ग्लैंडियर वापस नहीं आ सकता।'
मैंने उनसे स्पष्टीकरण मांगा, और उन्होंने मुझे बस इतना ही बताया। उन्हें आने वाले खतरे का आभास महज़ इस संयोग से हुआ था कि मैडमोजेल स्टैंगरसन पर दो बार हमला हुआ था, और दोनों बार जब वे अनुपस्थित थे। रहस्यमयी गैलरी वाली घटना की रात उन्हें ग्लैंडियर से दूर रहना पड़ा था। पीले कमरे में हुई त्रासदी की रात भी वे ग्लैंडियर में मौजूद नहीं थे, हालांकि इस मामले पर उन्होंने पहली बार अपनी राय रखी थी। अब, इतना भावुक व्यक्ति जो फिर भी दूर चला जाए, वह ज़रूर किसी विवशता के कारण ऐसा कर रहा होगा—ज़रूर किसी ऐसी इच्छा का पालन कर रहा होगा जो उसकी अपनी इच्छा से कहीं अधिक शक्तिशाली हो। मैंने यही सोचा और उन्हें यही बताया। उन्होंने जवाब दिया, 'शायद।'—मैंने उनसे पूछा कि क्या मैडमोजेल स्टैंगरसन उन्हें विवश कर रही थीं। उन्होंने विरोध किया कि ऐसा नहीं था। पेरिस जाने का उनका निर्णय मैडमोजेल स्टैंगरसन से बिना किसी परामर्श के लिया गया था।
संक्षेप में कहें तो, उन्होंने दोहराया कि नए हमले की संभावना पर उनका विश्वास पूरी तरह से असाधारण संयोग पर आधारित था। उन्होंने कहा, 'अगर मैडमोजेल स्टैंगरसन को कुछ हुआ, तो यह हम दोनों के लिए भयानक होगा। उनके लिए, क्योंकि उनकी जान खतरे में होगी; मेरे लिए, क्योंकि मैं न तो उन्हें हमले से बचा पाऊंगा और न ही बता पाऊंगा कि मैं कहां था। मुझे अपने ऊपर लगे संदेहों का पूरा एहसास है। जांच मजिस्ट्रेट और महाशय लार्सन दोनों ही मेरे दोषी होने पर लगभग यकीन कर चुके हैं। पिछली बार जब मैं पेरिस गया था, तब लार्सन ने मेरा पीछा किया था, और उससे पीछा छुड़ाने में मुझे बहुत परेशानी हुई थी।'
मैंने रोते हुए कहा, "'अगर आपको हत्यारे का नाम पता है, तो आप मुझे अभी क्यों नहीं बता देते?'"
"मेरे प्रश्न से श्री डार्ज़ैक अत्यंत परेशान प्रतीत हुए और उन्होंने हिचकिचाते हुए स्वर में उत्तर दिया:

"'मैं?—क्या मैं हत्यारे का नाम जानता हूँ? भला मैं उसका नाम कैसे जान सकता हूँ?'"
मैंने तुरंत जवाब दिया: 'मैडमोजेल स्टैंगरसन से।'
"उनका चेहरा इतना पीला पड़ गया कि मुझे लगा जैसे वे बेहोश हो जाएंगे, और मैंने देखा कि मेरा अनुमान बिल्कुल सही था। मैडमोजेल और वे दोनों हत्यारे का नाम जानते थे! जब उन्होंने खुद को संभाला, तो उन्होंने मुझसे कहा: 'मैं अब जा रहा हूँ। जब से आप यहाँ हैं, मैंने आपकी असाधारण बुद्धिमत्ता और अद्वितीय सूझबूझ की सराहना की है। लेकिन मैं आपसे यह सेवा चाहता हूँ। शायद आने वाली रात में हमले का डर मेरा गलत है; लेकिन, चूंकि मुझे दूरदर्शिता से काम लेना चाहिए, इसलिए मैं आप पर भरोसा करता हूँ कि आप किसी भी संभावित प्रयास को विफल कर देंगे। मैडमोजेल स्टैंगरसन की सुरक्षा के लिए हर ज़रूरी कदम उठाएँ। उनके कमरे पर कड़ी नज़र रखें। सोएँ नहीं, और एक पल भी आराम न करें। जिस आदमी से हम डरते हैं, वह बेहद चालाक है—उसकी चालाकी बेमिसाल है। अगर आप नज़र रखेंगे, तो उसकी यही चालाकी उनकी जान बचा सकती है; क्योंकि यह असंभव है कि उसे पता न चले कि आप देख रहे हैं; और यह जानकर, वह शायद हमला करने की हिम्मत न करे।'"
"'क्या आपने इस सब के बारे में महाशय स्टैंगरसन से बात की है?'"
"नहीं। मैं नहीं चाहता कि वह मुझसे हत्यारे का नाम पूछे, जैसा कि आपने अभी पूछा। मैं आपको यह सब इसलिए बता रहा हूँ, श्रीमान रूलेटाबिल, क्योंकि मुझे आप पर बहुत, बहुत अधिक भरोसा है। मुझे पता है कि आपको मुझ पर शक नहीं है।" "बेचारा आदमी रुक-रुक कर बोल रहा था। वह स्पष्ट रूप से पीड़ा में था। मुझे उस पर दया आई, खासकर इसलिए क्योंकि मुझे पूरा यकीन था कि वह हत्यारे का नाम बताने के बजाय खुद को मरवाना पसंद करेगा। जहाँ तक मैडमोजेल स्टैंगरसन की बात है, मुझे लगा कि वह पीले कमरे और रहस्यमयी गैलरी वाले आदमी का पर्दाफाश करने के बजाय खुद को मरवाना पसंद करेगी। वह आदमी किसी रहस्यमयी शक्ति से उस पर, या दोनों पर, हावी हो रहा होगा। उन्हें सबसे ज्यादा डर इस बात का था कि कहीं मिस्टर स्टैंगरसन को पता न चल जाए कि उनकी बेटी को उसके हमलावर ने 'बंदी' बना रखा है। मैंने मिस्टर डार्ज़ैक को समझाया कि उन्होंने अपनी बात पर्याप्त रूप से समझा दी है, और वे मुझे इससे ज्यादा कुछ न बताएं। मैंने उनसे रात भर पहरा देने का वादा किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि मैं मैडमोजेल स्टैंगरसन के कमरे के चारों ओर, उस कमरे के चारों ओर जहाँ नर्सें

सो रही थीं, और उस ड्राइंग रूम के चारों ओर जहाँ रहस्यमयी गैलरी की घटना के बाद से मिस्टर स्टैंगरसन सो रहे थे, एक बिल्कुल अभेद्य घेरा बना दूं। संक्षेप में, मुझे पूरे अपार्टमेंट के चारों ओर घेरा बनाना था।
"उनकी ज़िद से मुझे समझ आया कि मॉन्सियर डार्ज़ैक का इरादा न केवल उस व्यक्ति को मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे तक पहुँचने से रोकना था, बल्कि उस असंभवता को इतना स्पष्ट कर देना था कि खुद को वहाँ मौजूद देखकर वह तुरंत वहाँ से चला जाए। विदाई के समय उनके आखिरी शब्दों का मैंने यही अर्थ निकाला: 'आप मॉन्सियर स्टैंगर्सन, डैडी जैक्स, फ्रेडरिक लार्सन और महल में मौजूद किसी भी व्यक्ति को संभावित हमले के बारे में बता सकते हैं।'" "बेचारा मुझे यह बताए बिना चला गया कि वह क्या कह रहा था। मेरी चुप्पी और मेरी आँखों ने उसे बता दिया कि मैंने उसके रहस्य का एक बड़ा हिस्सा जान लिया था। और वास्तव में, वह बहुत हताश रहा होगा, तभी तो ऐसे समय में मेरे पास आया और परिणाम के बारे में अपने पक्के विचार के बावजूद मैडमोजेल स्टैंगरसन को छोड़ दिया।"
"जब वह चला गया, तो मैंने सोचना शुरू किया कि मुझे उससे भी अधिक चालाकी का इस्तेमाल करना होगा ताकि अगर वह आदमी उस रात आ जाए, तो उसे एक पल के लिए भी शक न हो कि उसके आने की उम्मीद थी। निश्चित रूप से! मैं उसे इतना अंदर आने दूँगा कि चाहे वह ज़िंदा हो या मुर्दा, मैं उसका चेहरा साफ़-साफ़ देख सकूँ! उससे छुटकारा पाना ही होगा। मैडमोजेल स्टैंगर्सन को इस लगातार मंडराते खतरे से मुक्त करना होगा।"
"हाँ, मेरे लड़के," रूलेटाबिल ने मेज पर अपना पाइप रखकर और साइडर से भरा अपना मग खाली करने के बाद कहा, "मुझे उसका चेहरा स्पष्ट रूप से देखना होगा, ताकि मैं उसे अपने मस्तिष्क के उस हिस्से में अच्छी तरह से अंकित कर सकूँ जहाँ मैंने अपने तर्क का दायरा बनाया है।"
उसी क्षण मकान मालकिन फिर से प्रकट हुईं और अपने साथ पारंपरिक बेकन ऑमलेट लेकर आईं। रूलेटाबिल ने उनसे थोड़ी सी नोकझोक की, लेकिन उन्होंने बड़ी ही विनम्रता से उस नोकझोक को सह लिया।
"जब डैडी मैथ्यू गठिया के कारण बिस्तर पर होते हैं, तब वह ज्यादा खुशमिजाज रहती है," रूलेटाबिल ने मुझसे कहा।

लेकिन मेरी निगाहें न तो रूलेटाबिल पर थीं और न ही मकान मालकिन की मुस्कानों पर। मैं अपने युवा मित्र के अंतिम शब्दों में पूरी तरह डूबा हुआ था और श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक के अजीब व्यवहार के बारे में सोच रहा था।
जब उसने अपना ऑमलेट खत्म कर लिया और हम फिर से अकेले हो गए, तो रूलेटाबिल ने अपने रहस्यों की कहानी जारी रखी।
उन्होंने कहा, "जब मैंने आज सुबह आपको अपना टेलीग्राम भेजा था, तब मेरे पास केवल श्री डार्ज़ैक का यह कथन था कि 'शायद' हत्यारा आज रात आएगा। अब मैं कह सकता हूँ कि वह निश्चित रूप से आएगा। मैं उसका इंतज़ार कर रहा हूँ।"
आपको यह निश्चितता किस बात से महसूस हुई?
"मुझे आज सुबह साढ़े दस बजे से ही यकीन था कि वह आएगा। मुझे यह बात तब भी पता थी जब हमने आर्थर रैंस को आंगन की खिड़की पर नहीं देखा था।"
"अरे!" मैंने कहा, "लेकिन, फिर से—आपको इतना यकीन कैसे हुआ? और आज सुबह साढ़े दस बजे से ही क्यों?"
"क्योंकि साढ़े दस बजे मेरे पास इस बात का सबूत था कि मैडमोजेल स्टैंगरसन हत्यारे के प्रवेश को रोकने के लिए उतने ही प्रयास कर रही थीं, जितने कि श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक ने इसके खिलाफ एहतियात बरती थी।"
"क्या ऐसा मुमकिन है!" मैं चिल्लाई। "क्या आपने मुझे नहीं बताया था कि मैडमोजेल स्टैंगर्सन, मिस्टर रॉबर्ट डार्ज़ैक से प्यार करती हैं?"
मैंने तुम्हें ऐसा इसलिए कहा क्योंकि यह सच है।
"तो क्या आपको इसमें कुछ भी अजीब नहीं लगता?"
"इस कारोबार में सब कुछ अजीब है, मेरे दोस्त; लेकिन मेरी बात मानो, जो अजीबपन तुम अभी महसूस कर रहे हो, वह आने वाले अजीबपन के सामने कुछ भी नहीं है!"
"तो फिर यह मानना ही पड़ेगा," मैंने कहा, "कि मैडमोजेल स्टैंगरसन और उनके हत्यारे के बीच संपर्क है—कम से कम लिखित रूप में तो है ही?"
"मान लो, मेरे दोस्त, मान लो! तुम कुछ भी जोखिम नहीं उठा रहे हो! मैंने तुम्हें उस चिट्ठी के बारे में बताया था जो उस रहस्यमय गैलरी घटना की रात उसकी मेज पर पड़ी थी—वह चिट्ठी जो मैडमोजेल स्टैंगरसन की जेब में गायब हो गई थी। यह किसी बैठक का बुलावा क्यों नहीं हो सकता था? क्या वह डार्ज़ैक की अनुपस्थिति सुनिश्चित होते ही अगली रात बैठक तय नहीं कर सकता था?"

और मेरा दोस्त चुपचाप हंस पड़ा। कई बार मैं खुद से पूछता हूं कि कहीं वह मुझ पर तो नहीं हंस रहा है।
सराय का दरवाजा खुला। रूलेटाबिल इतनी अचानक खड़ा हुआ कि मानो उसे बिजली का झटका लगा हो।
"श्री आर्थर रैंस!" वह चिल्लाया।
श्री आर्थर रैंस हमारे सामने शांतिपूर्वक झुककर प्रणाम कर रहे थे।

अध्याय XX. मैडमोजेल स्टैंगरसन का एक कार्य
"क्या आपको मैं याद हूँ, महाशय?" रूलेटाबिल ने पूछा।
“बिल्कुल!” आर्थर रैंस ने जवाब दिया। “मैं तुम्हें बार में बैठे उस लड़के के रूप में पहचानता हूँ। [लड़का कहे जाने पर रूलेटाबिल का चेहरा शर्म से लाल हो गया।] मैं तुमसे हाथ मिलाना चाहता हूँ। तुम तो बड़े होशियार हो।” अमेरिकी ने अपना हाथ बढ़ाया और रूलेटाबिल ने अपना चेहरा थोड़ा नरम करते हुए हाथ मिलाया और श्री आर्थर रैंस का मुझसे परिचय कराया। उन्होंने उन्हें हमारे साथ भोजन करने के लिए आमंत्रित किया।
"नहीं, धन्यवाद। मैंने महाशय स्टैंगर्सन के साथ नाश्ता किया था।"
आर्थर रैंस बिल्कुल सही फ्रेंच बोलते थे, लगभग बिना किसी उच्चारण दोष के। "महाशय, मुझे आपसे दोबारा मिलने की उम्मीद नहीं थी। मुझे लगा था कि आप एलिसी पैलेस में हुए स्वागत समारोह के अगले दिन ही फ्रांस छोड़ देंगे।" रूलेटबिल और मैं, बाहरी तौर पर उदासीन दिखते हुए, अमेरिकी द्वारा कहे गए हर शब्द को अत्यंत ध्यान से सुन रहे थे।
उस आदमी का बैंगनी-लाल चेहरा, उसकी भारी पलकें, घबराहट भरी हरकतें, ये सब उसकी शराब की लत की गवाही दे रहे थे। आखिर ऐसा दयनीय आदमी मिस्टर स्टैंगर्सन के साथ इतना घनिष्ठ कैसे हो गया?
कुछ दिनों बाद, मुझे फ्रेडरिक लार्सन से पता चला—जो हमारी ही तरह महल में उनके आगमन और स्वागत से आश्चर्यचकित और हैरान थे—कि श्री रैंस लगभग पंद्रह वर्षों से ही शराबी थे; यानी, जब से प्रोफेसर और उनकी बेटी ने फिलाडेल्फिया छोड़ा था। स्टैंजर्सन परिवार के अमेरिका में रहने के दौरान, वे आर्थर रैंस के बहुत करीबी थे, जो नई दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित मस्तिष्क विज्ञानियों में से एक थे। नए प्रयोगों के कारण, उन्होंने गैल और लावेटर के विज्ञान से कहीं आगे बढ़कर अभूतपूर्व प्रगति की थी। ग्लैंडियर में उनका जिस मित्रतापूर्ण स्वागत हुआ, उसका कारण यह हो सकता है कि उन्होंने एक बार मैडमोजेल स्टैंजर्सन की गाड़ी के भागते हुए घोड़ों को अपनी जान जोखिम में डालकर रोका था और उनकी बहुत बड़ी मदद की थी। हालाँकि, इसका तात्कालिक परिणाम स्टैंजर्सन परिवार के साथ केवल एक मैत्रीपूर्ण संबंध ही हो सकता था; निश्चित रूप से, प्रेम संबंध तो नहीं।

फ्रेडरिक लार्सन ने मुझे यह नहीं बताया कि उन्हें यह जानकारी कहाँ से मिली; लेकिन वे अपनी कही बात को लेकर काफी आश्वस्त प्रतीत हो रहे थे।
अगर हमें ये तथ्य उस समय पता होते जब आर्थर रैंस हमसे डोनजॉन इन में मिले थे, तो महल में उनकी उपस्थिति शायद हमें हैरान न करती, लेकिन इनसे उस व्यक्ति के बारे में हमारी दिलचस्पी ज़रूर बढ़ जाती। अमेरिकी कम से कम पैंतालीस वर्ष का रहा होगा। उसने रूलेटाबिल के प्रश्न का उत्तर बिल्कुल स्वाभाविक लहजे में दिया।
"मैडमोजेल स्टैंगरसन पर हुए हमले के बारे में सुनकर मैंने अमेरिका लौटने का अपना फैसला टाल दिया। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि महिला की हत्या न हुई हो, और जब तक वह पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाती, मैं वापस नहीं जाऊंगा।"
इसके बाद आर्थर रैंस ने बातचीत की शुरुआत की और रूलेटाबिल के कुछ सवालों पर ध्यान नहीं दिया। बिना बुलाए ही उन्होंने त्रासदी के विषय पर अपने निजी विचार व्यक्त किए—जो मेरी समझ से फ्रेडरिक लारज़ान के विचारों से काफी मिलते-जुलते थे। अमेरिकी रैंस का यह भी मानना था कि रॉबर्ट डार्ज़ैक का इस मामले से कुछ संबंध था। उन्होंने डार्ज़ैक का नाम तो नहीं लिया, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं था कि उनका इशारा किसकी ओर था। उन्होंने बताया कि उन्हें युवा रूलेटाबिल द्वारा 'द येलो रूम' रहस्य की गुत्थी सुलझाने के प्रयासों की जानकारी थी। उन्होंने समझाया कि श्री स्टैंगर्सन ने उन्हें उस रहस्यमयी गैलरी में घटी सारी घटनाओं के बारे में बताया था। उन्होंने कई बार इन सभी मौकों पर श्री डार्ज़ैक की महल में अनुपस्थिति पर खेद व्यक्त किया और सोचा कि श्री डार्ज़ैक ने श्री जोसेफ रूलेटाबिल के साथ गठबंधन करके चतुराई दिखाई थी, जो देर-सवेर हत्यारे का पता लगाने में असफल नहीं हो सकते थे। उन्होंने अंतिम वाक्य स्पष्ट व्यंग्य के साथ कहा। फिर वे उठे, हमें प्रणाम किया और सराय से चले गए।
रूलेटबिल ने खिड़की से उसे देखा।
"यह तो एक अजीब मछली है!" उसने कहा।
मैंने पूछा, "क्या आपको लगता है कि वह ग्लैंडियर में रात बिताएगा?"
मुझे आश्चर्य हुआ जब उस युवा पत्रकार ने जवाब दिया कि उसे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह ऐसा करता है या नहीं।

गैलरी में होने वाली हर गतिविधि को ऐसे देख सकता था जैसे मैं आर्थर रैंस के दरवाजे के सामने खड़ा हूँ, और मैं उस दरवाजे पर भी नज़र रख सकता था। कोठरी का दरवाजा, जो मेरा अवलोकन स्थल था, पारदर्शी कांच के पैनलों से सुसज्जित था। गैलरी में, जहाँ सभी लैंप जल रहे थे, काफी रोशनी थी। लेकिन कोठरी में, बिल्कुल अंधेरा था। यह अवलोकन करने और किसी की नज़र में न आने के लिए एक शानदार जगह थी।
मुझे जल्द ही एक जासूस की भूमिका निभानी थी—एक आम पुलिसकर्मी की। मुझे आश्चर्य होता है कि अगर मेरे वकील को इस बारे में पता चलता तो वह क्या कहते! मैं अपने कर्तव्यों से पूरी तरह संतुष्ट नहीं था, लेकिन मैं रूलेटाबिल की मदद करने से इनकार नहीं कर सका, जिसके लिए उसने मुझसे विनती की थी। मैंने कई कारणों से उसे यह जताने की पूरी कोशिश की कि मुझे ज़रा भी आपत्ति न हो। मैं उसकी मदद करना चाहता था; मैं नहीं चाहता था कि वह मुझे कायर समझे; मैं जिज्ञासा से भरा हुआ था; और अगर मैंने पीछे हटने का निश्चय भी कर लिया होता, तो भी बहुत देर हो चुकी थी। ये शंकाएँ मुझे पहले क्यों नहीं हुईं, इसका कारण यह था कि मेरी जिज्ञासा मुझ पर पूरी तरह हावी हो गई थी। मैं यह भी कह सकता था कि मैं एक महिला की जान बचाने में मदद कर रहा था, और एक वकील भी ऐसा कर्तव्यनिष्ठा से कर सकता है।
हम गैलरी से वापस लौटे। मैडमोजेल स्टैंगरसन के अपार्टमेंट के दरवाजे पर पहुँचते ही, भोजन की मेज पर इंतज़ार कर रहे नौकर के धक्के से वह खुल गया। (पिछले तीन दिनों से श्री स्टैंगरसन अपनी बेटी के साथ पहली मंजिल के ड्राइंग रूम में भोजन कर रहे थे।) दरवाजा खुला ही रहा, और हमने स्पष्ट रूप से देखा कि नौकर की अनुपस्थिति का फायदा उठाते हुए, जब उनके पिता कुछ गिरा हुआ उठाने के लिए झुके थे, तब मैडमोजेल स्टैंगरसन ने एक शीशी की सामग्री श्री स्टैंगरसन के गिलास में डाल दी।

अध्याय XXI. निगरानी पर

जिस घटना ने मुझे स्तब्ध कर दिया, उसका रूलेटाबिल पर कोई खास असर नहीं हुआ। हम उसके कमरे में वापस गए और जो कुछ हमने देखा था, उसका ज़िक्र किए बिना ही उसने मुझे रात के लिए अपने आखिरी निर्देश दिए। पहले हमें रात का खाना खाना

था; खाने के बाद, मुझे अंधेरे कोठरी में छिपकर तब तक इंतज़ार करना था जब तक ज़रूरी हो—ताकि पता चल सके कि आगे क्या होता है।
“अगर आपको मुझसे पहले कुछ दिखे,” उसने समझाया, “तो मुझे ज़रूर बताना। अगर वह आदमी ‘मुड़ने वाली’ गैलरी के अलावा किसी और रास्ते से ‘सही’ गैलरी में घुस जाए, तो आप उसे मुझसे पहले देख लेंगे, क्योंकि आपको ‘सही’ गैलरी की पूरी लंबाई दिखाई देती है, जबकि मुझे सिर्फ़ ‘मुड़ने वाली’ गैलरी ही दिखाई देती है। मुझे बताने के लिए आपको बस इतना करना है कि अंधेरी कोठरी के सबसे पास वाली ‘सही’ गैलरी की खिड़की के पर्दे की रस्सी खोल दें। पर्दा अपने आप गिर जाएगा और जहाँ पहले रोशनी थी, वहाँ तुरंत एक छाया का चौकोर निशान बन जाएगा। ऐसा करने के लिए आपको बस कोठरी से अपना हाथ बाहर निकालना है, मैं आपका इशारा पूरी तरह समझ जाऊँगा।”
"और तब?"
"तब आप मुझे 'ऑफ-टर्निंग' गैलरी के कोने से आते हुए देखेंगे।"
"तो फिर मुझे क्या करना चाहिए?"
"तुम तुरंत उस आदमी के पीछे मेरी ओर आओगे; लेकिन मैं तब तक उस पर पहुँच चुका होऊंगा और उसका चेहरा देख चुका होऊंगा।"
मैंने एक कमजोर सी मुस्कान देने की कोशिश की।
"तुम क्यों मुस्कुरा रहे हो? खैर, जब तक मौका है तब तक मुस्कुरा लो, लेकिन कसम से कुछ घंटों बाद तुम्हारे पास मुस्कुराने का समय नहीं होगा।"
और अगर वह आदमी भाग जाए तो?
“तो फिर अच्छा ही है,” रूलेटाबिल ने शांत भाव से कहा, “मैं उसे पकड़ना नहीं चाहता। वो जैसे चाहे वैसे भाग सकता है। मैं उसे जाने दूंगा—बस उसका चेहरा देखने के बाद। मुझे बस इतना ही चाहिए। बाद में मुझे पता चल जाएगा कि क्या करना है ताकि मैडमोजेल स्टैंगरसन के लिए वो मर चुका हो, भले ही वो ज़िंदा हो। अगर मैंने उसे ज़िंदा पकड़ा, तो मैडमोजेल स्टैंगरसन और रॉबर्ट डार्ज़ैक शायद मुझे कभी माफ़ न करें! और मैं उनका स्नेह और सम्मान बनाए रखना चाहता हूँ।”
"जैसा कि मैंने अभी देखा है, मैडमोजेल स्टैंगरसन अपने पिता के गिलास में मादक पदार्थ डाल रही हैं, ताकि वह जागकर उस बातचीत में बाधा न डालें जो वह अपने हत्यारे से करने वाली हैं। आप कल्पना कर सकते हैं कि अगर मैं पीले कमरे और रहस्यमय गैलरी के उस आदमी को बांधकर और मुंह बंद करके उनके पिता के

पास ले आऊं, तो वह मेरी कितनी आभारी होंगी। अब मुझे एहसास हो गया है कि अगर मुझे उस अभागी महिला को बचाना है, तो मुझे उस आदमी को चुप कराना होगा, न कि उसे पकड़ना। किसी इंसान को मारना कोई छोटी बात नहीं है। इसके अलावा, यह मेरा काम नहीं है, जब तक कि वह आदमी खुद इसे मेरा काम न बना दे। दूसरी ओर, महिला की सहमति और विश्वास के बिना उसे हमेशा के लिए चुप कराना, अपनी पहल पर काम करना है और बिना किसी आधार के सब कुछ जानने का दावा करना है। सौभाग्य से, मेरे दोस्त, मैंने अनुमान लगा लिया है, नहीं, मैंने सब कुछ सोच-समझकर हल कर लिया है। आज रात आने वाले उस आदमी से मैं बस इतना ही चाहता हूं कि वह मुझे उसका चेहरा दिखाए, ताकि मैं उसे देख सकूं—"
"वृत्त के अंदर?"
"बिल्कुल! और उसका चेहरा मुझे आश्चर्यचकित नहीं करेगा!"
"लेकिन मुझे लगा कि जिस रात तुम कमरे में घुसे थे, उस रात तुमने उसका चेहरा देखा था?"
"केवल अपूर्ण रूप से। मोमबत्ती फर्श पर थी; और, उसकी दाढ़ी—"
"क्या वह आज शाम दाढ़ी रखेगा?"
"मुझे लगता है कि मैं निश्चित रूप से कह सकता हूँ कि वह ऐसा करेगा। लेकिन गैलरी में रोशनी है और अब, मुझे पता है—या कम से कम, मेरे दिमाग को पता है— और मेरी आँखें भी देख लेंगी।"
"अगर हम यहाँ सिर्फ उसे देखने और उसे भागने देने के लिए हैं, तो हम हथियारबंद क्यों हैं?"
"क्योंकि, अगर पीले कमरे और रहस्यमय गैलरी के उस आदमी को पता चल जाए कि मुझे पता है, तो वह कुछ भी करने में सक्षम है! तब हमें अपनी रक्षा करनी होगी।"
"और आपको यकीन है कि वह आज रात आएगा?"
"मुझे पूरा यकीन है कि आप वहीं खड़े हैं! आज सुबह साढ़े दस बजे, मैडमोजेल स्टैंगरसन ने बड़ी चतुराई से आज रात कोई नर्स न रखने का इंतजाम किया। उन्होंने कुछ मनगढ़ंत बहाने बनाकर उन्हें चौबीस घंटे की छुट्टी दे दी और उनकी गैरमौजूदगी में अपने पिता के अलावा किसी और को अपने साथ न रखने की इच्छा जताई। उनके पिता, जो बेडरूम में सोने वाले हैं, इस व्यवस्था से सहमत हो गए हैं। डार्ज़ैक के जाने और उसने मुझे जो बताया, साथ ही मैडमोजेल स्टैंगरसन द्वारा आज रात अकेले रहने के लिए बरती जा रही असाधारण

सावधानियों से मुझे कोई संदेह नहीं रह गया है। उन्होंने उस आदमी के आने का रास्ता तैयार कर दिया है जिससे डार्ज़ैक डरता है।"
"वो भयंकर है!"
"यह है!"
"और हमने उसे जो करते देखा, वह उसने अपने पिता को सुलाने के लिए किया था?" "हाँ।"
"तो आज रात के काम के लिए हम दोनों ही हैं?"
"चौथा; चौकीदार और उसकी पत्नी हर हाल में निगरानी रखेंगे। मुझे पहले तो उनकी ज्यादा अहमियत नहीं लगती—लेकिन अगर कोई हत्या होने वाली हो तो चौकीदार काम आ सकता है!"
"तो आपको लगता है कि ऐसा हो सकता है?"
"अगर वह चाहे तो।"
"आपने डैडी जैक्स को क्यों नहीं बुलाया? क्या आपने आज उनका इस्तेमाल नहीं किया?"
"नहीं," रूलेटाबिल ने तीखे स्वर में उत्तर दिया।
मैं कुछ देर चुप रहा, फिर उसके विचार जानने की उत्सुकता में मैंने उससे सीधे-सीधे पूछ लिया:
"आर्थर रैंस को क्यों न बताएं?—वह हमारी बहुत मदद कर सकते हैं?"
"ओह!" रूलेटाबिल ने चिढ़कर कहा, "तो तुम सबको मैडमोजेल स्टैंगर्सन के राज़ बताना चाहती हो? चलो, खाना खाने चलते हैं; समय हो गया है। आज शाम हम फ्रेडरिक लार्सन के कमरे में खाना खाएंगे, अगर वो डार्ज़ैक के पीछे न पड़ा हो। वो उससे जोंक की तरह चिपका रहता है। खैर, अगर वो अभी नहीं है, तो मुझे पूरा यकीन है कि वो आज रात ज़रूर होगा! मैं तो उसी को सबक सिखाने वाली हूँ!" इसी समय हमें पास के कमरे में एक आवाज सुनाई दी।
"यह वही होना चाहिए," रूलेटाबिल ने कहा।
मैंने कहा, "मैं आपसे पूछना भूल गया था कि क्या हमें इस पुलिसकर्मी के साथ रहते हुए आज रात के काम का कोई जिक्र करना है। मुझे लगता है कि हमें नहीं करना है। क्या ऐसा ही है?"
"ज़ाहिर है। हम अकेले ही, अपने निजी खर्च पर काम करेंगे।"
"ताकि सारी महिमा हमारी हो?"
रूलेटबिल हंस पड़ा।

हमने फ्रेडरिक लार्सन के कमरे में उनके साथ भोजन किया। उन्होंने बताया कि वे अभी-अभी आए हैं और हमें मेज पर बैठने के लिए आमंत्रित किया। हमने बड़े ही खुशनुमा माहौल में भोजन किया, और मुझे रूलेटाबिल और लार्सन दोनों के आत्मविश्वास को समझने में कोई कठिनाई नहीं हुई। रूलेटाबिल ने महान फ्रेड को बताया कि मैं संयोगवश यहाँ आया हूँ, और उन्होंने मुझे रुकने और "एपोक" के लिए उन्हें जो भारी मात्रा में लेखन कार्य पूरा करना था, उसमें मदद करने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि मैं ग्यारह बजे की ट्रेन से पेरिस वापस जा रहा हूँ, और अपने साथ उनकी "प्रति" ले जा रहा हूँ, जो एक कहानी के रूप में थी, जिसमें ग्लैंडियर के रहस्यों के मुख्य प्रसंगों का वर्णन था। लार्सन ने इस स्पष्टीकरण पर ऐसे मुस्कुराया जैसे वे मूर्ख नहीं बने हों और विनम्रतापूर्वक उन मामलों पर कोई टिप्पणी नहीं करते जिनका उनसे कोई लेना- देना नहीं था।
अपने शब्दों और यहाँ तक कि आवाज़ के लहजे को लेकर भी अत्यंत सावधानी बरतते हुए, लार्सन और रूलेटाबिल ने श्री आर्थर रैंस के महल में आने और अमेरिका में उनके अतीत के बारे में लंबे समय तक चर्चा की, जिसके बारे में उन्होंने कम से कम स्टैंजर्सन परिवार के साथ उनके संबंधों के बारे में और अधिक जानने की इच्छा व्यक्त की। एक समय, लार्सन, जो मुझे अस्वस्थ लग रहे थे, ने बड़ी मुश्किल से कहा:
"मुझे लगता है, महाशय रूलेटाबिल, कि ग्लैंडियर में हमारे पास करने के लिए अब ज्यादा कुछ नहीं बचा है, और हम यहां ज्यादा रातें नहीं सोएंगे।"
"मुझे भी ऐसा ही लगता है, महाशय फ्रेड।"
"तो क्या आपको लगता है कि मामले का निष्कर्ष निकल चुका है?"
"मुझे लगता है कि अब हमें और कुछ पता लगाने की जरूरत नहीं है," रूलेटाबिल ने जवाब दिया।
"क्या आपको अपना अपराधी मिल गया?" लार्सन ने पूछा।
"आपके पास?"
"हाँ।"
"मैंने भी ऐसा ही किया है," रूलेटाबिल ने कहा।
"क्या यह वही आदमी हो सकता है?"
“मुझे नहीं पता कि आप अपने मूल विचार से भटक गए हैं या नहीं,” युवा पत्रकार ने कहा। फिर उसने ज़ोर देकर कहा, “महाशय डार्ज़ैक एक ईमानदार आदमी हैं!”

"क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है?" लार्सन ने पूछा। "हाँ, मुझे पूरा यकीन है कि उसे यकीन नहीं है। तो फिर लड़ाई होगी?"
"हाँ, यह एक लड़ाई है। लेकिन मैं आपको हरा दूँगा, श्रीमान फ्रेडरिक लार्सन।"
"युवा कभी किसी बात पर संदेह नहीं करते," महान फ्रेड ने हंसते हुए कहा और अपनी बात समाप्त करते हुए मेरी ओर हाथ बढ़ाया।
रूलेटाबिल का जवाब एक प्रतिध्वनि की तरह आया:
"कुछ भी नहीं!"
अचानक लार्सन, जो हमें शुभ रात्रि कहने के लिए उठा था, ने अपने दोनों हाथ अपनी छाती पर रखे और लड़खड़ा गया। उसे गिरने से बचने के लिए रूलेटाबिल का सहारा लेना पड़ा।
"ओह! ओह!" वह चिल्लाया। "मुझे क्या हो गया है? क्या मुझे जहर दिया गया है?" उसने थकी हुई आँखों से हमारी ओर देखा। हमने उससे व्यर्थ ही सवाल किए; उसने कोई जवाब नहीं दिया। वह एक कुर्सी पर धँस गया था और हम उससे एक शब्द भी नहीं सुन पाए। हम उसके लिए और अपने लिए भी बहुत दुखी थे, क्योंकि हमने भी वही सब खाया था जो उसने खाया था। ऐसा लग रहा था कि उसे दर्द नहीं हो रहा है; लेकिन उसका भारी सिर उसके कंधे पर टिका हुआ था और उसकी पलकें कसकर बंद थीं। रूलेटाबिल उसके ऊपर झुककर उसके दिल की धड़कन सुनने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, जब मेरा दोस्त खड़ा हुआ, तो उसका चेहरा उतना ही शांत था जितना कि एक क्षण पहले उत्तेजित था।
उन्होंने कहा, "वह सो रहा है।"
लार्सन का कमरा बंद करने के बाद वह मुझे अपने कक्ष में ले गया।
"दवा?" मैंने पूछा। "क्या मैडमोजेल स्टैंगरसन आज रात सबको सुला देना चाहती हैं?"
"शायद," रूलेटाबिल ने उत्तर दिया; लेकिन मैं समझ गया था कि वह किसी और बात के बारे में सोच रहा था।
"लेकिन हमारा क्या होगा?" मैंने हैरानी से कहा। "हमें कैसे पता चलेगा कि हमें नशा नहीं दिया गया है?"
"क्या आप अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं?" रूलेटाबिल ने मुझसे शांत भाव से पूछा।
"कम से कम नहीं।"

क्या आपको सोने की इच्छा हो रही है?
"बिल्कुल नहीं।"
"तो फिर, मेरे दोस्त, इस बेहतरीन सिगार का आनंद लो।"
और उसने मुझे एक उत्तम हवाना सिगार थमा दिया, जो महाशय डार्ज़ैक ने उसे दिया था, जबकि उसने अपनी चितकबरी सिगार - अपनी चिरस्थायी चितकबरी सिगार - जलाई।
हम लगभग दस बजे तक उसके कमरे में बिना एक शब्द बोले बैठे रहे। रूलेटाबिल एक आरामकुर्सी में धँसे हुए लगातार सिगरेट पीते रहे, उनकी भौंहें सोच में डूबी थीं और आँखों में एक उदास भाव था। ठीक दस बजते ही उन्होंने अपने जूते उतारे और मुझे भी ऐसा करने का इशारा किया। जब हम मोजे पहने खड़े थे, तो उन्होंने इतनी धीमी आवाज़ में कहा कि मैंने शब्द को सुना नहीं, बल्कि अनुमान लगाया:
"रिवॉल्वर।"
मैंने अपनी जैकेट की जेब से रिवॉल्वर निकाली।
"इसे घुमाओ!" उसने कहा।
मैंने उनके निर्देशानुसार कार्य किया।
फिर अपने कमरे के दरवाजे की ओर बढ़ते हुए, उसने अत्यंत सावधानी से उसे खोला; कोई आवाज़ नहीं हुई। हम "बंद" गैलरी में थे। रूलेटाबिल ने मुझे एक और इशारा किया जिसका अर्थ मैंने यह समझा कि मुझे अंधेरे कोठरी में अपनी जगह लेनी है।
जब मैं उससे कुछ दूरी पर था, तो वह मेरे पास आया और मुझे गले लगा लिया; फिर मैंने उसे उसी सावधानी के साथ अपने कमरे में लौटते देखा। उसके गले लगाने से आश्चर्यचकित और कुछ हद तक बेचैन होकर, मैं सीढ़ियों को पार करते हुए आसानी से दाहिनी ओर की गैलरी में पहुँच गया और अंधेरे कोठरी तक आ गया। अंदर जाने से पहले मैंने खिड़की के पर्दे की डोरी देखी और पाया कि बस उसे उंगलियों से खोलना था और पर्दा अपने आप नीचे गिरकर रूलेटाबिल से रोशनी के उस चौकोर हिस्से को छुपा लेता था—यही तय किया गया संकेत था। किसी के कदमों की आहट सुनकर मैं आर्थर रैंस के दरवाजे के सामने रुक गया। वह अभी तक बिस्तर पर नहीं गए थे! ऐसा कैसे हो सकता है कि महल में होते हुए भी उन्होंने मिस्टर स्टैंगर्सन और उनकी बेटी के साथ खाना नहीं खाया? जब हमने अंदर देखा, उस समय मैंने उन्हें उनके साथ मेज पर नहीं देखा था।

मैं अंधेरे कोठरी में छिप गया। मुझे लगा कि मैं बिल्कुल सही जगह पर हूँ। मैं पूरी गैलरी में देख सकता था। वहाँ से कुछ भी, बिल्कुल कुछ भी, मेरी नज़र से बच नहीं सकता था। लेकिन वहाँ से क्या गुज़रने वाला था? रूलेटाबिल का आलिंगन मेरे दिमाग में लौट आया। मैंने सोचा कि लोग इस तरह एक-दूसरे से अलग नहीं होते, सिवाय किसी महत्वपूर्ण या खतरनाक मौके के। तो क्या मैं खतरे में था?
मैंने अपनी रिवॉल्वर के बट पर हाथ रखा और इंतजार करने लगा। मैं हीरो नहीं हूँ, लेकिन कायर भी नहीं हूँ।
मैंने लगभग एक घंटे तक इंतजार किया, और उस पूरे समय के दौरान मुझे कुछ भी असामान्य नहीं दिखा। लगभग नौ बजे से तेज बारिश शुरू हो गई थी, जो अब रुक चुकी थी।
मेरे दोस्त ने मुझे बताया था कि शायद आधी रात या सुबह एक बजे से पहले कुछ नहीं होगा। लेकिन साढ़े ग्यारह बजने ही वाले थे कि मैंने आर्थर रैंस के कमरे का दरवाजा बहुत धीरे से खुलते सुना। दरवाजा एक मिनट तक खुला रहा, जो मुझे काफी लंबा समय लगा। चूंकि वह गैलरी की ओर, यानी बाहर की ओर खुला, इसलिए मैं कमरे में क्या हो रहा था, यह देख नहीं पा रहा था।
उसी क्षण मैंने पार्क से एक अजीब सी आवाज़ सुनी, जो तीन बार दोहराई गई। आम तौर पर मैं इसे छत पर बिल्लियों की आवाज़ से ज़्यादा महत्व नहीं देता। लेकिन तीसरी बार, म्याऊँ इतनी तीखी और चुभने वाली थी कि मुझे बेते डू बॉन डियू की पुकार याद आ गई। चूंकि ग्लैंडियर में हुई सभी घटनाओं में वह पुकार सुनाई देती थी, इसलिए उस विचार से ही मेरे रोंगटे खड़े हो गए।
इसके तुरंत बाद मैंने एक आदमी को दरवाजे के बाहर आते और दरवाजा बंद करते देखा। पहले तो मैं उसे पहचान नहीं पाया, क्योंकि उसकी पीठ मेरी तरफ थी और वह एक भारी-भरकम पैकेट पर झुका हुआ था। जब उसने दरवाजा बंद करके पैकेट उठा लिया, तो वह अंधेरी कोठरी की तरफ मुड़ा, और तब मैंने उसे पहचान लिया। वह वन रक्षक, हरा आदमी था। उसने वही पोशाक पहनी हुई थी जो मैंने उसे पहली बार डोनजॉन सराय के सामने सड़क पर देखा था। उसके वन रक्षक होने में कोई संदेह नहीं था। जैसे ही तीसरी बार 'बेटे डू बॉन डियू' की आवाज आई, उसने पैकेट नीचे रख दिया और अंधेरी कोठरी से गिनते हुए दूसरी खिड़की की तरफ चला गया। मैंने हिलने-डुलने की हिम्मत नहीं की, कहीं मेरी मौजूदगी का पता न चल जाए।

खिड़की पर पहुँचकर उसने पार्क की ओर झाँका। रात हो चुकी थी और चाँद बीच-बीच में दिखाई दे रहा था। हरे रंग के उस व्यक्ति ने दो बार अपने हाथ ऊपर उठाए और कुछ इशारे किए जो मुझे समझ नहीं आए; फिर खिड़की से उठकर उसने अपना सामान उठाया और गैलरी से होते हुए प्रवेश द्वार की ओर बढ़ गया।
रूलेटाबिल ने मुझे हिदायत दी थी कि जब भी मुझे कुछ दिखे, मैं पर्दे की डोरी खोल दूं। क्या रूलेटाबिल को इसकी उम्मीद थी? यह सवाल करना मेरा काम नहीं था। मुझे बस निर्देशों का पालन करना था। मैंने खिड़की की डोरी खोली; मेरा दिल इतनी ज़ोर से धड़क रहा था मानो फट जाएगा। वह आदमी सीढ़ियों तक पहुंचा, लेकिन मुझे घोर आश्चर्य हुआ—मैंने तो उसे गैलरी से आगे बढ़ते रहने की उम्मीद की थी—कि मैंने उसे प्रवेश कक्ष की ओर जाने वाली सीढ़ियों से नीचे उतरते देखा।
मैं क्या करता? मैंने खिड़की से आने वाली रोशनी को रोके हुए भारी पर्दे को मूर्खता से देखा। संकेत दे दिया गया था, और मुझे रूलेटाबिले मुड़ने वाली गैलरी के कोने पर दिखाई नहीं दिया। कोई भी नहीं आया। मैं बेहद परेशान था। आधा घंटा बीत गया, जो मेरे लिए एक युग के समान था। अब मैं क्या करता, अगर मुझे कुछ दिखाई भी देता? एक बार संकेत दे देने के बाद मैं उसे दोबारा नहीं दे सकता था। गैलरी में जाने से रूलेटाबिले की सारी योजनाएँ गड़बड़ा सकती थीं। आखिरकार, मुझे खुद को दोष देने की कोई ज़रूरत नहीं थी, और अगर कुछ ऐसा हुआ होता जिसकी मेरे दोस्त ने उम्मीद नहीं की थी, तो वह केवल खुद को ही दोष दे सकता था। संकेत के माध्यम से उसकी और मदद करने में असमर्थ, मैं उस अंधेरे कोठरी से बाहर निकला और, अभी भी मोज़े पहने हुए, "मुड़ने वाली" गैलरी की ओर चल पड़ा।
वहाँ कोई नहीं था। मैं रूलेटाबिल के कमरे के दरवाजे पर गया और कान लगाकर सुना। मुझे कुछ सुनाई नहीं दिया। मैंने धीरे से दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं आया। मैंने दरवाज़े का हैंडल घुमाया और दरवाजा खुल गया। मैं अंदर गया। रूलेटाबिल फर्श पर पूरी लंबाई में लेटा हुआ था।

अध्याय XXII. अविश्वसनीय शरीर

मैं बड़ी चिंता से रिपोर्टर के शरीर पर झुका और यह देखकर प्रसन्न हुआ कि वह गहरी नींद में सो रहा था, ठीक वैसी ही अस्वस्थ नींद जैसी मैंने फ्रेडरिक लार्सन को सोते हुए देखी थी। वह उसी दवा के प्रभाव में आ गया था जो हमारे खाने में मिलाई गई थी। फिर ऐसा कैसे हुआ कि मैं भी उससे प्रभावित नहीं हुआ? मैंने सोचा कि वह दवा हमारी शराब में मिलाई गई होगी; क्योंकि इससे मेरी हालत समझ में आती है। मैं खाना खाते समय कभी शराब नहीं पीता। मोटापे की प्रवृत्ति के कारण, मैं केवल सूखा भोजन ही करता हूँ। मैंने रूलेटाबिल को हिलाया, लेकिन उसे जगाने में सफल नहीं हुआ। यह निस्संदेह मैडमोजेल स्टैंगर्सन का काम था।
उसने निश्चित रूप से अपने पिता के साथ-साथ इस युवक से भी खुद को बचाना आवश्यक समझा था। मुझे याद आया कि हमें खाना परोसते समय वेटर ने एक बेहतरीन शैब्लिस वाइन की सिफारिश की थी, जो निस्संदेह प्रोफेसर की मेज से आई होगी। पंद्रह मिनट से ज़्यादा समय बीत गया। मैंने मजबूरी में कड़े कदम उठाने का फैसला किया। मैंने रूलेटाबिल के सिर पर ठंडे पानी का एक घड़ा उड़ेल दिया। उसने अपनी आँखें खोलीं। मैंने उसके चेहरे पर मारा और उसे उठाया। मैंने महसूस किया कि वह मेरी बाहों में अकड़ गया है और मैंने उसे धीरे से कहते सुना: "आगे बढ़ो, आगे बढ़ो; लेकिन कोई शोर मत करो।" मैंने उसे चुटकी काटी और तब तक हिलाया जब तक वह खड़ा नहीं हो गया। हम बच गए!
"उन्होंने मुझे सुला दिया," उसने कहा। "आह! बेहोश होने से पहले मैंने एक चौथाई घंटे भयानक ढंग से बिताए। लेकिन अब सब खत्म हो गया है। मुझे छोड़कर मत जाओ।"
जैसे ही उसने ये शब्द कहे, महल में एक भयानक चीख गूंज उठी, जिससे हम सब सहम गए—यह सचमुच मौत की चीख थी।
"मालहेउर!" रूलेटाबिल दहाड़ा; "हम बहुत देर कर देंगे!"
उसने दरवाजे की ओर भागने की कोशिश की, लेकिन वह इतना चकित था कि दीवार से टकराकर गिर पड़ा। मैं पहले से ही गैलरी में था, हाथ में रिवाल्वर लिए, पागलों की तरह मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे की ओर दौड़ रहा था। जैसे ही मैं "बाईं ओर मुड़ने वाली" गैलरी और "दाईं ओर मुड़ने वाली" गैलरी के चौराहे

पर पहुँचा, मैंने एक आकृति को उसके अपार्टमेंट से निकलते देखा, जो कुछ ही कदमों में सीढ़ियों तक पहुँच गई थी।
मैं अपने आप पर काबू नहीं रख पाया। मैंने गोली चला दी। रिवाल्वर की आवाज इतनी तेज थी कि कान बहरे हो गए; लेकिन वह आदमी सीढ़ियों से नीचे भागता रहा। मैं उसके पीछे दौड़ा और चिल्लाया: "रुको! रुको! वरना मैं तुम्हें मार डालूँगा!" जैसे ही मैं उसके पीछे सीढ़ियों से नीचे भागा, मेरा सामना आर्थर रैंस से हुआ जो महल के बाएँ हिस्से से चिल्लाते हुए आ रहा था: "क्या हुआ? क्या हुआ?" हम लगभग एक ही समय पर सीढ़ियों के नीचे पहुँचे। प्रवेश कक्ष की खिड़की खुली थी। हमने एक आदमी को भागते हुए साफ देखा। सहज ही हमने उसकी दिशा में अपनी रिवाल्वर से गोलियाँ चलाईं। वह हमसे दस कदम से ज्यादा दूर नहीं था; वह लड़खड़ाया और हमें लगा कि वह गिरने वाला है। हम खिड़की से बाहर कूद गए, लेकिन वह आदमी नई ताकत के साथ भागा। मैंने मोजे पहने हुए थे और अमेरिकी नंगे पैर था। उसे पकड़ने की कोई उम्मीद न देखकर, हमने अपनी आखिरी गोलियाँ उस पर चला दीं। लेकिन वह फिर भी दौड़ता रहा, प्रांगण के दाहिनी ओर से महल के दाहिने पंख के अंत की ओर बढ़ता गया, जहाँ से निकलने का एकमात्र रास्ता वनपाल के छोटे से कमरे का दरवाजा था। हालाँकि वह हमारी गोलियों से स्पष्ट रूप से घायल था, फिर भी वह हमसे बीस गज आगे था। अचानक, हमारे पीछे और हमारे सिर के ऊपर, गैलरी की एक खिड़की खुली और हमने रूलेटाबिल की हताशा भरी चीख सुनी:
"आग लगाओ, बर्नियर!—आग लगाओ!"
उसी क्षण, चांदनी रात में एक तेज रोशनी चमकी। उसकी रोशनी में हमने डैडी बर्नियर को अपनी बंदूक के साथ मुख्य कोठरी के दरवाजे की दहलीज पर देखा। उसका निशाना सटीक था। परछाईं गिरी। लेकिन महल के दाहिने हिस्से के छोर तक पहुँचते ही वह इमारत के कोने के दूसरी तरफ गिरी; यानी हमने उसे गिरने ही वाला देखा, लेकिन ज़मीन पर पूरी तरह गिरते हुए नहीं देखा। बर्नियर, आर्थर रैंस और मैं बीस सेकंड बाद दूसरी तरफ पहुँचे। परछाईं हमारे पैरों के पास मृत पड़ी थी।
चीख-पुकार और खबरों से अपनी सुस्ती से जागते हुए, लार्सन ने अपने कमरे की खिड़की खोली और हमें पुकारा। रूलेटाबिल, जो अब पूरी तरह से जाग चुका था, उसी क्षण हमारे साथ शामिल हो गया, और मैंने उसे पुकारा:
"वह मर गया!—मर गया!"

“तो और भी अच्छा,” उसने कहा। “उसे महल के प्रवेश कक्ष में ले चलो।” फिर जैसे दोबारा सोचते हुए, उसने कहा: “नहीं! नहीं! उसे उसके अपने कमरे में ही रखते हैं।”
रूलेटाबिल ने दरवाजा खटखटाया। किसी ने जवाब नहीं दिया। स्वाभाविक रूप से, इससे मुझे आश्चर्य नहीं हुआ।
"ज़ाहिर है वह यहाँ नहीं है, वरना अब तक बाहर आ गया होता," रिपोर्टर ने कहा। "चलिए उसे उठाकर प्रवेश कक्ष में ले चलते हैं।"
जब हम उस मृत शरीर के पास पहुँचे, तो घने बादल ने चाँद को ढक लिया और रात इतनी गहरी हो गई कि हम चेहरे-चेहरे को ठीक से देख नहीं पा रहे थे। पिताजी जैक्स, जो अब हमारे साथ आ गए थे, उन्होंने शव को प्रवेश कक्ष में ले जाने में हमारी मदद की, जहाँ हमने उसे सीढ़ियों के सबसे निचले पायदान पर रख दिया। रास्ते में, मैंने महसूस किया कि मेरे हाथ घावों से बहते गर्म खून से गीले हो गए थे।
डैडी जैक्स रसोई में दौड़े और लालटेन लेकर लौटे। उन्होंने लालटेन को मृत परछाई के चेहरे के पास रखा और हमने रखवाले को पहचान लिया, वही आदमी जिसे डॉनजॉन इन का मालिक 'ग्रीन मैन' कहता था, जिसे मैंने एक घंटे पहले आर्थर रैंस के कमरे से एक पार्सल ले जाते हुए बाहर आते देखा था। लेकिन मैंने जो देखा था, वह मैं रूलेटाबिल को बाद में, जब हम अकेले थे, तभी बता सका। रूलेटाबिल और फ्रेडरिक लार्सन को उस रात के रोमांच के परिणाम से घोर निराशा हुई। वे केवल स्तब्धता और विस्मय से हरे आदमी के शव को देखते रह गए। डैडी जैक्स ने मूर्खतापूर्ण ढंग से दुखी चेहरा बनाया और बेतुकी विलाप करते हुए बार-बार यही दोहराते रहे कि हम गलत हैं—चौकीदार हमलावर नहीं हो सकता। हमें उन्हें चुप कराने के लिए मजबूर होना पड़ा। अगर शव उनके अपने बेटे का होता तो भी वे इतना दुख नहीं दिखाते। मैंने गौर किया कि हम सब लगभग नंगे पैर थे, जबकि वे पूरी तरह से कपड़े पहने हुए थे।
रूलेटाबिल ने शव को नहीं छोड़ा था। डैडी जैक्स की लालटेन की रोशनी में पत्थर की पट्टियों पर घुटने टेककर उसने शव से कपड़े उतारे और उसकी छाती को नंगा कर दिया। फिर डैडी जैक्स से लालटेन छीनकर उसने उसे शव के ऊपर रखा और एक गहरा घाव देखा। अचानक उठकर वह क्रूरता से भरी व्यंग्यात्मक आवाज में बोला:

"जिस व्यक्ति को आप गोली लगने से मरा हुआ मान रहे हैं, उसकी हत्या चाकू से उसके दिल में वार करके की गई है!"
मुझे लगा कि रूलेटाबिल पागल हो गया है; लेकिन, शव पर झुककर देखने पर मुझे तुरंत यकीन हो गया कि रूलेटाबिल सही कह रहा था। कहीं भी गोली का कोई निशान नहीं था—जादू किसी धारदार ब्लेड से किया गया था और सीधे दिल को भेद गया था।

अध्याय XXIII. दोहरी सुगंध

इस नई खोज से मुझे जो आश्चर्य हुआ था, उससे मैं अभी उबर भी नहीं पाया था कि रूलेटाबिल ने मेरे कंधे पर हाथ रखा और मुझे अपने कमरे में आने के लिए कहा। हम वहां क्या करने वाले हैं?
"इस मामले पर विचार करने के लिए।"
मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं उस समय ज़्यादा सोचने-विचारने की हालत में नहीं था, और न ही मैं समझ पा रहा था कि रूलेटाबिल ने खुद पर इतना संयम कैसे रखा कि वह शांति से बैठकर चिंतन कर सके, जबकि वह जानता था कि मैडमोजेल स्टैंगर्सन उस समय लगभग मृत्यु के कगार पर थीं। लेकिन उनका यह संयम मेरी समझ से परे था। अपने कमरे का दरवाज़ा बंद करके उन्होंने मुझे एक कुर्सी की ओर इशारा किया और मेरे सामने बैठकर अपनी पाइप निकाली। हम कुछ देर चुपचाप बैठे रहे और फिर मुझे नींद आ गई।
जब मैं जागा तो उजाला हो चुका था। मेरी घड़ी में आठ बज रहे थे। रूलेटाबिल कमरे में नहीं था। मैं बाहर जाने के लिए उठा ही था कि दरवाजा खुला और मेरा दोस्त अंदर आ गया। जाहिर है, उसने जरा भी समय बर्बाद नहीं किया था।
मैंने उनसे पूछा, "मैडमोजेल स्टैंगर्सन के बारे में क्या ख्याल है?" "हालांकि उसकी हालत बेहद चिंताजनक है, लेकिन निराशाजनक नहीं है।"
"आप इस कमरे से कब निकले?"
"भोर होने की ओर।"
"मुझे लगता है कि आप काफी मेहनत कर रहे हैं?"
"की अपेक्षा!"
"क्या आपको कुछ पता चला?"
"पैरों के दो निशान!"
"क्या वे कुछ समझाते हैं?"
"हाँ।"
क्या उनका संबंध चौकीदार के शव के रहस्य से है?
"हाँ; अब रहस्य रहस्य नहीं रहा। आज सुबह महल के चारों ओर घूमते हुए, मुझे दो अलग-अलग पैरों के निशान मिले, जो पिछली रात एक ही समय पर बने थे। ये दो व्यक्तियों के थे जो साथ-साथ चल रहे थे। मैंने आंगन से ओक के पेड़ों के झुरमुट की ओर उनका पीछा किया। लार्सन भी मेरे साथ आ गया। ये ठीक वैसे ही

पैरों के निशान थे जैसे 'द येलो रूम' में हमले के समय बने थे - एक निशान भद्दे जूतों के थे और दूसरे साफ-सुथरे जूतों के, बस फर्क इतना था कि एक निशान में अंगूठे का आकार 'द येलो रूम' की घटना में मापे गए अंगूठे से अलग था। मैंने इन निशानों की तुलना उन कागज़ के नमूनों से की जो मैंने पहले बनाए थे।"
"पैरों के निशानों का पीछा करते हुए, लार्सन और मैं ओक के झुरमुट से बाहर निकलकर झील की सीमा पर पहुँच गए। वहाँ से वे एक छोटे रास्ते पर मुड़ गए जो एपिने जाने वाली मुख्य सड़क की ओर जाता था, जहाँ नवनिर्मित पक्की सड़क में हम उनके निशानों से ओझल हो गए।"
हम महल में वापस गए और आंगन में अलग हो गए। हालाँकि, हम डैडी जैक्स के कमरे में फिर मिले, जहाँ हमारे अलग-अलग विचारों ने हम दोनों को पहुँचा दिया था। हमने बूढ़े नौकर को बिस्तर पर पाया। कुर्सी पर रखे उसके कपड़े पूरी तरह भीगे हुए थे और उसके जूते कीचड़ से सने हुए थे। रखवाले के शव को ले जाने में हमारी मदद करते समय उसकी यह हालत बिल्कुल नहीं हुई थी। तब बारिश नहीं हो रही थी। फिर उसके चेहरे पर अत्यधिक थकान के भाव थे और उसने भयभीत आँखों से हमारी ओर देखा।
जब हमने उससे पहली बार पूछताछ की तो उसने बताया कि डॉक्टर के आते ही वह सोने चला गया था। लेकिन जब हमने उससे बार-बार पूछा, क्योंकि हमें स्पष्ट हो गया था कि वह सच नहीं बोल रहा है, तो उसने कबूल किया कि वह महल से बाहर गया था। उसने अपनी अनुपस्थिति का कारण बताते हुए कहा कि उसे सिरदर्द था और वह ताजी हवा लेने बाहर गया था, लेकिन वह ओक के पेड़ों के झुरमुट से आगे नहीं गया था। जब हमने उसे उसके द्वारा तय किए गए पूरे रास्ते के बारे में बताया, तो वह कांपते हुए बिस्तर पर बैठ गया।
"'और तुम अकेले नहीं थे!' लार्सन चिल्लाया।"
"'क्या तुमने तब उसे देखा था?' डैडी जैक्स ने हांफते हुए पूछा।"
मैंने पूछा, "क्या?"
"'वह प्रेत—वह काला प्रेत!'"
फिर उसने हमें बताया कि कई रातों से वह एक ऐसी चीज़ देख रहा था जिसे वह काला प्रेत कहता था। वह ठीक आधी रात को पार्क में आता था और चुपके से पेड़ों के बीच से निकल जाता था; उसे ऐसा लगता था मानो वह पेड़ों के तनों के बीच से गुज़र रहा हो। दो बार उसने उसे अपनी खिड़की से चाँदनी में देखा था

और उठकर उस अजीब आकृति का पीछा किया था। परसों रात वह लगभग उसे पकड़ने ही वाला था; लेकिन वह बुर्ज के कोने पर गायब हो गया। हालाँकि, पिछली रात वह महल से बाहर नहीं निकला था, क्योंकि उसे यह आशंका सता रही थी कि कोई नया अपराध होने वाला है। अचानक उसने काले प्रेत को प्रांगण के बीचोंबीच कहीं से निकलते देखा। उसने उसका पीछा झील तक और एपिने जाने वाली मुख्य सड़क तक किया, जहाँ वह प्रेत अचानक गायब हो गया।
"'क्या तुमने उसका चेहरा देखा?' लार्सन ने पूछा।"
"नहीं! मुझे तो काले घूंघट के सिवा कुछ नहीं दिखा।"
"'गैलरी में जो कुछ हुआ उसके बाद क्या आप बाहर गए थे?'"
"'मैं नहीं कर सका!—मैं बहुत डरा हुआ था।'"
"'डैडी जैक्स,' मैंने धमकी भरे स्वर में कहा, 'आपने उसका पीछा नहीं किया; आप और वह प्रेत एक साथ एपिने तक गए - हाथ में हाथ डालकर!'"
"'नहीं!' वह आँखें फेरते हुए चिल्लाया, 'मैंने ऐसा नहीं किया। ज़ोरदार बारिश होने लगी और मैं वापस मुड़ गया। मुझे नहीं पता उस काले प्रेत का क्या हुआ।'"
"हमने उसे वहीं छोड़ दिया, और जब हम बाहर निकले तो मैंने लार्सन की ओर मुड़कर, उसकी आंखों में आंखें डालकर, अचानक उससे अपना सवाल पूछ लिया ताकि वह सतर्क न रहे।"
"'एक साथी?'
"'मैं कैसे बता सकता हूँ?' उसने कंधे उचकाते हुए जवाब दिया। 'ऐसे मामले में आप किसी भी बात के बारे में निश्चित नहीं हो सकते। चौबीस घंटे पहले मैं कसम खाकर कह सकता था कि इसमें कोई साथी नहीं था!' यह कहकर वह चला गया कि वह एपिने जा रहा है।"
"अच्छा, आपको इसके बारे में क्या लगता है?" मैंने रूलेटाबिल से पूछा, जब उन्होंने अपना वादन समाप्त कर लिया था। "व्यक्तिगत रूप से, मुझे तो कुछ भी समझ नहीं आ रहा। मैं कुछ भी नहीं समझ पा रहा। आपको क्या समझ आ रहा है?"
"सब कुछ! सब कुछ!" उसने कहा। "लेकिन," उसने अचानक कहा, "चलिए मैडमोजेल स्टैंगरसन के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करें।"

अध्याय 24. रूलेटाबिल हत्यारे के दो पहलुओं को जानता है
मैडमोजेल स्टैंगरसन दूसरी बार जानलेवा हमले का शिकार हो गई थीं। दुर्भाग्यवश, उनकी शारीरिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि वे पहले हमले की तरह इस दूसरे हमले की गंभीर चोटों को सहन नहीं कर पाईं। हत्यारे के चाकू से उनके सीने में तीन घाव हुए थे और वे लंबे समय तक मौत और मौत के बीच जूझती रहीं। हालांकि, उनके मजबूत शरीर ने उनकी जान बचा ली; लेकिन शारीरिक रूप से ठीक होने के बावजूद, यह पाया गया कि उनके मानसिक स्वास्थ्य पर इसका गहरा असर पड़ा था। उस भयानक घटना का जरा सा भी जिक्र उन्हें प्रलाप की स्थिति में ले जाता था, और चौकीदार की दुखद मृत्यु के अगले दिन रॉबर्ट डार्ज़ैक की गिरफ्तारी ने उनकी तेज बुद्धि को पूरी तरह से अवसाद में डुबो दिया। रॉबर्ट डार्ज़ैक लगभग साढ़े नौ बजे महल में पहुँचे। मैंने उन्हें पार्क से जल्दी-जल्दी भागते हुए देखा, उनके बाल और कपड़े बिखरे हुए थे और उनका चेहरा एकदम पीला पड़ गया था। रूलेटाबिल और मैं गैलरी की खिड़की से बाहर देख रहे थे। उन्होंने हमें देखा और निराशा से चिल्लाए: "मैं बहुत देर हो गया!"
रूलेटाबिल ने उत्तर दिया: "वह जीवित है!"
एक मिनट बाद डार्ज़ैक मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे में चला गया और दरवाजे के पार से हम उसकी दिल दहला देने वाली सिसकियां सुन सकते थे।
"इस जगह का भाग्य ही कुछ और है!" रूलेटाबिल कराहते हुए बोला। "ज़रूर कोई शैतानी देवता इस परिवार की बदकिस्मती पर नज़र रख रहे होंगे! अगर मुझे नशा न दिया गया होता, तो मैं मैडमोजेल स्टैंगरसन को बचा लेता। मैं उसे हमेशा के लिए चुप करा देता। और रखवाले की जान भी नहीं जाती!"
श्री डार्ज़ैक हमसे बात करने आए। उनकी पीड़ा बहुत गहरी थी। रूलेटाबिल ने उन्हें सब कुछ बताया: मैडमोजेल स्टैंगर्सन की सुरक्षा के लिए की गई तैयारियाँ; हमलावर को पकड़ने या हमेशा के लिए खत्म करने की योजनाएँ; और यह भी कि अगर उसे नशा न दिया गया होता तो वह कैसे सफल हो जाता।
“काश तुमने मुझ पर भरोसा किया होता!” युवक ने धीमी आवाज़ में कहा। “काश तुमने मैडमोजेल स्टैंगरसन से मुझसे बात करने की विनती की होती! लेकिन यहाँ तो हर कोई एक-दूसरे पर अविश्वास करता है, बेटी अपने पिता पर और यहाँ

तक कि अपने प्रेमी पर भी। तुम मुझसे उसकी रक्षा करने को कह रहे हो, जबकि वह मुझे नाकाम करने की हर संभव कोशिश कर रही है। इसीलिए तो मैं देर से आया!” श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक के अनुरोध पर रूलेटाबिल ने पूरा दृश्य बयान किया। गिरने से बचने के लिए दीवार का सहारा लेते हुए, वह मैडमोजेल स्टैंगरसन के कमरे तक पहुँचा, जबकि हम कथित हत्यारे का पीछा कर रहे थे। प्रवेश कक्ष का दरवाजा खुला था और अंदर जाते ही उसने मैडमोजेल स्टैंगरसन को मेज पर अधमरा पड़ा पाया। उनकी ड्रेसिंग गाउन उनके सीने से बहते खून से सनी हुई थी। नशे के असर में होने के कारण, उसे ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी भयानक बुरे सपने में जी रहा हो।
वह स्वतः ही गैलरी में वापस गया, एक खिड़की खोली, गोली चलाने का आदेश दिया और फिर कमरे में लौट आया। उसने सुनसान बेडरूम पार किया, ड्राइंग रूम में प्रवेश किया और सोफे पर लेटे हुए श्री स्टैंगरसन को जगाने की कोशिश की। श्री स्टैंगरसन मूर्खतापूर्वक उठे और रूलेटाबिल के साथ कमरे में चले गए, जहाँ अपनी बेटी का शव देखकर वे दिल दहला देने वाली चीखें मार बैठे। दोनों ने अपनी कमजोर शक्ति को एकजुट किया और उसे उठाकर उसके बिस्तर पर लिटाया। हमारे पास आते समय रूलेटाबिल डेस्क के पास से गुजरे। पास ही फर्श पर उन्हें एक बड़ा पैकेट दिखाई दिया। वे घुटनों के बल बैठ गए और जब उन्होंने देखा कि पैकेट का आवरण ढीला है, तो उन्होंने उसे ध्यान से देखा और उसमें कागजों और तस्वीरों का एक बड़ा ढेर पाया। एक कागज पर उन्होंने पढ़ा: "नया विभेदक विद्युत-संक्षेपक संघन। भारित पदार्थ और अभारित ईथर के बीच मध्यवर्ती पदार्थ के मूलभूत गुण।" भाग्य की विडंबना ही थी कि प्रोफेसर के बहुमूल्य कागजात उन्हें ठीक उसी समय लौटाए गए जब उनकी बेटी की जान लेने का प्रयास किया जा रहा था! अब उनके लिए कागजात का क्या मूल्य है?
उस भयानक रात के बाद अगली सुबह, श्रीमान डी मार्क्वेट अपने रजिस्ट्रार और पुलिसकर्मियों के साथ एक बार फिर महल में मौजूद थे। ज़ाहिर है, हम सभी से पूछताछ की गई। रूलेटाबिल और मैंने पहले ही तय कर लिया था कि क्या कहना है। मैंने अंधेरे कोठरी में होने की बात छिपाकर रखी और नशीली दवा दिए जाने के बारे में कुछ नहीं कहा। हम किसी भी तरह से यह संकेत नहीं देना चाहते थे कि मैडमोजेल स्टैंगर्सन अपने रात के मेहमान की उम्मीद कर रही थीं। बेचारी महिला शायद कभी ठीक न हो पाए, और उस रहस्य से पर्दा उठाना हमारा काम नहीं था, जिसे छिपाने के लिए उन्होंने इतनी बड़ी कीमत चुकाई थी।

चौकीदार का मामला बिल्कुल अलग था। वह बिना किसी देरी के इस बारे में अपनी शंका दूर करना चाहते थे। शायद यह उन निष्कर्षों से मेल खाता था जो उन्होंने पहले ही चौकीदार और डॉनजॉन सराय के मालिक मैथ्यू की पत्नी के साथ उसकी साजिशों के बारे में निकाल लिए थे। मैथ्यू को, बाद में दोपहर में, गठिया होने के बावजूद गिरफ्तार कर कोर्बिल ले जाया गया। उसे चौकीदार को धमकी देते हुए सुना गया था, और हालांकि उसकी सराय में उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला था, लेकिन धमकियां सुनने वाले गाड़ीवानों के बयान उसे हिरासत में रखने के लिए काफी थे।
जांच अब तक चल चुकी थी कि अचानक फ्रेडरिक लार्सन महल में लौट आए। उनके साथ रेलवे का एक कर्मचारी भी था। उस समय मैं और रैंस प्रवेश कक्ष में मैथ्यू के अपराध या निर्दोषता पर चर्चा कर रहे थे, जबकि रूलेटाबिल अलग खड़ी, मानो सोच में डूबी हुई थी। जांच मजिस्ट्रेट और उनके रजिस्ट्रार छोटे हरे रंग के ड्राइंग रूम में थे, जबकि डार्ज़ैक डॉक्टर के साथ और स्टैंगर्सन महिला के कक्ष में थे। जैसे ही फ्रेडरिक लार्सन रेलवे कर्मचारी के साथ प्रवेश कक्ष में दाखिल हुए, रूलेटाबिल और मैंने उन्हें उनकी छोटी सुनहरी दाढ़ी से तुरंत पहचान लिया। हमने एक-दूसरे को इशारे किए। लार्सन ने खुद को पुलिस अधिकारी के माध्यम से जांच मजिस्ट्रेट को सूचित किया था और रेलवे कर्मचारी के साथ अंदर चले गए, तभी डैडी जैक्स बाहर आए। लगभग दस मिनट बीत गए, इस दौरान रूलेटाबिल बेहद बेचैन लग रही थी। तभी ड्राइंग रूम का दरवाजा खुला और हमने मजिस्ट्रेट को पुलिस अधिकारी को बुलाते हुए सुना, जो अंदर आया। कुछ देर बाद वह बाहर आया, सीढ़ियाँ चढ़ी और थोड़ी देर बाद वापस आकर मजिस्ट्रेट के पास गया और बोला:
"महामहिम, रॉबर्ट डार्ज़ैक नहीं आएंगे!"
"क्या! नहीं आये!" महाशय डी मार्क्वेट चिल्लाया।
"उनका कहना है कि वे मैडमोजेल स्टैंगरसन को उनकी वर्तमान स्थिति में नहीं छोड़ सकते।"
"बहुत अच्छा," महाशय डी मार्केट ने कहा; "तो हम उनके पास चलेंगे।"
मिस्टर डी मार्क्वेट और पुलिस अधिकारी सीढ़ियों पर चढ़ गए। उन्होंने लार्सन और रेलवे कर्मचारी को पीछे आने का इशारा किया। रूलेटाबिल और मैं भी उनके साथ चल दिए।

मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे के दरवाजे पर पहुँचकर, महाशय डी मार्क्वेट ने दस्तक दी। एक नौकरानी प्रकट हुई। वह सिल्विया थी, जिसके बाल बिखरे हुए थे और चेहरे पर घबराहट स्पष्ट दिखाई दे रही थी।
मजिस्ट्रेट ने पूछा, "क्या श्री स्टैंगरसन अंदर हैं?"
"जी श्रीमान।"
"उसे बता दो कि मैं उससे बात करना चाहता हूँ।"
स्टैंगरसन बाहर आया। उसकी हालत बेहद दयनीय थी।
"आप क्या चाहते हैं?" उसने मजिस्ट्रेट से पूछा। "क्या मुझे शांति से रहने नहीं दिया जा सकता, महोदय?"
मजिस्ट्रेट ने कहा, "महाशय, मेरे लिए महाशय डार्ज़ैक से तुरंत मिलना अत्यंत आवश्यक है। यदि आप उन्हें आने के लिए राजी नहीं कर सकते, तो मुझे कानून का सहारा लेने के लिए विवश होना पड़ेगा।"
प्रोफेसर ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने हम सभी को ऐसे देखा जैसे उन्हें फांसी के लिए ले जाया जा रहा हो, और फिर कमरे में वापस चले गए।
लगभग तुरंत बाद ही श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक बाहर आए। उनका चेहरा बेहद पीला पड़ गया था। उन्होंने हमारी ओर देखा और रेलवे कर्मचारी पर उनकी नजर पड़ते ही उनके चेहरे के भाव सख्त हो गए और वे बड़ी मुश्किल से अपनी आह को रोक पाए।
हम सब उस व्यक्ति के रूप को देखकर बहुत भावुक हो गए थे। हमें लगा कि अब जो होने वाला है, वही श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक का भाग्य तय करेगा। केवल फ्रेडरिक लार्सन का चेहरा ही दमक रहा था, मानो किसी कुत्ते को अपना शिकार मिल गया हो और वह खुशी से झूम रहा हो।
रेलवे परिचारक की ओर इशारा करते हुए, महाशय डी मार्क्वेट ने महाशय दारज़ैक से कहा:
"क्या आप इस आदमी को पहचानते हैं, महाशय?"
“जी हां,” महाशय डार्ज़ैक ने दृढ़ स्वर में कहा, जिसे उन्होंने व्यर्थ ही दृढ़ बनाने का प्रयास किया। “वह एपिने-सुर-ओर्गे स्थित थाने में कर्मचारी है।”
"इस युवक ने," महाशय डी मार्क्वेट ने आगे कहा, "पुष्टि की है कि उसने आपको एपिने-सुर-ओर्गे में ट्रेन से उतरते हुए देखा था—"

"उस रात," महाशय डार्ज़ैक ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "साढ़े दस बजे—यह बिल्कुल सच है।"
इसके बाद कुछ देर तक मौन रहा।
"महाशय डार्ज़ैक," मजिस्ट्रेट ने गहरी भावना से भरे स्वर में कहा, "महाशय डार्ज़ैक, उस रात आप एपिने-सुर-ओर्गे में उस समय क्या कर रहे थे?"
श्री डार्ज़ैक चुप रहे, उन्होंने बस अपनी आँखें बंद कर लीं।
"महोदय डार्ज़ैक," महाशय डी मार्क्वेट ने ज़ोर देकर कहा, "क्या आप मुझे बता सकते हैं कि आपने उस रात अपना समय कैसे व्यतीत किया?"
श्री डार्ज़ैक ने अपनी आँखें खोलीं। ऐसा प्रतीत हुआ कि उन्होंने अपना आत्मसंयम पुनः प्राप्त कर लिया है।
"जी नहीं, महोदय।"
"सोचिए, महाशय! क्योंकि, यदि आप अपने इस अजीब इनकार पर अड़े रहे, तो मुझे आपको अपने अधीन रखने की कष्टदायक बाध्यता का सामना करना पड़ेगा।"
"मैंने मना कर दिया।"
"महाशय डार्ज़ैक!—कानून के नाम पर, मैं आपको गिरफ्तार करता हूँ!" मजिस्ट्रेट के शब्द बोलते ही मैंने देखा कि रूलेटाबिल तेजी से मॉन्सियर डार्ज़ैक की ओर बढ़ा। वह निश्चित रूप से उससे बात करना चाहता था, लेकिन डार्ज़ैक ने इशारे से उसे रोक दिया। जैसे ही जेंडरम अपने कैदी के पास पहुँचा, कमरे में एक हताश चीख गूंज उठी:
"रॉबर्ट!—रॉबर्ट!"
हमने मैडमोजेल स्टैंगर्सन की आवाज पहचान ली। हम सब सिहर उठे। लार्सन का चेहरा पीला पड़ गया। चीख सुनकर महाशय डार्ज़ैक दौड़कर कमरे में वापस आ गए। मजिस्ट्रेट, पुलिसकर्मी और लार्सन उनके पीछे-पीछे आए। रूलेटाबिल और मैं दहलीज पर ही खड़े रहे। हमारे सामने एक दिल दहला देने वाला दृश्य था। मैडमोजेल स्टैंगर्सन, जिनका चेहरा मृत्यु के समान पीला पड़ गया था, दो डॉक्टरों और उनके पिता के अथक प्रयासों के बावजूद बिस्तर से उठ खड़ी हुई थीं। वह अपने कांपते हुए हाथों को रॉबर्ट डार्ज़ैक की ओर बढ़ा रही थीं, जिन पर लार्सन और पुलिसकर्मी ने हाथ रखा हुआ था। उनकी फैली हुई आँखों ने देखा — वह समझ गईं—उनके होंठ कुछ शब्द गढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन कोई उसे समझ नहीं पाया; और वह बेहोश होकर गिर पड़ीं।

श्री डार्ज़ैक को जल्दी से कमरे से बाहर ले जाया गया और उन्हें उस वाहन का इंतज़ार करने के लिए प्रवेश कक्ष में बैठा दिया गया जिसे लार्सन लेने गया था। हम सभी भावुक हो गए थे और यहाँ तक कि श्री डी मार्केट की आँखों में भी आँसू आ गए थे। रूलेटाबिल ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए श्री डार्ज़ैक से कहा:
क्या आप कोई बचाव पेश करने वाले हैं?
"नहीं!" कैदी ने उत्तर दिया।
"बहुत अच्छा, तो मैं ऐसा ही करूंगा, महोदय।"
"तुम ऐसा नहीं कर सकते," दुखी व्यक्ति ने हल्की मुस्कान के साथ कहा।
"मैं कर सकता हूँ और मैं करूँगा।"
रूलेटाबिल की आवाज में एक अजीब सी ताकत और आत्मविश्वास था।
"मैं यह कर सकता हूँ, महाशय रॉबर्ट डार्ज़ैक, क्योंकि मैं आपसे ज़्यादा जानता हूँ!"
"आओ! आओ!" डार्ज़ैक ने लगभग क्रोध से बुदबुदाया।
"डरिए मत! मुझे सिर्फ वही पता है जो आपके लिए फायदेमंद होगा।"
"अगर तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारा आभारी रहूँ, तो तुम्हें कुछ भी नहीं जानना होगा, नौजवान।"
रूलेटबिल ने अपना सिर हिलाया और डार्ज़ैक के करीब चला गया।
"जो मैं कहने जा रहा हूँ उसे ध्यान से सुनो," उसने धीमी आवाज़ में कहा, "और इससे तुम्हें आत्मविश्वास मिलेगा। तुम हत्यारे का नाम नहीं जानती। मैडमोजेल स्टैंगरसन जानती हैं; लेकिन सिर्फ़ आधा; पर मैं उसके दोनों हिस्से जानता हूँ; मैं उस पूरे इंसान को जानता हूँ!"
रॉबर्ट डार्ज़ैक ने अपनी आँखें खोलीं, उनके चेहरे पर ऐसा भाव था मानो उन्हें रूलेटाबिल की कही एक भी बात समझ नहीं आई हो। उसी क्षण फ्रेडरिक लार्सन द्वारा चलाई जा रही गाड़ी आ गई। डार्ज़ैक और पुलिसकर्मी उसमें बैठ गए, लार्सन ड्राइवर की सीट पर ही बैठे रहे। कैदी को कॉर्बिल ले जाया गया।

अध्याय XXV. रूलेटाबिल एक यात्रा पर निकलता है

उसी शाम, रूलेटाबिल और मैं ग्लैंडियर से निकल गए। हम वहाँ से निकलकर बहुत खुश थे और अब वहाँ रुकने का कोई कारण नहीं था। मैंने इस पूरे मामले को छोड़ने का इरादा ज़ाहिर कर दिया। यह मेरे लिए बहुत ज़्यादा हो गया था। रूलेटाबिल ने मेरे कंधे पर हल्के से थपथपाते हुए कहा कि ग्लैंडियर में उसे अब कुछ और सीखने की ज़रूरत नहीं थी; उसने वहाँ सब कुछ सीख लिया था। हम लगभग आठ बजे पेरिस पहुँचे, खाना खाया और फिर थककर अलग हो गए, और अगली सुबह मेरे कमरे में मिलने का वादा किया।
अगले दिन तय समय पर रूलेटाबिल आ पहुंचा। उसने अंग्रेज़ी ट्वीड का सूट पहना हुआ था, बांह पर एक अल्स्टर (जादुई कवच) था और हाथ में एक सूटकेस (जादुई सूटकेस) था। जाहिर है, वह यात्रा के लिए तैयार था।
मैंने पूछा, "आप कितने दिन दूर रहेंगे?"
उन्होंने कहा, "एक या दो महीने। यह सब परिस्थितियों पर निर्भर करता है।" मैंने उससे और कोई सवाल नहीं पूछा।
उन्होंने पूछा, "क्या आप जानते हैं कि मैडमोजेल स्टैंगरसन बेहोश होने से पहले कौन सा शब्द कहने की कोशिश कर रही थीं?"
"नहीं—किसी ने नहीं सुना।"
"मैंने सुना!" रूलेटाबिल ने जवाब दिया। "उसने कहा 'बोलो!'"
"क्या आपको लगता है कि डार्ज़ैक बोलेगा?"
"कभी नहीं।"
मैं कुछ और बातें कहने ही वाला था कि उन्होंने मेरा हाथ प्यार से सहलाया और मुझे अलविदा कहा। उनके जाने से पहले मुझे उनसे सिर्फ एक सवाल पूछने का ही समय मिला।
"क्या आपको इस बात का डर नहीं है कि आपकी अनुपस्थिति में अन्य प्रयास किए जा सकते हैं?"
"नहीं! अब नहीं, क्योंकि डार्ज़ैक जेल में है," उसने जवाब दिया।
इस अजीबोगरीब टिप्पणी के साथ वह चला गया। डार्ज़ैक के मुकदमे के दिन तक मैंने उसे दोबारा नहीं देखा, जब वह अदालत में पेश हुआ और उसने उस अनसुलझे रहस्य को सुलझाने की कोशिश की।

अध्याय XXVI. जिसमें जोसेफ रूलेटाबिल का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है
15 जनवरी को, यानी मेरे द्वारा वर्णित दुखद घटनाओं के ढाई महीने बाद, "एपोक" अखबार ने अपने पहले पृष्ठ के पहले कॉलम में निम्नलिखित सनसनीखेज लेख छापा: "सीन-एट-ओइस जूरी को आज अपराध के इतिहास के सबसे रहस्यमय मामलों में से एक पर अपना फैसला सुनाने के लिए बुलाया गया है। ऐसा मामला पहले कभी नहीं हुआ जिसमें इतने अस्पष्ट, समझ से परे और अकथनीय बिंदु हों। फिर भी अभियोजन पक्ष ने एक ऐसे व्यक्ति को कटघरे में खड़ा करने में संकोच नहीं किया है जिसे जानने वाले सभी लोग सम्मान, आदर और प्रेम करते थे—एक युवा विद्वान, फ्रांसीसी विज्ञान की आशा, जिसका पूरा जीवन ज्ञान और सत्य के लिए समर्पित था। जब पेरिस ने श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक की गिरफ्तारी के बारे में सुना तो चारों ओर से एकमत विरोध की आवाज उठी। जांच मजिस्ट्रेट के इस कृत्य से अपमानित होकर, पूरे सोरबोन विश्वविद्यालय ने मैडमोजेल स्टैंगर्सन के मंगेतर की निर्दोषता पर अपना विश्वास जताया। श्री स्टैंगर्सन ने अपने इस अन्याय की कड़ी निंदा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यदि पीड़िता बोल पाती, तो वह सीन-एट-ओइस के जूरी सदस्यों से उस व्यक्ति का नाम पुकारती जिसे वह अपना पति बनाना चाहती है और जिसे अभियोजन पक्ष फांसी पर चढ़ाना चाहता है। आशा है कि मैडमोजेल स्टैंगरसन जल्द ही अपनी मानसिक स्थिति को सुधार लेंगी, जो ग्लैंडियर में हुए भयानक रहस्य के कारण अस्थायी रूप से विचलित हो गई है। जूरी के समक्ष जो प्रश्न है, उस पर हम आज ही चर्चा करने का प्रस्ताव रखते हैं।
"हमने बारह सम्मानित व्यक्तियों को न्याय का शर्मनाक उल्लंघन करने की अनुमति न देने का निर्णय लिया है। हम स्वीकार करते हैं कि उल्लेखनीय संयोग, कई निर्णायक सबूत, और आरोपी की ओर से अस्पष्ट चुप्पी, साथ ही किसी भी प्रकार के अलबी (घटनास्थल पर होने के बाद कहीं और होने का प्रमाण) के सबूतों की पूर्ण अनुपस्थिति, न्यायाधीशों की पीठ को यह मानने के लिए पर्याप्त थी कि इस मामले की सच्चाई केवल इसी व्यक्ति में निहित है। साक्ष्य, देखने में, श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक के विरुद्ध इतने प्रबल हैं कि श्री फ्रेडरिक लार्सन जैसे इतने जानकार, बुद्धिमान और आम तौर पर इतने सफल जासूस को भी इनसे गुमराह होने के लिए क्षमा किया जा सकता है। अब तक

मजिस्ट्रेट की जांच में श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक के विरुद्ध सब कुछ गया है। लेकिन आज, हम जूरी के समक्ष उनका बचाव करने जा रहे हैं, और हम गवाहों के सामने एक ऐसा प्रकाश लाने जा रहे हैं जो ग्लैंडियर के पूरे रहस्य को उजागर करेगा। क्योंकि सच्चाई हमारे पास है।"
"यदि हमने पहले कुछ नहीं कहा, तो इसका कारण यह है कि इस मामले में कुछ पक्षों के हित यह मांग करते हैं कि हम ऐसा करें। हमारे पाठकों को क्रेडिट यूनिवर्सेल की प्रसिद्ध डकैती और 'टकसाल के सोने की सिल्लियों' के प्रसिद्ध मामले के समय 'रू ओबरकैम्पफ के बाएं पैर' से संबंधित हमारी प्रकाशित अहस्ताक्षरित रिपोर्टें याद होंगी।" इन दोनों मामलों में, फ्रेडरिक लार्सन की असाधारण सूझबूझ से भी बहुत पहले हम सच्चाई का पता लगाने में कामयाब रहे। ये रिपोर्टें हमारे सबसे युवा पत्रकार, अठारह वर्षीय जोसेफ रूलेटाबिल ने लिखी थीं, जिनकी प्रसिद्धि कल विश्वव्यापी होगी। जब ग्लैंडियर मामले पर पहली बार ध्यान गया, तो हमारा युवा पत्रकार मौके पर मौजूद था और महल में तैनात था, जबकि प्रेस के अन्य सभी प्रतिनिधियों को प्रवेश से वंचित कर दिया गया था। उसने फ्रेडरिक लार्सन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। वह उस गंभीर गलती को देखकर चकित और भयभीत था जो प्रसिद्ध जासूस करने वाला था, और उसने उसे उस गलत सुराग से हटाने की कोशिश की जिसका वह पीछा कर रहा था; लेकिन महान फ्रेड ने इस युवा पत्रकार से निर्देश लेने से इनकार कर दिया। अब हम जानते हैं कि इसका परिणाम श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक के लिए क्या हुआ।
लेकिन अब, फ्रांस को जानना चाहिए—पूरी दुनिया को जानना चाहिए, कि जिस शाम महाशय डार्ज़ैक को गिरफ्तार किया गया था, उसी शाम युवा रूलेटाबिल हमारे संपादकीय कार्यालय में आए और हमें बताया कि वे यात्रा पर जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं कितने समय के लिए बाहर रहूंगा, मैं नहीं कह सकता; शायद एक महीना—शायद दो—शायद तीन, शायद मैं कभी वापस न आऊं। यह एक पत्र है। यदि मैं उस दिन वापस नहीं आता जिस दिन महाशय डार्ज़ैक को अदालत में पेश होना है, तो सभी गवाहों के बयान के बाद इस पत्र को खुलवाकर अदालत में पढ़वाएं। महाशय डार्ज़ैक के वकील से बात कर लें। महाशय डार्ज़ैक निर्दोष हैं। इस पत्र में हत्यारे का नाम लिखा है; और—बस इतना ही मुझे कहना है। मैं हत्यारे के अपराध के अकाट्य सबूत जुटाने के लिए जा रहा हूं।' हमारा रिपोर्टर चला गया। काफी समय तक हमें उससे कोई खबर नहीं मिली; लेकिन, एक

सप्ताह पहले, एक अजनबी हमारे प्रबंधक से मिलने आया और बोला: 'यदि आवश्यक हो तो जोसेफ रूलेटाबिल के निर्देशों के अनुसार कार्य करें। उनके द्वारा छोड़ा गया पत्र सत्य है।' यह संदेश लाने वाले सज्जन ने अपना नाम नहीं बताया।
आज, 15 जनवरी, मुकदमे का दिन है। जोसेफ रूलेटाबिल वापस नहीं लौटा है। हो सकता है कि हम उसे फिर कभी न देख पाएं। प्रेस भी अपने नायकों, कर्तव्य के लिए शहीदों को गिनता है। हो सकता है कि वह अब जीवित न हो। हम उसका बदला लेना जानते हैं। हमारे प्रबंधक आज दोपहर वर्साय स्थित न्यायालय में उस पत्र के साथ उपस्थित होंगे—वह पत्र जिसमें हत्यारे का नाम है!
पेरिस के वे लोग जो वर्साय की अदालत में "पीले कमरे का रहस्य" के नाम से मशहूर मुकदमे की सुनवाई में शामिल होने के लिए उमड़ पड़े थे, उन्हें सेंट-लाज़ारे स्टेशन पर मची भीषण भीड़ अवश्य याद होगी। आम ट्रेनें इतनी भरी हुई थीं कि विशेष ट्रेनें चलानी पड़ीं। "एपोक" अखबार में छपे लेख ने जनता में इतना उत्साह भर दिया था कि हर जगह बहस छिड़ी हुई थी, यहाँ तक कि हाथापाई की नौबत भी आ गई थी। रूलेटाबिल के समर्थक फ्रेडरिक लार्सन के समर्थकों से भिड़ गए। हैरानी की बात यह है कि यह उत्साह इस बात से कम था कि एक निर्दोष व्यक्ति को गलत तरीके से दोषी ठहराए जाने का खतरा था, बल्कि पीले कमरे के रहस्य को लेकर दोनों के अपने-अपने विचारों में दिलचस्पी लेने से ज़्यादा था। हर किसी के पास अपनी-अपनी व्याख्या थी जिस पर वे अडिग थे। जो लोग फ्रेडरिक लार्सन के सिद्धांत के आधार पर अपराध की व्याख्या करते थे, वे यह मानने को तैयार नहीं थे कि इस लोकप्रिय जासूस की दूरदर्शिता पर कोई संदेह हो सकता है। जिन अन्य लोगों ने एक अलग समाधान निकाला था, उन्होंने स्वाभाविक रूप से जोर देकर कहा कि यह रूलेटाबिल की व्याख्या थी, हालांकि वे अभी तक यह नहीं जानते थे कि वह क्या थी।
दिन का "एपोक" अखबार हाथ में लिए, "लार्सन" और "रौलेटाबिल" पैलेस डी जस्टिस की सीढ़ियों पर एक-दूसरे से लड़ते-झगड़ते हुए अदालत तक पहुँच गए। जो लोग अंदर नहीं जा सके, वे शाम तक आसपास ही रहे और सैनिकों व पुलिस ने बड़ी मुश्किल से उन्हें रोका। वे खबरों के लिए बेताब थे और बेतुकी अफवाहों का भी स्वागत कर रहे थे। एक समय तो यह अफवाह भी फैल गई कि खुद मिस्टर स्टैंगर्सन को अदालत में गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्होंने हत्यारा होने का जुर्म कबूल कर लिया है। इससे पता चलता है कि घबराहट भरी उत्तेजना

लोगों को किस हद तक पागलपन की ओर ले जा सकती है। रौलेटाबिल के आने की उम्मीद अभी भी बनी हुई थी। कुछ लोगों ने उसे जानने का नाटक किया; और जब एक युवक "पास" लेकर उस खुले मैदान को पार कर रहा था जो भीड़ को अदालत से अलग करता था, तो हाथापाई शुरू हो गई। "रौलेटाबिल!—देखो, रौलेटाबिल!" के नारे लगने लगे। अखबार के मैनेजर के आने पर एक बड़ा प्रदर्शन शुरू हो गया। कुछ लोगों ने तालियाँ बजाईं, तो कुछ ने हूटिंग की।
मुकदमे की अध्यक्षता मॉन्सियर डी रोकूज़ ने की, जो अपने वर्ग के पूर्वाग्रहों से ग्रस्त न्यायाधीश थे, लेकिन हृदय से ईमानदार थे। गवाहों को बुलाया जा चुका था। मैं वहाँ मौजूद था, और वे सभी लोग भी जो किसी न किसी रूप में ग्लैंडियर के रहस्यों से जुड़े थे। मॉन्सियर स्टैंगर्सन—जो कई साल बूढ़े और लगभग पहचानने योग्य नहीं लग रहे थे—लार्सन, आर्थर रैंस, जिनका चेहरा हमेशा की तरह लाल था, डैडी जैक्स, डैडी मैथ्यू, जिन्हें दो पुलिसकर्मियों के बीच हथकड़ी लगाकर अदालत में लाया गया था, मैडम मैथ्यू, जो रो रही थीं, दोनों बर्नियर, दोनों नर्सें, प्रबंधक, महल के सभी नौकर, पेरिस डाकघर का कर्मचारी, एपिने का रेलवे कर्मचारी, मॉन्सियर और मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कुछ मित्र, और मॉन्सियर डार्ज़ैक के सभी गवाह। मुझे सौभाग्य से मुकदमे की शुरुआत में ही बुलाया गया था, इसलिए मैं लगभग पूरी कार्यवाही देख सका और उसमें उपस्थित रहा।
अदालत में इतनी भीड़ थी कि कई वकीलों को सीढ़ियों पर बैठना पड़ा। न्यायाधीशों की पीठ के पीछे अन्य पीठों के प्रतिनिधि बैठे थे। श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक, पुलिसकर्मियों के बीच कैदी के कटघरे में खड़े थे - लंबे, आकर्षक और शांत। उनके आने पर लोगों ने सहानुभूति के बजाय प्रशंसा की हल्की फुसफुसाहट की। वे अपने वकील, मैत्रे हेनरी रॉबर्ट की ओर झुके, जो अपने मुख्य सचिव, मैत्रे आंद्रे हेसे की सहायता से, अपने मुकदमे के पन्ने तेज़ी से पलट रहे थे।
कई लोगों को उम्मीद थी कि महाशय स्टैंगरसन अपनी गवाही देने के बाद कैदी के पास जाकर उससे हाथ मिलाएंगे; लेकिन वे बिना कुछ बोले अदालत से चले गए। यह देखा गया कि जूरी के सदस्य "एपोक" के प्रबंधक और मैत्रे हेनरी रॉबर्ट के बीच हो रही तेज़ बातचीत में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे थे। प्रबंधक बाद में सार्वजनिक सीटों की पहली पंक्ति में बैठ गए। कुछ लोगों को आश्चर्य हुआ कि

उन्हें अन्य गवाहों के लिए आरक्षित कमरे में उनके साथ रहने के लिए क्यों नहीं कहा गया।
अभियोग पत्र का वाचन हमेशा की तरह बिना किसी घटना के संपन्न हो गया। मैं यहाँ श्री डार्ज़ैक से हुई लंबी पूछताछ का विवरण नहीं दूंगा। उन्होंने सभी प्रश्नों के उत्तर शीघ्रता और सहजता से दिए। जिन महत्वपूर्ण मामलों के बारे में हम जानते हैं, उन पर उनकी चुप्पी उनके लिए घातक साबित हुई। ऐसा प्रतीत होता है मानो यह मौन उनके लिए घातक सिद्ध होगा। उन्होंने राष्ट्रपति की फटकारों का विरोध किया। उन्हें बताया गया था कि उनकी चुप्पी मृत्यु का कारण बन सकती है।
"ठीक है," उसने कहा; "मैं इसे स्वीकार करता हूँ; लेकिन मैं निर्दोष हूँ।" अपनी उस असाधारण क्षमता के बल पर, जिसने उन्हें प्रसिद्धि दिलाई, मैत्रे रॉबर्ट ने इस घटना का लाभ उठाया और यह दिखाने की कोशिश की कि इससे उनके मुवक्किल का चरित्र उत्कृष्ट रूप से उभर कर सामने आया है; क्योंकि ऐसे खतरे के सामने नैतिक कारणों से चुप रहना केवल वीर स्वभाव के लोगों का ही स्वभाव हो सकता है। हालांकि, प्रख्यात वकील केवल उन लोगों को आश्वस्त करने में सफल रहे जो पहले से ही डार्ज़ैक की निर्दोषता के प्रति आश्वस्त थे। कार्यवाही स्थगित होने तक रूलेटाबिल अभी तक नहीं पहुंचे थे। जब भी कोई दरवाजा खुलता, वहां मौजूद सभी निगाहें उस दरवाजे की ओर और फिर "एपोक" के प्रबंधक की ओर मुड़ जातीं, जो अपनी जगह पर भावहीन बैठे थे। एक बार जब उन्होंने अपनी जेब में कुछ टटोला, तो उम्मीद भरी एक तेज फुसफुसाहट सुनाई दी। पत्र!
हालांकि, मेरा इरादा मुकदमे की पूरी कार्यवाही का विस्तृत विवरण देने का नहीं है। मेरे पाठक ग्लैंडियर मामले से जुड़े रहस्यों से अच्छी तरह परिचित हैं, इसलिए मैं इस अविस्मरणीय दिन के वास्तव में नाटकीय अंत की ओर बढ़ सकता हूँ।
जब सुनवाई दोबारा शुरू हुई, तो मैत्रे हेनरी रॉबर्ट ने डैडी मैथ्यू से चौकीदार की मौत में उनकी संलिप्तता के बारे में पूछताछ की। उनकी पत्नी को भी लाया गया और उनके पति ने उनसे पूछताछ की। वह फूट-फूटकर रोने लगीं और कबूल किया कि वह चौकीदार की प्रेमिका थीं और उनके पति को इस बात का शक था। हालांकि, उन्होंने फिर से इस बात की पुष्टि की कि उनके प्रेमी की हत्या में

उनके पति का कोई हाथ नहीं था। इसके बाद मैत्रे हेनरी रॉबर्ट ने अदालत से इस मामले पर फ्रेडरिक लार्सन की बात सुनने का अनुरोध किया।
"स्थगन के दौरान फ्रेडरिक लार्सन से हुई संक्षिप्त बातचीत में," वकील ने कहा, "उन्होंने मुझे समझाया है कि चौकीदार की मौत मैथ्यू के हाथों नहीं बल्कि किसी और कारण से हुई हो सकती है। फ्रेडरिक लार्सन का सिद्धांत सुनना दिलचस्प होगा।"
फ्रेडरिक लार्सन को बुलाया गया। उनका स्पष्टीकरण बिल्कुल स्पष्ट था। उन्होंने कहा, "मुझे मैथ्यू को इसमें घसीटने की कोई आवश्यकता नहीं दिखती। मैंने महाशय डी मार्केट को बताया है कि उस व्यक्ति की धमकियों ने जांच मजिस्ट्रेट को उसके खिलाफ पूर्वाग्रहित कर दिया था। मेरे अनुसार, मैडमोजेल की हत्या का प्रयास और चौकीदार की मौत एक ही व्यक्ति का काम है। मैडमोजेल स्टैंगरसन का हत्यारा, अदालत से भागते हुए, उस पर गोली चलाई गई; ऐसा माना गया कि उसे गोली लगी, शायद उसकी मौत हो गई। वास्तव में, गायब होते समय वह महल के दाहिने हिस्से के कोने के पीछे केवल लड़खड़ाया। वहाँ उसकी मुलाकात चौकीदार से हुई, जिसने निस्संदेह उसे पकड़ने की कोशिश की। हत्यारे के हाथ में वही चाकू था जिससे उसने मैडमोजेल स्टैंगरसन पर वार किया था और उसी से उसने चौकीदार की हत्या की।"
यह बेहद सरल व्याख्या तुरंत ही तर्कसंगत और संतोषजनक प्रतीत हुई। सहमति की हल्की फुसफुसाहट सुनाई दी।
"और हत्यारा? उसका क्या हुआ?" राष्ट्रपति ने पूछा।
"वह स्पष्ट रूप से प्रांगण के अंत में एक सुनसान कोने में छिपा हुआ था। लोगों द्वारा प्रांगण के रक्षक के शव को अपने साथ ले जाने के बाद, हत्यारा चुपचाप भाग निकला।"
लार्सन के मुंह से ये शब्द अभी निकले ही थे कि कोर्ट के पीछे से एक युवा की आवाज सुनाई दी:
"मैं रक्षक की मौत के बारे में फ्रेडरिक लार्सन से सहमत हूं; लेकिन हत्यारे के भागने के तरीके के बारे में मैं उनसे सहमत नहीं हूं!"
सब लोग अचंभित होकर पीछे मुड़ गए। अदालत के क्लर्क स्पीकर की ओर दौड़े और चुप रहने का आदेश देने लगे, और अध्यक्ष ने गुस्से में घुसपैठिए को तुरंत बाहर निकालने का आदेश दिया। हालाँकि, वही स्पष्ट आवाज़ फिर से सुनाई दी: "मैं हूँ, महामहिम राष्ट्रपति - जोसेफ रूलेटाबिल!"

अध्याय XXVII. जिसमें जोसेफ रूलेटाबिल अपने पूरे वैभव में प्रकट होते हैं
माहौल बेहद तनावपूर्ण था। असाधारण भीड़भाड़ और हलचल के बीच बेहोश होती महिलाओं की चीखें सुनाई दे रही थीं। "कानून की गरिमा" पूरी तरह भुला दी गई थी। राष्ट्रपति ने अपनी बात मनवाने की व्यर्थ कोशिश की। रूलेटाबिल बड़ी मुश्किल से आगे बढ़ा, लेकिन धक्का-मुक्की करते हुए अपने प्रबंधक तक पहुँचा और उनका हार्दिक अभिवादन किया। पत्र उसे दिया गया और जेब में रखते हुए वह गवाहों के कटघरे की ओर मुड़ा। उसने ठीक वैसे ही कपड़े पहने थे जैसे उस दिन पहने थे जब वह मुझे छोड़कर गया था, यहाँ तक कि उसकी बांह पर ओढ़ा हुआ शॉल भी वैसा ही था। राष्ट्रपति की ओर मुड़कर उसने कहा:
"क्षमा करें, महाशय राष्ट्रपति, लेकिन मैं अभी-अभी अमेरिका से आया हूँ। स्टीमर लेट हो गया था। मेरा नाम जोसेफ रूलेटाबिल है!"
जब वह गवाह के कटघरे में आया तो उसके बाद जो सन्नाटा छाया हुआ था, वह उसके शब्द सुनते ही हंसी से टूट गया। ऐसा लग रहा था मानो हर कोई उसे वहां देखकर राहत और खुशी महसूस कर रहा हो, मानो अंततः सच सुनने की उम्मीद में हो। लेकिन राष्ट्रपति बेहद क्रोधित थे:
"तो, तुम जोसेफ रूलेटाबिल हो," उसने उत्तर दिया; "अच्छा, नौजवान, मैं तुम्हें सिखाऊंगा कि न्याय का मज़ाक उड़ाने का क्या परिणाम होता है। अपने विवेकाधिकार के बल पर, मैं तुम्हें अदालत के अधीन रखता हूँ।"
"महामहिम राष्ट्रपति, मैं इससे बेहतर कुछ नहीं मांग सकता। मैं इसी उद्देश्य से यहाँ आया हूँ। मैं न्यायालय से उस व्यवधान के लिए विनम्रतापूर्वक क्षमा चाहता हूँ जिसका निर्दोष कारण मैं रहा हूँ। मैं आपसे यह विश्वास करने का अनुरोध करता हूँ कि न्यायालय के प्रति मुझसे अधिक सम्मान किसी के मन में नहीं है। मैं जैसे-तैसे आया हूँ।" वह मुस्कुराया। "इसे ले जाओ!" राष्ट्रपति ने आदेश दिया।
मैत्रे हेनरी रॉबर्ट ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने सबसे पहले उस युवक की ओर से क्षमा मांगी, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि वह केवल नेक इरादों से प्रेरित था। उन्होंने राष्ट्रपति को समझाया कि उस गवाह की गवाही को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जो उस पूरे घटनापूर्ण सप्ताह के दौरान

ग्लैंडियर में सोया था, और वर्तमान गवाह ने तो असली हत्यारे का नाम भी बता दिया है।
"क्या आप हमें बताने वाले हैं कि हत्यारा कौन था?" राष्ट्रपति ने कुछ हद तक आश्वस्त होते हुए, हालांकि अभी भी संशय में, पूछा।
"मैं इसी उद्देश्य से आया हूँ, महाशय राष्ट्रपति!" रूलेटाबिल ने उत्तर दिया।
ताली बजाने की कोशिश को व्यवस्थापक ने रोक दिया।
मैत्रे हेनरी रॉबर्ट ने कहा, "जोसेफ रूलेटाबिल को नियमित रूप से गवाह के रूप में पेश होने के लिए समन नहीं भेजा गया है, लेकिन मुझे उम्मीद है, महाशय राष्ट्रपति, आप अपने विवेकाधीन अधिकारों के आधार पर उनसे पूछताछ करेंगे।"
राष्ट्रपति ने कहा, "बहुत खूब! हम उनसे पूछताछ करेंगे। लेकिन हमें नियमों के अनुसार आगे बढ़ना होगा।"
एडवोकेट-जनरल खड़े हुए:
उन्होंने कहा, "शायद बेहतर होगा अगर वह युवक अभी हमें बता दे कि उसे किस पर शक है।"
राष्ट्रपति ने व्यंग्यात्मक भाव से सिर हिलाया:
"यदि एडवोकेट-जनरल श्री जोसेफ रूलेटाबिल के बयान को महत्व देते हैं, तो मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि यह गवाह हमें हत्यारे का नाम क्यों नहीं बता सकता।"
सन्नाटा पसरा हुआ था। रूलेटाबिल चुपचाप खड़ा था और डार्ज़ैक को सहानुभूति से देख रहा था, जो मुकदमे की शुरुआत के बाद पहली बार उत्तेजित दिखाई दिया था।
“ठीक है,” राष्ट्रपति चिल्लाए, “हम हत्यारे के नाम का इंतजार कर रहे हैं।” रूलेटाबिल ने अपनी जैकेट की जेब में हाथ डालकर अपनी घड़ी निकाली और उसे देखते हुए कहा:
"महामहिम राष्ट्रपति, मैं साढ़े छह बजे से पहले हत्यारे का नाम नहीं बता सकता!"
कमरे में निराशा की तेज फुसफुसाहट गूंज उठी। कुछ वकीलों को यह कहते हुए सुना गया: "वह हमारा मजाक उड़ा रहा है!"
राष्ट्रपति ने कठोर स्वर में कहा:

"यह मज़ाक बहुत आगे बढ़ चुका है। आप गवाहों के कमरे में जा सकते हैं, महोदय। हम आपकी सेवा में तत्पर हैं।"
रूलेटबिल ने विरोध जताया।
“महामहिम राष्ट्रपति,” उन्होंने अपनी तीखी, स्पष्ट आवाज़ में कहा, “मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, जब मैं हत्यारे का नाम बताऊँगा, तो आप समझ जाएँगे कि मैं साढ़े छह बजे से पहले क्यों नहीं बोल सका। मैं यह बात अपनी प्रतिष्ठा की कसम खाकर कहता हूँ। हालाँकि, मैं अब आपको चौकीदार की हत्या के बारे में कुछ स्पष्टीकरण दे सकता हूँ। महामहिम फ्रेडरिक लार्सन, जिन्होंने मुझे ग्लैंडियर में काम करते देखा है, आपको बता सकते हैं कि मैंने इस मामले का कितनी सावधानी से अध्ययन किया। मुझे महामहिम रॉबर्ट डार्ज़ैक को गिरफ्तार करने के उनके फैसले से असहमत होना पड़ा, जबकि वह निर्दोष हैं। महामहिम लार्सन मेरी ईमानदारी से वाकिफ हैं और जानते हैं कि मेरी खोजों का कुछ महत्व हो सकता है, जिन्होंने अक्सर उनकी अपनी खोजों की पुष्टि की है।”
फ्रेडरिक लार्सन ने कहा:
"महामहिम राष्ट्रपति, श्री जोसेफ रूलेटाबिल की बात सुनना दिलचस्प होगा, खासकर इसलिए क्योंकि वे मुझसे असहमत हैं।"
जासूस के भाषण पर हल्की-हल्की सहमति की आवाज़ें सुनाई दीं। वह एक अच्छा खिलाड़ी था और उसने चुनौती स्वीकार कर ली। दोनों के बीच का मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद थी।
राष्ट्रपति के मौन रहने पर फ्रेडरिक लार्सन ने बोलना जारी रखा:
"हम इस बात से सहमत हैं कि चौकीदार का हत्यारा वही व्यक्ति था जिसने मैडमोजेल स्टैंगर्सन पर हमला किया था; लेकिन चूंकि हम इस बात पर सहमत नहीं हैं कि हत्यारा कैसे भागा, इसलिए मैं श्री रूलेटाबिल का स्पष्टीकरण सुनने के लिए उत्सुक हूं।"
"मुझे इसमें कोई शक नहीं है," मेरे दोस्त ने कहा।
इस टिप्पणी पर सब हंस पड़े। राष्ट्रपति ने गुस्से में घोषणा की कि अगर ऐसा दोबारा हुआ तो वे अदालत को खाली करवा देंगे।
"अब, नौजवान," राष्ट्रपति ने कहा, "तुमने श्री फ्रेडरिक लार्सन की बात सुनी; हत्यारा अदालत से कैसे भाग निकला?"

रूलेटबिल ने मैडम मैथ्यू की ओर देखा, जिन्होंने उदास मुस्कान के साथ उनकी ओर देखा।
उन्होंने कहा, "चूंकि मैडम मैथ्यू ने चौकीदार के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को खुलकर स्वीकार किया है—"
"अरे वाह, ये तो लड़का है!" डैडी मैथ्यू ने हैरानी से कहा।
"उस आदमी को हटाओ!" राष्ट्रपति ने आदेश दिया।
मैथ्यू को अदालत से बाहर निकाल दिया गया। रूलेटाबिल ने आगे कहा:
"चूंकि उसने यह स्वीकारोक्ति कर दी है, इसलिए मैं आपको यह बताने के लिए स्वतंत्र हूं कि वह अक्सर रात में डोंजॉन की पहली मंजिल पर, उस कमरे में चौकीदार से मिलती थी जो कभी प्रार्थना कक्ष हुआ करता था। जब उसके पति गठिया से बीमार पड़ गए, तो ये मुलाकातें और भी बढ़ गईं। वह उन्हें दर्द कम करने और खुद को मुलाकातों के लिए अधिक समय देने के लिए मॉर्फिन देती थी। उस रात मैडम मैथ्यू एक बड़े काले शॉल में लिपटी हुई महल में आई थीं, जो एक तरह से भेस बदलने का काम भी करता था। यही वह प्रेत थी जिसने डैडी जैक्स को परेशान किया था। वह मदर एंजेनॉक्स की बिल्ली की म्याऊं की नकल करना जानती थी और चौकीदार को अपनी उपस्थिति का आगाह करने के लिए वैसी ही आवाजें निकालती थी। डोंजॉन की हालिया मरम्मत से चौकीदार के पुराने कमरे में उनकी मुलाकातों में कोई बाधा नहीं आई, क्योंकि दाहिने विंग के अंत में उसे दिया गया नया कमरा प्रबंधक के कमरे से केवल एक विभाजन द्वारा अलग किया गया था।" "आंगन में हुई त्रासदी से पहले मैडम मैथ्यू और चौकीदार एक साथ डोंजॉन से निकले थे। अगली सुबह आंगन में मिले पैरों के निशानों की जांच से मुझे ये तथ्य पता चले। बर्नियर, जो चौकीदार था और जिसे मैंने डोंजॉन के पीछे तैनात किया था—जैसा कि वह खुद बताएगा—आंगन में क्या हुआ, यह नहीं देख सका। वह तब तक आंगन में नहीं पहुंचा जब तक उसने रिवाल्वर की गोलियों की आवाज नहीं सुनी, और फिर उसने गोली चला दी। जब महिला उस आदमी से अलग हुई तो वह आंगन के खुले द्वार की ओर चली गई, जबकि वह अपने कमरे में लौट गया।"
वह लगभग दरवाजे तक पहुँच ही गया था कि रिवाल्वरों की आवाज़ गूंज उठी। वह कोने पर ही पहुँचा था कि एक परछाई तेज़ी से गुज़र गई। इसी बीच, मैडम मैथ्यू, रिवाल्वरों की आवाज़ और आंगन में लोगों के आने से घबराकर, अंधेरे में दुबक गईं। आंगन बड़ा था और गेट के पास होने के कारण वह आसानी से बिना किसी की नज़र में आए बाहर निकल सकती थीं। लेकिन वह वहीं रहीं और शव को ले

जाते हुए देखा। गहरे मानसिक कष्ट में वह प्रवेश कक्ष के पास पहुँचीं और डैडी जैक्स की लालटेन की रोशनी में सीढ़ियों पर अपने प्रेमी का शव देखा। फिर वह भाग गईं; और डैडी जैक्स भी उनके पीछे-पीछे भागे।
"उसी रात, हत्या से पहले, डैडी जैक्स बिल्ली की आवाज़ से जाग गए थे और खिड़की से बाहर देखते हुए उन्होंने एक काली परछाई देखी। जल्दी से कपड़े पहनकर वे बाहर गए और उसे पहचान लिया। वे मैडम मैथ्यू के पुराने दोस्त थे, और जब उन्होंने उन्हें देखा तो उन्हें चौकीदार के साथ अपने संबंधों के बारे में बताना पड़ा और उनकी मदद की गुहार लगाई। डैडी जैक्स को उन पर दया आ गई और वे उन्हें ओक के पेड़ों के झुरमुट से होते हुए पार्क से बाहर, झील की सीमा पार करके एपिने जाने वाली सड़क तक ले गए। वहाँ से उनका घर बहुत ही कम दूरी पर था।"
"डैडी जैक्स महल में लौट आए, और यह देखते हुए कि मैडम मैथ्यू की महल में उपस्थिति को गुप्त रखना कितना महत्वपूर्ण था, उन्होंने इसे छिपाने के लिए हर संभव प्रयास किया। मैं महाशय लार्सन से अपील करता हूँ, जिन्होंने अगली सुबह मुझे पैरों के दो निशानों की जाँच करते हुए देखा था।"
इस पर रूलेटाबिल ने मैडम मैथ्यू की ओर मुड़कर, झुककर कहा:
"मैडम के पदचिह्न हत्यारे के साफ-सुथरे पदचिह्नों से अजीब तरह से मिलते- जुलते हैं।"
मैडम मैथ्यू कांप उठीं और बड़ी-बड़ी आंखों से उनकी ओर देखने लगीं, मानो उन्हें आश्चर्य हो रहा हो कि वह आगे क्या कहेंगे।
"मैडम का पैर सुडौल है, लंबा है और एक महिला के हिसाब से काफी बड़ा है। नुकीली उंगली वाला यह निशान हत्यारे के निशान से बहुत मिलता-जुलता है।" रूलेटाबिल ने दरबार में चल रहे एक आंदोलन को दबा दिया। उसने तुरंत ही सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया।
उन्होंने आगे कहा, "मैं यह बात तुरंत जोड़ना चाहता हूँ कि मैं इसे कोई महत्व नहीं देता। इस तरह के बाहरी संकेत अक्सर हमें भ्रम में डाल सकते हैं, यदि हम सही तर्क न करें। श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक के पदचिह्न भी हत्यारे के पदचिह्नों से मिलते-जुलते हैं, फिर भी वह हत्यारा नहीं है!"
राष्ट्रपति ने मैडम मैथ्यू की ओर मुड़कर पूछा:
"क्या यह आपके द्वारा ज्ञात घटनाओं के अनुरूप है?"

"जी हां, महाशय राष्ट्रपति," उसने जवाब दिया, "ऐसा लगता है मानो महाशय रूलेटाबिल हमारे पीछे थे।"
"क्या आपने हत्यारे को दाहिनी ओर के आखिरी छोर की तरफ भागते हुए देखा?" "हां, मैंने उन्हें बाद में रक्षक का शव ले जाते हुए स्पष्ट रूप से देखा था।"
"हत्यारे का क्या हुआ?—आप आंगन में थे और आसानी से देख सकते थे।"
"मुझे उनका कोई अता-पता नहीं चला, महामहिम राष्ट्रपति। तभी एकदम अंधेरा हो गया था।"
राष्ट्रपति ने कहा, "तो महाशय रूलेटाबिल को यह बताना होगा कि हत्यारा कैसे भाग निकला।"
रूलेटबिल जारी रहा:
"हत्यारे के लिए अदालत में प्रवेश करने के रास्ते से बिना हमारी नज़र में आए भाग जाना असंभव था; या अगर हम उसे नहीं देख पाए तो हमने निश्चित रूप से उसे महसूस किया होगा, क्योंकि अदालत बहुत संकरी है और ऊँची लोहे की रेलिंग से घिरी हुई है।"
"अगर वह आदमी उस तंग चौक में फंसा हुआ था, तो आपने उसे कैसे नहीं पाया?—मैं पिछले आधे घंटे से आपसे यही सवाल पूछ रहा हूं।"
"महामहिम राष्ट्रपति," रूलेटाबिल ने उत्तर दिया, "मैं साढ़े छह बजे से पहले इस प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकता!"
इस समय तक अदालत में मौजूद लोग इस नए गवाह पर विश्वास करने लगे थे। समय तय करने के उसके नाटकीय कृत्य से वे थोड़ा हैरान थे; लेकिन उन्हें फैसले पर पूरा भरोसा था। जहाँ तक राष्ट्रपति की बात है, ऐसा लग रहा था कि उन्होंने भी उस युवक को उसी तरह स्वीकार करने का मन बना लिया था। रूलेटाबिल द्वारा मैडम मैथ्यू की भूमिका के बारे में दी गई व्याख्या से वे निश्चित रूप से प्रभावित हुए थे।
"ठीक है, श्रीमान रूलेटाबिल," उसने कहा, "जैसा आप कहें; लेकिन साढ़े छह बजे से पहले हमें आपका फिर कभी दर्शन न हो।"
रूलेटबिल ने राष्ट्रपति को प्रणाम किया और गवाहों के कमरे के दरवाजे की ओर चल दिए।

मैं चुपचाप भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए निकला और लगभग उसी समय कोर्ट से बाहर निकला जब रूलेटाबिल भी निकला। उसने मेरा गर्मजोशी से अभिवादन किया और खुश दिख रहा था।
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "मैं आपसे नहीं पूछूंगा, मेरे प्यारे दोस्त, कि आप अमेरिका में क्या कर रहे थे; क्योंकि मुझे पूरा यकीन है कि आप कहेंगे कि आप मुझे साढ़े छह बजे के बाद ही बता सकते हैं।"
"नहीं, मेरे प्यारे सैनक्लेयर, मैं तुम्हें अभी बता दूँगी कि मैं अमेरिका क्यों गई थी। मैं हत्यारे के दूसरे हिस्से का नाम खोजने गई थी!"
"दूसरे हिस्से का नाम क्या है?"
"बिल्कुल सही। जब हमने पिछली बार ग्लैंडियर को छोड़ा था, तब मुझे पता था कि हत्यारे के दो पहलू हैं और उनमें से केवल एक का ही नाम पता था। मैं दूसरे पहलू का नाम पता करने के लिए अमेरिका गया था।"
मैं इतना असमंजस में था कि जवाब नहीं दे सका। तभी हम गवाहों के कमरे में दाखिल हुए और रूलेटाबिल तुरंत ही लोगों से घिर गया। उसने आर्थर रैंस को छोड़कर बाकी सभी के साथ बहुत दोस्ताना व्यवहार किया, जिनके प्रति उसका व्यवहार बेहद ठंडा था। फ्रेडरिक लार्सन भी अंदर आया। रूलेटाबिल उसके पास गया और गर्मजोशी से उसका हाथ मिलाया। जासूस के प्रति उसके हावभाव से साफ पता चल रहा था कि उसने पुलिसवाले को मात दे दी है। लार्सन मुस्कुराया और उससे पूछा कि वह अमेरिका में क्या कर रहा था। रूलेटाबिल ने अपनी यात्रा के कुछ किस्से सुनाने शुरू कर दिए। फिर वे दोनों एक तरफ मुड़ गए, जाहिर तौर पर आपस में गुप्त रूप से बात करने के इरादे से। इसलिए, मैं चुपचाप उन्हें छोड़कर, सबूत सुनने की उत्सुकता में, अदालत कक्ष में अपनी सीट पर लौट आया, जहाँ जनता स्पष्ट रूप से चल रही कार्यवाही में अपनी अरुचि दिखा रही थी और तय समय पर रूलेटाबिल के लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी।
साढ़े छह बजे जोसेफ रूलेटाबिल को फिर से अंदर लाया गया। जब वह बार की ओर बढ़ा, तो हर चेहरे पर जो तनावपूर्ण उत्तेजना थी, उसकी कल्पना करना मेरे लिए असंभव है। डार्ज़ैक भयानक रूप से पीला पड़कर खड़ा हुआ।
राष्ट्रपति ने रूलेटाबिल को संबोधित करते हुए गंभीरता से कहा:
"मैं आपसे शपथ लेने के लिए नहीं कहूंगा, क्योंकि आपको विधिवत रूप से तलब नहीं किया गया है; लेकिन मुझे विश्वास है कि आपको उस बयान की गंभीरता के बारे में बताने की कोई आवश्यकता नहीं है जो आप देने वाले हैं।"

रूलेटबिल ने राष्ट्रपति के चेहरे की ओर बड़ी शांति और स्थिरता से देखा और उत्तर दिया:
"जी श्रीमान।"
राष्ट्रपति ने कहा, "पिछली बार जब आप यहां आए थे, तब हम उस बिंदु पर पहुंच गए थे जहां आपको हमें यह बताना था कि हत्यारा कैसे भागा और उसका नाम क्या है। अब, श्री रूलेटाबिल, हम आपके स्पष्टीकरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं।" "बहुत खूब, महोदय," मेरे मित्र ने गहरी चुप्पी के बीच कहना शुरू किया। "मैंने समझाया था कि हत्यारे के लिए बिना देखे भाग निकलना नामुमकिन था। फिर भी वह हमारे साथ आंगन में मौजूद था।"
"और आपने उसे नहीं देखा? कम से कम अभियोजन पक्ष तो यही कहता है।"
"नहीं! हम सबने उसे देखा था, महाशय राष्ट्रपति!" रूलेटाबिल चिल्लाया।
"तो फिर उसे गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया?"
"क्योंकि मेरे अलावा किसी को नहीं पता था कि वह हत्यारा है। उसे गिरफ्तार करवा लेने से मेरी सारी योजनाएँ बिगड़ जातीं, और उस समय मेरे पास अपने तर्क के अलावा कोई सबूत नहीं था। मुझे पूरा यकीन था कि हत्यारा हमारे सामने है और हम सचमुच उसे देख रहे हैं। अब मैं वो सबूत लेकर आया हूँ जिसे मैं निर्विवाद मानता हूँ।"
"महोदय, बोलिए! हमें हत्यारे का नाम बताइए।"
"त्रासदी की रात अदालत में मौजूद लोगों के नामों की सूची में आपको यह नाम मिल जाएगा," रूलेटाबिल ने उत्तर दिया।
अदालत कक्ष में मौजूद लोग अधीर होने लगे। उनमें से कुछ ने नाम तक पुकारा, जिन्हें अदालत के कर्मचारी ने चुप करा दिया।
राष्ट्रपति ने कहा, "इस सूची में डैडी जैक्स, बर्नियर (दरबान) और श्री आर्थर रैंस शामिल हैं। क्या आप इनमें से किसी पर आरोप लगाते हैं?"
"नहीं, महोदय!"
"तो फिर मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कहना चाह रहे हैं। अदालत के उस छोर पर कोई और व्यक्ति नहीं था।"
"जी हां, महोदय, वहां एक व्यक्ति था, अंत में नहीं, बल्कि अदालत के ऊपर, जो खिड़की से बाहर झांक रहा था।"
"क्या आपका मतलब फ्रेडरिक लार्सन से है!" राष्ट्रपति ने हैरानी से कहा।

"हाँ! फ्रेडरिक लार्सन!" रूलेटाबिल ने बुलंद स्वर में उत्तर दिया। "फ्रेडरिक लार्सन ही हत्यारा है!"
अदालत कक्ष तुरंत ही तीखे और आक्रोशपूर्ण विरोध प्रदर्शनों से भर गया। राष्ट्रपति ने इसे शांत करने का प्रयास न किया, यह देखकर वह इतना आश्चर्यचकित हुआ। इसके बाद जो क्षणिक सन्नाटा छाया, वह रॉबर्ट डार्ज़ैक के होठों से निकले स्पष्ट रूप से फुसफुसाए शब्दों से टूटा:
"यह असंभव है! वह पागल है!"
"महाशय, आप फ्रेडरिक लार्सन पर आरोप लगाने की हिम्मत कैसे करते हैं?" राष्ट्रपति ने पूछा। "अगर आप पागल नहीं हैं, तो आपके पास क्या सबूत हैं?" "प्रमाण, महोदय? क्या आपको प्रमाण चाहिए? लीजिए, एक है," रूलेटाबिल ने तीखी आवाज में कहा। "फ्रेडरिक लार्सन को बुलाया जाए!"
"अशर, फ्रेडरिक लार्सन को फोन करो।"
कर्मचारी जल्दी से बगल वाले दरवाजे की ओर भागा, उसे खोला और गायब हो गया। दरवाजा खुला ही रह गया, और सभी की निगाहें उम्मीद से उस पर टिकी थीं। क्लर्क फिर प्रकट हुआ और आगे बढ़कर बोला:
"महामहिम राष्ट्रपति महोदय, फ्रेडरिक लार्सन यहां नहीं हैं। वे लगभग चार बजे चले गए थे और तब से उनका कोई पता नहीं चला है।"
"यही मेरा सबूत है!" रूलेटाबिल ने विजयी भाव से चिल्लाते हुए कहा।
"अपनी बात स्पष्ट करो?" राष्ट्रपति ने पूछा।
युवा पत्रकार ने कहा, "मेरा सबूत लार्सन का भाग जाना है। वह वापस नहीं आएगा। अब आप फ्रेडरिक लार्सन को कभी नहीं देखेंगे।"
"महाशय, यदि आप अदालत के साथ खिलवाड़ नहीं कर रहे हैं, तो आपने उनकी उपस्थिति में उन पर आरोप क्यों नहीं लगाया? तब वे आपको जवाब दे देते।"
"वह अपने भाग जाने के अलावा कोई और जवाब नहीं दे सकता था।"
"हमें विश्वास नहीं हो रहा कि लार्सन भाग गया है। उसके ऐसा करने का कोई कारण नहीं था। क्या उसे पता था कि आप उस पर यह आरोप लगाएंगे?"
"उसने किया। मैंने उससे कहा था कि मैं करूंगा।"
"क्या आपका मतलब यह है कि यह जानते हुए कि लार्सन ही हत्यारा था, आपने उसे भागने का मौका दिया?"
"जी हां, महामहिम राष्ट्रपति, मैंने किया," रूलेटाबिल ने गर्व से जवाब दिया। "मैं पुलिसवाला नहीं, पत्रकार हूं; और मेरा काम लोगों को गिरफ्तार

करना नहीं है। मेरा काम सच्चाई की सेवा करना है, जल्लाद बनना नहीं। अगर आप न्यायप्रिय हैं, महामहिम, तो आप देखेंगे कि मैं सही हूं। अब आप समझ सकते हैं कि मैंने अब तक नाम क्यों नहीं बताया। मैंने लार्सन को पेरिस जाने वाली 4:17 की ट्रेन पकड़ने का समय दिया, जहां वह खुद को छिपा सकता था और कोई सुराग नहीं छोड़ सकता था। आपको फ्रेडरिक लार्सन नहीं मिलेगा," रूलेटाबिल ने महामहिम रॉबर्ट डार्ज़ैक पर निगाहें गड़ाते हुए कहा। "वह बहुत चालाक है। वह ऐसा आदमी है जो हमेशा आपसे बचता रहा है और जिसे आप लंबे समय से व्यर्थ ही खोज रहे हैं। अगर वह मुझे चकमा देने में कामयाब नहीं हुआ, तो वह आसानी से किसी भी पुलिस को चकमा दे सकता है। यह आदमी, जिसने चार साल पहले पुलिस से अपना परिचय कराया और फ्रेडरिक लार्सन के नाम से प्रसिद्धि पाई, एक दूसरे नाम से कुख्यात है - एक ऐसा नाम जो अपराध जगत में सर्वविदित है। फ्रेडरिक लार्सन, महाशय राष्ट्रपति, वही बॉलमेयर है!"
"बॉलमेयर!" राष्ट्रपति चिल्लाए।
"बॉलमेयर!" रॉबर्ट डार्ज़ैक उछलते हुए बोले। "बॉलमेयर!—तो यह सच था!" "आह! महाशय डार्ज़ैक; आपको नहीं लगता कि मैं पागल हूँ!" रूलेटाबिल चिल्लाई।
बॉलमेयर! बॉलमेयर! अदालत में इसके अलावा कोई और शब्द सुनाई नहीं दिया। राष्ट्रपति ने सुनवाई स्थगित कर दी।
मेरे जिन पाठकों ने बॉलमेयर का नाम नहीं सुना होगा, वे इस नाम से मचे हंगामे को देखकर हैरान होंगे। फिर भी, इस असाधारण अपराधी के कारनामे पिछले बीस वर्षों के समाचार पत्रों और आपराधिक रिकॉर्डों की सबसे सनसनीखेज कहानियों का विषय रहे हैं। यह खबर फैली थी कि वह मर चुका है, और इस तरह वह पुलिस से बच निकला था, जैसा कि वह अपने पूरे करियर में पुलिस से बचता रहा था।
बॉलमेयर उच्च वर्ग के "सज्जन ठग" का सबसे बेहतरीन नमूना था। वह हाथ की सफाई के करतबों में माहिर था और उससे अधिक साहसी या निर्दयी बदमाश कभी नहीं हुआ। वह उच्च समाज में ख्यातिप्राप्त था और कुछ सबसे विशिष्ट क्लबों का सदस्य था। अपनी कई लूटपाट की कार्रवाइयों में उसने चाकू और भेड़ की हड्डी का इस्तेमाल करने से भी संकोच नहीं किया था। कोई भी कठिनाई उसे रोक नहीं पाती थी और कोई भी "चाल" उसके लिए बहुत खतरनाक नहीं थी। उसे पकड़ा गया था, लेकिन मुकदमे की सुबह ही उसने अदालत ले जा रहे गार्डों की आंखों में मिर्च

फेंककर भाग निकला। बाद में पता चला कि सबसे कुशल जासूसों द्वारा उसकी कड़ी खोज के बावजूद, वह उसी शाम थिएटर फ्रांसेस में बिना किसी भेष बदले एक नाटक देखने बैठा था।
बाद में वह अमेरिका में "काम" करने के लिए फ्रांस छोड़कर चला गया। वहाँ की पुलिस उसे एक बार पकड़ने में कामयाब रही, लेकिन वह असाधारण व्यक्ति अगले ही दिन भाग निकला। इस शातिर अपराधी के कारनामों को बताने के लिए एक पूरी किताब लिखनी पड़ेगी। और फिर भी यही वह व्यक्ति था जिसे रूलेटाबिल ने भागने दिया था! उसके बारे में और उसकी पहचान के बारे में सब कुछ जानते हुए भी, उसने उस अपराधी को उस समाज पर एक और बार हंसने का मौका दिया जिसे उसने चुनौती दी थी! मैं उस युवा पत्रकार के इस साहसी कदम की प्रशंसा किए बिना नहीं रह सका, क्योंकि मुझे पूरा यकीन था कि उसका मकसद मैडमोजेल स्टैंगर्सन की रक्षा करना और साथ ही डार्ज़ैक को उसके दुश्मन से छुटकारा दिलाना था। भीड़ अभी उस चौंकाने वाले खुलासे के सदमे से उबर ही रही थी कि सुनवाई फिर से शुरू हो गई। सबके मन में एक ही सवाल था: लार्सन को हत्यारा मानते हुए, वह 'येलो रूम' से बाहर कैसे निकला?
रूलेटबिल को तुरंत बार में बुलाया गया और उनकी पूछताछ जारी रही। राष्ट्रपति ने कहा, "आपने हमें बताया था कि अदालत के आखिरी छोर से भागना असंभव था। चूंकि लार्सन अपनी खिड़की से बाहर झुक रहा था, इसलिए वह अदालत से बाहर निकल गया था। उसने ऐसा कैसे किया?"
"वह बड़े ही अनोखे तरीके से भाग निकला। वह दीवार फांदकर छज्जे पर पहुंचा और जब हम चौकीदार के शव को संभालने में लगे थे, तब वह खिड़की के पास वाली गैलरी में पहुंच गया। फिर उसे खिड़की खोलकर अंदर जाने और हमें पुकारने के अलावा और कुछ नहीं करना था, मानो वह अभी-अभी अपने कमरे से आया हो। बॉलमेयर जैसे ताकतवर आदमी के लिए यह सब बच्चों का खेल था। और यहाँ, महोदय, मेरी बात का प्रमाण है।"
रूलेटबिल ने अपनी जेब से एक छोटा पैकेट निकाला, जिसमें से उसने एक मजबूत लोहे की कील निकाली।
“महाशय,” उसने कहा, “यह एक कील है जो छत को सहारा देने वाली कंगनी में अभी भी दिखाई देने वाले छेद में बिल्कुल फिट बैठती है। लार्सन, जो किसी भी आपात स्थिति के लिए हर चीज की तैयारी रखता था, उसने इस कील को कंगनी में लगा दिया था। उसे भागने के लिए बस इतना करना था कि महल के कोने पर रखे एक पत्थर

पर एक पैर, इस सहारे पर दूसरा, चौकीदार के दरवाजे की कंगनी पर एक हाथ और छत पर दूसरा हाथ रखे, और लार्सन जमीन से ऊपर उठ गया। बाकी सब आसान था। रात के खाने के बाद उसका नशा करने का नाटक करना दिखावा था। उसे नशा नहीं कराया गया था; लेकिन उसने मुझे नशा कराया था। ज़ाहिर है, उसे ऐसा दिखाना था कि उसे भी नशा कराया गया है ताकि मेरी हालत के लिए उस पर कोई शक न हो। अगर मैं इस तरह बेबस न होती, तो लार्सन उस रात मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे में कभी नहीं घुसता, और उन पर हमला नहीं होता।”
डार्ज़ैक के मुंह से एक कराह निकली, ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वह अपनी पीड़ा को नियंत्रित करने में असमर्थ है।
रूलेटाबिल ने आगे कहा, "आप समझ सकते हैं कि लार्सन को इस बात से परेशानी हो रही होगी कि मेरा कमरा उसके कमरे के बहुत करीब था, और उसे शक था कि मैं उस रात पहरा दे रही हूँगी। ज़ाहिर है, वह एक पल के लिए भी यह नहीं मान सकता था कि मुझे उस पर शक है! लेकिन मैंने उसे मैडमोजेल स्टैंगर्सन के पास जाते समय अपने कमरे से निकलते हुए देख लिया था। उसने मेरे सो जाने का इंतज़ार किया, और मेरा दोस्त सैनक्लेयर मुझे जगाने की कोशिश में लगा हुआ था। उसके दस मिनट बाद मैडमोजेल चिल्लाईं, 'हत्या!'"
राष्ट्रपति ने पूछा, "आपको लार्सन पर शक कैसे हुआ?"
"मेरी अंतरात्मा ने उसकी ओर इशारा किया। इसीलिए मैंने उस पर नज़र रखी। लेकिन मुझे नशे की हालत का अंदाज़ा नहीं था। वह बहुत चालाक है। हाँ, मेरी अंतरात्मा ने उसकी ओर इशारा किया; लेकिन मुझे ठोस सबूत चाहिए थे ताकि मेरी आँखें उसे वैसे ही देख सकें जैसे मेरी अंतरात्मा ने देखा था।"
"शुद्ध तर्क से आपका क्या तात्पर्य है?"
"मन की वह शक्ति जो किसी निष्कर्ष तक पहुँचने में किसी भी बाधा को स्वीकार नहीं करती। 'अस्पष्ट गैलरी' की घटना के अगले दिन, मुझे लगा कि मैं अपना नियंत्रण खो रहा हूँ। मैं भ्रामक साक्ष्यों से विचलित हो गया था; लेकिन मैंने खुद को संभाला और सही दिशा पकड़ ली। मैंने खुद को इस बात से संतुष्ट कर लिया कि हत्यारा न तो स्वाभाविक रूप से और न ही अलौकिक रूप से गैलरी से बाहर जा सकता था। मैंने अपने विचार के दायरे को उस छोटे से वृत्त तक सीमित कर दिया। हत्यारा उस वृत्त से बाहर नहीं हो सकता था। अब उस वृत्त में कौन था? सबसे पहले, हत्यारा था। फिर डैडी जैक्स, मॉन्सियर स्टैंगर्सन, फ्रेडरिक लार्सन और मैं था। हत्यारे को मिलाकर कुल पाँच व्यक्ति। और फिर

भी, गैलरी में केवल चार ही थे। अब चूंकि मुझे यह सिद्ध हो चुका था कि पाँचवाँ व्यक्ति बच नहीं सकता था, यह स्पष्ट था कि गैलरी में मौजूद चार लोगों में से एक दोहरा व्यक्तित्व होना चाहिए - वह स्वयं भी होना चाहिए और हत्यारा भी। मैंने इसे पहले क्यों नहीं देखा? क्योंकि इस जाँच में दोहरे व्यक्तित्व की घटना पहले कभी सामने नहीं आई थी।"
अब गैलरी में मौजूद उन चार लोगों में से कौन वह व्यक्ति और हत्यारा दोनों था? मैंने अपने मन में उन दृश्यों को दोहराया। मैंने एक ही समय में श्री स्टैंगर्सन और हत्यारे को, डैडी जैक्स और हत्यारे को, खुद को और हत्यारे को देखा था; इसलिए हत्यारा न तो श्री स्टैंगर्सन हो सकता था, न डैडी जैक्स और न ही मैं। क्या मैंने फ्रेडरिक लार्सन और हत्यारे को एक ही समय में देखा था?—नहीं!—दो सेकंड बीत चुके थे, जिसके दौरान हत्यारा मेरी नज़र से ओझल हो गया था; क्योंकि, जैसा कि मैंने अपने कागजात में लिखा है, वह श्री स्टैंगर्सन, डैडी जैक्स और मुझसे दो सेकंड पहले दोनों गैलरी के मिलन बिंदु पर पहुंचा था। इससे लार्सन को 'मुड़ने वाली' गैलरी से होकर जाने, अपनी नकली दाढ़ी उतारने, वापस आने और हमारे साथ भागने का समय मिल गया होगा, मानो वह भी हमारी तरह हत्यारे का पीछा कर रहा हो। अब मुझे यकीन हो गया था कि मेरा तर्क सही दिशा में जा रहा है। फ्रेडरिक लार्सन अब हमेशा के लिए मेरे मन में उस अज्ञात व्यक्ति की छवि बन गई जिसकी मैं तलाश कर रहा था—दूसरे शब्दों में, वह हत्यारा था।
"उस खुलासे ने मुझे स्तब्ध कर दिया। मैंने पहले से खोजे गए सबूतों पर गौर करके खुद को संभालने की कोशिश की, लेकिन उन्हीं सबूतों ने मेरा ध्यान भटका दिया था और मुझे फ्रेडरिक लार्सन से दूर कर दिया था। ये सबूत क्या थे?" "पहली बात तो यह है कि मैंने मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे में अज्ञात को देखा था। फ्रेडरिक लार्सन के कमरे में जाने पर मैंने लार्सन को गहरी नींद में सोते हुए पाया।"
"दूसरा। सीढ़ी।"
"तीसरा। मैंने फ्रेडरिक लार्सन को 'मुड़ने वाली' गैलरी के अंत में रखा था और उससे कहा था कि मैं हत्यारे को पकड़ने की कोशिश करने के लिए मैडमोजेल स्टैंगरसन के कमरे में घुसूँगा। फिर मैं मैडमोजेल स्टैंगरसन के कक्ष में लौटा जहाँ मैंने अज्ञात को देखा था।"

"पहले सबूतों से मुझे ज्यादा परेशानी नहीं हुई। संभवत: जब मैं मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे में अज्ञात व्यक्ति को देखने के बाद सीढ़ी से नीचे उतरा, तब तक लार्सन अपना काम पूरा कर चुका था। फिर, जब मैं महल में वापस प्रवेश कर रहा था, लार्सन अपने कमरे में वापस चला गया और कपड़े उतारकर सो गया।"
"दूसरा सबूत भी मुझे परेशान नहीं करता। अगर लार्सन हत्यारा होता, तो उसे सीढ़ी की कोई ज़रूरत नहीं होती; लेकिन सीढ़ी को वहाँ इसलिए रखा गया हो सकता है ताकि ऐसा लगे कि हत्यारा महल के बाहर से अंदर आया है; खासकर इसलिए क्योंकि लार्सन ने डार्ज़ैक पर आरोप लगाया था और डार्ज़ैक उस रात महल में नहीं था। इसके अलावा, सीढ़ी को वहाँ इसलिए भी रखा गया हो सकता है ताकि बेहद ज़रूरी होने पर लार्सन आसानी से भाग सके।"
लेकिन तीसरे सबूत ने मुझे पूरी तरह से उलझन में डाल दिया। लार्सन को 'मुड़ने वाली गैलरी' के अंत में तैनात करने के बाद, मैं यह नहीं समझ पा रहा था कि उसने उस समय का फायदा कैसे उठाया जब मैं महाशय स्टैंगर्सन और डैडी जैक्स को ढूंढने के लिए महल के बाएं विंग में गया था, और मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे में लौट आया। यह बहुत खतरनाक काम था। उसे पकड़े जाने का खतरा था, और वह यह जानता था। और वह लगभग पकड़ा ही गया था। उसे अपनी जगह पर वापस जाने का समय नहीं मिला, जैसा कि उसने निश्चित रूप से उम्मीद की थी। इसलिए उसके पास अपने कमरे में लौटने का एक बहुत मजबूत कारण था। जहाँ तक मेरी बात है, जब मैंने डैडी जैक्स को 'दाएं गैलरी' के अंत में भेजा, तो मैंने स्वाभाविक रूप से सोचा कि लार्सन अभी भी अपनी जगह पर है। डैडी जैक्स अपनी जगह पर जाते समय यह देखने के लिए नहीं रुके कि लार्सन अपनी जगह पर है या नहीं।
तो फिर, वह कौन सा ज़रूरी कारण था जिसने लार्सन को दूसरी बार उस कमरे में जाने के लिए मजबूर किया? मैंने अंदाज़ा लगाया कि वहाँ उसकी मौजूदगी का कोई सबूत होगा। उसने उस कमरे में कुछ बहुत ज़रूरी चीज़ छोड़ी थी। वह क्या थी? और क्या उसने उसे वापस पा लिया था? मैंने मैडम बर्नियर से, जो उस कमरे की सफाई करती थीं, देखने का अनुरोध किया, और उन्हें एक चश्मा मिला—यही चश्मा, महाशय राष्ट्रपति!”
और रूलेटबिल ने अपनी जेब से वह चश्मा निकाला, जिसके बारे में हम जानते हैं।

“जब मैंने ये चश्मे देखे,” उन्होंने आगे कहा, “मैं पूरी तरह से अचंभित हो गया। मैंने लार्सन को कभी चश्मा पहने नहीं देखा था। इनका क्या मतलब था? अचानक मैंने मन ही मन कहा: ‘कहीं उसे दूरदृष्टि दोष तो नहीं है?’ मैंने लार्सन को कभी लिखते नहीं देखा था। हो सकता है, उसे दूरदृष्टि दोष हो। सुरेते में उन्हें ज़रूर पता चल जाता, और यह भी पता चल जाता कि चश्मा उसका है या नहीं। ऐसा सबूत उसके लिए निर्णायक साबित हो सकता था। इसी से लार्सन की वापसी का कारण समझ में आया। अब मुझे पता है कि लार्सन, या बॉलमेयर, को दूरदृष्टि दोष है और ये चश्मे उसी के थे।”
"मैंने अब एक गलती की। मैं प्राप्त साक्ष्यों से संतुष्ट नहीं था। मैं उस व्यक्ति का चेहरा देखना चाहता था। यदि मैंने ऐसा न किया होता, तो दूसरा भयानक हमला नहीं होता।"
"लेकिन," राष्ट्रपति ने पूछा, "लार्सन को मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे में जाने की ज़रूरत ही क्यों थी? उसने दो बार उसकी हत्या करने की कोशिश क्यों की?"
"क्योंकि वह उससे प्यार करता है, महाशय राष्ट्रपति।"
"यह निश्चित रूप से एक कारण है, लेकिन-"
"यही एकमात्र कारण है। वह बुरी तरह से प्यार में था, और इसी वजह से, और अन्य कारणों से, वह कोई भी अपराध करने में सक्षम था।"
"क्या मैडमोजेल स्टैंगरसन को यह बात पता थी?"
जी हां, महोदय; लेकिन वह इस बात से अनजान थीं कि उनका पीछा करने वाला व्यक्ति फ्रेडरिक लार्सन था, अन्यथा, ज़ाहिर है, उसे महल में रहने की अनुमति नहीं दी जाती। मैंने देखा कि गैलरी में हुई घटना के बाद जब वह उनके कमरे में था, तो वह छाया में छिपा रहा और अपना सिर झुकाए रहा। वह अपना खोया हुआ चश्मा ढूंढ रहा था। मैडमोजेल स्टैंगरसन लार्सन को किसी और नाम से जानती थीं।
राष्ट्रपति ने पूछा, "महाशय डार्ज़ैक, क्या मैडमोज़ेल स्टैंगरसन ने इस मामले में आपसे किसी भी तरह की कोई बात साझा की थी? ऐसा कैसे हो सकता है कि उन्होंने इसके बारे में कभी किसी से बात नहीं की? यदि आप निर्दोष हैं, तो वह आपको आरोप लगने के दर्द से बचाना चाहती होंगी।"
"मैडमोजेल स्टैंगरसन ने मुझे कुछ नहीं बताया," महाशय डार्ज़ैक ने उत्तर दिया।

"क्या आपको इस युवक की कही बात विश्वसनीय लगती है?" राष्ट्रपति ने पूछा। "मैडमोजेल स्टैंगरसन ने मुझे कुछ नहीं बताया है," उसने भावहीनता से उत्तर दिया।
राष्ट्रपति ने रूलेटाबिल की ओर मुड़ते हुए पूछा, "आप यह कैसे समझाएंगे कि चौकीदार की हत्या वाली रात को हत्यारा श्री स्टैंगरसन से चुराए गए कागजात वापस ले आया? आप यह कैसे समझाएंगे कि हत्यारा मैडमोजेल स्टैंगरसन के बंद कमरे में कैसे घुस गया?"
"आखिरी सवाल का जवाब आसानी से दिया जा सकता है। लार्सन या बॉलमेयर जैसे व्यक्ति नकली चाबियां बना सकते थे। जहां तक दस्तावेजों की बात है, मुझे लगता है कि लार्सन का इरादा शुरू में उन्हें चुराने का नहीं था। मैडमोजेल की शादी को मिस्टर रॉबर्ट डार्ज़ैक से रोकने के उद्देश्य से उन पर कड़ी नजर रखते हुए, एक दिन वह उनके और मिस्टर रॉबर्ट डार्ज़ैक के पीछे-पीछे लूव्र के ग्रैंड मैगासिन्स में घुस गया। वहां उसे वह पर्स मिल गया जो मैडमोजेल ने खो दिया था या पीछे छोड़ दिया था। उस पर्स में पीतल की नोक वाली एक चाबी थी। अखबारों में विज्ञापन छपने तक उसे इस चाबी की कीमत का पता नहीं था। फिर उसने विज्ञापन के अनुसार मैडमोजेल को पत्र लिखा। निस्संदेह उसने मिलने का अनुरोध किया होगा, और उन्हें बताया होगा कि वह वही व्यक्ति है जो कुछ समय से उनसे प्रेम का इज़हार कर रहा था। उसे कोई जवाब नहीं मिला। वह डाकघर गया और पता किया कि उसका पत्र वहां नहीं है। उसने मिस्टर डार्ज़ैक के बारे में पूरी जानकारी जुटा ली थी, और मैडमोजेल स्टैंगर्सन को पाने के लिए किसी भी हद तक जाने का फैसला करके उसने योजना बनाई थी कि..." चाहे कुछ भी हो जाए, उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी, महाशय डार्ज़ैक पर ही संदेह किया जाना चाहिए।
"मुझे नहीं लगता कि लार्सन ने मैडमोजेल स्टैंगर्सन की हत्या करने के बारे में सोचा भी था; लेकिन वह जो भी करता, उसने यह सुनिश्चित कर लिया था कि मिस्टर डार्ज़ैक को इसका खामियाजा भुगतना पड़े। वह लगभग मिस्टर डार्ज़ैक के बराबर कद-काठी का था और उसके पैर भी लगभग उन्हीं के आकार के थे। मिस्टर डार्ज़ैक के पैरों के निशान लेना और अपने लिए वैसे ही जूते बनवाना उसके लिए कोई मुश्किल काम नहीं था। लार्सन या बॉलमेयर के लिए ऐसे काम तो बच्चों का खेल थे।"

स्पष्टीकरण हैं। हमें बस श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक की जगह उन्हें रखना है। जाहिर है, जब श्री स्टैंगर्सन अकेले थे, तब पीले कमरे का दरवाजा खुला था, और उन्होंने अपनी बेटी के कमरे से बाहर आ रहे व्यक्ति को बिना गिरफ्तार किए जाने दिया—शायद उसकी बेटी के कहने पर, ताकि किसी भी तरह की बदनामी से बचा जा सके।"
"नहीं, महामहिम अध्यक्ष," युवक ने विरोध किया। "आप भूल रहे हैं कि हमले से स्तब्ध मैडमोजेल स्टैंगरसन ऐसी अपील करने की स्थिति में नहीं थीं। न ही वे अपने कमरे में ताला लगाकर खुद को बंद कर सकती थीं। आपको यह भी याद रखना चाहिए कि महामहिम स्टैंगरसन ने शपथ लेकर कहा है कि दरवाजा खुला नहीं था।" "लेकिन यही एक तरीका है जिससे इसकी व्याख्या की जा सकती है। पीला कमरा लोहे की तिजोरी की तरह पूरी तरह बंद था। आपके ही शब्दों में कहें तो, हत्यारे के लिए स्वाभाविक या अलौकिक रूप से भाग निकलना असंभव था। जब कमरे में सेंध लगाई गई, तब वह वहाँ नहीं था! इसलिए, वह अवश्य ही भाग निकला होगा।" "यह बात सही नहीं है।"
"आपका क्या मतलब है?"
"अगर वह वहां नहीं होता तो उसे भागने की कोई जरूरत ही नहीं थी!"
"वहाँ नहीं!"
"जाहिर तौर पर नहीं। अगर वह वहां नहीं पाया जाता, तो वह वहां हो ही नहीं सकता था।"
"लेकिन, उसकी उपस्थिति के सबूतों का क्या?" राष्ट्रपति ने पूछा।
"महामहिम राष्ट्रपति, यहीं पर हमने गलत पक्ष पकड़ लिया है। मैडमोजेल स्टैंगरसन के कमरे में खुद को बंद करने से लेकर उनके दरवाजे के जबरदस्ती खोले जाने तक, हत्यारे के लिए भागना असंभव था। वह इसलिए नहीं पकड़ा गया क्योंकि वह उस समय वहां मौजूद नहीं था।"
लेकिन सबूतों का क्या?
"उन्होंने हमें गुमराह किया है। इस रहस्य पर विचार करते समय हमें उनके कहे अनुसार अर्थ नहीं निकालना चाहिए। हम यह निष्कर्ष क्यों निकालते हैं कि हत्यारा वहाँ था? - क्योंकि उसने कमरे में अपने निशान छोड़े हैं? ठीक है! लेकिन क्या वह कमरा बंद होने से पहले वहाँ नहीं रहा होगा? नहीं, वह निश्चित रूप से पहले वहाँ रहा होगा! आइए इन निशानों की जाँच करें और देखें कि क्या वे मेरे निष्कर्ष की ओर इशारा नहीं करते।"

'मैटिन' में लेख के प्रकाशन और पेरिस से एपिनेसुर-ओर्गे की यात्रा के दौरान जांच मजिस्ट्रेट के साथ मेरी बातचीत के बाद, मुझे यकीन हो गया था कि 'द येलो रूम' को एक तरह से पूरी तरह से सील कर दिया गया था, और परिणामस्वरूप हत्यारा मैडमोजेल स्टैंगर्सन के आधी रात को अपने कमरे में जाने से पहले ही भाग गया था।
उस समय मैं बहुत उलझन में था। मैडमोजेल स्टैंगरसन अपनी हत्यारी नहीं हो सकती थीं, क्योंकि सबूत किसी और की ओर इशारा कर रहे थे। हत्यारा पहले आया होगा। अगर ऐसा था, तो मैडमोजेल पर बाद में हमला कैसे हुआ? या यूँ कहें कि ऐसा कैसे लगा कि उन पर बाद में हमला हुआ? मेरे लिए घटना का पुनर्निर्माण करना और उसे दो चरणों में बाँटना ज़रूरी था—प्रत्येक चरण समय के हिसाब से कई घंटों के अंतराल से अलग था। एक चरण जिसमें मैडमोजेल स्टैंगरसन पर वास्तव में हमला हुआ था—दूसरा चरण जिसमें उनकी चीखें सुनने वालों को लगा कि उन पर हमला हो रहा है। मैंने तब तक 'द येलो रूम' की जाँच नहीं की थी। मैडमोजेल स्टैंगरसन के शरीर पर क्या निशान थे? गला घोंटने के निशान और कनपटी पर ज़ोरदार चोट का घाव था। गला घोंटने के निशानों में मेरी ज़्यादा दिलचस्पी नहीं थी; वे पहले भी बने हो सकते थे, और मैडमोजेल स्टैंगरसन ने उन्हें कॉलर या इसी तरह के किसी कपड़े से छिपा लिया होगा। मुझे यह उसी क्षण मानना पड़ा जब मुझे घटना का दो चरणों में पुनर्निर्माण करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैडमोजेल स्टैंगरसन के ऐसा करने के अपने निजी कारण रहे होंगे, क्योंकि उन्होंने अपने पिता को इस बारे में कुछ नहीं बताया था और जांच मजिस्ट्रेट को यह स्पष्ट कर दिया था कि हमला रात में, दूसरे चरण के दौरान हुआ था। उन्हें ऐसा कहना पड़ा, अन्यथा उनके पिता उनसे इस बारे में चुप रहने का कारण पूछते।
"लेकिन मैं कनपटी पर लगे उस प्रहार की व्याख्या नहीं कर सका। जब मुझे पता चला कि उसके कमरे में भेड़ की हड्डी मिली है, तो मेरी समझ और भी कम हो गई। वह इस बात को छिपा नहीं सकी कि उसके सिर पर चोट लगी थी, और फिर भी वह घाव स्पष्ट रूप से पहले चरण में ही लगा प्रतीत होता था, क्योंकि इसके लिए हत्यारे की उपस्थिति आवश्यक थी! मुझे लगा कि मैडमोजेल स्टैंगर्सन ने अपने बालों को माथे पर पट्टियों में बांधकर घाव को छिपा लिया था।"
दीवार पर हाथ के निशान की बात करें तो, वह स्पष्ट रूप से पहले चरण के दौरान बना था—जब हत्यारा वास्तव में वहाँ मौजूद था। उसकी उपस्थिति के सभी

निशान स्वाभाविक रूप से पहले चरण के दौरान ही रह गए थे; मटन की हड्डी, काले पैरों के निशान, बास्क टोपी, रूमाल, दीवार पर, दरवाजे पर और फर्श पर खून। यदि वे सभी निशान अभी भी वहाँ मौजूद थे, तो इससे पता चलता है कि मैडमोजेल स्टैंगर्सन—जो चाहती थीं कि कुछ भी पता न चले—को उन्हें मिटाने का समय नहीं मिला था। इससे मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि दोनों चरण एक के बाद एक तुरंत घटित हुए थे। अपने कमरे से निकलकर अपने पिता के पास प्रयोगशाला में वापस जाने के बाद, उन्हें अपने कमरे में वापस जाकर उसे व्यवस्थित करने का अवसर नहीं मिला था। उनके पिता हर समय उनके साथ काम कर रहे थे। इसलिए पहले चरण के बाद वह आधी रात तक अपने कमरे में वापस नहीं आईं। डैडी जैक्स रात दस बजे वहाँ थे, जैसा कि वह हर रात होते थे; लेकिन वह केवल पर्दे बंद करने और रात की बत्ती जलाने के लिए अंदर गए। उनकी बेचैनी के कारण उसकी मानसिक स्थिति ऐसी थी कि वह भूल गई थी कि डैडी जैक्स उसके कमरे में आएंगे और उसने उनसे विनती की थी कि वे उसे परेशान न करें। यह सब 'मैटिन' अखबार के लेख में छपा था। फिर भी डैडी जैक्स आए और कमरे की धुंधली रोशनी में उन्हें कुछ भी दिखाई नहीं दिया।
"डैडी जैक्स की अनुपस्थिति में मैडमोजेल स्टैंगर्सन ने कुछ चिंता भरे पल जरूर बिताए होंगे; लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि इतने सारे सबूत छोड़े गए थे। हमले के बाद उनके पास केवल इतना ही समय था कि वे अपनी गर्दन पर उस आदमी की उंगलियों के निशान छुपाएं और प्रयोगशाला की ओर भागें। अगर उन्हें हड्डी, टोपी और रूमाल के बारे में पता होता, तो आधी रात को अपने कमरे में लौटने के बाद वे उन्हें गायब कर देतीं। उन्होंने उन्हें नहीं देखा और रात की धुंधली रोशनी में कपड़े उतारे। चिंता और डर से चूर होकर वे बिस्तर पर गईं—एक ऐसा डर जिसने उन्हें प्रयोगशाला में यथासंभव देर तक रहने के लिए मजबूर किया था।"
मेरी सोच मुझे त्रासदी के दूसरे चरण तक ले आई, जब मैडमोजेल स्टैंगरसन कमरे में अकेली थीं। अब मुझे दूसरे चरण में चली रिवॉल्वर की गोलियों की आवाज़ का स्पष्टीकरण देना था। 'मदद करो! - हत्या!' की चीखें सुनाई दी थीं। इन्हें कैसे समझाया जाए? चीखों के बारे में मुझे कोई कठिनाई नहीं थी; चूंकि वह अपने कमरे में अकेली थीं, इसलिए ये चीखें केवल बुरे सपने का परिणाम हो सकती थीं। संघर्ष और सुनाई देने वाले शोर का मेरा स्पष्टीकरण बस इतना है कि बुरे सपने में उन्हें दोपहर में घटी भयानक घटना का डर सता रहा था। सपने में

वह हत्यारे को अपनी ओर झपटने की कोशिश करते हुए देखती हैं और चिल्लाती हैं, 'मदद करो! हत्या!' उसका हाथ बेतहाशा उस रिवॉल्वर को ढूंढने लगा जिसे उसने अपने बिस्तर के बगल में नाइट टेबल पर अपनी पहुँच के भीतर रखा था, लेकिन हाथ टेबल से टकराकर उसे पलट देता है, और रिवॉल्वर ज़मीन पर गिरकर अपने आप चल जाती है, गोली छत में जा लगती है। मुझे शुरू से ही पता था कि छत में गोली लगना किसी दुर्घटना का परिणाम होगा। उसकी स्थिति ही मेरे मन में दुर्घटना का संकेत दे रही थी, और इस तरह यह मेरे बुरे सपने के सिद्धांत से मेल खाती थी। मुझे अब कोई संदेह नहीं था कि हमला मैडमोजेल के रात को सोने से पहले हुआ था। अपने भयानक सपने से जागने और मदद के लिए ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने के बाद, वह बेहोश हो गई थी।
आधी रात को सुनी गई गोलियों की आवाज़ के आधार पर मेरा सिद्धांत यह था कि दो गोलियां चली होंगी—एक गोली जिसने हमले के समय हत्यारे को घायल किया, और दूसरी गोली जो दुःस्वप्न के दौरान चलाई गई। बर्नियर्स द्वारा जांच मजिस्ट्रेट के समक्ष दिए गए साक्ष्य के अनुसार केवल एक गोली की आवाज़ सुनी गई थी। श्री स्टैंगर्सन ने गवाही दी कि उन्होंने पहले एक धीमी आवाज़ सुनी, जिसके बाद एक तेज़ घंटी बजने जैसी आवाज़ आई। धीमी आवाज़ को मैंने संगमरमर की मेज के गिरने से समझाया; घंटी बजने जैसी आवाज़ रिवॉल्वर की गोली थी। अब मुझे पूरा विश्वास हो गया था कि मैं सही था। जिस गोली ने हत्यारे के हाथ को घायल किया और जिससे खून बहने लगा और दीवार पर खून का निशान बन गया, वह मैडमोजेल ने आत्मरक्षा में चलाई थी, दूसरे चरण से पहले, जब उन पर वास्तव में हमला हुआ था। छत में जो गोली बर्नियर्स ने सुनी, वह दुःस्वप्न के दौरान गलती से चली गोली थी।
"अब मुझे कनपटी पर लगे घाव का स्पष्टीकरण देना था। यह इतना गंभीर नहीं था कि इसे भेड़ की हड्डी से बनाया जा सके, और मैडमोजेल ने इसे छिपाने की कोशिश भी नहीं की थी। यह दूसरे चरण के दौरान ही लगा होगा। यही पता लगाने के लिए मैं 'पीले कमरे' में गया था, और मुझे वहीं अपना जवाब मिला।"
रूलेटाबिल ने अपनी जेब से सफेद रंग का एक मुड़ा हुआ कागज निकाला और उसमें से एक लगभग अदृश्य वस्तु निकाली जिसे उसने अपने अंगूठे और तर्जनी के बीच पकड़ रखा था।
"महामहिम राष्ट्रपति," उन्होंने कहा, "यह एक बाल है—खून से सना हुआ एक सुनहरा बाल;—यह मैडमोजेल स्टैंगरसन के सिर का बाल है। मुझे यह उलटी हुई

मेज के एक कोने पर चिपका हुआ मिला। मेज का कोना भी खून से सना हुआ था—एक छोटा सा धब्बा—मुश्किल से दिखाई दे रहा था; लेकिन इससे मुझे पता चला कि अपने बिस्तर से उठते समय मैडमोजेल स्टैंगरसन बुरी तरह गिर गई थीं और उनका सिर मेज के संगमरमर के कोने से टकरा गया था।"
"मुझे हत्यारे का नाम तो पता चल गया, जो मुझे बाद में पता चला, साथ ही हमले का समय भी पता करना था। यह जानकारी मुझे मैडमोजेल स्टैंगरसन और उनके पिता से पूछताछ के दौरान मिली, हालांकि मैडमोजेल स्टैंगरसन के जवाब जांच मजिस्ट्रेट को गुमराह करने के लिए सोचे-समझे तरीके से दिए गए थे— मैडमोजेल स्टैंगरसन ने उस दिन अपना पूरा समय कैसे बिताया, इसका बहुत विस्तार से वर्णन किया था। हमने यह तथ्य स्थापित किया कि हत्यारा शाम पांच से छह बजे के बीच पवेलियन में आया था। सवा छह बजे प्रोफेसर और उनकी बेटी ने अपना काम फिर से शुरू कर दिया था। पांच बजे प्रोफेसर अपनी बेटी के साथ थे, और चूंकि हमला प्रोफेसर की बेटी से अनुपस्थिति में हुआ था, इसलिए मुझे यह पता लगाना था कि उन्होंने अपनी बेटी को कब छोड़ा था। प्रोफेसर ने बताया कि जब वह और उनकी बेटी प्रयोगशाला में फिर से प्रवेश करने वाले थे, तभी उनकी मुलाकात चौकीदार से हुई और उन्होंने कुछ लकड़ी काटने और शिकारियों के बारे में बातचीत की। मैडमोजेल स्टैंगरसन उस समय उनके साथ नहीं थीं, क्योंकि प्रोफेसर ने कहा: 'मैंने चौकीदार को छोड़कर अपनी बेटी के पास वापस चला गया जो प्रयोगशाला में काम कर रही थी।'"
"उसी थोड़े समय के अंतराल में त्रासदी घटी। यह निश्चित है। मेरी आँखों के सामने मैंने देखा कि मैडमोजेल स्टैंगरसन मंडप में वापस आईं, अपने कमरे में जाकर अपनी टोपी उतारी और खुद को हत्यारे के सामने पाया। वह कुछ समय से मंडप में उनका इंतज़ार कर रहा था। उसने पूरी रात वहीं बिताने का इंतज़ाम किया था। उसने डैडी जैक्स के जूते उतार दिए थे; उसने अलमारी से कागज़ात निकाल लिए थे; और फिर बिस्तर के नीचे छिप गया था। समय लंबा लगने पर, वह उठा, फिर प्रयोगशाला में गया, फिर बरामदे में गया, बगीचे में देखा और मंडप की ओर आती हुई मैडमोजेल स्टैंगरसन को देखा—अकेली। अगर वह उन्हें अकेला न पाता, तो वह उस समय उन पर हमला करने की हिम्मत कभी नहीं करता। उसने मन बना लिया था। वह मंडप में मैडमोजेल स्टैंगरसन के साथ अकेले में ज़्यादा सहज महसूस करेगा, बजाय इसके कि वह आधी रात को अटारी में सो रहे डैडी जैक्स के साथ ऐसा करे। इसलिए उसने बरामदे की खिड़की बंद कर दी। इससे यह स्पष्ट होता है कि न

तो..." मॉन्सियर स्टैंगर्सन और गोलकीपर, जो पवेलियन से कुछ दूरी पर थे, ने रिवॉल्वर की गोली चलने की आवाज नहीं सुनी थी।
फिर वह पीले कमरे में वापस चला गया। मैडमोजेल स्टैंगर्सन अंदर आईं। जो कुछ भी हुआ वह बहुत जल्दी हुआ होगा। मैडमोजेल ने मदद के लिए पुकारने की कोशिश की; लेकिन उस आदमी ने उनका गला पकड़ लिया था। उनका हाथ उस रिवॉल्वर को ढूंढने और पकड़ने के लिए बढ़ा जिसे उन्होंने अपने नाइटटेबल के दराज में रखा हुआ था, क्योंकि उन्हें अपने पीछा करने वाले की धमकियों का डर सताने लगा था। हत्यारा भेड़ की हड्डी से उनके सिर पर वार करने ही वाला था—जो लार्सन या बॉलमेयर जैसे लोगों के हाथों में एक भयानक हथियार होता; लेकिन उन्होंने समय रहते गोली चला दी, और गोली उनके हथियार पकड़े हुए हाथ में लगी। हड्डी खून से लथपथ फर्श पर गिर गई, हत्यारा लड़खड़ाया, सहारे के लिए दीवार को पकड़ लिया—जिससे दीवार पर खून के निशान बन गए—और दूसरी गोली के डर से भाग गया।
उसने उसे प्रयोगशाला से गुजरते देखा और उसकी बातें सुनीं। वह काफी देर तक खिड़की पर खड़ा रहा। अंत में वह उससे कूद गया। वह दौड़कर खिड़की के पास गई और उसे बंद कर दिया। खतरा टल गया, अब उसके सारे विचार अपने पिता के बारे में थे। क्या उन्होंने उसे देखा या सुना था? किसी भी कीमत पर उसे यह बात उनसे छुपानी थी। इस प्रकार जब महाशय स्टैंगर्सन लौटे, तो उन्होंने पीले कमरे का दरवाजा बंद पाया और अपनी बेटी को प्रयोगशाला में अपनी मेज पर झुकी हुई काम करते हुए पाया!
मॉन्सियर डार्ज़ैक की ओर मुड़ते हुए, रूलेटाबिल चिल्लाई: "आप सच जानते हैं! तो हमें बताइए, अगर चीजें इस तरह नहीं हुई थीं।"
"मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता," महाशय डार्ज़ैक ने उत्तर दिया।
"मैं आपकी चुप्पी की प्रशंसा करता हूँ," रूलेटाबिल ने कहा, "लेकिन अगर मैडमोजेल स्टैंगरसन को आपके खतरे का पता चल जाता, तो वह आपको आपकी शपथ से मुक्त कर देतीं। वह आपसे विनती करतीं कि आप उन्हें सब कुछ बता दें जो उन्होंने आपसे कहा है। वह आपकी रक्षा के लिए यहाँ मौजूद होतीं!"
श्री डार्ज़ैक ने कोई हरकत नहीं की, न ही एक शब्द बोला। उन्होंने रूलेटाबिल की ओर उदास निगाहों से देखा।
"लेकिन," युवा पत्रकार ने कहा, "चूंकि मैडमोजेल यहां नहीं हैं, इसलिए मुझे यह स्वयं करना होगा। लेकिन, मेरा विश्वास कीजिए, श्री डार्ज़ैक, मैडमोजेल

स्टैंगरसन को बचाने और उन्हें होश में लाने का एकमात्र उपाय आपकी रिहाई सुनिश्चित करना है।"
राष्ट्रपति ने पूछा, "वह कौन सा गुप्त मकसद है जो मैडमोजेल स्टैंगरसन को अपने पिता से अपनी जानकारी छिपाने के लिए मजबूर करता है?"
"महाशय, मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है," रूलेटाबिल ने कहा। "यह मेरा काम नहीं है।"
राष्ट्रपति ने श्री डार्ज़ैक की ओर रुख करते हुए, उनसे यह जानने का प्रयास किया कि वे क्या जानते हैं।
"क्या आप अब भी यह बताने से इनकार करते हैं, महाशय, कि आपने मैडमोजेल स्टैंगर्सन पर हुए जानलेवा हमलों के दौरान अपना समय कैसे व्यतीत किया?" "मैं आपको कुछ नहीं बता सकता, महाशय।"
राष्ट्रपति ने रूलेटाबिल की ओर इस तरह रुख किया मानो स्पष्टीकरण मांग रहे हों।
"हमें यह मानना होगा, महामहिम राष्ट्रपति, कि श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक की अनुपस्थिति मैडमोज़ेल स्टैंगर्सन के रहस्य से गहराई से जुड़ी हुई है, और श्री डार्ज़ैक स्वयं को चुप रहने के लिए बाध्य महसूस करते हैं। हो सकता है कि लार्सन, जिसने अपने तीन प्रयासों के बाद से श्री डार्ज़ैक पर संदेह पैदा करने के लिए हर संभव प्रशिक्षण प्राप्त किया है, ने श्री डार्ज़ैक से एक बेहद संदिग्ध स्थान पर मिलने के लिए ठीक उन्हीं अवसरों को चुना हो। लार्सन इतना धूर्त है कि उसने ऐसा किया होगा।"
राष्ट्रपति कुछ हद तक आश्वस्त प्रतीत हुए, लेकिन फिर भी उत्सुकतावश उन्होंने पूछा:
"लेकिन मैडमोजेल स्टैंगरसन का यह रहस्य क्या है?"
"मैं आपको यह नहीं बता सकता," रूलेटाबिल ने कहा। "लेकिन मुझे लगता है कि अब आप श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक को बरी करने के लिए पर्याप्त जानकारी रखते हैं! जब तक कि लार्सन वापस न आ जाए, और मुझे नहीं लगता कि वह वापस आएगा," उन्होंने हंसते हुए कहा।
राष्ट्रपति ने कहा, "एक और सवाल। आपकी व्याख्या को स्वीकार करते हुए, हम जानते हैं कि लार्सन श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक पर संदेह पैदा करना चाहता था, लेकिन उसे श्री जैक्स पर भी संदेह क्यों करना चाहिए था?"

"पेशेवर जासूस, महाशय, आया, जिसने अपने द्वारा जमा किए गए सबूतों को ही नष्ट करके रहस्यों को सुलझाने में अपनी महारत साबित कर दी। वह बहुत चालाक आदमी है, और इसी तरह की चाल से वह अक्सर संदेह को अपने ऊपर से हटा लेता था। वह एक पर आरोप लगाने से पहले दूसरे की बेगुनाही साबित कर देता था। महाशय, आप आसानी से मान सकते हैं कि इतनी जटिल योजना लार्सन ने पहले से ही लंबे समय तक सोच-समझकर बनाई होगी। मैं आपको बता सकता हूँ कि वह इसे तैयार करने में लंबे समय से लगा हुआ था। यदि आप यह जानना चाहें कि उसने जानकारी कैसे जुटाई, तो आपको पता चलेगा कि एक बार उसने 'सुरेते की प्रयोगशाला' और महाशय स्टैंगर्सन के बीच कमीशनर का वेश धारण किया था, जिनसे 'प्रयोग' करने की मांग की गई थी। इस तरह वह अपराध से पहले दो बार मंडप का जायजा लेने में सक्षम रहा। उसने इस तरह से अपना रूप बदला था कि डैडी जैक्स उसे पहचान नहीं पाए। और फिर भी लार्सन को बूढ़े आदमी से पुराने जूतों की एक जोड़ी और एक नौकर ने एक रूमाल में बांधकर बास्क टोपी उतार दी थी, जिसे वह एपिने जाने वाली सड़क पर कोयला जलाने वाले अपने एक दोस्त के पास ले जाना चाहता था। जब अपराध का पता चला, तो डैडी जैक्स ने तुरंत इन वस्तुओं को अपनी पहचान लिया। ये वस्तुएं बेहद आपत्तिजनक थीं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जब हमने उनसे इस बारे में बात की तो वे कितने परेशान थे। लार्सन ने मुझसे सब कुछ कबूल कर लिया। वह इस खेल का माहिर है। उसने 'क्रेडिट यूनिवर्सल' और 'मिंट के सोने की सिल्लियों' के मामले में भी ऐसा ही किया था। इन दोनों मामलों की फिर से जांच होनी चाहिए। जब से बॉलमेयर या लार्सन सुरेते में हैं, कई निर्दोष लोगों को जेल भेजा जा चुका है।

अध्याय XXVIII. जिसमें यह सिद्ध किया गया है कि व्यक्ति हमेशा हर चीज के बारे में नहीं सोचता। रूलेटाबिल के समाप्त होते ही अत्यधिक उत्साह का माहौल छा गया। अदालत में दबी हुई तालियों की गूंज से हलचल मच गई। मैत्रे हेनरी रॉबर्ट ने मुकदमे को स्थगित करने का अनुरोध किया और स्वयं लोक अभियोजक ने उनके इस अनुरोध का समर्थन किया। मामला स्थगित कर दिया गया। अगले दिन श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक को जमानत पर रिहा कर दिया गया, जबकि डैडी जैक्स को "कार्रवाई का कोई कारण नहीं" होने का तत्काल लाभ मिला। फ्रेडरिक लार्सन की हर जगह तलाश की गई, लेकिन व्यर्थ। श्री डार्ज़ैक अंततः उस भयानक विपत्ति से बच गए, जिसने एक समय उन्हें मंडराते हुए देखा था। मैडमोजेल स्टैंगर्सन से मिलने के बाद, उन्हें उम्मीद जगी कि शायद सावधानीपूर्वक देखभाल से वह एक दिन अपनी मानसिक स्थिति में वापस आ सकेंगी।
रूलेटाबिल स्वाभाविक रूप से उस समय के सबसे चर्चित व्यक्ति बन गए। पैलेस डी जस्टिस से निकलते ही भीड़ ने उन्हें विजयोत्सव के प्रतीक के रूप में कंधों पर उठा लिया। विश्वभर के अखबारों ने उनके कारनामों और उनकी तस्वीर को प्रकाशित किया। इतने सारे प्रतिष्ठित व्यक्तियों का साक्षात्कार लेने वाले वे स्वयं प्रतिष्ठित हो गए और उनका साक्षात्कार लिया जाने लगा। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि इस अपार सफलता ने उनके अहंकार को जरा भी नहीं बढ़ाया।
हमने "द डॉग दैट स्मोक्स" नामक रेस्तरां में भोजन करने के बाद वर्साय से एक साथ प्रस्थान किया। ट्रेन में मैंने उनसे कई सवाल पूछे, जो भोजन के दौरान मेरी ज़बान पर थे, लेकिन मैंने उन्हें बोलने से परहेज किया था, क्योंकि मैं जानता था कि उन्हें खाना खाते समय व्यावसायिक बातें करना पसंद नहीं था। मैंने कहा, "मेरे दोस्त, वह लार्सन का मामला अद्भुत है। यह आपके लिए ही बना है।"
उन्होंने मुझसे और कुछ न कहने की विनती की, और मजाकिया अंदाज में मेरे लिए चिंता जताने का नाटक किया कि कहीं मैं उनकी क्षमता के प्रति व्यक्तिगत प्रशंसा के कारण उनकी मूर्खतापूर्ण प्रशंसा न कर दूं।
"तो चलिए मुद्दे पर आते हैं," मैंने थोड़ा चिढ़ते हुए कहा। "मुझे अभी भी यह नहीं पता कि आप अमेरिका क्यों गए थे। जब आपने ग्लैंडियर छोड़ा था, तो अगर

मैं सही समझ रहा हूँ, तो आपको फ्रेडरिक लार्सन के बारे में सब कुछ पता चल गया था; आपको पता चल गया था कि उसने हत्या का प्रयास किस तरह किया था?" "बिल्कुल सही। और तुम," उसने बातचीत का रुख मोड़ते हुए कहा, "क्या तुम्हें कुछ भी शक नहीं हुआ?"
"कुछ नहीं!"
"यह अविश्वसनीय है!"
"मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी बात का शक हो सकता था। तुमने अपने विचार मुझसे छिपाने की बहुत कोशिश की। जब तुमने मुझे रिवाल्वर लाने के लिए बुलाया था, तब क्या तुम्हें लार्सन पर पहले से ही शक था?"
"हाँ! मैं उस 'अस्पष्ट गैलरी' की घटना के बाद इस निष्कर्ष पर पहुँचा था। हालाँकि, लार्सन का मैडमोजेल स्टैंगर्सन के कमरे में लौटना उस समय चश्मे से स्पष्ट नहीं हुआ था। मेरा संदेह केवल मेरे तर्क का परिणाम था; और लार्सन के हत्यारा होने का विचार इतना असाधारण लग रहा था कि मैंने कार्रवाई करने से पहले ठोस सबूतों का इंतजार करने का फैसला किया। फिर भी, संदेह मुझे परेशान कर रहा था, और कभी-कभी मैं जासूस से इस तरह बात करता था जिससे आपकी आँखें खुल जानी चाहिए थीं। मैंने उसके तरीकों की निंदा की। लेकिन जब तक मुझे चश्मा नहीं मिला, मैं उसके प्रति अपने संदेह को केवल एक बेतुकी परिकल्पना के रूप में ही देख सकता था। लार्सन की गतिविधियों को समझाने के बाद आप मेरी खुशी की कल्पना कर सकते हैं। मुझे अच्छी तरह याद है कि मैं पागलों की तरह अपने कमरे में भागा और आपसे चिल्लाया: 'मैं उस महान फ्रेड को हरा दूँगा। मैं उसे ऐसे हरा दूँगा जिससे सनसनी मच जाएगी!'"
"मैं उस समय हत्यारे लार्सन के बारे में सोच रहा था। उसी शाम डार्ज़ैक ने मुझसे मैडमोजेल स्टैंगर्सन पर नज़र रखने की गुहार लगाई। मैंने लार्सन के साथ भोजन करने के बाद, रात दस बजे तक कोई प्रयास नहीं किया। वह ठीक मेरे सामने था, और मैं इंतज़ार कर सकता था। आपको शक होना चाहिए था, क्योंकि जब हम हत्यारे के आने की बात कर रहे थे, तो मैंने आपसे कहा था: 'मुझे पूरा यकीन है कि लार्सन आज रात यहाँ होगा।'"
लेकिन एक अहम बात हम दोनों की नज़र से छूट गई। यह एक ऐसी बात थी जिससे हमें लार्सन के बारे में पता चल जाना चाहिए था। क्या आपको बांस की छड़ी याद है? मुझे यह जानकर हैरानी हुई कि लार्सन ने रॉबर्ट डार्ज़ैक के खिलाफ उस सबूत का इस्तेमाल नहीं किया था। क्या उसे किसी ऐसे व्यक्ति ने नहीं खरीदा था

जिसका हुलिया डार्ज़ैक से हूबहू मिलता था? खैर, मुकदमे के दौरान ब्रेक के बाद, जब मैं उसे ट्रेन तक छोड़ने जा रहा था, तो मैंने उससे पूछा कि उसने छड़ी के सबूत का इस्तेमाल क्यों नहीं किया। उसने मुझे बताया कि उसका ऐसा करने का कभी कोई इरादा नहीं था; एपिने के छोटे से सराय में हमारी खोज ने उसे बहुत शर्मिंदा किया था। अगर आपको याद हो, तो उसने तब हमें बताया था कि छड़ी उसे लंदन में मिली थी। हमने तुरंत खुद से यह क्यों नहीं कहा: 'फ्रेड झूठ बोल रहा है। उसके पास यह छड़ी लंदन में नहीं हो सकती थी। वह लंदन में नहीं था। उसने इसे पेरिस में खरीदा था'? फिर कैसेट के यहाँ पूछताछ करने पर आपको पता चला कि छड़ी एक ऐसे व्यक्ति ने खरीदी थी जिसने रॉबर्ट डार्ज़ैक की तरह ही कपड़े पहने थे, हालाँकि, जैसा कि हमें बाद में पता चला, उसने उसे डार्ज़ैक से ही खरीदा था। खुद फ्रेड ने खरीदारी नहीं की थी। इसके साथ ही, हमें पोस्ट ऑफिस में मिले पत्र से पहले ही पता था कि पेरिस में एक व्यक्ति रॉबर्ट डार्ज़ैक बनकर रह रहा था, तो हमने तुरंत फ्रेड पर ही शक क्यों नहीं किया?
"बेशक, सुरेते में उसकी स्थिति हमारे खिलाफ थी; लेकिन जब हमने डार्ज़ैक के खिलाफ निर्णायक सबूत खोजने के लिए उसकी स्पष्ट उत्सुकता देखी, बल्कि उस आदमी का पीछा करने में उसने जो जुनून दिखाया, उसे देखकर छड़ी के बारे में झूठ का हमारे लिए एक नया अर्थ हो जाना चाहिए था। अगर आप पूछते हैं कि लार्सन ने छड़ी क्यों खरीदी, अगर उसका इरादा इसके माध्यम से डार्ज़ैक के खिलाफ सबूत गढ़ने का नहीं था, तो इसका जवाब बहुत सरल है। मैडमोजेल स्टैंगर्सन ने उसके हाथ में चोट पहुँचाई थी, इसलिए छड़ी उसके लिए हाथ बंद करके ले जाने में उपयोगी थी। आपको याद होगा मैंने गौर किया था कि वह हमेशा उसे अपने साथ रखता था?"
"ये सारी बातें मुझे तब याद आईं जब मैंने लार्सन को अपराधी मान लिया था। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और ये मेरे किसी काम की नहीं रहीं। जिस शाम उसने नशे में होने का नाटक किया, मैंने उसका हाथ देखा और पाया कि एक पतली रेशमी पट्टी एक छोटे से घाव को ढक रही थी जो ठीक हो रहा था। अगर लार्सन ने जब बेंत के बारे में झूठ बोला था, उस समय हमने जल्दी कार्रवाई की होती, तो मुझे यकीन है कि वह शक से बचने के लिए भाग गया होता। फिर भी, अनजाने में ही हमने लार्सन या बॉलमेयर को परेशान कर दिया।"

"लेकिन," मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा, "अगर लार्सन का इरादा डार्ज़ैक के खिलाफ सबूत के तौर पर बेंत का इस्तेमाल करने का नहीं था, तो जब वह इसे खरीदने गया था तो उसने खुद को उस आदमी जैसा क्यों दिखाया था?"
"उसने छड़ी खरीदने के लिए डार्ज़ैक का रूप धारण नहीं किया था; मैडमोजेल स्टैंगर्सन पर हमला करने के तुरंत बाद वह सीधे कैसेट के यहाँ आया था। उसका घाव उसे परेशान कर रहा था और जब वह एवेन्यू डे ल'ओपेरा से गुजर रहा था, तो उसके मन में छड़ी का ख्याल आया और उसने उस पर अमल किया। तब आठ बज रहे थे। और मैं, जिसने त्रासदी के घटित होने का ठीक समय जान लिया था, लगभग आश्वस्त था कि डार्ज़ैक अपराधी नहीं था, और छड़ी के बारे में जानते हुए भी, मैंने कभी लार्सन पर संदेह नहीं किया। कभी-कभी..."
मैंने कहा, “कभी-कभी ऐसा होता है जब सबसे बड़े बुद्धिमान भी—...” रूलेटाबिल ने मेरा मुंह बंद कर दिया। मैं उसे डांटता रहा, लेकिन जब मैंने देखा कि उसने कोई जवाब नहीं दिया, तो मुझे एहसास हुआ कि वह मेरी बातों पर ध्यान नहीं दे रहा था। मैंने पाया कि वह गहरी नींद में सो रहा था।

अध्याय 29. मैडमोजेल स्टैंगरसन का रहस्य

उसके बाद के दिनों में मुझे कई बार उससे अमेरिका की यात्रा का कारण पूछने का मौका मिला, लेकिन मुझे उससे कोई अधिक सटीक उत्तर नहीं मिला जो उसने मुझे मुकदमे की सुनवाई स्थगित होने की शाम को दिया था, जब हम पेरिस जाने वाली ट्रेन में थे। हालाँकि, एक दिन, जब मैंने उससे बार-बार पूछा, तो उसने कहा: "क्या आप यह नहीं समझ सकते कि मुझे लार्सन के असली व्यक्तित्व को जानना जरूरी था?"
मैंने कहा, "इसमें कोई शक नहीं, लेकिन यह पता लगाने के लिए आप अमेरिका क्यों गए?"
वह अपनी पाइप पीते हुए बैठे रहे और उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। मुझे समझ आने लगा कि मैं मैडमोजेल स्टैंगर्सन से जुड़े रहस्य को छू रहा हूँ। रूलेटाबिल को स्पष्ट रूप से यह पता लगाने के लिए अमेरिका जाना आवश्यक लगा था कि वह रहस्यमय बंधन क्या था जिसने उन्हें लार्सन से इतने विचित्र और भयानक तरीके से बांध रखा था। अमेरिका में उन्हें पता चला कि लार्सन कौन था और उन्हें ऐसी जानकारी मिली जिससे उनका मुंह बंद हो गया। वह फिलाडेल्फिया गए थे।
और अब, वह कौन सा रहस्य था जिसने मैडमोजेल स्टैंगरसन और श्री रॉबर्ट डार्ज़ैक को इतनी गहरी चुप्पी में जकड़ रखा था? इतने वर्षों बाद और एक जिज्ञासु और निर्लज्ज प्रेस द्वारा इस मामले को दी गई पब्लिसिटी के बाद; अब जब श्री स्टैंगरसन सब कुछ जान चुके हैं और सबको माफ कर चुके हैं, तो सब कुछ बताया जा सकता है। इस असाधारण कहानी के हर पहलू में मैडमोजेल स्टैंगरसन हमेशा पीड़ित रही थीं।
कहानी की शुरुआत उस समय से होती है जब एक युवती के रूप में वह फिलाडेल्फिया में अपने पिता के साथ रह रही थी। घर में आए एक फ्रांसीसी व्यक्ति ने अपनी चतुराई, शालीनता और निरंतर ध्यान से उसका दिल जीत लिया था। कहा जाता था कि वह धनी था और उसने उसके पिता के बारे में उससे पूछा था। जब श्री स्टैंगरसन ने श्री जीन रूसल के बारे में पूछताछ की, तो उन्हें पता चला कि वह एक धोखेबाज और लुटेरा था। जीन रूसल कुख्यात बाल्मेयर के कई नामों में से एक था, जो फ्रांस से भागा हुआ था और खुद को छिपाने की कोशिश कर रहा था। श्री स्टैंगरसन को बाल्मेयर के साथ उसकी पहचान का पता नहीं था; उन्हें बस इतना

पहले पलों को याद करने के लिए कहा था। उन्होंने लिखा था, "पुजारी का घर और बगीचे की रौनक ज़रा भी कम नहीं हुई है।" उस धूर्त ने अमीर होने का दिखावा किया और उन्हें लुइसविले वापस ले जाने का अधिकार जताया। मैडमोजेल ने डार्ज़ैक से कहा था कि अगर उनके पिता को उनके अपमान के बारे में पता चला तो वह आत्महत्या कर लेंगी। श्री डार्ज़ैक ने कसम खाई थी कि वह उनके उत्पीड़क को चुप करा देंगे, चाहे इसके लिए उन्हें उसे मारना ही क्यों न पड़े। लेकिन रूलेटाबिल की चतुराई के कारण ही वह हार नहीं माने।
मैडमोजेल स्टैंगरसन खुद ऐसे दुष्ट के हाथों में असहाय थीं। जब उसने पहले तो उन्हें धमकी दी और फिर पीले कमरे में उन पर हमला किया, तो उन्होंने उसे जान से मारने की कोशिश की थी। दुर्भाग्य से, वह असफल रहीं और खुद को हमेशा के लिए इस बेईमान दुष्ट की दया पर निर्भर महसूस करने लगीं, जो लगातार गुप्त मुलाकातों के लिए उनकी उपस्थिति की मांग करता रहता था। जब उसने डाकघर के माध्यम से उन्हें पत्र भेजा, जिसमें उनसे मिलने का अनुरोध किया गया था, तो उन्होंने इनकार कर दिया। उनके इनकार का परिणाम पीले कमरे की त्रासदी थी। दूसरी बार जब उसने मिलने के लिए पत्र लिखा, जो उनकी बीमार अवस्था में उनके कमरे में पहुंचा, तो उन्होंने अपने नौकरों के साथ सोकर उससे बचने की कोशिश की। उस पत्र में उस बदमाश ने उन्हें चेतावनी दी थी कि चूंकि वह इतनी बीमार हैं कि उनके पास नहीं आ सकतीं, इसलिए वह उनके पास आएगा और एक खास रात को एक खास समय पर उनके कमरे में होगा। यह जानते हुए कि उन्हें बॉलमेयर से डरने की पूरी वजह है, वह उस रात अपने कमरे से बाहर चली गईं। तभी "अस्पष्ट गैलरी" की घटना घटी।
तीसरी बार उसने मिलने का निश्चय कर लिया था। घटना वाली रात को, गैलरी में हुई घटना के बाद, उसने उसके कमरे में एक पत्र लिखा था, जो उसने उसकी मेज पर छोड़ दिया था। उस पत्र में उसने धमकी दी थी कि अगर वह उससे नहीं मिली तो वह उसके पिता के कागजात जला देगा। इन्हीं कागजातों को बचाने के लिए उसने उससे मिलने का फैसला किया था। उसे एक पल के लिए भी शक नहीं था कि अगर वह उससे मिलने से बचती रही तो वह दुष्ट अपनी धमकी को अंजाम देगा, और उस स्थिति में उसके पिता की जीवन भर की मेहनत हमेशा के लिए व्यर्थ हो जाएगी। चूंकि मुलाकात अपरिहार्य थी, इसलिए उसने अपने पति से मिलने और उसकी अच्छाई को स्वीकार करने का संकल्प लिया। इसी मुलाकात के लिए उसने उस रात तैयारी की थी जिस रात रखवाले की हत्या हुई थी। वे मिले, और उनके बीच क्या हुआ, इसकी

कल्पना की जा सकती है। उसने जोर देकर कहा कि वह डार्ज़ैक को त्याग दे। उसने बदले में उसके प्रति अपने प्रेम की पुष्टि की। उसने गुस्से में आकर उसे चाकू मार दिया, और डार्ज़ैक को अपराध का दोषी ठहराने का निश्चय कर लिया। लार्सन के रूप में वह यह कर सकता था, और उसने चीजों को इस तरह से संभाला था कि डार्ज़ैक कभी यह नहीं समझा सका कि उसने महल से अपनी अनुपस्थिति के समय का सदुपयोग कैसे किया। बॉलमेयर की सावधानियां बेहद चालाकी से बरती गई थीं।
लार्सन ने डार्ज़ैक को उसी तरह धमकाया था जैसे उसने मैथिल्डे को धमकाया था — एक ही हथियार और एक ही तरह की धमकियों से। उसने डार्ज़ैक को ज़रूरी पत्र लिखे, जिसमें उसने कहा कि अगर डार्ज़ैक उसे उसकी कीमत चुका दे तो वह उसके और उसकी पत्नी के बीच हुए पत्रों को सौंपने और उन्हें हमेशा के लिए भुला देने के लिए तैयार है। उसने डार्ज़ैक को मामले को सुलझाने के लिए मिलने को कहा और वह समय तय किया जब लार्सन मैडमोजेल स्टैंगर्सन के साथ होगा। जब डार्ज़ैक बॉलमेयर या लार्सन के मिलने की उम्मीद में एपिने गया, तो उसकी मुलाकात लार्सन के एक साथी से हुई और उसे तब तक इंतज़ार कराया गया जब तक कि "संयोग" साबित न हो जाए।
यह सब मैकियावेली जैसी धूर्तता से किया गया था; लेकिन बॉलमेयर ने जोसेफ रूलेटाबिल को नजरअंदाज कर दिया था।
अब जबकि पीले कमरे का रहस्य सुलझ चुका है, रूलेटाबिल के अमेरिका में हुए कारनामों के बारे में बताने का यह सही समय नहीं है। उस युवा पत्रकार को हम अच्छी तरह जानते हैं, इसलिए हम समझ सकते हैं कि उसने कितनी सूझबूझ से मैथिल्डे स्टैंगर्सन और जीन रूसल की कहानी को कदम-दर-कदम खोजा था। फिलाडेल्फिया पहुँचकर उसने आर्थर विलियम रैंस के बारे में तुरंत जानकारी जुटा ली थी। वहाँ उसे रैंस की प्रेम-प्रसंग और उसके बदले मिलने वाले इनाम के बारे में पता चला, जिसे वह अपना हक समझता था। मैडमोजेल स्टैंगर्सन से उसकी शादी की अफवाह एक बार फिलाडेल्फिया के ड्राइंग रूम तक पहुँच गई थी। उसे यह भी पता चला कि रैंस लगातार मैडमोजेल स्टैंगर्सन पर ध्यान दे रहा था और उससे शादी के लिए मिन्नतें कर रहा था। उसने कहा था कि उसने अपने एकतरफा प्यार के गम को भुलाने के लिए शराब का सहारा लिया था। अब यह समझा जा सकता है कि मुकदमे के दिन गवाहों के कमरे में जब रूलेटाबिल और रैंस की मुलाकात हुई, तो रूलेटाबिल ने रैंस के प्रति इतना ठंडा व्यवहार क्यों दिखाया था।

रौसेल-स्टैंगर्सन का रहस्यमय मामला अब खुल चुका था। आखिर जीन रौसेल कौन था? रौलेटाबिल ने उसका पीछा करते हुए उसे फिलाडेल्फिया से सिनसिनाटी तक पहुँचाया। सिनसिनाटी में उसकी मुलाकात बुज़ुर्ग चाची से हुई और उसने उनसे सच उगलवाने का रास्ता खोज लिया। बॉलमेयर की गिरफ्तारी की कहानी ने पूरे मामले पर सही रोशनी डाली। उसने "प्रेस्बिटरी" (एक छोटा और सुंदर पुराना औपनिवेशिक शैली का घर) का दौरा किया, जिसने सचमुच "अपना आकर्षण ज़रा भी नहीं खोया था"। फिर, मैडमोजेल स्टैंगर्सन के सुरागों की खोज छोड़कर, उसने बॉलमेयर की खोज शुरू की। उसने जेल-जेल, अपराध-अपराध तक उसका पीछा किया। आखिरकार, जब वह यूरोप जाने वाला था, तो उसे न्यूयॉर्क में पता चला कि बॉलमेयर ने पाँच साल पहले न्यू ऑरलियन्स के एक व्यापारी की हत्या कर दी थी और उसके कुछ कीमती कागजात लेकर फ्रांस के लिए रवाना हो गया था।
फिर भी इस रहस्य का पूरा खुलासा नहीं हुआ है। मैडमोजेल स्टैंगरसन ने अपने पति से एक बच्चे को जन्म दिया - एक बेटे को। शिशु का जन्म बूढ़ी चाची के घर में हुआ था। किसी को भी इस बात का पता नहीं चला, क्योंकि चाची ने इस घटना को इतनी कुशलता से छिपा रखा था।
उस बेटे का क्या हुआ?—यह एक अलग कहानी है जिसे अभी तक मुझे बताने की अनुमति नहीं है।
इन घटनाओं के लगभग दो महीने बाद, मैंने रूलेटाबिल को पैलेस डी जस्टिस में एक बेंच पर बैठे हुए देखा, वह बहुत उदास लग रही थी।
मैंने पूछा, "क्या बात है, बूढ़े आदमी?" "आप बहुत उदास लग रहे हैं। आपके दोस्त कैसे हैं?"
उन्होंने कहा, "तुम्हारे अलावा मेरा कोई दोस्त नहीं है।"
"मुझे उम्मीद है कि महाशय डार्ज़ैक—"
"इसमें कोई शक नहीं।"
"और मैडमोजेल स्टैंगरसन कैसी हैं?"
"बेहतर—काफी बेहतर।"
"तो फिर आपको दुखी नहीं होना चाहिए।"
उन्होंने कहा, "मैं दुखी हूँ, क्योंकि मैं उस काली पोशाक वाली महिला के इत्र के बारे में सोच रहा हूँ—"
"काली पोशाक वाली महिला की खुशबू!—मैंने आपको अक्सर इसका जिक्र करते सुना है। मुझे बताइए कि यह आपको क्यों परेशान करती है।"

"शायद—किसी दिन; किसी दिन," रूलेटाबिल ने कहा।

और उसने एक गहरी आह भरी।

Project Gutenberg की किताब, गैस्टन लेरू की 'The Mystery of the Yellow Room' का अंत

*** इस PROJECT GUTENBERG EBOOK का अंत: THE MYSTERY OF THE YELLOW ROOM ***

***** इस फ़ाइल का नाम 1685-h.htm या 1685-h.zip होना चाहिए *****
यह फ़ाइल और अलग-अलग फ़ॉर्मेट की इससे जुड़ी सभी फ़ाइलें यहाँ मिलेंगी: http://www.gutenberg.org/1/6/8/1685/

इसे Project Gutenberg के गुमनाम वॉलंटियर्स और David Widger ने तैयार किया है।

अपडेट किए गए एडिशन पिछले एडिशन की जगह ले लेंगे—पुराने एडिशन का नाम बदल दिया जाएगा।

पब्लिक डोमेन में मौजूद प्रिंट एडिशन से ये किताबें बनाने का मतलब है कि इन किताबों पर किसी का भी United States का कॉपीराइट नहीं है, इसलिए Foundation (और आप भी!) इन्हें United States में बिना किसी इजाज़त के और बिना कोई कॉपीराइट रॉयल्टी दिए कॉपी और डिस्ट्रिब्यूट कर सकते हैं। इस लाइसेंस के 'General Terms of Use' वाले हिस्से में दिए गए खास नियम, Project Gutenberg-tm की इलेक्ट्रॉनिक किताबों को कॉपी और डिस्ट्रिब्यूट करने पर लागू होते हैं, ताकि PROJECT GUTENBERG-tm के कॉन्सेप्ट और ट्रेडमार्क को सुरक्षित रखा जा सके। Project Gutenberg एक रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क है, और अगर आप इन eBooks के लिए पैसे लेते हैं, तो आप इसका इस्तेमाल नहीं कर सकते, जब तक कि आपको खास इजाज़त न मिली हो। अगर आप इस eBook की कॉपी के लिए कोई पैसे नहीं लेते हैं, तो नियमों का पालन करना बहुत आसान है। आप इस eBook का इस्तेमाल लगभग किसी भी मकसद के लिए कर सकते हैं, जैसे कि इससे मिलती-जुलती दूसरी किताबें बनाना, रिपोर्ट तैयार करना, परफ़ॉर्मेंस देना और रिसर्च करना। आप इनमें बदलाव कर सकते हैं, इन्हें प्रिंट कर सकते हैं और मुफ़्त में दे सकते हैं—आप पब्लिक डोमेन में मौजूद eBooks के साथ लगभग कुछ भी कर सकते हैं। इन्हें दोबारा डिस्ट्रिब्यूट करना

ट्रेडमार्क लाइसेंस के तहत आता है, खासकर अगर आप इन्हें कमर्शियल मकसद से दोबारा डिस्ट्रिब्यूट कर रहे हैं।

*** शुरू: पूरा लाइसेंस ***

पूरा PROJECT GUTENBERG लाइसेंस
इस किताब को डिस्ट्रिब्यूट या इस्तेमाल करने से पहले कृपया इसे पढ़ें

Project Gutenberg-tm के इस मिशन को सुरक्षित रखने के लिए कि इलेक्ट्रॉनिक किताबें मुफ़्त में डिस्ट्रिब्यूट की जाएं, इस किताब (या "Project Gutenberg" शब्द से किसी भी तरह से जुड़ी किसी भी दूसरी किताब) का इस्तेमाल या डिस्ट्रिब्यूशन करके, आप पूरे Project Gutenberg-tm लाइसेंस (जो इस फ़ाइल के साथ या ऑनलाइन http://gutenberg.org/license पर उपलब्ध है) के सभी नियमों का पालन करने के लिए सहमत होते हैं। धारा 1. उपयोग की सामान्य शर्तें और Project Gutenberg-tm
इलेक्ट्रॉनिक कार्यों का पुनर्वितरण

1.A. इस Project Gutenberg-tm इलेक्ट्रॉनिक कार्य के किसी भी हिस्से को पढ़कर या उसका उपयोग करके, आप यह दर्शाते हैं कि आपने इस लाइसेंस और बौद्धिक संपदा (ट्रेडमार्क/कॉपीराइट) समझौते की सभी शर्तों को पढ़ा है, समझा है, उनसे सहमत हैं और उन्हें स्वीकार करते हैं। यदि आप इस समझौते की सभी शर्तों का पालन करने के लिए सहमत नहीं हैं, तो आपको Project Gutenberg-tm इलेक्ट्रॉनिक कार्यों की अपनी कब्ज़े में मौजूद सभी प्रतियों का उपयोग बंद कर देना चाहिए और उन्हें वापस कर देना चाहिए या नष्ट कर देना चाहिए। यदि आपने किसी Project Gutenberg-tm इलेक्ट्रॉनिक कार्य की प्रति प्राप्त करने या उस तक पहुँचने के लिए कोई शुल्क दिया है और आप इस समझौते की शर्तों से बाध्य होने के लिए सहमत नहीं हैं, तो आप उस व्यक्ति या संस्था से धनवापसी (refund) प्राप्त कर सकते हैं जिसे आपने शुल्क का भुगतान किया था, जैसा कि अनुच्छेद 1.E.8 में बताया गया है।

1.B. "Project Gutenberg" एक पंजीकृत ट्रेडमार्क है। इसका उपयोग किसी इलेक्ट्रॉनिक कार्य पर या उसके साथ किसी भी तरह से केवल उन्हीं लोगों द्वारा किया जा सकता है जो इस समझौते की शर्तों से बाध्य होने के लिए सहमत हैं। कुछ ऐसी चीज़ें हैं जो आप अधिकांश Project Gutenberg-tm इलेक्ट्रॉनिक कार्यों के साथ कर सकते हैं, भले ही आप इस समझौते की पूरी शर्तों का पालन न करें। नीचे अनुच्छेद 1.C देखें। बहुत सी ऐसी चीज़ें हैं जो आप Project Gutenberg-tm इलेक्ट्रॉनिक कार्यों के साथ कर सकते हैं, यदि आप इस समझौते की शर्तों का पालन करते हैं और Project Gutenberg-tm इलेक्ट्रॉनिक कार्यों तक भविष्य में मुफ्त पहुँच को बनाए रखने में मदद करते हैं। नीचे अनुच्छेद 1.E देखें।

1.C. Project Gutenberg Literary Archive Foundation ("फाउंडेशन" या PGLAF), Project Gutenberg-tm इलेक्ट्रॉनिक कार्यों के संग्रह में एक संकलन कॉपीराइट का स्वामी है। इस संग्रह में लगभग सभी व्यक्तिगत कार्य संयुक्त राज्य अमेरिका में 'पब्लिक डोमेन'

(सार्वजनिक क्षेत्र) में हैं। यदि कोई व्यक्तिगत कार्य संयुक्त राज्य अमेरिका में पब्लिक डोमेन में है और आप संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित हैं, तो हम आपको उस कार्य की प्रतिलिपि बनाने, वितरित करने, प्रदर्शित करने, दिखाने या उस पर आधारित व्युत्पन्न कार्य (derivative works) बनाने से रोकने का कोई अधिकार नहीं जताते हैं, बशर्ते कि Project Gutenberg के सभी संदर्भ हटा दिए गए हों। बेशक, हमें उम्मीद है कि आप Project Gutenberg-tm के मिशन का समर्थन करेंगे। इस मिशन का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक कामों तक मुफ़्त पहुँच को बढ़ावा देना है। आप Project Gutenberg-tm के कामों को मुफ़्त में शेयर करके ऐसा कर सकते हैं, बशर्ते आप इस समझौते की शर्तों का पालन करें, ताकि Project Gutenberg-tm का नाम काम के साथ जुड़ा रहे। आप इस समझौते की शर्तों का आसानी से पालन कर सकते हैं। इसके लिए, जब आप इस काम को दूसरों के साथ बिना किसी शुल्क के शेयर करें, तो इसे उसी फ़ॉर्मेट में रखें और इसके साथ Project Gutenberg-tm का पूरा लाइसेंस भी लगा रहने दें।

1.D. आप इस काम के साथ क्या कर सकते हैं, यह उस जगह के कॉपीराइट कानूनों से भी तय होता है जहाँ आप मौजूद हैं। ज़्यादातर देशों में कॉपीराइट कानून लगातार बदलते रहते हैं। अगर आप संयुक्त राज्य अमेरिका से बाहर हैं, तो इस काम या Project Gutenberg-tm के किसी भी अन्य काम को डाउनलोड करने, कॉपी करने, दिखाने, पेश करने, बाँटने या उस पर आधारित कोई नया काम बनाने से पहले, इस समझौते की शर्तों के अलावा अपने देश के कानूनों की भी जाँच कर लें। फ़ाउंडेशन, संयुक्त राज्य अमेरिका के बाहर किसी भी देश में किसी भी काम की कॉपीराइट स्थिति के बारे में कोई दावा नहीं करता है।

1.E. जब तक कि आपने Project के सभी ज़िक्र हटा न दिए हों

ct Gutenberg:

1.E.1. नीचे दिया गया वाक्य, जिसमें Project Gutenberg-tm लाइसेंस के पूरे टेक्स्ट का एक्टिव लिंक या उसे तुरंत एक्सेस करने का कोई और तरीका शामिल हो, हर उस मौके पर साफ़-साफ़ दिखना चाहिए जब भी Project Gutenberg-tm के किसी काम (कोई भी ऐसा काम जिस पर "Project Gutenberg" शब्द लिखा हो, या जिससे "Project Gutenberg" शब्द जुड़ा हो) को एक्सेस किया जाए, दिखाया जाए, परफॉर्म किया जाए, देखा जाए, कॉपी किया जाए या बांटा जाए:

यह eBook किसी भी व्यक्ति के इस्तेमाल के लिए, कहीं भी, बिना किसी कीमत के और लगभग बिना किसी रोक-टोक के उपलब्ध है। आप इसे कॉपी कर सकते हैं, किसी को दे सकते हैं, या इस eBook के साथ दिए गए Project Gutenberg लाइसेंस की शर्तों के तहत या ऑनलाइन www.gutenberg.org पर जाकर इसे दोबारा इस्तेमाल कर सकते हैं।

1.E.2. अगर Project Gutenberg-tm का कोई इलेक्ट्रॉनिक काम पब्लिक डोमेन से लिया गया है (यानी उसमें ऐसा कोई नोटिस नहीं है जिससे पता चले कि उसे कॉपीराइट होल्डर की इजाज़त से

पोस्ट किया गया है), तो उस काम को यूनाइटेड स्टेट्स में किसी भी व्यक्ति को बिना कोई फीस या चार्ज दिए कॉपी और बांटा जा सकता है। अगर आप किसी ऐसे काम को दोबारा बांट रहे हैं या उसका एक्सेस दे रहे हैं जिससे "Project Gutenberg" शब्द जुड़ा है या उस पर लिखा है, तो आपको या तो पैराग्राफ 1.E.1 से 1.E.7 तक की शर्तों का पालन करना होगा, या फिर पैराग्राफ 1.E.8 या 1.E.9 में बताए गए तरीके से उस काम और Project Gutenberg-tm ट्रेडमार्क के इस्तेमाल की इजाज़त लेनी होगी।

1.E.3. अगर Project Gutenberg-tm का कोई इलेक्ट्रॉनिक काम कॉपीराइट होल्डर की इजाज़त से पोस्ट किया गया है, तो आपके इस्तेमाल और बांटने के तरीके को पैराग्राफ 1.E.1 से 1.E.7 तक की शर्तों और कॉपीराइट होल्डर द्वारा लगाई गई किसी भी अतिरिक्त शर्त, दोनों का पालन करना होगा। कॉपीराइट होल्डर की इजाज़त से पोस्ट किए गए सभी कामों के लिए अतिरिक्त शर्तें, इस काम की शुरुआत में दिए गए Project Gutenberg-tm लाइसेंस से जुड़ी होंगी।

1.E.4. इस काम से, या इस काम का कोई हिस्सा रखने वाली किसी भी फाइल से, या Project Gutenberg-tm से जुड़े किसी भी दूसरे काम से, Project Gutenberg-tm लाइसेंस की पूरी शर्तों को अलग, हटा या मिटा न दें।

1.E.5. इस इलेक्ट्रॉनिक काम, या इसके किसी भी हिस्से को, पैराग्राफ 1.E.1 में दिए गए वाक्य को सक्रिय लिंक या Project Gutenberg-tm लाइसेंस की पूरी शर्तों तक तुरंत पहुँच के साथ प्रमुखता से दिखाए बिना, कॉपी, प्रदर्शित, प्रस्तुत, वितरित या पुनर्वितरित न करें।

1.E.6. आप इस काम को किसी भी बाइनरी, कंप्रेस्ड, मार्क-अप, गैर-स्वामित्व वाली या स्वामित्व वाली फ़ॉर्म में बदल सकते हैं और वितरित कर सकते हैं, जिसमें कोई भी वर्ड प्रोसेसिंग या हाइपरटेक्स्ट फ़ॉर्म शामिल है। हालाँकि, यदि आप Project Gutenberg-tm काम की प्रतियों तक पहुँच प्रदान करते हैं या उन्हें "Plain Vanilla ASCII" या Project Gutenberg-tm की आधिकारिक वेबसाइट (www.gutenberg.org) पर पोस्ट किए गए आधिकारिक संस्करण में उपयोग किए गए किसी अन्य फ़ॉर्मेट के अलावा किसी अन्य फ़ॉर्मेट में वितरित करते हैं, तो आपको उपयोगकर्ता से बिना किसी अतिरिक्त लागत, शुल्क या खर्च के, उस काम की एक प्रति, प्रति निर्यात करने का एक साधन, या अनुरोध पर प्रति प्राप्त करने का एक साधन, उसके मूल "Plain Vanilla ASCII" या अन्य फ़ॉर्म में प्रदान करना होगा। किसी भी वैकल्पिक फ़ॉर्मेट में पैराग्राफ 1.E.1 में निर्दिष्ट Project Gutenberg-tm लाइसेंस पूरी तरह से शामिल होना चाहिए।

1.E.7. Project Gutenberg-tm के किसी भी काम तक पहुँचने, देखने, प्रदर्शित करने, प्रस्तुत करने, कॉपी करने या वितरित करने के लिए कोई शुल्क न लें, जब तक कि आप पैराग्राफ 1.E.8 या 1.E.9 का पालन न करें।

1.E.8. आप Project Gutenberg-tm के इलेक्ट्रॉनिक कामों की प्रतियों के लिए, या उन तक पहुँच प्रदान करने या उन्हें वितरित करने के लिए उचित शुल्क ले सकते हैं, बशर्ते कि:

- आप Project Gutenberg-tm के कामों के उपयोग से होने वाले अपने सकल लाभ का 20% रॉयल्टी शुल्क के रूप में भुगतान करें; इस लाभ की गणना उस विधि का उपयोग करके की जाएगी जिसका उपयोग आप पहले से ही अपने लागू करों की गणना के लिए करते हैं। यह शुल्क Project Gutenberg-tm ट्रेडमार्क के मालिक को देय है, लेकिन उन्होंने इस पैराग्राफ के तहत प्राप्त रॉयल्टी को Project Gutenberg Literary Archive Foundation को दान करने पर सहमति व्यक्त की है। रॉयल्टी का भुगतान उस प्रत्येक तारीख के 60 दिनों के भीतर किया जाना चाहिए जिस तारीख को आप अपनी आवधिक कर विवरणी (periodic tax returns) तैयार करते हैं (या कानूनी रूप से तैयार करने के लिए बाध्य हैं)। रॉयल्टी भुगतानों को स्पष्ट रूप से इसी रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और
प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग लिटरेरी आर्काइव फाउंडेशन को उस
पते पर भेजा जाना चाहिए जो अनुभाग 4, "प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग लिटरेरी आर्काइव फाउंडेशन को दिए जाने वाले दान के बारे में
जानकारी" में निर्दिष्ट है।

- आप किसी भी ऐसे उपयोगकर्ता द्वारा भुगतान की गई राशि का पूरा रिफंड देंगे, जो आपको प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर लिखित रूप में (या ई-मेल द्वारा) सूचित करता है कि वह पूर्ण प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग-tm
लाइसेंस की शर्तों से सहमत नहीं है। आपको ऐसे उपयोगकर्ता से यह अपेक्षा करनी होगी कि वह भौतिक माध्यम में रखी गई
कृतियों की सभी प्रतियां लौटा दे या नष्ट कर दे
और प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग-tm
कृतियों की अन्य प्रतियों का उपयोग करना और उन तक पहुंच बनाना पूरी तरह से बंद कर दे।

- आप, अनुच्छेद 1.F.3 के अनुसार, किसी कृति या प्रतिस्थापन प्रति के लिए भुगतान की गई राशि का पूरा रिफंड देंगे, यदि इलेक्ट्रॉनिक कृति में कोई दोष पाया जाता है और कृति प्राप्त होने के 90 दिनों के भीतर
आपको उसकी सूचना दी जाती है।

- आप प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग-tm
कृतियों के मुफ्त वितरण के लिए इस समझौते की अन्य सभी शर्तों का पालन करेंगे।

1.E.9. यदि आप कोई शुल्क लेना चाहते हैं या किसी प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग-tm
इलेक्ट्रॉनिक कृति या कृतियों के समूह को इस समझौते में निर्धारित शर्तों से अलग शर्तों पर
वितरित करना चाहते हैं, तो आपको दोनों, प्रोजेक्ट
से लिखित अनुमति प्राप्त करनी होगी।

गुटेनबर्ग लिटरेरी आर्काइव फाउंडेशन और माइकल
हार्ट, जो Project Gutenberg-tm ट्रेडमार्क के मालिक हैं। नीचे Section 3 में बताए अनुसार Foundation से संपर्क करें।

1.F.

1.F.1. Project Gutenberg के वॉलंटियर और कर्मचारी, Project Gutenberg-tm
कलेक्शन बनाते समय, पब्लिक डोमेन के कामों को पहचानने, उन पर कॉपीराइट रिसर्च करने, उन्हें ट्रांसक्राइब करने और उनकी प्रूफरीडिंग करने में काफी
मेहनत करते हैं। इन कोशिशों के बावजूद, Project Gutenberg-tm के इलेक्ट्रॉनिक
काम, और जिस मीडियम पर उन्हें स्टोर किया जा सकता है, उनमें "Defects" (खामियां) हो सकती हैं; जैसे - लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं - अधूरा, गलत या
खराब डेटा, ट्रांसक्रिप्शन की गलतियां, कॉपीराइट या किसी अन्य बौद्धिक
संपत्ति का उल्लंघन, खराब या टूटा हुआ डिस्क या कोई अन्य मीडियम, कंप्यूटर
वायरस, या ऐसे कंप्यूटर कोड जो आपके इक्विपमेंट को नुकसान पहुंचाते हैं या जिन्हें आपका इक्विपमेंट पढ़ नहीं पाता।

1.F.2. सीमित वारंटी, नुकसान की जिम्मेदारी से छूट - Paragraph 1.F.3 में बताए गए "बदलने या पैसे वापस पाने के अधिकार" (Right
of Replacement or Refund) को छोड़कर, Project
Gutenberg Literary Archive Foundation (जो Project
Gutenberg-tm ट्रेडमार्क का मालिक है), और इस एग्रीमेंट के तहत Project
Gutenberg-tm का कोई भी इलेक्ट्रॉनिक काम बांटने वाली कोई भी अन्य पार्टी,
नुकसान, लागत और खर्चों (कानूनी
फीस सहित) के लिए आपकी तरफ से किसी भी जिम्मेदारी से इनकार करती है। आप इस बात से सहमत हैं कि लापरवाही, सख्त
जिम्मेदारी, वारंटी का उल्लंघन या कॉन्ट्रैक्ट तोड़ने के लिए आपके पास Paragraph F3 में दिए गए उपायों के अलावा
कोई अन्य उपाय नहीं है। आप इस बात से सहमत हैं कि Foundation,
ट्रेडमार्क का मालिक, और इस एग्रीमेंट के तहत कोई भी डिस्ट्रीब्यूटर,
वास्तविक, प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, परिणामी, दंडात्मक या
आकस्मिक नुकसान के लिए आपकी तरफ से जिम्मेदार नहीं होंगे, भले ही आपने ऐसे
नुकसान की संभावना के बारे में पहले से सूचना दी हो।

1.F.3. बदलने या पैसे वापस पाने का सीमित अधिकार - अगर आपको यह इलेक्ट्रॉनिक
काम मिलने के 90 दिनों के अंदर इसमें कोई कमी (defect) मिलती है, तो आप उस व्यक्ति को लिखित स्पष्टीकरण भेजकर, उस काम के लिए चुकाए गए पैसे (अगर कोई हो) वापस पा सकते हैं, जिससे आपको वह काम मिला था। अगर आपको वह काम किसी फिजिकल मीडियम (जैसे डिस्क) पर मिला था, तो आपको अपने
लिखित स्पष्टीकरण के साथ वह मीडियम भी वापस करना होगा। जिस व्यक्ति या संस्था ने आपको

यह खराब काम (defective work) दिया है, वह रिफंड के बजाय एक बदली हुई कॉपी देने का विकल्प चुन सकता है। यदि आपने यह काम इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त किया है, तो इसे देने वाला व्यक्ति या संस्था आपको रिफंड के बजाय, इलेक्ट्रॉनिक रूप से इस काम को दोबारा प्राप्त करने का दूसरा मौका देने का विकल्प चुन सकता है। यदि दूसरी कॉपी भी खराब निकलती है, तो आप समस्या को ठीक करने के लिए और अधिक मौकों की प्रतीक्षा किए बिना, लिखित रूप में रिफंड की मांग कर सकते हैं।

1.F.4. पैराग्राफ 1.F.3 में बताए गए बदलने या रिफंड के सीमित अधिकार को छोड़कर, यह काम आपको 'जैसा है, वैसा ही' (AS-IS) आधार पर दिया जाता है, जिसके साथ किसी भी प्रकार की कोई अन्य वारंटी नहीं है—चाहे वह स्पष्ट हो या निहित—जिसमें व्यापार-योग्यता (merchantability) या किसी विशेष उद्देश्य के लिए उपयुक्तता की वारंटी शामिल है, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है।

1.F.5. कुछ राज्य कुछ निहित वारंटियों के अस्वीकरण (disclaimers) की अनुमति नहीं देते हैं, या कुछ प्रकार के नुकसानों को बाहर रखने या सीमित करने की अनुमति नहीं देते हैं। यदि इस समझौते में दिया गया कोई भी अस्वीकरण या सीमा, इस समझौते पर लागू होने वाले राज्य के कानून का उल्लंघन करती है, तो इस समझौते की व्याख्या इस प्रकार की जाएगी कि यह लागू राज्य कानून द्वारा अनुमत अधिकतम अस्वीकरण या सीमा को बनाए रखे। इस समझौते के किसी भी प्रावधान का अमान्य या अप्रवर्तनीय होना, शेष प्रावधानों को अमान्य नहीं करेगा।

1.F.6. क्षतिपूर्ति (INDEMNITY) - आप फाउंडेशन, ट्रेडमार्क के मालिक, फाउंडेशन के किसी भी एजेंट या कर्मचारी, इस समझौते के अनुसार Project Gutenberg-tm के इलेक्ट्रॉनिक कार्यों की प्रतियां प्रदान करने वाले किसी भी व्यक्ति, और Project Gutenberg-tm के इलेक्ट्रॉनिक कार्यों के निर्माण, प्रचार और वितरण से जुड़े किसी भी स्वयंसेवक को सभी प्रकार की देनदारियों, लागतों और खर्चों—जिसमें कानूनी शुल्क भी शामिल हैं—से सुरक्षित रखने और क्षतिपूर्ति देने के लिए सहमत हैं। ये सभी देनदारियां, लागतें और खर्च प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपके द्वारा किए गए या आपके कारण घटित होने वाले निम्नलिखित कार्यों में से किसी से भी उत्पन्न हो सकते हैं: (a) इस या किसी भी Project Gutenberg-tm कार्य का वितरण, (b) किसी भी Project Gutenberg-tm कार्य में फेरबदल, संशोधन, या जोड़-घटाव, और (c) आपके द्वारा उत्पन्न किया गया कोई भी दोष (Defect)।

अनुभाग 2. Project Gutenberg-tm के मिशन के बारे में जानकारी

Project Gutenberg-tm, इलेक्ट्रॉनिक कार्यों के मुफ्त वितरण का पर्याय है। ये कार्य ऐसे प्रारूपों में उपलब्ध कराए जाते हैं जिन्हें विभिन्न प्रकार के कंप्यूटर पढ़ सकते हैं— जिनमें बहुत पुराने (obsolete), पुराने, मध्यम-आयु वर्ग के और नए कंप्यूटर सभी शामिल हैं। यह सैकड़ों स्वयंसेवकों के प्रयासों और
जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों से मिले दान के कारण अस्तित्व में है।

स्वयंसेवकों को उनकी ज़रूरत की सहायता प्रदान करने के लिए स्वयंसेवक और वित्तीय सहायता, Project Gutenberg-tm के लक्ष्यों तक पहुँचने और यह सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है कि Project Gutenberg-tm का संग्रह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी मुफ्त में उपलब्ध रहे। 2001 में, Project Gutenberg Literary Archive Foundation की स्थापना Project Gutenberg-tm और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्थायी भविष्य प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। Project Gutenberg Literary Archive Foundation के बारे में और अधिक जानने के लिए, तथा यह समझने के लिए कि आपके प्रयास और दान किस प्रकार सहायक हो सकते हैं, कृपया अनुभाग 3 और 4 देखें, और Foundation के वेबपेज http://www.pglaf.org पर जाएँ।

अनुभाग 3. Project Gutenberg Literary Archive Foundation के बारे में जानकारी

Project Gutenberg Literary Archive Foundation एक गैर-लाभकारी
501(c)(3) शैक्षिक निगम है, अथवा

मिसिसिपी राज्य के कानूनों के तहत गठित और इंटरनल रेवेन्यू सर्विस (IRS) द्वारा कर-मुक्त दर्जा प्राप्त। फाउंडेशन का EIN या संघीय कर पहचान संख्या 64-6221541 है। इसका 501(c)(3) पत्र http://pglaf.org/fundraising पर पोस्ट किया गया है। प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग लिटरेरी आर्काइव फाउंडेशन को दिए गए योगदान, U.S. संघीय कानूनों और आपके राज्य के कानूनों द्वारा अनुमत पूरी सीमा तक कर-कटौती योग्य हैं।

फाउंडेशन का मुख्य कार्यालय 4557 Melan Dr. S. Fairbanks, AK, 99712 पर स्थित है, लेकिन इसके स्वयंसेवक और कर्मचारी कई अलग-अलग स्थानों पर फैले हुए हैं। इसका व्यावसायिक कार्यालय 809 North 1500 West, Salt Lake City, UT 84116 पर स्थित है, (801) 596-1887, ईमेल business@pglaf.org। ईमेल संपर्क लिंक और अद्यतन संपर्क जानकारी फाउंडेशन की वेबसाइट और आधिकारिक पृष्ठ http://pglaf.org पर मिल सकती है।

अतिरिक्त संपर्क जानकारी के लिए:
डॉ. ग्रेगरी बी. न्यूबी
मुख्य कार्यकारी और निदेशक
gbnewby@pglaf.org

अनुभाग 4. प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग लिटरेरी आर्काइव फाउंडेशन को दिए गए दान के बारे में जानकारी

प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग™ व्यापक जन समर्थन और दान पर निर्भर करता है, और इनके बिना यह जीवित नहीं रह सकता। इसका मिशन सार्वजनिक डोमेन और लाइसेंस प्राप्त कार्यों की संख्या बढ़ाना है, जिन्हें मशीन-पठनीय रूप में स्वतंत्र रूप से वितरित किया जा सके—और जो पुराने उपकरणों सहित उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला द्वारा सुलभ हों। कई छोटे दान ($1 से $5,000 तक) IRS के साथ कर-मुक्त दर्जा बनाए रखने के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

फाउंडेशन संयुक्त राज्य अमेरिका के सभी 50 राज्यों में चैरिटी और धर्मार्थ दान को विनियमित करने वाले कानूनों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। अनुपालन की आवश्यकताएं एक समान नहीं हैं, और इन आवश्यकताओं को पूरा करने तथा बनाए रखने के लिए काफी प्रयास, बहुत सारे कागजी काम और कई शुल्कों की आवश्यकता होती है। हम उन स्थानों पर दान का अनुरोध नहीं करते हैं जहां हमें अनुपालन की लिखित पुष्टि प्राप्त नहीं हुई है। दान भेजने के लिए या किसी
विशेष राज्य के लिए नियमों के पालन की स्थिति जानने के लिए http://pglaf.org पर जाएँ।

हालांकि हम उन राज्यों से दान की अपील नहीं कर सकते और न ही करते हैं, जहाँ हमने दान मांगने की शर्तों को पूरा नहीं किया है, फिर भी हमें ऐसे राज्यों के दानदाताओं से, जो खुद हमसे संपर्क करके दान देने की पेशकश करते हैं, बिना मांगी गई दान राशि स्वीकार करने पर कोई रोक नहीं पता है।

अंतर्राष्ट्रीय दान सहर्ष स्वीकार किए जाते हैं, लेकिन हम संयुक्त राज्य अमेरिका के बाहर से प्राप्त दान के कर संबंधी मामलों (tax treatment) के बारे में कोई बयान नहीं दे सकते। अकेले अमेरिकी कानून ही हमारे छोटे से स्टाफ के लिए बहुत ज़्यादा काम हो जाते हैं।

दान देने के मौजूदा तरीकों और पतों के लिए कृपया Project Gutenberg के वेब पेज देखें। दान कई अन्य तरीकों से भी स्वीकार किए जाते हैं, जिनमें चेक, ऑनलाइन भुगतान और क्रेडिट कार्ड से दान शामिल हैं।
दान देने के लिए, कृपया यहाँ जाएँ: http://pglaf.org/donate

अनुभाग 5. Project Gutenberg-tm इलेक्ट्रॉनिक कार्यों के बारे में सामान्य जानकारी।

प्रोफेसर माइकल एस. हार्ट Project Gutenberg-tm की उस अवधारणा के जनक हैं, जिसके तहत इलेक्ट्रॉनिक कार्यों की एक ऐसी लाइब्रेरी बनाई गई है जिसे किसी के भी साथ स्वतंत्र रूप से साझा किया जा सकता है। तीस वर्षों तक, उन्होंने केवल स्वयंसेवकों के एक ढीले-ढाले नेटवर्क के सहयोग से Project Gutenberg-tm eBooks का निर्माण और वितरण किया।

Project Gutenberg-tm eBooks अक्सर कई मुद्रित संस्करणों से बनाई जाती हैं; इन सभी संस्करणों को अमेरिका में 'पब्लिक डोमेन' (सार्वजनिक संपत्ति) के रूप में पुष्ट किया गया है, बशर्ते उनमें कोई कॉपीराइट सूचना शामिल न हो। इसलिए, हम eBooks को किसी विशेष कागज़ी संस्करण के बिल्कुल अनुरूप रखने के लिए बाध्य नहीं हैं।

ज़्यादातर लोग हमारी वेबसाइट से शुरुआत करते हैं, जहाँ PG की मुख्य खोज सुविधा (search facility) उपलब्ध है:

http://www.gutenberg.org

इस वेबसाइट में Project Gutenberg-tm के बारे में जानकारी शामिल है, जिसमें Project Gutenberg Literary Archive Foundation को दान कैसे दें, हमारी नई eBooks तैयार करने में मदद कैसे करें, और नई eBooks के बारे में जानकारी पाने के लिए हमारे ईमेल न्यूज़लेटर की सदस्यता कैसे लें, जैसी बातें शामिल हैं।